द मिस्टिरियस अफ़ेयर एट स्टाइल्स

पॉयरो का पहला मुकदमा

द मिस्टिरियस अफ़ेयर ऐट स्टाईल्स

पॉयरो का पहला मुकदमा

अगाथा क्रिस्टी

अनुवाद
उमा पाठक

हार्परकॉलिंस पब्लिशर्स इंडिया

मेरी माँ को

अनुवादक की कलम से

अगाथा क्रिस्टी का नाम काफ़ी सुना था, लेकिन पढ़ने की कोशिश कभी नहीं की थी। हमारे समय की परंपरा के मुताबिक़ मैंने भी क्लासिक उपन्यासों से पढ़ने की शुरुआत की। ज्यों-ज्यों बड़ी हुई, हिंदी के अलावा बांग्ला और अंग्रेज़ी के उपन्यास पढ़े। हत्या आदि से जुड़े जासूसी उपन्यासों में कभी रुचि नहीं रही थी। जब मीनाक्षी ठाकुर ने इस उपन्यास के अनुवाद का सुझाव दिया तो मैं पहले तो हिचकिचाई, लेकिन अब मैं उनकी बहुत शुक्रगुज़ार हूं। उम्र के इस पड़ाव पर आकर मन का भ्रम टूटा कि जासूसी उपन्यास रोचक नहीं होते।

अनुवाद करते समय इसके विषय में जिज्ञासा जागी और जो जानकारी मिली, वो मैं पाठकों के साथ बाँटने का लोभ रोक नहीं पाई। अगाथा क्रिस्टी ने इससे पहले कोई किताब नहीं लिखी थी। ये उपन्यास उस शर्त का परिणाम है जो एक जासूसी उपन्यास को लिखने की थी, जिसमें एक हत्या से जुड़े सारे सुरागों के होते हुए भी पाठक हत्यारे के बारे में नहीं जान पाता। उपन्यास के अंत में जासूस ही उस गुत्थी को सुलझाता है। अगाथा ने पॉयरो नाम के एक बेल्जियन जासूस की सृष्टि की। वह शरलॉक होम्स के बाद सबसे ज़्यादा लोकप्रिय जासूस साबित हुआ। लेखिका ने न सिर्फ़ शर्त जीती बल्कि सबसे ज़्यादा बिकने वाली किताबों की लेखिका होने का ख़िताब भी जीता।

'द मिस्टिरियस अफ़ेयर ऑफ़ स्टाईल्स' उपन्यास प्रथम विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि में लिखा गया। हेस्टिंग्स की ज़ुबानी ये कहानी सुनाई गई है। लेखिका की वर्णन क्षमता अद्भुत है। व्यक्ति का रुपाकार ही नहीं, हावभाव भी इस सूक्ष्मता से उकेरे गए हैं कि सब कुछ आँखों के सामने साकार हो जाता है। कहानी सरल और प्रवाहपूर्ण भाषा में है, मन कभी भी ऊबता नहीं है। लेखिका पाठकों की ख़ातिर हत्यारे की खोज में नए-नए संदेहों का जाल बुनती रहती है।

इस उपन्यास को अनेक माध्यमों में प्रस्तुत किया गया है। यूके के एक टीवी चैनल ने 16 सितंबर 1990 में लेखिका के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में अगाथा क्रिस्टी का पॉयरो नाम से 103 मिनट के नाटक के रूप में श्रृंखलाबद्ध कर दिखाया गया था। इसमें उपन्यास के साथ पूरा न्याय किया गया है। लेकिन कुछ गौण पात्रों, जैसे डॉ बॉयरस्टीन, को छोड़ दिया गया है।

2005 में बीबीसी रेडियो पर इस उपन्यास को पाँच भागों में धारावाहिक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पाँचों भाग 5 सितंबर से 3 अक्टूबर तक हर सोमवार को प्रसारित हुए।

13 फरवरी 2012 में ग्रेट लेक्स थिएटर ने अपने शिक्षा प्रोग्राम के अंतर्गत 65 मिनट का मंच रुपांतरण किया। उसमें तीन पुरुषों और दो औरतों ने एक से ज़्यादा भूमिकाएं अदा कीं। पेंग्विन बुक्स ने 30 जुलाई 1935 को पहली दस पुस्तकों में इसे छापकर प्रकाशन का इतिहास बनाया। इस उपन्यास की बेजोड़ विशिष्टता ये है कि द टाइम्स ने साप्ताहिक संस्करण में धारावाहिक के रूप में इसे छापा।

ऐसी रचना के साथ जुड़ना मैं अपना सौभाग्य समझती हूँ। उम्मीद है कि पाठकों को भी पढ़ने में उतना ही आनन्द आये जितना मुझे आया था। इसके लिए मैं एक बार फिर मीनाक्षी की आभारी हूँ।

उमा पाठक

पहला अध्याय
मैं स्टाईल्स पहुँचा

उन दिनों 'स्टाईल्स केस' से आम लोगों में जगी तीव्र दिलचस्पी अब कुछ दब गयी थी। फिर भी, दुनिया भर में हुई बदनामी को मद्देनज़र रखते हुए मेरे मित्र पॉयरो और ख़ुद उस परिवार ने मुझसे पूरी कहानी का ब्यौरेवार वर्णन लिखने को कहा। हमें विश्वास है कि अब तक फैली सनसनीखेज़ अफ़वाहें इससे प्रभावपूर्ण रूप में दब जायेंगी।

इसलिए मैं संक्षेप में इस मामले से जोड़ने वाले हालातों के कारण बताऊँगा।

रोग के कारण मुझे मोर्चे से लौटा दिया गया था; कुछ महीने स्वास्थ्य लाभ-केन्द्र के उदास वातावरण में बिताने के बाद मुझे एक महीने की छुट्टी मिल गयी। अपना कोई निकट-सम्बन्धी या मित्र न होने के कारण मैं यह सोच रहा था कि क्या करूँ, तभी मेरी मुलाकात जॉन कैवेन्डिश से हो गयी। कुछ सालों से मेरी उससे बहुत कम भेंट हुई थी। वैसे भी, मेरी उससे कभी ख़ास पहचान नहीं थी। वैसे तो वह मुझसे पन्द्रह साल बड़ा था, हालाँकि पैंतालीस का लगता नहीं था; फिर भी बचपन में मैं ऐसेक्स स्थित उसकी माँ के घर स्टाईल्स में बहुत बार रहने जाता था।

हम पुराने दिनों की कहानियों के बारे में बातें करते रहे, आख़िर में उसने मुझे 'स्टाईल्स' में छुट्टी बिताने का आमन्त्रण दिया।

उसने यह भी जोड़ा कि 'माँ इतने साल बाद तुम्हें देखकर ख़ुश होंगी।'

मैंने पूछा, 'तुम्हारी माँ ठीक हैं?'

'ओह, हाँ! मेरे ख़्याल से तुम जानते होगे कि उन्होंने फ़िर से शादी कर ली है?'

मैंने अपना ताज्जुब साफ़ तौर पर ज़ाहिर कर दिया। मिसेज़ कैवेन्डिश ने दूसरी शादी जॉन के दो बेटों वाले विधुर पिता से की थी। जहाँ तक मुझे याद है, वे अपनी अधेड़ अवस्था में भी अच्छी दिखती थीं। अब वे निश्चित रूप से सत्तर से एक दिन भी कम नहीं होंगी। मुझे वे एक कर्मठ, स्वेच्छाचारी व्यक्तित्व की, थोड़ी परोपकारी और सामाजिक प्रसिद्धि के प्रति झुकाव वाली महिला के रूप में याद थीं। उन्हें बाजारों के उद् घाटन और उदार महिला की भूमिका निभाने का शौक़ था। वे बहुत दानशील थीं और उनके पास अपनी अच्छी ख़ासी दौलत थी।

शादी के बाद के शुरुआती दिनों में मिस्टर कैवेन्डिश ने 'स्टाईल्स कोर्ट' नाम का एक देशी घर खरीदा था। वे पूरी तरह अपनी पत्नी के प्रभुत्व के नीचे थे, यहाँ तक कि अपने मरने के बाद पत्नी के लिए घर और आय का बड़ा हिस्सा सौंप गये थे। ज़ाहिर है, यह व्यवस्था दोनों बेटों के प्रति अन्यायपूर्ण थी। पर उनकी सौतेली माँ उनके प्रति बहुत उदार थीं; वैसे भी पिता की दूसरी शादी के वक़्त वे इतने छोटे थे कि हमेशा उन्हें ही अपनी माँ समझते रहे थे।

छोटा बेटा लॉरेंस बचपन से ही नाज़ुक था। उसने डॉक्टरी पढ़ी ज़रूर थी, पर उस पेशे को जल्दी ही छोड़ दिया था। वह घर पर रहकर अपनी साहित्यिक महत्वाकांक्षा पूरी करना चाहता था; हालाँकि उसकी कविताओं को भी अच्छी सफलता नहीं मिली।

जॉन ने कुछ समय बैरिस्टरी की, पर अन्त में देहाती ज़मींदार की आरामदेह ज़िन्दगी अपना ली। दो साल पहले शादी की और अपनी पत्नी को लेकर 'स्टाईल्स' में रहने लगा। पर मेरे मन में यह तीव्र सन्देह था कि अगर उसकी माँ उसका भत्ता बढ़ा देतीं तो वह अपना अलग घर लेना चाहता। जो भी हो, मिसेज़ कैवेन्डिश एक ऐसी महिला थीं, जो अपनी योजनाएँ ख़ुद बनाना पसन्द करती थीं, और उम्मीद करती थीं कि दूसरे उन्हें मानकर चलें। इस मामले में निश्चित रूप से उनके हाथ में चाबुक थी, जिसका नाम था : बटुए की डोरी।

जॉन ने अपनी माँ की दूसरी शादी की ख़बर पर मेरा ताज्जुब देखा, तो कुछ उदासी से मुस्करा दिया।

वह नाराज़ होकर बोला, 'वह सड़ा हुआ, उछलने वाला आदमी है। हेस्टिंग्स, इस सबसे हमारी ज़िन्दगी बहुत मुश्किल हो गयी है। जहाँ तक ऐवी का सवाल है—तुम्हें ऐवी याद है?'

'नहीं।'

'ओह, मेरे ख़्याल से वह तुम्हारे बाद आयी थी। वह माँ का सब काम करने वाली, उनकी साथिन थी, हरफ़नमौला। ऐवी बड़ी मनोरंजक है। बेशक़ कम उम्र की और सुन्दर नहीं है, पर जैसे उत्साही लोग होते हैं, वैसी है।'

'तुम कहने वाले थे—'

'ओह! यह आदमी, वह न जाने कहाँ से ऐवी का दूर का रिश्ते का भाई या कोई बनकर यहाँ आ गया, हालाँकि वह इस रिश्ते को मानने के लिए ख़ास उत्सुक नहीं लग रही थी। वह पूरी तरह से बाहर का व्यक्ति है, कोई भी यह देख सकता है। उसकी बड़ी-सी काली दाढ़ी है, वह हर मौसम में चमड़े के जूते पहने रहता है। पर माँ फ़ौरन उसकी तरफ़ आकर्षित हो गयी, उसे सेक्रेटरी बना लिया—तुम जानते ही हो कि वे कैसे सैकड़ों संस्थाएँ चलाती रही हैं?'

मैंने सिर हिलाया।

'बल्कि युद्ध काल ने उन सैकड़ों को हज़ारों में बदल दिया है। बेशक़ वह आदमी उनके काम आ रहा था; पर जब तीन महीने पहले उन्होंने अचानक यह घोषणा की कि उन्होंने एल्फ्रेड से सगाई कर ली है, तो तुम हम सबको तिनके से गिरा सकते थे। वह आदमी उनसे कम से कम बीस साल छोटा था। यह सिर्फ़ खुले तौर पर दौलत के लिए था; पर तुम तो जानते ही हो—वह अपनी मालकिन ख़ुद हैं, उन्होंने उससे शादी कर ली।'

'तुम सबके लिए वह बड़ी मुश्किल घड़ी रही होगी।'

'मुश्किल! निन्दनीय स्थिति थी।'

इस तरह हुआ ये कि तीन दिन बाद मैं ट्रेन से स्टाईल्स सेंट मेरी स्टेशन पर उतरा, एक बेतुका छोटा-सा स्टेशन, जिसके होने की कोई ख़ास वजह नहीं थी, जो हरे खेतों और कस्बे की गलियों के बीच बना था। जॉन कैवेन्डिश स्टेशन पर मौजूद था, मुझे कार तक ले गया।

वह बोला, 'इसमें अब पेट्रोल की एक-दो बूँदें बची होंगी, इसकी वजह माँ की गतिविधियाँ हैं।

स्टाईल्स सेंट मेरी का गाँव उस छोटे-से स्टेशन से लगभग दो मील दूर है और स्टाईल्स कोर्ट उससे दूसरी तरफ़ एक मील की दूरी पर है। वह जुलाई की शुरुआत का एक ख़ामोश गरम दिन था। ऐसेक्स के देशी सपाट इलाके को दोपहर की धूप में इतना हरा-भरा और शान्त पड़ा देखकर किसी के लिए भी यह सोचना करीब-करीब नामुमकिन था कि पास ही एक बड़ा युद्ध अपने निश्चित रास्ते पर चल रहा था। मुझे लगा जैसे मैं अचानक दूसरी दुनिया में भटक गया हूँ। लॉज के फाटक में घुसते वक़्त जॉन बोला : 'हेस्टिंग्स, मुझे डर है कि तुम्हें यहाँ बेहद सन्नाटा लगेगा।'

'मेरे प्रिय दोस्त, मुझे सिर्फ़ यही तो चाहिए।'

'ओह, अगर तुम खाली जीवन बिताना चाहो तो यहाँ काफ़ी अच्छा लगेगा। मैं हफ़्ते में दो बार स्वयंसेवकों के साथ कसरत करता हूँ और खेतों पर मदद करता हूँ। मेरी पत्नी नियमित रूप से घर के काम करती है। वह हर सुबह पाँच बजे उठकर दूध दुहती है और दोपहर के भोजन तक लगातार लगी रहती है। हर तरह से देखो तो जीवन काफ़ी अच्छा है—सिवाय उस आदमी एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के!' अचानक उसने कार को, फिर घड़ी को देखा और बोला, 'मैं सोच रहा था कि हमारे पास सिंथिया को लाने का वक़्त होगा या नहीं। नहीं, अब तक तो वह अस्पताल से चल चुकी होगी।'

'सिंथिया! वह तुम्हारी पत्नी तो नहीं है?'

'नहीं, वह मेरी माँ की आश्रिता है। वह उनकी स्कूल की सहेली की बेटी है, जिसने एक बदमाश सॉलिसिटर से शादी कर ली थी। वह हिस्सेदार श्रमिक रह गया था, नतीजा यह हुआ कि लड़की गरीब और अनाथ रह गयी। मेरी माँ उसकी मदद के लिए बढ़ीं, अब लगभग दो साल से वह हमारे साथ रह रही है। वह टैडमिन्स्टर के रेडक्रास अस्पताल में काम करती है।'

आख़िरी शब्दों को कहने के साथ उसने उस सुन्दर, पुराने घर के सामने कार रोक दी। हमारे पहुँचने पर ट्वीड की स्कर्ट में एक महिला जो फूलों की क्यारी पर झुकी हुई थी, सीधी हुई।

'हलो ऐवी! ये रहा हमारा घायल हीरो! मि. हेस्टिंग्स, मिस हॉवर्ड।'

मिस हॉवर्ड ने बड़े जोश से तकरीबन दर्दनाक पकड़ के साथ हाथ मिलाया। मुझे धूप से तांबई चेहरे पर गहरी नीली आँखें दिखीं। वह चालीस के करीब उम्र की हँसमुख महिला थी, उसकी आवाज़ गहरी, लगभग आदमियों जैसी बुलन्द थी। शरीर बड़ा, चौकोर पर संवेदनशील दिखता था, शरीर से मेल खाते पैर थे जो अच्छे मोटे जूतों में थे। मैंने जल्दी ही जान लिया कि उसकी बातचीत टेलीग्राम की-सी शैली में थी।

'खर-पतवार ऐसे बढ़ती है जैसे घर में लगी आग। उनसे बराबरी नहीं की जा सकती। तुम्हें साथ देना होगा, बेहतर होगा कि ध्यान रखो।'

मैंने जवाब दिया, 'मैं काम आ सका तो ज़रूर ख़ुश होऊँगा।'

'कहो मत। कोई नहीं होता। बाद में सोचोगे, काश ऐसा न कहा होता।'

जॉन हँसते हुए बोला, 'ऐवी, तुम सनकी हो। आज चाय कहाँ मिलेगी—अन्दर या बाहर?'

'बाहर। इतना अच्छा दिन घर में घुसने के लिए नहीं है।'

'तो फिर आ जाओ, आज के लिए तुमने काफ़ी बाग़बानी कर ली। तुम जानती हो मज़दूर ने एक दिन के हिसाब से काफ़ी काम कर लिया। आओ, ताज़ी हो जाओ।'

मिस हॉवर्ड ने बाग़बानी के दस्ताने उतारते हुए कहा, 'अच्छा, मैं तुमसे सहमत हूँ।

वह घर का चक्कर लगवाकर एक बड़े गूलर के पेड़ के नीचे ले गयी, जहाँ चाय की मेज़ तैयार थी।

बेंत की कुर्सियों में से एक पर से उठकर एक आकृति कुछ कदम चलती हुई हमारी तरफ़ आयी।

जॉन ने कहा, 'हेस्टिंग्स, मेरी पत्नी।'

मैं मेरी कैवेन्डिश की वह पहली झलक कभी नहीं भूलूँगा। उसकी लम्बी, पतली काया तेज़ रोशनी के सामने थी; उसकी हल्के रंग की सुन्दर आँखों में सोती आग का भाव स्पष्ट था, वह ख़ास तौर पर मेरी जानने वाली किसी भी औरत से भिन्न थी; उसकी ख़ामोशी में प्रचण्ड शक्ति थी, जो एक सभ्य, उत्तम देह में छिपी तीव्र बेलगाम आत्मा का प्रभाव देती थी—ये सब बातें मेरी याद में दर्ज़ रहेंगी। मैं उन्हें कभी नहीं भूल पाऊँगा।

उसने अपनी धीमी स्पष्ट आवाज़ में कुछ मधुर शब्दों से मेरा स्वागत करते हुए अभिनन्दन किया। मैं जॉन के निमन्त्रण को स्वीकार करने की खुशी की भावना के साथ एक बेंत की कुर्सी पर बैठ गया। मिसेज़ कैवेन्डिश ने मुझे चाय दी, उसकी कुछ शान्त टिप्पणियों ने मेरे मन पर पड़े पहले प्रभाव को और बढ़ा दिया। मुझे वह पूरी तरह एक सम्मोहक महिला लगी। एक प्रशंसक श्रोता हमेशा उत्साहवर्धक होता है। मैं मज़ाकिया ढंग से स्वास्थ्य लाभ केन्द्र के अपने कुछ क़िस्सों को ऐसे सुना रहा था कि मेरी मेज़बान बहुत ख़ुश हो रही थी और मैं इससे सन्तुष्ट था। जॉन हालाँकि भला आदमी था, पर प्रभावशाली, संवाद-पटु व्यक्ति नहीं कहा जा सकता था।

उसी वक़्त पास की खुली खिड़की से एक आवाज़ सुनाई दी : तो एल्फ्रेड, तुम चाय के बाद प्रिन्सेस को लिखोगे? मैं दूसरे दिन के लिए लेडी टैडमिन्स्टर को ख़ुद लिख दूँगी। या हम प्रिन्सेस के जवाब तक रुक जायें? उनके मना करने पर हो सकता है कि लेडी टैडमिन्स्टर पहले दिन का उद्घाटन उद्घाटन कर दें, और मिसेज़ क्रॉस्बी दूसरे दिन आ जायें। स्कूल के मेले के लिए डचेस हैं।

एक आदमी की फुसफुसाहट सुनाई दी, और फिर जवाब में मिसेज़ इंग्लथार्प की आवाज़ उठी।

'हाँ, ज़रूर! चाय के बाद ठीक रहेगा। प्रिय एल्फ्रेड, तुम कितना ध्यान रखते हो।'

फ्रेंच खिड़की थोड़ी और खुली और एक सुन्दर, सफ़ेद बालों वाली बुजुर्ग महिला लॉन पर आयी, उनके नैन-नक़्श कुछ प्रभुतापूर्ण लग रहे थे।

उनके पीछे एक आदमी आया, जिसका आचरण आदरपूर्ण लग रहा था।

मिसेज़ इंग्लथोर्प ने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।

'मि. हेस्टिंग्स, इतने साल बाद तुम्हें देखने से कितनी खुशी हो रही है! मि. हेस्टिंग्स—एल्फ्रेड डार्लिंग, मि. हेस्टिंग्स—मेरे पति।

मैंने कुछ उत्सुकता के साथ 'एल्फ्रेड डार्लिंग' को देखा। वह निश्चित रूप से एक अलग संकेत दे रहा था। मुझे उसकी दाढ़ी के बारे में जॉन के एतराज़ पर ताज्जुब नहीं हुआ। मेरी जानकारी में इतनी लम्बी और काली दाढ़ी नहीं दिखी थी। उसने सुनहरी किनारों वाला नाक-पकड़ चश्मा पहना हुआ था, उसकी प्रकृति में एक अजीब भावशून्यता दिख रही थी। मुझे ऐसा लगा कि वह मंच पर ज़्यादा स्वाभाविक लग सकता था, पर असल जीवन में अजीब ढंग से असहज दिखता था। उसकी अवाज़ गहरी और चापलूसी भरी लग रही थी। उसने लकड़ी का-सा अपना हाथ मेरे हाथ पर रखा और बोला:

'मि. हेस्टिंग्स, खुशी हुई।' फिर अपनी पत्नी की तरफ़ घूम कर बोला, 'प्रिय ऐमिली, मेरे ख़्याल से वह गद्दी थोड़ी गीली है।'

जब उसने बहुत कोमलता से, ध्यानपूर्वक, दिखावे के साथ उस गद्दी की जगह दूसरी गद्दी रखी, तो वह उसकी तरफ़ स्नेह से देखते हुए मुस्कराई। वैसे इतनी समझदार औरत को कैसा अजीब सम्मोहन था!

मि. इंगलथोर्प की उपस्थिति की वजह से वहाँ बैठे लोगों में एक तरह का नियन्त्रण और गुप्त विद्वेष-सा बैठ गया। ख़ास तौर पर मिस हॉवर्ड ने अपनी भावनाओं को छिपाने की तकलीफ़ नहीं उठाई। फिर भी मिसेज़ इंगलथोर्प को कुछ भी अस्वाभाविक नहीं लग रहा था। पहले से मुझे याद उनकी वाचालता में बीच के सालों की वजह से कोई कमी नहीं आयी थी, और वे बातचीत का निरन्तर प्रवाह जारी रखे थीं, मुख्य विषय आने वाला बाज़ार था, जिसका आयोजन वे कर रही थीं और जो जल्दी ही आने वाला था। बीच-बीच में वे अपने पति से दिन या तारीख़ के बारे में प्रश्न करती जाती थीं। उस आदमी का सतर्क और एकाग्र व्यवहार बिल्कुल नहीं बदल रहा था। शुरू से ही मेरे मन में उसके प्रति पक्की और गहरी नापसन्दगी जम गयी। मैं अपनी तारीफ़ करूँगा कि मेरा पहला फ़ैसला सामान्य तौर पर पूरी तरह सही होता है।

जिस समय मिसेज़ इंगलथोर्प ऐवेलिन हॉवर्ड को पत्रों के बारे में हिदायत देने को मुड़ीं तो उनके पति ने मुझे सम्बोधित किया: 'मि. हेस्टिंग्स, क्या फ़ौज में नौकरी आपका नियमित पेशा है?'

'नहीं, लड़ाई से पहले मैं लॉयड्स में था।'

'लड़ाई के बाद आप वहीं लौट जायेंगे?'

'शायद। नहीं तो कोई नयी शुरुआत करूँगा।'

मेरी कैवेन्डिश आगे झुकी।

'अगर तुम सिर्फ़ अपने झुकाव के अनुसार चुन सकते तो कौन-सा पेशा चुनते?'

'वह निर्भर करता—'

उसने पूछा, 'कोई गुप्त शौक़ नहीं है? मुझे बताओ—तुम किसी तरफ़ खिंचाव महसूस करते हो? सामान्यत: सबका किसी बेतुकी चीज़ की तरफ़ आकर्षण होता है।'

'तुम मुझ पर हँसोगी।'

वह मुस्कराई।

'शायद।'

'मुझे हमेशा जासूस बनने की छिपी हुई ललक रही है।'

'असली वाला—स्कॉटलैंड यार्ड? या शरलॉक होम्स?'

'ओह, हर हाल में शरलॉक होम्स। पर वास्तव में, गम्भीरता से कहूँ, तो मैं उस तरफ़ बेहद झुकाव रखता हूँ। एक बार

मैं बेल्जियम में एक आदमी से मिला, जो एक प्रसिद्ध जासूस था, उसने मुझे काफ़ी प्रेरित किया। वह अद्भुत, छोटा-सा व्यक्ति था। वह कहा करता था कि जासूसी का सारा अच्छा काम सिर्फ़ व्यवस्था का मामला है। मेरा तरीका उसी पर आधारित है—हालाँकि मैं निश्चित रूप से काफ़ी आगे निकल आया हूँ। वह अनोखा आदमी बड़ा बांका था, पर आश्चर्यजनक रूप से चतुर था।'

मिस हॉवर्ड ने टिप्पणी की, 'मुझे भी अच्छी जासूसी कहानी पसन्द है, पर बहुत-सी बकवास लिखी जाती हैं। आख़िरी अध्याय में अपराधी का पता चलता है। सब हैरान रह जाते हैं जबकि असली अपराधी तुम्हें फ़ौरन पता चल जाता है।'

मैंने बहस की, 'बहुत से अपराधों का पता ही नहीं चल पाता है।'

'मेरा मतलब पुलिस से नहीं था, बल्कि उन लोगों से था जो बिल्कुल वहीं होते हैं। जैसे परिवार। दरअसल तुम उन्हें बेवकूफ़ नहीं बना सकते। वे जान जायेंगे।'

मैं हँसी में बोला, 'तब तो तुम सोचती हो कि अगर तुम किसी अपराध से जुड़ी हो, मान लो हत्या से, तो तुम फ़ौरन हत्यारे को जान जाओगी?'

'ज़रूर मुझे जान लेना चाहिए। हो सकता है कि वकीलों के झुँड के आगे मैं साबित न कर सकूँ। पर मुझे विश्वास है कि मैं जान जाऊँगी। वह मेरे पास आयेगा तो मुझे पता चल जायेगा।'

मैंने सुझाव दिया, 'वह औरत भी हो सकती है।'

'शायद। पर क़त्ल एक हिंसक अपराध है। इसे ज़्यादातर एक पुरुष के साथ जोड़ना चाहिए।'

मिसेज़ कैवेन्डिश की साफ़ आवाज़ ने मुझे चौंका दिया। 'ज़हर के मामले में नहीं। कल डॉ. बॉयरस्टीन कह रहे थे कि कुछ असामान्य विष डॉक्टरी पेशेवरों के लिए भी अज्ञात होते हैं, उस अज्ञान के कारण ज़हर से मारे गये असंख्य मामले अनसुलझे रह जाते हैं।

मिसेज़ इंग्लथोर्प ने चिल्लाकर कहा, 'मेरी, ये वीभत्स बातें क्यों शुरू की हैं? मुझे ऐसा लग रहा है जैसे कोई मेरी कब्र पर से चलकर गया है। ओह, सिंथिया आ गयी!'

स्वैच्छिक सेवा दल की पोशाक में एक कम उम्र की युवती हल्के कदमों से दौड़ती हुई लॉन पर से आयी।

'क्यों सिंथिया, आज देर हो गयी। ये मि. हेस्टिंग्स हैं — मिस मर्डोक।'

सिंथिया मर्डोक ताज़गी से भरपूर कम उम्र की युवती थी, जिसमें ज़िन्दगी और ऊर्जा भरी थी। उसने अपनी वर्दी की टोपी उतारकर फेंक दी। मैं उसके खुले, लहराते सुनहरी बालों और चाय के लिए बढ़ाये गये गोरे और छोटे-छोटे हाथों का प्रशंसक बन गया। गहरे रंग की आँखों और पलकों की वजह से वह और ख़ूबसूरत दिखती थी।

वह जॉन के पास घास पर पसर गयी जब मैंने उसे सैंडविचेज़ की प्लेट पकड़ाई तो वह मुझे देखकर मुस्करा दी।

'यहाँ घास पर आकर बैठो। वह कहीं ज़्यादा अच्छा है।'

मैं कहना मानकर नीचे बैठ गया।

'मिस मर्डोक, तुम टैडमिन्स्टर में काम करती हो, है न?'

उसने सिर हिला दिया। 'अपने पापों की वजह से।'

मैंने मुस्कराते हुए कहा, 'तो क्या वे तुम्हें सताते हैं?'

सिंथिया ने बड़प्पन के साथ कहा, 'मैं उन्हें देख लूँगी।'

मैं बोला, 'मेरी रिश्ते की एक बहन नर्सिंग कर रही है। वह बड़ी नर्सों से डरती है।'

'मुझे ताज्जुब नहीं है। मि. हेस्टिंग्स, आप जानते हैं, वे होती ही ऐसी हैं। वे बिल्कुल ऐसी हैं। आप सोच भी नहीं सकते। पर भगवान का शुक्र है कि मैं नर्स नहीं हूँ। मैं दवाख़ाने में काम करती हूँ।'

मैंने मुस्कराते हुए पूछा, 'तुम कितने लोगों को ज़हर देती हो?'

सिंथिया भी मुसकराकर बोली, 'ओह, सैंकड़ों को।'

मिसेज़ इंगलथोर्प ने पुकार कर कहा, 'सिंथिया, क्या तुम मेरे लिए कुछ नोट लिख दोगी?'

'ज़रूर, ऐमिली आंटी!'

वह फ़ौरन उठकर खड़ी हो गयी। उसके व्यवहार ने मुझे याद दिला दिया कि वह आश्रिता थी। मिसेज़ इंगलथोर्प चाहे उसके प्रति दयालु थीं, पर उसे यह असलियत भूलने नहीं देती थीं।

मेरी मेज़बान मेरी तरफ़ मुड़ी।

'जॉन तुम्हें तुम्हारा कमरा दिखा देगा। खाना साढ़े सात बजे खाया जायेगा। कुछ वक़्त से हमने देर से खाना बन्द कर दिया है। हमारे सदस्य की पत्नी लेडी टैडमिन्स्टर—स्वर्गीय लॉर्ड एबॉट्स्बरी की बेटी—ऐसा ही करती हैं। वह मुझसे इस बात पर सहमत है कि हमें ख़र्च में किफ़ायत की मिसाल रखनी चाहिए। हमारी घरेलू व्यवस्था युद्ध स्तर पर चलती है; हम यहाँ कुछ भी बरबाद नहीं करते हैं—यहाँ तक कि रद्दी काग़ज़ की हर चिन्दी को भी बोरों में भरकर भेज दिया जाता है।

मैंने अपनी तारीफ़ ज़ाहिर की, और जॉन मुझे घर में ले गया, फिर चौड़ी सीढ़ियों से ऊपर गये, जहाँ वह इमारत के दो हिस्सों, दाहिने और बाँयें, में बँट गयी थीं। मेरा कमरा बाँयी तरफ़ के हिस्से में था और पार्क की तरफ़ खुलता था।

जॉन मुझे छोड़कर चला गया, और कुछ मिनट बाद मैंने जब अपनी खिड़की से देखा तो वह सिंथिया की बाँहों में बाँहें डाले धीरे-धीरे टहल रहा था। मैंने मिसेज़ इंगलथोर्प को अधीरता से पुकारते सुना 'सिंथिया' और लड़की भागती हुई घर लौट आयी। उसी पल पेड़ की छाया से निकल कर एक आदमी उसी दिशा में धीरे-धीरे चलने लगा। वह लगभग चालीस का दिखता था। उसका रंग काफ़ी काला था, हजामत किया हुआ चेहरा उदास था। कोई ख़्याल उसे अपने वश में किए हुए था। जाते हुए उसने ऊपर मेरी खिड़की की तरफ़ देखा। हालाँकि हमारी पन्द्रह साल पहले हुई पिछली मुलाकात के बाद से वह काफ़ी बदल गया था फिर भी मैं उसे पहचान गया। वह जॉन का छोटा भाई लॉरेंस कैवेन्डिश था। मैं सोचने लगा कि उसके चेहरे के अलग भाव का कारण क्या रहा होगा।

फिर मैंने उसे दिमाग़ से निकाल दिया और अपने मामलों के बारे में सोचने लगा।

शाम काफ़ी ख़ुशगवार बीती; उस रात मैं रहस्यमय औरत मेरी कैवेन्डिश के सपने देखता रहा।

अगली सुबह धूप चमक रही थी, और मैं एक ख़ुशगवार सैर की उम्मीद में था।

मुझे दोपहर के भोजन तक मिसेज़ मेरी कैवेन्डिश दिखाई नहीं दीं, तब उसने मुझे सैर पर ले जाने को ख़ुद कहा। हमने पूरी दोपहर जंगल में सैर करते हुए मनोहारी ढंग से बिताई और पाँच बजे के करीब घर लौटे।

हमारे बड़े हॉल में घुसते ही जॉन ने दोनों को सिगरेट पीने वाले छोटे क़मरे में बुलाया। मैं उसका चेहरा देखते ही फ़ौरन समझ गया कि कुछ परेशान करने वाली बात हुई है। हम उसके पीछे-पीछे गये और हमारे घुसते ही उसने दरवाज़ा बन्द कर लिया।

'देखो मेरी, एक बहुत बड़ी गड़बड़ हो गयी है। ऐवी की एल्फ्रेड इंगलथोर्प से लड़ाई हो गयी और वह जा रही है।'

'ऐवी? जा रही है?'

जॉन ने उदासी से सिर हिलाया।

'हाँ; देखो, वह माँ के पास गयी थी, और—ओह, वह ख़ुद आ गयी।'

मिस हॉवर्ड घुसी। उसके होंठ कस कर बंद थे, और हाथ में एक छोटा सूटकेस था। वह उत्तेजित और दृढ़ लग रही थी, थोड़ी-सी आत्मरक्षात्मक भी।

वह फट पड़ी, 'जो भी हो, मैं जो सोचती हूँ वह कह चुकी।'

मिसेज़ कैवेन्डिश बोली, 'ऐवेलिन, यह सच नहीं हो सकता!'

मिस हॉवर्ड ने सख़्ती से सिर हिलाया।

'बिल्कुल सच है! मुझे डर है कि मैंने ऐमिली से जो कह दिया, वह जल्दी ही भूलकर माफ़ नहीं करेगी। अगर बात थोड़ी अन्दर चुभी है, तो बुरा मत मानना। मैंने भले ही ठीक कहा, पर वह शायद बत्तख की पीठ से बह जाने वाले पानी की तरह होगा। मैं साफ़ बोली : 'ऐमिली, तुम बुज़ुर्ग औरत हो, और बूढ़े मूर्ख जैसा मूर्ख कोई नहीं होता। वह आदमी तुमसे बीस साल छोटा है, और यह शादी उसने क्यों की इस बारे में ख़ुद को धोखा मत दो। उसने सिर्फ़ पैसे के लिए शादी की है। उस किसान रेक्स की पत्नी बहुत सुन्दर है। ज़रा अपने एल्फ्रेड से पूछना कि वह वहाँ कितना वक़्त बिताता है।' वह बहुत गुस्सा हो गयी, स्वाभाविक था। मैं कहती गयी : 'तुम्हें पसन्द हो या नहीं, मैं तुम्हें सावधान करूंगी। यह आदमी पलक झपकते तुम्हें बिस्तर पर ही मार सकता है। वह बुरा आदमी है। तुम मुझसे जो चाहो कह सकती हो, पर जो मैं कह रही हूँ, उसे याद रखना। वह एक बुरा आदमी है।'

'वे क्या बोलीं?'

मिस हॉवर्ड ने बहुत बुरा मुँह बनाया।

'प्रिय एल्फ्रेड—प्रियतम एल्फ्रेड—दुष्ट झूठे आरोपी—द्वेषपूर्ण झूठ—बुरी औरत—उसके प्यारे पति पर दोष लगाने वाली। मैं जितनी जल्दी उसका घर छोड़ दूँ, उतना अच्छा होगा। इसलिए मैं जा रही हूँ।'

'पर अभी तो नहीं?'

'इसी पल।'

कुछ देर हम बैठे हुए उसे घूरते रह गये। आख़िर जब जॉन कैवेन्डिश जान गया कि उसका आग्रह काम नहीं आयेगा तो वह ट्रेनों के बारे में पता करने चला गया। उसकी पत्नी उसके पीछे-पीछे मिसेज़ इंग्लथोर्प को अच्छी तरह सोचने के लिए मनाने के बारे में बड़बड़ाती हुई चली गयी।

जैसे ही वह कमरे से निकली, मिस हॉवर्ड का चेहरा बदल गया। वह जल्दी से मेरी तरफ़ झुकी।

'मि. हेस्टिंग्स, तुम ईमानदार हो। क्या मैं तुम पर विश्वास कर सकती हूँ?'

मैं थोड़ा चौंक उठा। उसने अपना हाथ मेरी बाँह पर रखा, और अपनी आवाज़ को फुसफुसाहट में बदल कर बोली: 'मि. हेस्टिंग्स उसका ध्यान रखना। बेचारी मेरी ऐमिली। वे सब के सब घातक शार्क मछलियों के झुँड की तरह हैं। ओह, मैं जानती हूँ कि मैं क्या कह रही हूँ। इनमें से एक भी ऐसा नहीं है जिसे पैसों की कठिनाई नहीं है और उससे पैसे नहीं ऐंठना चाहता है। मैं उसे जितना बचा सकती थी, बचाती रही। अब मैं रास्ते से हट जाऊँगी, वे उस पर हावी होंगे।'

मैंने कहा, 'मिस हॉवर्ड, मैं ज़रूर वह सब करूंगा जो कर सकता हूँ, पर मुझे विश्वास है कि तुम उत्तेजित और बहुत थकी हुई हो।'

उसने मुझे बीच में रोक कर अपनी तर्जनी धीरे से हिलाते हुए कहा, 'युवक, मेरा भरोसा करो, मैंने यह दुनिया तुमसे ज़्यादा देखी है। मैं तुमसे सिर्फ़ अपनी आँखें खुली रखने को कह रही हूँ। मेरा क्या मतलब है, यह तुम देख लोगे।'

खुली खिड़की से मोटर की धड़धड़ सुनाई दी, मिस हॉवर्ड उठी और दरवाज़े की तरफ़ बढ़ गयी। बाहर से जॉन की आवाज़ आयी। हैंडल पर हाथ रखे हुए उसने अपना सिर घुमाया बौर मुझे इशारा करके बुलाया, 'मि. हेस्टिंग्स, सबसे ज़्यादा उसके उस दुष्ट पति पर नज़र रखना।'

इससे ज़्यादा बात करने का समय नहीं था। मिस हॉवर्ड को शिकायतों और विदा के सामूहिक शोर ने निगल लिया। इंग्लथोर्प दम्पत्ति नहीं आये।

जैसे ही कार गयी, मिसेज़ कैवेन्डिश अचानक उस दल से अलग होकर, कार की जगह से लॉन को पार करती हुई एक लम्बे दाढ़ी वाले आदमी से मिलने के लिए बढ़ी, जो घर की तरफ़ आ रहा था। उसकी तरफ़ अपना हाथ बढ़ाते हुए उसके गाल लाल हो गये।

मैंने तीखी आवाज़ में पूछा, 'वह कौन है?' क्योंकि मुझे सहज ज्ञान से उस आदमी पर अविश्वास हुआ।

जॉन रूखाई से बोला, 'ये डॉ. बॉयरस्टीन है।'

'और यह डॉ. बॉयरस्टीन कौन है?'

'यह गाँव में रहता है। एक बुरे स्नायविक विकार से उबरने के बाद वे यहाँ आराम से सुधार के लिए आये हैं। वे लन्दन के विशेषज्ञ हैं; बहुत चतुर आदमी है—मेरा मानना है कि वे ज़हर पर काम करने वाले विश्व के महान जीवित विशेषज्ञों में से एक हैं।

उत्साही सिंथिया ने फ़ौरन कहा, 'वह मेरी का अच्छा दोस्त है।

जॉन कैवेन्डिश ने भौंहें चढ़ाई और विषय बदल दिया।

'हेस्टिंग्स, सैर के लिए चलो। ये मामला बहुत बुरा हुआ। उसकी ज़बान हमेशा से रूखी थी, लेकिन इंगलैंड में ऐवेलिन हॉवर्ड से ज़्यादा ईमानदार दोस्त नहीं है।

उसने बगीचे के बीच का रास्ता लिया। इनकी ज़मीन के एक किनारे पर जो जंगल था, उसमें से चलते हुए गाँव की तरफ़ गये।

घर लौटते वक़्त जब एक फाटक में से निकल रहे थे, तब विपरीत दिशा से आती एक सुन्दर जिप्सी जैसी युवती झुकी और मुसकुराई।

मैंने तारीफ़ से भरी टिप्पणी की, 'सुन्दर युवती है।'

जॉन का चेहरा सख़्त हो गया, 'वह मिसेज़ रैक्स है।'

'वही जिसके बारे में मिस हॉवर्ड—'

जॉन ने अनावश्यक रूखाई से कहा, 'बिल्कुल।'

मैं उस बड़े घर की सफ़ेद बालों वाली बुजुर्ग महिला और हमारी तरफ़ देखकर मुस्कराने वाले छोटे-से, तीखे, दुष्ट चेहरे के बारे में सोचने लगा, एक अस्पष्ट पूर्वाभास की कंपकंपी मुझमें दौड़ गयी। मैंने उसे एक तरफ़ हटा दिया।

मैं जॉन से बोला, 'स्टाईल्स सचमुच एक भव्य पुरानी जगह है।'

उसने कुछ उदासी से सिर हिलाया।

'हाँ यह अच्छी जायदाद है। किसी दिन यह मेरी हो जायेगी। अगर मेरे पिता ने एक सही वसीयत बनाई होती तो अभी मेरा इस पर अधिकार होता और तब मैं इतना तंगहाल नहीं होता जितना अब हूँ।'

'क्या तुम्हें पैसे की तंगी है?'

'हेस्टिंग्स, मुझे यह बात तुम्हें बताने में कोई झिझक नहीं हो रही है कि मैं पैसों की तंगी के कारण मुश्किल में हूँ।'

'क्या तुम्हारा भाई तुम्हारी मदद नहीं कर सकता?'

'लॉरेंस? उसने अपनी एक-एक पाई बेकार की कविताओं को छपवाकर ख़ूबसूरत जिल्दों में बँधवाने में बर्बाद कर दी। नहीं, हम सब गरीब हैं। मैं यह ज़रूर कहूँगा कि हमारी माँ हमारे प्रति बहुत अच्छी रही हैं। मतलब, अब तक। जब से उनकी शादी हुई है, निस्संदेह—' उसने भौंहें चढ़ाकर बात बीच में छोड़ी।

पहली बार मुझे लगा कि ऐवेलिन हॉवर्ड के साथ वातावरण में से कुछ ऐसा चला गया है जिसे बता नहीं सकते। उसके होने से सुरक्षा लगती थी। अब वह हट गयी थी—हवा में शक़ मंडरा रहा था। मुझे डॉ. बॉयरस्टीन के अशुभ चेहरे की याद आ गयी। मेरे मन में हर व्यक्ति और स्थिति को लेकर एक सन्देह भर गया था। पल भर के लिए मुझे आने वाले अनिष्ट की आशंका हुई।

दूसरा अध्याय
16-17 जुलाई

मैं पाँच जुलाई को स्टाईल्स पहुँचा था। अब मैं उस महीने की सोलह, सत्रह तारीख़ों की घटनाओं पर आता हूँ। पाठकों की सुविधा के लिए मैं उन दिनों जो कुछ हुआ उसे यथासम्भव ज्यों का त्यों दोहराऊँगा। बाद में मुक़दमे के वक़्त एक लम्बी थकाने वाली जिरह की प्रक्रिया में उन्हें फिर से प्रकाश में लाया गया था।

ऐवेलिन हॉवर्ड ने जाने के कुछ दिन बाद मुझे एक पत्र लिखा, जिसमें यह बताया कि वह मिडलिंघम के एक बड़े अस्पताल में नर्स का काम कर रही थी। यह कारख़ानों का शहर लगभग पन्द्रह मील दूर था। पत्र में यह प्रार्थना की थी कि अगर मिसेज़ इंग्लथोर्प सुलह की इच्छा जताएँ तो उसे ख़बर कर दूँ।

उन शान्तिपूर्ण दिनों में मिसेज़ कैवेन्डिश की डॉ. बॉयरस्टीन के साथ की अजीब और रहस्यमय इच्छा मुझे दूध में मक्खी की तरह परेशान किये थी। मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था कि उसे उस आदमी में क्या दिखता था, पर वह हमेशा उसे घर बुलाती रहती थी और बहुत बार उसके साथ लम्बी यात्राओं पर जाती थी। मैं स्वीकार करता हूँ कि उसके आकर्षण को देखने में असमर्थ था।

सोलह जुलाई को सोमवार था। वह बहुत हलचल वाला दिन था। शनिवार को प्रसिद्ध बाज़ार लगा था। रात को उसी दान के तहत एक मनोरंजन कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें मिसेज़ इंग्लथोर्प युद्ध से जुड़ी एक कविता सुनाने वाली थीं। हम सब गाँव के उस हॉल को सजाने और व्यवस्थित करने में व्यस्त थे, जहाँ कार्यक्रम होने वाला था। हमने दोपहर का भोजन काफ़ी देर में खाया, बाद में बगीचे में आराम करते रहे। मुझे जॉन का व्यवहार कुछ अस्वाभाविक लगा। वह बहुत उत्तेजित और बेचैन लग रहा था।

शाम के कामों के शुरू होने से पहले, चाय के बाद, मिसेज़ इंग्लथोर्प आराम करने चली गयीं। मैंने मेरी कैवेन्डिश को टेनिस के खेल के लिए चुनौती दी।

लगभग पौने सात बजे मिसेज़ इंग्लथोर्प ने हमें बुलाकर कहा कि उस रात खाना जल्दी लगेगा, हम देर न करें। समय पर तैयार होने के लिए हमें भागदौड़ करनी पड़ी और खाना ख़त्म होने से पहले बाहर मोटर इन्तज़ार कर रही थी।

मनोरंजन कार्यक्रम बहुत सफल रहा था। मिसेज़ इंग्लथोर्प के कवितापाठ पर बहुत तालियाँ बजी थीं। कुछ झाँकियों में सिंथिया ने भी भाग लिया था। झाँकियों में साथ भाग लेने वाली कुछ सहेलियों के साथ खाना खाने और रात रहने के लिए बुलाये जाने की वजह से वह हमारे साथ नहीं लौटी थी।

बहुत थकी होने की वजह से मिसेज़ इंग्लथोर्प ने अगली सुबह बिस्तर में ही नाश्ता लिया, पर साढ़े बारह बजे के करीब वे फुर्तीली मन:स्थिति में थीं, और मुझे और लॉरेंस को जबरन दोपहर के खाने की पार्टी में ले गयीं।

लेडी टैडमिन्स्टर की बहन रोलस्टोन ने इतना सौम्य निमन्त्रण भेजा था। रोलस्टोन्स अपने साथ कॉन्करर परिवार को लाये थे जो यहाँ के सबसे पुराने परिवारों में से हैं।

मेरी ने डॉ. बॉयरस्टीन के साथ भेंट के बहाने ख़ुद को छुटकारा दिला लिया था।

दोपहर के भोजन का समय सुखद रहा। जब हम वहाँ से चले, तो लॉरेंस ने टैडमिन्स्टर की तरफ़ से लौटने का सुझाव दिया ताकि हम सिंथिया से उसके दवाख़ाने में मिलते जायें। वह जगह हमारे रास्ते से मुश्किल से एक मील अलग थी। मिसेज़ इंग्लथोर्प ने इसे बढ़िया विचार कहा, पर क्योंकि उन्हें बहुत से पत्र लिखने थे, इसलिए उन्होंने कहा कि वे हमें उतारती हुई चली जायेंगी। हम सिंथिया के साथ घोड़ा-गाड़ी में लौट सकते थे।

अस्पताल के नौकर ने शक़ के कारण हमें तब तक रोके रखा, जब तक सिंथिया ने आकर हमें पहचानने की जिम्मेदारी नहीं ली। वह अपने लम्बे सफ़ेद कोट में बहुत प्यारी लग रही थी। वह हमें ऊपर अपने कमरे में ले गयी, और अपने साथ के दवा देने वाले से मिलवाया। वह आदर जगाने वाला इंसान था, सिंथिया हँसते हुए उसे 'निब्स' नाम से पुकार रही थी।

उस छोटे कमरे में चारों तरफ़ नज़र दौड़ाते हुए मैंने ताज्जुब से कहा, 'कितनी सारी बोतलें हैं! क्या तुम वाकई जानती हो कि इनमें क्या है?'

सिंथिया ने कराहते हुए कहा, 'कोई नई बात कहो। यहाँ आनेवाला हरेक आदमी यही कहता है। वास्तव में हम सोच रहे हैं कि ऐसा न कहने वाले पहले आदमी को प्रथम पुरस्कार देंगे और मैं जानती हूँ कि तुम अगली यही बात कहोगे : 'तुम कितने लोगों को ज़हर दे चुकी हो?'

मैंने हँसते हुए ग़लती मान ली।

'अगर तुम लोग यह जानते कि कितनी आसानी से किसी को ग़लती से दिया गया ज़हर भी घातक हो सकता है, तो तुम इस बारे में मज़ाक नहीं करते। चलो, हम चाय पीते हैं। इस अलमारी में बहुत तरह के रहस्यों के भण्डार हैं। नहीं, लॉरेंस—वह ज़हर की अलमारी है। बड़ी अलमारी—हाँ वही।'

हमने बहुत हँसी-मज़ाक के साथ चाय पी। बाद में धोने के काम में सिंथिया की मदद की। हमने अभी आख़िरी चम्मच रखा ही था कि किसी ने दरवाज़ा खटखटाया। सिंथिया और निब्स के चेहरों पर अचानक डर से सख़्ती और सुन्न करने वाला भाव आ गया।

सिंथिया ने तीखी पेशेवर आवाज़ में कहा, 'अन्दर आ जाओ।'

एक डरी हुई-सी, युवा नर्स, ने आकर एक बोतल निब्स की तरफ़ बढ़ाई, जिसने उसे सिंथिया की तरफ़ जाने का इशारा किया और कुछ रहस्यपूर्ण ढंग से बोला : 'दरअसल आज मैं यहाँ नहीं हूँ।'

सिंथिया ने बोतल ली, जज की-सी सख़्ती से उसका परीक्षण करते हुए बोली : 'इसे सुबह भेजा जाना चाहिए था।'

'सिस्टर को बहुत अफ़सोस है। वह भूल गयी थी।'

'सिस्टर को दरवाज़े पर बाहर लिखे नियम पढ़ लेने चाहिए।'

उस छोटी नर्स की भावभंगिमा से मैंने जान लिया कि उसमें उस डरावनी सिस्टर तक यह सन्देश पहुँचाने की थोड़ी-सी भी हिम्मत नहीं थी।

सिंथिया ने कहा, 'अब यह कल तक नहीं हो सकता,' और बात ख़त्म कर दी।

'क्या आप रात तक भी नहीं दे सकतीं?'

सिंथिया ने भद्रतापूर्वक कहा, 'हम बहुत व्यस्त हैं, पर अगर समय मिला तो कर देंगे।'

छोटी नर्स चली गयी, सिंथिया ने फ़ौरन ताक पर रखे जार को उतारा, बोतल को फिर से भरा और दरवाज़े के बाहर वाली मेज़ पर रख दिया।

मैं हँस पड़ा।

'अनुशासन बनाये रखना चाहिए।'

'बिल्कुल। हमारी छोटी बालकनी पर आओ। वहाँ से तुम्हें बाहर का सब कुछ दिखाई दे सकेगा।'

मैं सिंथिया और उसके सहयोगी के पीछे चला गया और वे मुझे अलग-अलग इलाकों को दिखाते रहे। लॉरेंस पीछे रुका रहा था, पर कुछ मिनट बाद सिंथिया ने उसे बुलाया और सबके साथ बैठने को कहा। फिर उसने अपनी घड़ी देखी।

'निब्स, कुछ और तो नहीं करना है?'

'नहीं।'

'ठीक है। फिर हम बन्द करके चलते हैं।'

उस दोपहर लॉरेंस मुझे अलग ही रूप में दिखा। जॉन की तुलना में उसे जान पाना बहुत मुश्किल था। वह अपने भाई

से लगभग हर तरह अलग, असामान्य रूप से भिन्न, शरमीला और संकोची था। फिर भी उसके व्यवहार में एक ख़ास तरह की मोहकता थी, और मुझे वह अच्छी लगी थी। मुझे लगता था कि अगर कोई उसे वास्तव में ठीक से जान लेता, तो उसके प्रति गहरा स्नेह करने लगता। मैं हमेशा सोचा करता था कि सिंथिया के प्रति उसका व्यवहार बहुत नियन्त्रित था, और अपनी तरफ़ से वह भी उससे शरमाती थी। पर इस दोपहर दोनों काफ़ी ख़ुश थे; और बच्चों की तरह आपस में बातें कर रहे थे।

गाँव में से निकलते वक़्त मुझे याद आया कि मुझे कुछ डाक-टिकट चाहिए थे, इसी कारण हम डाकख़ाने के पास रुके।

जब मैं बाहर निकला तो अन्दर घुसते एक छोटे आदमी से टकरा गया। मैं एक तरफ़ हट गया और उससे माफ़ी माँगी, तभी अचानक, एक ऊँची आवाज़ के साथ उसने मुझे अपनी बाँहों में बाँध लिया और मुझे चूम लिया।

वह ज़ोर से बोला, 'मेरे दोस्त हेस्टिंग्स! हाँ, तुम हेस्टिंग्स ही हो!'

मैं चिल्लाया, 'पॉयरो!'

मैं घोड़ा-गाड़ी की तरफ़ मुड़ा।

'मिस सिंथिया, मेरे लिए यह एक सुखद मुलाकात है। ये मेरा पुराना दोस्त मि. पॉयरो है, जिससे मैं सालों से नहीं मिला हूँ।

सिंथिया खुशी खुशी बोली, 'ओह, हम मि. पॉयरो को जानते हैं। पर यह नहीं जानते थे कि वे आपके दोस्त हैं।'

पॉयरो गम्भीरता से बोला, 'हाँ, बिल्कुल, मैं मिस सिंथिया को जानता हूँ। मैं अच्छी महिला मिसेज़ इंग्लथोर्प की दया से यहाँ हूँ।' मेरी खोजी नज़र को देखकर वह बोला, 'हाँ मेरे दोस्त, उन्होंने दया करके मेरे देश के सात लोगों को अपना आतिथ्य दिया; जिन्हें अफ़सोस है कि उनके अपने देश ने शरणार्थी बना दिया था। हम बेल्जियन लोग उनकी इस दया को हमेशा याद रखेंगे।'

पॉयरो देखने में असाधारण, छोटा-सा आदमी था। उसकी लम्बाई मुश्किल से पाँच फुट चार इंच से ज़्यादा होगी, पर फिर भी गरिमापूर्ण व्यक्तित्व था। उसका सिर बिल्कुल अण्डे के आकार का था और वह हमेशा उसे एक तरफ़ थोड़ा झुकाये रखता था। उसकी अकड़ी हुई मूँछें फौजियों जैसी थीं। उसकी साफ़-सुथरी पोशाक अविश्वसनीय लगती थी। मुझे विश्वास है कि धूल का एक कण उसे गोली के घाव से ज़्यादा तकलीफ़ देता होगा। फिर भी यह अनोखा बाँका आदमी अब इतनी बुरी तरह लंगड़ा रहा था कि मुझे देखकर अफ़सोस हुआ। वह अपने समय में बेल्जियन पुलिस का सर्वाधिक प्रख्यात व्यक्ति हुआ करता था। एक जासूस के रूप में उसमें असाधारण दूरदर्शिता थी। उसने उन दिनों के कुछ बहुत चकरा देने वाले मामलों को सुलझाकर जीत हासिल की थी।

उसने मुझे इशारे से वह घर दिखाया जहाँ वह अपने बेल्जियम साथियों के साथ रहता था, और मैंने जल्दी ही जाकर उससे मिलने का वादा किया। फिर उसने बड़े दिखावे के साथ अपना हैट सिंथिया की ओर हिलाया और हम वहाँ से चल दिये।

सिंथिया ने कहा, 'वह छोटा-सा आदमी बड़ा प्यारा है। मैं नहीं जानती थी कि तुम्हारा परिचित है।'

मैंने जवाब में कहा, 'तुम नहीं जानती थीं कि तुम एक प्रसिद्ध व्यक्ति का मनोरंजन कर रही थीं।'

घर तक के बाकी रास्ते में मैं हरक्यूल पॉयरो के विभिन्न कारनामों और जीतों के बारे में बताता रहा।

हम खुशी-खुशी घर लौटे। जैसे ही हम हॉल में घुसे, मिसेज़ इंग्लथोर्प अपनी बैठक से बाहर आयीं। वह बहुत लाल और परेशान दिख रही थीं।

वे बोलीं, 'ओह, तुम हो।'

सिंथिया ने पूछा, 'ऐमिली आंटी, क्या कुछ हुआ है?'

मिसेज़ इंग्लथोर्प तीख़ी आवाज़ में बोलीं, 'बिल्कुल नहीं, क्या होना था?' फिर खाना बनाने वाली नौकरानी डॉरकस को खाने वाले कमरे में जाते देखकर उसे बुलाया और बैठक में से टिकट लाने को कहा।

'जी, मैडम'। पुरानी नौकरानी झिझकी, फिर थोड़ी सकुचाती हुई बोली, 'क्या आपको नहीं लगता कि आपको आराम करना चाहिए? आप बहुत थकी हुई लग रही हैं।'

'शायद तुम ठीक कह रही हो, डॉरकस — हाँ — नहीं — अभी नहीं। मुझे कुछ पत्र डाक जाने के वक़्त से पहले ख़त्म करने हैं। क्या तुमने मेरे कहे के मुताबिक शयनकक्ष में अँगीठी जला दी है?

'हाँ मैडम!'

'तो मैं खाने के फ़ौरन बाद सीधी बिस्तर पर जाऊँगी।'

वे फिर से अपनी बैठक में चली गयीं, और सिंथिया उन्हें पीछे से घूरती रही।

उसने लॉरेंस से कहा, 'भगवान भला करें! मैं हैरान हूँ कि क्या हो रहा है?'

ऐसा लगा जैसे उसने सुना ही न हो, क्योंकि बिना एक शब्द बोले, वह मुड़ा और घर से बाहर चला गया।

मैंने सिंथिया को रात के खाने से पहले झट से टेनिस की एक बारी खेलने का सुझाव दिया, उसके राज़ी होने पर मैं ऊपर की तरफ़ दौड़ा ताकि अपना रैकेट ला सकूँ।

मिसेज़ कैवेन्डिश सीढ़ियों से उतर रही थीं। हो सकता है कि यह मेरी कल्पना हो, पर वे अजीब और परेशान दिख रही थीं।

मैंने ख़ुद को तटस्थ दिखाते हुए पूछा, 'डॉ. बॉयरस्टीन के साथ सैर अच्छी रही?'

उसने रुखाई से कहा, 'मैं नहीं गयी। मिसेज़ इंग्लथोर्प कहाँ हैं?'

'बैठक में।'

उसका हाथ सीढ़ी की रेलिंग पर कस गया, फिर जैसे सामना करने की हिम्मत जुटाकर, मेरे पास से तेज़ी से सीढ़ियाँ उतरी, हॉल पार करती हुई बैठक में घुसी और पीछे से दरवाज़ा बन्द कर लिया।

कुछ समय बाद जब मैं भागता हुआ टेनिस कोर्ट की तरफ़ जा रहा था तो मुझे बैठक की खुली खिड़की के पास से निकलना पड़ा और वहाँ होती बातचीत के टुकड़े सुनने से ख़ुद को रोक नहीं सका। मेरी कैवेन्डिश की आवाज़ में ख़ुद पर काबू करने की असफल कोशिश झलक रही थी, 'तो आप मुझे वह नहीं दिखायेंगी।'

इस पर मिसेज़ इंग्लथोर्प का जवाब था : 'प्रिय मेरी, इसका उस मामले से कोई ताल्लुक नहीं है।'

'तो मुझे दिखाओ।'

'मैं तुम्हें बता रही हूँ कि तुम जो सोच रही हो, वैसा कुछ नहीं है। इससे तुम्हारा कोई वास्ता नहीं है।'

इसके जवाब में मेरी कैवेन्डिश ने बढ़ती हुई कड़वाहट के साथ कहा, 'ज़रूर, मुझे पता होना चाहिए था कि आप उसे बचायेंगी।'

सिंथिया मेरा इन्तज़ार कर रही थी, उसने आतुरता से मेरा स्वागत करते हुए कहा : 'मैं बताऊँ! बड़ी ज़बरदस्त लड़ाई हुई है! मैंने डॉरकस से पूरी बात निकाल ली है।'

'कैसी लड़ाई?'

'ऐमिली आंटी और उस आदमी के बीच की लड़ाई। मैं आशा करती हूँ कि अब उन्हें उसकी असलियत पता चल गयी होगी।'

'तो क्या डोरकस वहाँ थी?'

'बिल्कुल नहीं। वह उस वक़्त दरवाज़े के पास थी। लड़ाई वास्तव में एक पुरानी भड़ास थी। काश मैं जान पाती कि वह किस बारे में थी।'

मैं मिसेज़ रेक्स के जिप्सी जैसे चेहरे और ऐवेलिन हॉवर्ड की चेतावनियों के बारे में सोचने लगा, पर बुद्धिमानी से अपनी शान्ति बनाये रखी; जबकि सिंथिया हर सम्भव कल्पना को ख़त्म करती जा रही थी, पर साथ ही खुशी-खुशी आशा कर रही थी, 'ऐमिली आंटी उसे निकाल देंगी, और फिर कभी उससे बात नहीं करेंगी।'

मैं जॉन को पकड़ना चाहता था, पर वह कहीं नहीं दिख रहा था। स्पष्ट था कि उस दोपहर वहाँ कुछ बहुत महत्वपूर्ण हुआ था। मैं उन सुने हुए कुछ शब्दों को भूलना चाह रहा था, पर किसी तरह उन्हें अपने मन से पूरी तरह हटा नहीं पा रहा था। उस मामले को लेकर मेरी कैवेन्डिश परेशान क्यों थी?

जब मैं नीचे खाना खाने आया, तब मिस्टर इंग्लथोर्प बैठक में बैठा था। उसका चेहरा हमेशा की तरह भावरहित था। उस आदमी की अजीब अवास्तविकता मुझे नये सिरे से दिखी। आख़िर मिसेज़ इंग्लथोर्प नीचे आईं। वे, अब भी परेशान दिख रही थीं, खाने के दौरान एक तरह का नियन्त्रित सन्नाटा था। इंग्लथोर्प अस्वाभाविक रूप से चुप था। वह नियम से अपनी पत्नी को छोटी-मोटी देखभाल से घेरे हुए था, जैसे पीठ के पीछे गद्दी लगाना, और कुल मिलाकर एक समर्पित पति की भूमिका अदा कर रहा था। खाने के फ़ौरन बाद मिसेज़ इंग्लथोर्प अपनी बैठक में लौट गयीं।

उन्होंने आवाज़ दी, 'मेरी, मेरे लिए कॉफ़ी अन्दर भेज दो। डाक का काम करने के लिए मेरे पास सिर्फ़ पाँच मिनट हैं।'

सिंथिया और मैं जाकर ड्राइंगरूम की खुली खिड़की के पास बैठ गये। मेरी कैवेन्डिश हमारी कॉफ़ी लेकर आयी। वह बहुत उत्तेजित लग रही थी।

उसने पूछा, 'तुम युवा लोगों को रोशनी पसन्द है या धुँधलके में आनन्द आता है? सिंथिया क्या तुम मिसेज़ इंग्लथोर्प की कॉफ़ी दे आओगी? मैं प्याले में डाल देती हूँ।'

इंग्लथोर्प ने कहा, 'मेरी, तुम परेशान मत हो, मैं ऐमिली को दे आऊँगा।' उसने कॉफ़ी प्याले में डाली और बड़े ध्यान से उठाकर कमरे से बाहर चला गया।

लॉरेंस उसके पीछे चला गया, मेरी हमारे पास बैठ गयी।

कुछ देर तक हम तीनों चुपचाप बैठे रहे। रात बहुत सुन्दर थीं, गरम और स्थिर। मिसेज़ कैवेन्डिश खजूर के एक पत्ते से हल्के-हल्के अपनी हवा करती रहीं।

फिर वह धीरे से बुदबुदायीं, 'काफ़ी गर्मी है, तूफ़ान आने वाला है।'

अफ़सोस कि ये शान्तिपूर्ण पल कभी रुके नहीं रहते। मेरा स्वर्ग हॉल से आती हुई उस सुपरिचित और हार्दिक नापसन्द आवाज़ से निष्ठुरता से चूर-चूर हो गया।

सिंथिया ऊँची आवाज़ में बोल पड़ी, 'डॉ. बॉयरस्टीन, आने का कैसा विचित्र वक़्त है!'

मैंने ईर्ष्यापूर्वक मेरी कैवेन्डिश की तरफ़ नज़र डाली, पर वह काफ़ी अप्रभावित दिख रही थी, उसके गालों की हल्की पीली आभा में कोई फ़र्क नहीं पड़ा था।

कुछ ही पलों में एल्फ्रेड डॉक्टर को अन्दर ले आया, हँसता हुआ डॉक्टर ड्राइंगरूम में आने की स्थिति में न होने की वजह से मना कर रहा था। वास्तव में कीचड़ से पूरी तरह लथपथ होने के कारण वह बहुत दीन स्थिति में दिख रहा था।

मिसेज़ कैवेन्डिश चिल्ला पड़ी, 'डॉक्टर, तुम क्या कर रहे थे?'

डॉक्टर बोला, 'मैं माफ़ी माँगता हूँ। दरअसल मैं अन्दर आना ही नहीं चाहता था, पर मि. इंग्लथोर्प ने ज़िद की।'

हॉल में से टहलता हुआ जॉन आया, बोला, 'बॉयरस्टीन, तुम काफ़ी बुरी हालत में हो। कॉफ़ी पियो और बताओ कि

तुम क्या कर रहे थे।'

'धन्यवाद; बताता हूँ।' वह दयनीय ढंग से हँसा और फिर उसने बताया कि उसे एक दुर्गम जगह पर दुर्लभ किस्म की फ़र्न दिखी, उसे लेने की कोशिश में उसका पैर फिसल गया और वह तालाब में गिर गया।

उसने आगे कहा, 'जल्दी ही धूप में मैं सूख गया, पर मैं बहुत अशोभनीय दिख रहा हूँ।'

इसी समय मिसेज़ इंगलथोर्प ने हॉल में से सिंथिया को आवाज़ दी, लड़की भागकर चली आयी।

'क्या तुम मेरा डिब्बा ऊपर पहुँचा दोगी? मैं सोने जा रही हूँ।'

हॉल का दरवाज़ा चौड़ा था। जब सिंथिया उठी थी, तभी मैं भी उठ गया था, जॉन मेरे पास था। इसलिए वहाँ तीन गवाह थे जो यह कसम खा सकते थे कि मिसेज़ इंगलथोर्प, तब तक बिना चखी, अपनी कॉफ़ी अपने हाथ में उठाकर ले गयी थीं। मेरी शाम डॉ. बॉयरस्टीन की उपस्थिति की वजह से पूरी तरह बर्बाद हो गयी थी। मुझे लग रहा था कि वह आदमी कभी नहीं जायेगा। पर आख़िर वह उठा, तब मैंने चैन की साँस ली।

मि. इंगलथोर्प बोला, 'मैं गाँव तक तुम्हारे साथ चलता हूँ। मुझे भूसम्पत्ति के हिसाब-किताब के बारे में एजेंट से बात करनी है।' वह जॉन की तरफ़ मुड़ा। 'किसी को मेरे लिए बैठने की ज़रूरत नहीं है। मैं दरवाज़े की चाभी ले जा रहा हूँ।'

तीसरा अध्याय
ट्रैजेडी की रात

अपनी कहानी के इस हिस्से को स्पष्ट करने के लिए मैं स्टाईल्स की पहली मंजिल का नक्शा नीचे लगा रहा हूँ। 'ब' दरवाज़े से नौकरों के कमरे तक जाया जा सकता है। उनका दाहिने हिस्से से कोई सम्पर्क नहीं है जिसमें इंग्लथोर्प दम्पत्ति के कमरे हैं।
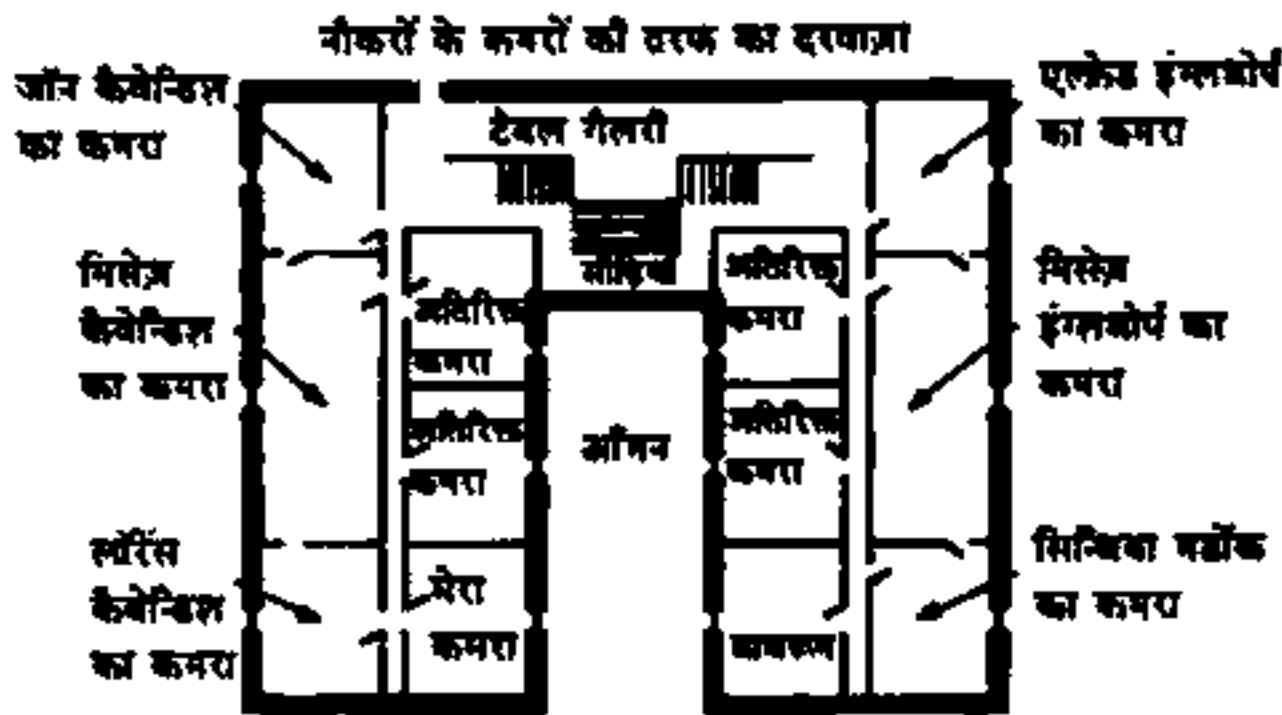
जब लॉरेंस ने मुझे जगाया तब शायद आधी रात थी। उसके हाथ में मोमबत्ती थी, उसके चेहरे की परेशानी देखकर मुझे फ़ौरन महसूस हुआ कि कुछ बहुत गम्भीर गड़बड़ हुई है।

उठकर बिस्तर पर बैठते हुए और अपने बिखरे विचारों को समेटते हुए मैंने पूछा, 'क्या मामला है?'

'हमें डर है कि माँ बहुत बीमार है। ऐसा लग रहा है जैसे उन्हें कोई दौरा पड़ा है। दुर्भाग्य से उन्होंने दरवाज़ा अन्दर से बन्द किया हुआ है।'

'मैं फ़ौरन चलता हूँ।'

मैंने पलंग से उतर कर एक ड्रेसिंग गाउन पहना और गलियारे में लॉरेंस के पीछे चलने लगा। वहाँ से घर की गैलरी में से होते हुए घर के दाहिने हिस्से में गये।

जॉन कैवेन्डिश हमारे पास आ गया, एक-दो नौकर उत्तेजित और घबराये से खड़े थे। लॉरेंस अपने भाई की तरफ़ मुड़ा।

'तुम्हें क्या लगता है कि क्या करना चाहिए?'

मैं सोचने लगा, उसके चरित्र का अनिर्णय कभी इतना स्पष्ट नहीं दिखा।

जॉन ने मिसेज़ इंग्लथोर्प के दरवाज़े का हैंडल ज़ोर से खटखटाया, पर कुछ नहीं हुआ। स्पष्ट था कि उसका ताला लगा था या अन्दर से सिटकिनी लगी थी। अब तक में सारा घर जाग गया। अन्दर से बेहद डरावनी आवाज़ें आ रही थीं। साफ़ था कि कुछ किया जाना ज़रूरी था।

डॉरकस चिल्लाई, 'सर, मि. इंग्लथोर्प के कमरे से जाने की कोशिश करिए। ओह, बेचारी मालकिन!'

अचानक मैंने महसूस किया कि एल्फ्रेड इंग्लथोर्प हमारे बीच नहीं था। सिर्फ़ उसी की मौजूदगी का कोई नामोनिशान नहीं था। जॉन ने उसके कमरे का दरवाज़ा खोला। वहाँ बहुत अँधेरा था, पर पीछे-पीछे लॉरेंस मोमबत्ती लेकर आ रहा था, उस धीमी रोशनी में हमने देखा कि पलंग पर कोई सोया ही नहीं था, न किसी के उस कमरे में होने का कोई संकेत था।

हम सीधे दोनों कमरों को जोड़ने वाले दरवाज़े तक गये। वह भी अन्दर से बन्द था। क्या करना चाहिए?

डॉरकस चिल्लाई, हाथ मलते हुए बोली, 'सर, हम क्या करें?'

'हमें कोशिश करके दरवाज़े को तोड़ देना चाहिए। हालाँकि यह मुश्किल काम होगा। ऐसा है, एक नौकरानी को नीचे भेजो, बेली को जगाये और उससे कहे डॉ. बिल्किन्स को फ़ौरन बुला लाये। अब हमें दरवाज़ा खोलने की कोशिश करनी है। जरा रुको, क्या मिस सिंथिया के कमरे में भी एक दरवाज़ा नहीं है?'

'हाँ, सर, पर वह हमेशा बन्द रहता है। उसे कभी खोला नहीं जाता।'

'फिर भी, हम एक बार देख लेते हैं।'

वह गलियारे में से दौड़ता हुआ सिंथिया के कमरे तक गया। मेरी कैवेन्डिश वहाँ लड़की को हिला रही थी—जो शायद अस्वाभाविक रूप से गहरी नींद सोती होगी—और उसे जगाना चाह रही थी।

पल दो पल में वह वापस आ गया।

'कोई फ़ायदा नहीं हुआ। वह भी बन्द है। हमें दरवाज़ा तोड़ देना चाहिए। मेरे ख़्याल से यह दरवाज़ा गलियारे वाले से कुछ कमज़ोर है।'

हमने ज़ोर लगाकर एक साथ धक्का मारा। दरवाज़े का फ्रेम बहुत मजबूत था, बहुत देर तक हमारी कोशिशें नाकाम होती रहीं; अन्त में गूँजती हुई आवाज़ के साथ वह खुल गया।

हम एक साथ लड़खड़ाते हुए अन्दर पहुँचे, लारेंस अब भी अपनी मोमबत्ती पकड़े हुए था। मिसेज़ इंग्लथोर्प बिस्तर पर पड़ी थीं, उनका पूरा शरीर तेज़ पड़ते दौरों से परेशान था, ऐसे ही एक दौरे में उनसे पलंग के पास वाली मेज़ पलट गयी होगी। जैसे ही हम घुसे, उनके हाथ पैर ढीले पड़ गये और वह तकियों पर पड़ गयीं।

जॉन कमरे में दूसरी तरफ़ गया और उसने गैस जलाई। एक नौकरानी ऐवी की तरफ़ मुड़कर, उसने उसे नीचे खाने वाले कमरे में जाकर ब्रांडी लाने को कहा। फिर वह अपनी माँ की तरफ़ गया, इस बीच मैंने गलियारे की तरफ़ वाले दरवाज़े की सिटकिनी खोल दी।

मैं लॉरेंस से यह कहने के लिए उसकी तरफ़ मुड़ा कि अब क्योंकि मेरी ज़रूरत नहीं है तो जाऊँ, पर मेरे शब्द मेरे होंठों पर जम गये। किसी इंसान के चेहरे पर मैंने ऐसी भयानक झलक कभी नहीं देखी थी। उसका रंग चॉक की तरह सफ़ेद था, काँपते हाथ में उसने जो मोमबत्ती पकड़ी हुई थी, उसकी मोम की बूँदें कालीन पर गिर रही थीं। उसकी आँखें डर से, या किसी ऐसे ही भाव से पथराई हुई थीं; वह मेरे सिर से ऊपर दूर की दीवार पर ऊपर के एक बिन्दु को आँखें जमाकर घूरे जा रहा था। ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ ऐसा देख लिया था, जिसने उसे पत्थर बना दिया था। मैं सहज बुद्धि से उसकी आँखों की दिशा में देखने लगा, पर मैं कुछ भी अस्वाभाविक नहीं देख पाया। अँगीठी में अभी भी राख में कभी-कभी चिंगारी की झलक चमक उठती थी। मेंटल पीस पर रखी सज़ावटी चीज़ों की कतार निश्चित रूप से हानिरहित थी।

मिसेज़ इंग्लथोर्प के दौरे की तीव्रता कम होती लग रही थी। थोड़ा हाँफते हुए वे बात कर पा रही थीं।

'अब बेहतर — बहुत अचानक — मेरी बेवकूफ़ी — ख़ुद को अन्दर से बन्द करना।'

बिस्तर पर एक परछाई पड़ रही थी, ऊपर देखा तो दरवाज़े के पास मेरी कैवेन्डिश सिंथिया को बाँह का सहारा दिये खड़ी थी जो पूरी तरह भौंचक्की और अपने से भिन्न दिख रही थी। उसका चेहरा बहुत ज़्यादा लाल था और वह बार-बार उबासियाँ ले रही थी।

मिसेज़ कैवेन्डिश ने धीमी, स्पष्ट आवाज़ में कहा, 'बेचारी सिंथिया काफ़ी डरी हुई है।' मैंने देखा, वह ख़ुद अपने सफ़ेद कुर्ते में थी। इसका मतलब मैं जो समय सोच रहा था, बात उससे बाद की थी। खिड़की के पर्दों के बीच से दिन की रोशनी की हल्की झलक आ रही थी और मैंटलपीस पर रखी घड़ी पाँच के लगभग का संकेत दे रही थी।

बिस्तर से आती एक घुटी हुई आवाज़ ने मुझे चौंका दिया। बदकिस्मत बूढ़ी महिला को दर्द के नये दौरे ने पकड़ लिया था। अब दौरे इतने तीव्र थे कि देखने में भयानक लग रहे थे। सब तरफ़ गड़बड़ थी। हम उनके पास इकट्ठा थे, पर उनकी मदद करने या दर्द को हल्का करने में असमर्थ थे। एक आख़िरी दौरे ने उन्हें पलंग से ऊपर उठा दिया, फिर

उनका शरीर असामान्य रूप से धनुष की तरह सिर और पैरों पर टिक गया। मेरी और जॉन ने उन्हें थोड़ी और ब्रांडी देने की कोशिश की, जो असफल रही। एक-एक पल भाग रहा था। फिर एक बार शरीर उसी अजीब तरीके से कमान बना।

उसी वक़्त डॉ. बॉयरस्टीन रास्ता बनाते हुए हक़ के साथ कमरे में आये। बिस्तर पर पड़ी महिला को देखकर पल भर के लिए वे वहीं रुक गये, उसी वक़्त मिसेज़ इंग्लथोर्प ने डॉक्टर पर नज़र जमाये हुए, घुटी हुई आवाज़ में कहा 'एल्फ्रेड— एल्फ्रेड—' फिर वह पीछे तकियों पर गिरकर एकदम स्थिर हो गयीं। एक कदम में दूरी तय कर डॉक्टर पलंग तक पहुँच गया और उनकी बाँहें पकड़कर ताकत के साथ हिला रहा था, जैसा मेरी समझ से नकली साँस दिलाने के लिए किया जाता है। उसने तीखेपन से नौकरों को कुछ छोटे-छोटे आदेश दिये। उसके हाथ के दबंग इशारे ने हम सबको दरवाज़े तक पहुँचा दिया। हालाँकि हम सब अपने दिलों में जानते थे कि बहुत देर हो चुकी थी, अब कुछ भी नहीं किया जा सकता था। मैं उसके चेहरे को देखकर समझ गया था कि उसे भी बहुत कम उम्मीद थी।

आख़िर गम्भीरता से सिर हिलाते हुए उसने अपना काम छोड़ दिया। उस घड़ी हमें बाहर कदमों की आहट सुनाई दी और मिसेज़ इंग्लथोर्प के निजी डॉक्टर डॉ. विल्किन्स हड़बड़ाते हुए अन्दर आये, वे शरीर से भारी-भरकम, बात का बतंगड़ बनाने वाले व्यक्ति थे।

डॉ. बॉयरस्टीन ने कुछ शब्दों में सब बताया कि कैसे वे बाहर से जा रहे थे, तभी फाटक से कार निकली, बात पता चलते ही वे दौड़कर जितनी जल्दी हो सकता था, घर में आये। इस बीच कार डॉ. विल्किन्स को लेने चली गयी। फिर हाथ के हल्के से इशारे से पलंग पर पड़ी देह की तरफ़ इशारा किया।

डॉ. विल्किन्स बुदबुदाये, 'बहुत बुरा, ब—हुत बुरा हुआ। बेचारी महिला। हमेशा बहुत ज़्यादा काम करती रहती थीं — ज़रा ज़्यादा ही — मेरी सलाह के ख़िलाफ़। मैंने उन्हें चेतावनी दी थी, — 'जरा कम भागदौड़ किया करो।' पर नहीं — अच्छे कार्यों को करने में उनका उत्साह बहुत ज़्यादा था। प्रकृति ने विद्रोह कर दिया। प्र-कृति — ने — वि-द्रोह किया।'

मैंने देखा कि डॉ. बॉयरस्टीन स्थानीय डॉक्टर को ध्यान से देख रहा था। अपनी आँखें उस पर टिकाए हुए वह बोला :

'दौरे एक ख़ास तरह से तीव्रता के थे, डॉ. विल्किन्स। मुझे अफ़सोस है कि आपने वे नहीं देखे। वे टैटनस के से ढंग के थे।'

डॉ. विल्किन्स बहुत समझदारी से बोले, 'ओह!'

डॉ. बॉयरस्टीन ने कहा, 'मैं आपसे अकेले में बात करना चाहूँगा।' फिर जॉन की तरफ़ मुड़कर पूछने लगा, 'तुम्हें एतराज़ तो नहीं होगा?'

'बिल्कुल नहीं।'

दोनों डॉक्टरों को अकेला छोड़कर हम गलियारे में निकल आये, मुझे अपने पीछे ताले में चाभी घूमने की आवाज़ आयी।

हम धीरे-धीरे सीढ़ियों से नीचे उतर गये। मैं बेहद उत्तेजित था। मुझमें नतीजे निकालने की एक प्रतिभा है, और डॉ. बॉयरस्टीन के व्यवहार ने मेरे मन में बेलगाम अन्दाजों का झुँड छोड़ दिया था। मेरी कैवेन्डिश का हाथ मेरी बाँह पर था।

'क्या बात है? डॉ. बॉयरस्टीन इतने अजीब क्यों लग रहे थे?' मैंने उसकी तरफ़ देखा।

'तुम जानती हो मैं क्या सोच रहा हूँ?'

'क्या?'

'सुनो!' मैंने चारों तरफ़ देखा, सब सुनने की सीमा से दूर थे। मैंने अपनी आवाज़ को फुसफुसाहट में बदल कर कहा 'मेरा विश्वास है कि उन्हें ज़हर दिया गया। मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि डॉ. बॉयरस्टीन को भी यही शक़ है।'

'क्या?' वह दीवार के साथ चिपक गयी, आँखों की पुतलियाँ चौड़ी हो गयीं। फिर अचानक ऐसे चिल्लाई कि मैं चौंक उठा; वह चिल्लाई, 'नहीं, नहीं — ऐसा नहीं — ऐसा नहीं।' मुझसे हटकर सीढ़ियों पर भागती चली गयी। मैं उसके पीछे, मुझे डर था कि वह बेहोश न हो जाये। मैंने देखा वह रेलिंग पर टिकी हुई थी, रंग बिल्कुल फीका था। उसने बेचैनी से चले जाने का इशारा किया।

'नहीं, नहीं — मुझे छोड़ दो। मैं अकेले रहना चाहती हूँ। मुझे कुछ देर सिर्फ़ चुप रहने दो। नीचे औरों के पास चले जाओ।'

मैंने अनिच्छा से उसकी बात मान ली। जॉन और लॉरेंस खाने वाले कमरे में थे। मैं उनके पास चला गया। हम सब चुप थे, पर मेरे ख़्याल से मैंने आख़िर में जब अपनी चुप्पी तोड़ते हुए पूछा 'मि. इंगलथोर्प कहाँ हैं?' तब सभी के मन में वही प्रश्न था।

जॉन ने सिर हिलाया : 'वह घर में नहीं हैं।'

हमारी नज़रें मिलीं। एल्फ्रेड इंगलथोर्प था कहाँ? उसका घर में न होना अजीब और समझ से परे था। मुझे मिसेज़ इंगलथोर्प के आख़िरी शब्द याद आये। उनके पीछे क्या था? अगर वे ज़िन्दा होतीं तो वे हमें और क्या बतातीं?

आख़िर हमें डॉक्टरों के सीढ़ियों से उतरने की आवाज़ सुनाई दी। डॉ. विल्किन्स उत्तेजित लग रहे थे। वे अपने भीतर के उल्लास को ओढ़ी हुई मर्यादित शान्ति से छिपा रहे थे। डॉ. बॉयरस्टीन पृष्ठभूमि में रह गए, उनका दाढ़ी वाला चेहरा ज्यों का त्यों गम्भीर था। डॉ. विल्किन्स दोनों की तरफ़ से बोल रहे थे। उन्होंने जॉन से कहा : 'मि. कैवेन्डिश, मैं पोस्टमार्टम के लिए आपकी सहमति चाहूँगा।

जॉन ने गम्भीरता से पूछा, 'क्या यह ज़रूरी है?' उसके चेहरे पर दर्द की लहर दौड़ गयी।

डॉ. बॉयरस्टीन ने कहा, 'बिल्कुल।'

'तुम्हारा मतलब —?'

'क्योंकि इन परिस्थितियों में न डॉ. विल्किन्स, न मैं तुम्हें मौत का सर्टिफिकेट दे सकते हैं।'

जॉन ने सिर झुका लिया, 'ऐसा है तो मेरे पास राज़ी होने के अलावा कोई चारा नहीं है।'

डॉ. विल्किन्स फुर्ती से बोले, 'धन्यवाद। हमारा यह सुझाव है कि यह काम कल रात या बल्कि आज ही रात को हो जाये।' उन्होंने दिन की रोशनी को जाँचा। 'इस स्थिति में तहक़ीक़ात से बचा नहीं जा सकता — ये औपचारिकता ज़रूरी है, पर मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप लोग अपने को दुखी मत करो।'

थोड़ी देर बाद डॉ. बॉयरस्टीन ने जेब से दो चाभियाँ निकालीं और जॉन को पकड़ा दीं।

'ये दोनों कमरों की चाभियाँ हैं। मैंने ताला लगा दिया है। मेरे ख़्याल में अभी इन्हें बन्द रखना ही बेहतर होगा।'

इसके बाद दोनों डॉक्टर चले गये।

मेरे दिमाग़ में एक विचार घूम रहा था, मुझे लगा कि अब समय आ गया था कि उस पर बात की जाये। फिर भी ऐसा करने में सकुचा रहा था। मैं जानता था कि जॉन को किसी भी तरह के प्रचार से ख़ौफ़ होता था; वह एक आरामपसन्द आशावादी था, जो परेशानी से ज़रा भी रू-ब-रू होना नहीं चाहता था। मेरे लिए उसे अपनी योजना के सही होने का निश्चय करवाना कठिन हो सकता था। दूसरी तरफ़ लॉरेंस कम रूढ़िवादी और ज़्यादा कल्पनाशील होने के कारण मुझे लगता था कि मेरा साथी हो सकता था। निस्सन्देह वह घड़ी आ गयी थी, जब मुझे पहल करनी चाहिए थी।

मैंने कहा, 'जॉन, मैं तुमसे कुछ पूछूँगा।'

'पूछो।'

'तुम्हें याद है मैंने तुमसे अपने बेल्जियन मित्र पॉयरो के बारे में बात की थी, जो आजकल यहाँ है? वह बहुत प्रसिद्ध जासूस है।'

'हाँ।'

'मैं चाहता हूँ कि तुम मुझे इस मामले की जाँच के लिए उसे बुला लेने दो।

'क्या — अब? पोस्टमार्टम से पहले?'

'हाँ, अगर कुछ गड़बड़ हुई है, तो समय मिलने से फ़ायदा रहता है।

लॉरेंस गुस्से से चीख़ा, 'बकवास! मेरे ख़्याल से सब कुछ बॉयरस्टीन का फैलाया मायाजाल है। जब तक उसने यह ख़्याल विल्किन्स के दिमाग़ में नहीं डाला, तब तक उसने ऐसा कुछ नहीं सोचा था। बॉयरस्टीन भी सभी विशेषज्ञों की तरह झक्की है। ज़हर उसका शौक़ है, इसलिए, निश्चित है कि उसे हर जगह वही दिखता है।'

मैं स्वीकार करता हूँ कि लॉरेंस के इस व्यवहार ने मुझे ताज्जुब में डाल दिया। वह किसी बात को लेकर इतना तीखा कभी नहीं होता।

जॉन सकुचा गया। अन्त में बोला, 'लॉरेंस मैं तुम्हारी तरह नहीं सोच सकता। मैं हेस्टिंग्स को खुली छूट देना चाहूँगा। हालाँकि मुझे कुछ समय इन्तज़ार करना बेहतर लगेगा। हम बेकार की बदनामी नहीं चाहते।'

मैं आतुरता से चिल्लाया, 'नहीं, नहीं, तुम्हें इस बात की फ़िक्र नहीं करनी है। पॉयरो बहुत सावधान व्यक्ति है।'

'तो ठीक है, अपने तरीके से काम करो। मैं तुम्हारे हाथों में सब छोड़ता हूँ। हालाँकि अगर यह वैसा ही है जैसा हमारा शक़ है तो मामला काफ़ी साफ़ है। अगर मैं उसके साथ अन्याय कर रहा हूँ तो भगवान मुझे माफ़ करें।

मैंने अपनी घड़ी देखी। छः बजे थे। मैंने समय गँवाना उचित न समझा।

पाँच मिनट की देरी मैंने भी की। मैंने वह वक़्त लाइब्रेरी खंगालने में लगाया, तब तक जब तक कि मुझे डॉक्टरी की वो किताब नहीं मिल गयी, जिसमें स्ट्रिकनीन ज़हर का ब्यौरा था।

चौथा अध्याय
पॉयरो की जाँच

गाँव के जिस घर में बेल्जियम के लोग रहते थे, वह पार्क के फाटक के काफ़ी पास था। लम्बी घास में से सँकरे रास्ते पर होकर जाने से चक्करदार घूम कर जाने का वक़्त बचाया जा सकता था। इसलिए मैं उसी रास्ते से गया। मैं लगभग घर तक पहुँच ही गया था, जब दौड़कर मेरी तरफ़ आते एक आदमी ने मेरा ध्यान खींचा। वह मि. इंग्लथोर्प था। वह कहाँ था? वह घर पर अपने न होने के बारे में क्या बताने की सोच रहा था?

उसने व्यग्रता से मुझे पुकारा।

'हे भगवान! यह तो बहुत बुरा हुआ। बेचारी मेरी पत्नी! मैंने अभी-अभी सुना है।'

मैंने पूछा, 'तुम कहाँ थे?'

'कल रात डेन्बी ने मुझे देर करवा दी। काम पूरा होने तक रात के एक बज गये थे। तब मैंने देखा कि मैं दरवाज़े की चाभी लाना भूल गया था। किसी और को मैं जगाना नहीं चाहता था। डेन्बी ने मुझे सुला लिया।

मैंने फिर पूछा, 'तुम्हें ख़बर कैसे मिली?'

'विल्किन्स ने डेन्बी को बताने के लिए दरवाज़ा खटखटाया। बेचारी मेरी ऐमिली! वह इतने अच्छे चरित्र की थी, औरों के लिए त्याग करती रहती थी। वह अपनी ताक़त से ज़्यादा काम करती थी।'

मेरे मन में विरक्ति की लहर दौड़ गयी। यह आदमी कितना पक्का पाखण्डी था।

मैंने कहा, 'मुझे जल्दी जाना है।' शुक्र है उसने यह नहीं पूछा कि मैं कहाँ जा रहा हूँ।'

कुछ मिनटों में मैं लीस्टवेज कॉटेज के दरवाज़े को खटखटा रहा था।

कोई जवाब न मिलने पर मैंने अधीरता से दोबारा खटखटाया। मेरे सिर के ऊपर वाली खिड़की को सावधानी से खोला गया और पॉयरो ने ख़ुद बाहर झाँका।

वह मुझे देखकर ताज्जुब से चिल्लाया। मैंने संक्षेप में उसे उस त्रासदी की बात बतायी और यह भी कहा कि मुझे उसकी मदद की ज़रूरत थी।

'रुको, दोस्त। मैं दरवाज़ा खोलता हूँ। जब तक मैं कपड़े बदलता हूँ, तुम इस मामले के बारे में फिर से बता देना।'

कुछ पलों में उसने दरवाज़ा खोला, और मैं उसके साथ ऊपर उसके कमरे में गया। वहाँ उसने मुझे एक कुर्सी पर बिठाया, मैंने कुछ भी नहीं छिपाया, महत्वहीन बातों को भी छोड़े बिना पूरी कहानी सुना दी। इस बीच वह ख़ुद ध्यान से, बिना हड़बड़ी किये कपड़े पहनकर तैयार हो गया।

मैंने उसे अपने जागने, मिसेज़ इंग्लथोर्प के अन्तिम शब्दों, उनके पति की ग़ैरमौजूदगी, एक दिन पहले के झगड़ों, मेरे द्वारा सुने गये मेरी कैवेन्डिश और उसकी सास के बीच की बातचीत के टुकड़ों, उससे पहले मिसेज़ इंग्लथोर्प और ऐवेलिन हॉवर्ड के बीच की लड़ाई और ऐवेलिन के दिये इशारों के बारे में सब कुछ बता दिया।

मैं उतना स्पष्ट कतई नहीं था, जितना होना चाहता था। कई बार अपनी बात को दोहराता रहा, बीच में किसी भूले हुए ब्यौरे पर लौटता था। पॉयरो मुझे देखकर सदयता से मुस्कराता रहा।

'दिमाग़ गड़बड़ा रहा है? है न? समय ले लो, दोस्त। तुम परेशान हो; उत्तेजित हो — पर यह स्वाभाविक है। जैसे-जैसे हम शान्त होंगे, तो तथ्यों को व्यवस्थित कर सकेंगे, अच्छी तरह उनको सही जगह पर रख पायेंगे। उनकी जाँच करने के बाद अनावश्यक को हटा देंगे। जो महत्वपूर्ण हैं, उन्हें एक तरफ़ रख लेंगे, जो नहीं हैं, उन्हें उड़ा देंगे।' उसने अपना भोला चेहरा घुमाया और मज़ाकिया ढंग से फूँक मारकर बोला, 'उड़ा देंगे।'

मैंने एतराज़ करते हुए कहा, 'ये तो बहुत ठीक है, पर तुम यह कैसे तय करोगे कि क्या महत्वपूर्ण है और क्या नहीं?

मुझे हमेशा यही मुश्किल लगता है।'

पॉयरो ने बड़ी ऊर्जा के साथ सिर हिलाया। अब वह बहुत ध्यान से अपनी मूँछें ठीक कर रहा था।

'ऐसा नहीं है। एक तथ्य दूसरे तक ले जाता है — और हम बढ़ते जाते हैं। क्या अगला तथ्य उसमें जुड़ रहा है? बढ़िया! अच्छा है! हम आगे बढ़ सकते हैं। यह छोटा-सा तथ्य — नहीं। ओह, यह विचित्र है! इसमें कुछ छूट रहा है —शृंखला की एक कड़ी यहाँ नहीं है। हम परीक्षण करते हैं। ढूँढ़ते हैं और वह छोटा-सा, विचित्र तथ्य, वह छोटा-सा तुच्छ तथ्य जो शायद मेल भी नहीं खा रहा, हम उसे यहाँ रखते हैं।' उसने अपने हाथ से बढ़ा-चढ़ा कर इशारा किया। 'यह तो महत्वपूर्ण है। यह तो बहुत महत्वपूर्ण है।'

'हाँ—'

'अहा!' पॉयरो ने अपनी तर्जनी इतनी तेज़ी से मेरी तरफ़ हिलाई कि मैं उसके सामने दुबक गया। 'सावधान! उस जासूस के लिए ख़तरा है जो यह कहता है ''यह बहुत छोटा है — इससे कोई फ़ायदा नहीं है। यह सही नहीं होगा। मैं इसे भूल जाता हूँ।'' उसी में गड़बड़ है। हर चीज़ से फ़र्क पड़ता है।'

'मैं जानता हूँ। तुमने मुझसे हमेशा यही कहा है। इसीलिए मैं इस मामले के हर विवरण तक गया हूँ, चाहे वह मुझे इससे जुड़ा हुआ लगा या नहीं।'

'और मैं तुमसे सन्तुष्ट हूँ। तुम्हारी याददाश्त अच्छी है, और तुमने मुझे ईमानदारी के साथ सारे तथ्य दिये हैं। जिस क्रम में तुमने उन्हें दिया है उसके बारे में कुछ नहीं कहूँगा — सच कहूँ तो वह खेदपूर्ण है। पर इतनी छूट मैं देता हूँ। तुम परेशान हो। परिस्थिति के कारण तुमने एक बेहद महत्वपूर्ण तथ्य छोड़ दिया है।

'वह क्या है?'

'तुमने मुझे यह नहीं बताया कि कल रात मिसेज़ इंगलथोर्प ने खाना ठीक से खाया था या नहीं।

मैंने उसे घूर कर देखा। युद्ध ने निश्चित रूप से इस छोटे आदमी के दिमाग़ को प्रभावित किया था। वह बड़े ध्यान से पहनने से पहले अपने कोट को साफ़ करने में लगा हुआ था। ऐसा लग रहा था जैसे वह उस काम में पूरी तरह डूबा हुआ था।

मैं बोला, 'मैंने नहीं देखा। वैसे भी मैं देखता नहीं हूँ—'

'तुम देखते नहीं? पर वह पहले महत्वपूर्ण है।'

मैं थोड़ा चिढ़ कर बोला, 'कैसे, यह मैं नहीं जानता। जहाँ तक मुझे याद है, उन्होंने ज़्यादा नहीं खाया था। वह परेशान दिख रही थीं; इससे उनकी भूख उड़ गयी थी। वह स्वाभाविक ही था।'

पॉयरो सोचते हुए बोला, 'हाँ, वह तो स्वाभाविक था।'

उसने एक दराज़ खोली, एक छोटा बक्सा निकाला, फिर मेरी तरफ़ मुड़ा।

'अब मैं तैयार हूँ। हम उस घर की तरफ़ चलते हैं, और पहुँचकर जगह पर मामले की जाँच-पड़ताल करेंगे। माफ़ करना दोस्त, तुम जल्दी में तैयार हुए होगे। तुम्हारी टाई एक तरफ़ है।' फिर उसने कुशलतापूर्वक उसे ठीक कर दिया।

'अब चलें?'

हम जल्दी से गाँव तक जाकर भवन के फाटक में मुड़ गये। पॉयरो पल भर को रुका, दुखी भाव से बगीचे के ख़ूबसूरत विस्तार को देखा जो अब भी सुबह की ओस से चमक रहा था।

'इतना सुन्दर, इतना सुन्दर, फिर भी बेचारा परिवार दुख में डूबा, दर्द से बेहाल है।'

बोलते समय वह गहराई से मुझे देख रहा था, और मैं जानता था कि उसके देर तक घूरने की वजह से मैं लाल हो गया था।

क्या परिवार दर्द से बेहाल था? क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प की मृत्यु का दुख इतना बड़ा था? मैंने अनुभव किया कि वहाँ के माहौल में भावनाओं की कमी थी। मृत महिला में दूसरों से प्यार का उपहार पाने की क्षमता नहीं थी। उसकी मृत्यु एक सदमा और परेशानी दे रही थी, पर उनके न होने का किसी को अधिक दुख नहीं होगा।

ऐसा लगा जैसे पॉयरो मेरे विचारों को समझ रहा था। उसने गम्भीरता से सिर हिलाया।

वह बोला, 'नहीं तुम सही हो, ऐसा नहीं है कि उनका किसी से ख़ून का रिश्ता था। वे इन कैवेन्डिशों के प्रति उदार और दयालु थीं, पर वे उनकी अपनी माँ नहीं थीं। ख़ून बोलता है — हमेशा याद रखो, ख़ून बोलता है।'

मैंने कहा, 'पॉयरो, मैं चाहता था तुम मुझे यह बताओ कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने रात का खाना अच्छी तरह खाया या नहीं, यह तुम क्यों जानना चाहते थे। मेरे दिमाग़ में यह बात घूम रही है, पर मैं यह नहीं समझ पा रहा कि इसका इस मामले से क्या ताल्लुक है।'

हम दोनों चल रहे थे, वह कुछ मिनट तो चुप रहा, पर अन्त में बोला, 'मुझे तुम्हें बताने में कोई दिक्कत नहीं है — हालाँकि तुम जानते ही हो, मेरी आदत है कि काम पूरा होने से पहले कुछ न बताऊँ। इस वक़्त यह दावा किया जा रहा है कि उनकी मृत्यु स्ट्रिकनीन ज़हर से हुई है। वह शायद उन्हें कॉफ़ी में दिया गया था।'

'हाँ।'

'कॉफ़ी किस वक़्त दी गयी थी?'

'आठ बजे के करीब।'

'इसलिए उन्होंने उस वक़्त से साढ़े आठ के बीच पी होगी — उसके बाद ज़रूर नहीं। स्ट्रिकनीन तेज़ी से असर करने वाला ज़हर है। इसका प्रभाव जल्दी महसूस किया जाना चाहिए था, लगभग एक घण्टे में। जबकि मिसेज़ इंग्लथोर्प के मामले में लक्षण अगले दिन सुबह पाँच बजे तक नहीं दिखे। नौ घण्टे। अगर खाना अच्छी तरह खाया जाये और उसी वक़्त ज़हर भी लिया जाये तो उसका प्रभाव कम और देर में होता है, फिर भी इतनी देर मुश्किल थी। पर इस सम्भावना को ध्यान में रखना चाहिए। तुम्हारे अनुसार उन्होंने बहुत कम खाना खाया था, अगली सुबह भी लक्षण जल्दी नहीं दिखे। अब यह एक अजीब स्थिति है, दोस्त! हो सकता है कि शव परीक्षण के बाद कुछ ऐसा निकले जिससे कोई जानकारी मिले। इस बीच, याद रखना!'

जब हम घर के पास पहुँचे, तब जॉन बाहर आया और हमसे मिला। उसका चेहरा थका हुआ और मरियल-सा लगा।

वह कहने लगा, 'मि. पॉयरो, यह बहुत डरावना झमेला है। हेस्टिंग्स ने आपको बता दिया होगा कि हम कोई प्रचार नहीं चाहते?'

'मैं पूरी तरह समझ गया हूँ।'

'देखिए। अब तक शक़ का ही मामला है। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए कुछ नहीं है।'

'बिल्कुल ठीक! सिर्फ़ सावधानी का मसला है।'

जॉन मेरी तरफ़ मुड़ा, उसने अपना सिगरेट का डिब्बा निकाला और एक सिगरेट निकालकर जलाई।

'तुम जानते हो, वह आदमी इंग्लथोर्प लौट आया है?'

'हाँ। मैं उससे मिला था।'

जॉन ने माचिस की तीली पास की क्यारी में फेंक दी, पॉयरो की भावनाओं के लिए यह हरकत बहुत अधिक थी। उसने तीली उठाई, और सफ़ाई से दबा दी।

'यह जानना काफ़ी मुश्किल है कि उसके साथ कैसा बर्ताव किया जाये।'

पॉयरो ने धीरे से कहा, 'यह मुश्किल ज़्यादा देर नहीं रहेगी।'

जॉन दुविधा में दिखा, क्योंकि वह इस रहस्यमय कथन का अर्थ नहीं समझ पाया था। उसने डॉ. बॉयरस्टीन की दी हुई दोनों चाभियाँ मुझे पकड़ा दीं।

'मि. पॉयरो जो कुछ देखना चाहें, उन्हें वह सब दिखा दो।'

पॉयरो ने पूछा, 'क्या कमरों में ताला लगा है?'

'डॉ. बॉयरस्टीन ने यही सलाह दी थी।'

पॉयरो ने सोचते हुए सिर हिलाया।

'तब तो वे ज़रूर यही मानते हैं। इससे हमारे लिए काम आसान हो जाता है।'

हम दोनों दुर्घटना वाले कमरे में साथ-साथ गये। सुविधा के लिए मैं कमरे और उसमें मौजूद प्रमुख चीज़ों और मेज़-कुर्सी की स्थिति का नक्शा साथ लगा रहा हूँ।
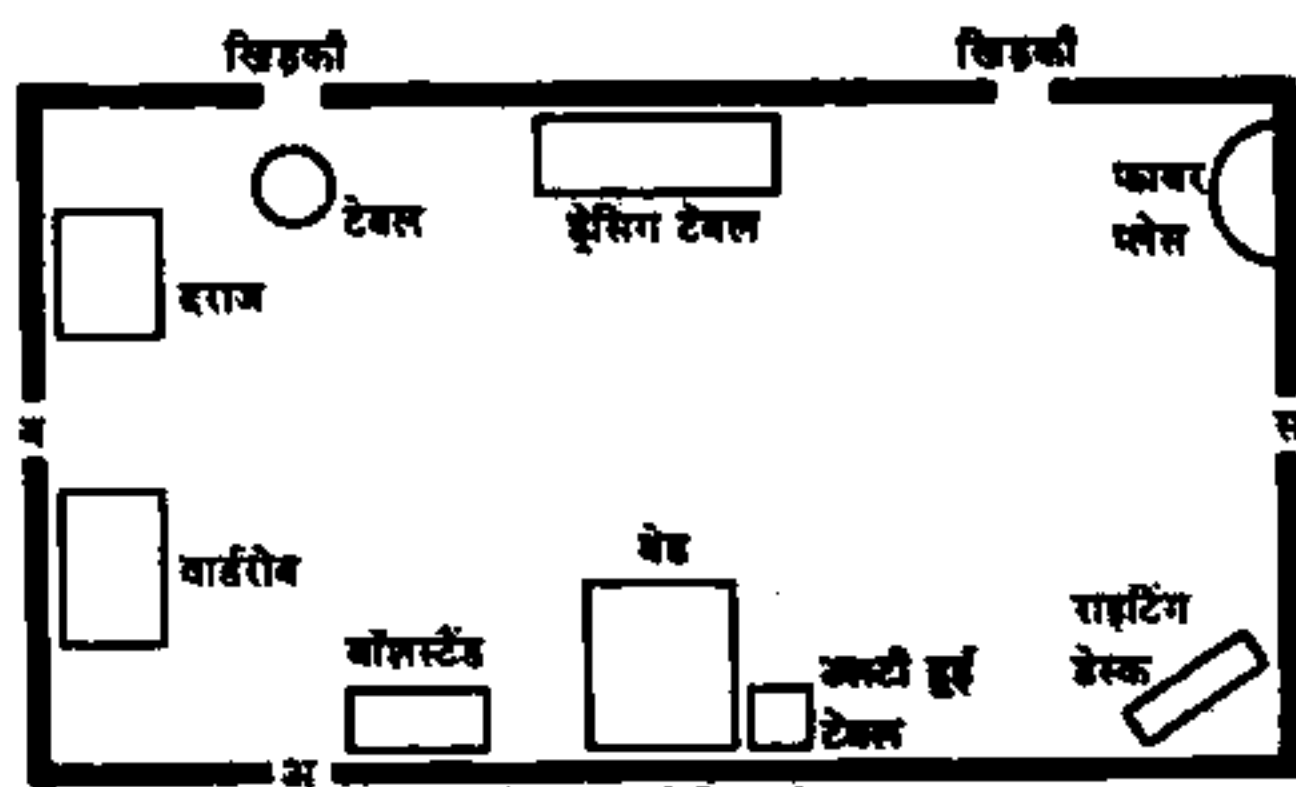
मिसेज़ इंग्लथोर्प का बेडरूम

अ - पैसेज की तरफ का दरवाज़ा
ब - मि. इंगलथोर्प के कमरे की तरफ का दरवाज़ा
स - सिन्थिया के कमरे की तरफ का दरवाजा

पॉयरो ने दरवाज़ा अन्दर से बन्द कर लिया और हर चीज़ बारीकी से जाँचने लगा। वह एक टिड्डे की फुर्ती से एक चीज़ से दूसरी की तरफ़ भाग रहा था। मैं दरवाज़े के पास रहा क्योंकि मुझे डर था कि कोई सबूत मिटा न दूँ। पर पॉयरो मेरे धैर्य की वजह से मेरा कृतज्ञ नहीं था।

वह चिल्लाया, 'तुम्हें क्या हुआ है, दोस्त? तुम वहाँ ऐसे खड़े हो जैसे — कैसे कहते हैं — हाँ, जैसे फँसा हुआ सुअर।'

मैंने सफ़ाई दी कि मुझे डर था मैं कोई पैरों के निशान वगैरह मिटा न दूँ।

'पैरों के निशान? पर यह कैसा विचार है? पहले ही इस कमरे में तकरीबन पूरी फौज आ चुकी है। हमें कौन से पैरों के निशान मिल सकते हैं? नहीं, यहाँ आओ और तलाश में मुझे मदद करो। मैं अपना छोटा बक्सा ज़रूरत पड़ने तक रखे देता हूँ।'

उसने खिड़की के पास वाली गोल मेज़ पर उसे रखा, पर वह काम बिना सोचे समझे किया गया साबित हुआ; क्योंकि मेज़ का ऊपरी हिस्सा ढीला होने की वजह से एक तरफ़ झुक गया और वह डिब्बा तेज़ी से फ़र्श पर गिर गया।

पॉयरो चिल्ला उठा, 'ओह ये मेज़! दोस्त, इंसान भले ही बड़े घर में रहता हो, पर हो सकता है कि उसे आराम न मिले।'

यह नैतिकतापूर्ण बात कहकर उसने अपनी खोज फिर से चालू कर दी।

कुछ देर के लिए उसका ध्यान लिखने वाली मेज़ पर रखे एक बैंगनी रंग के छोटे बक्से पर अटक गया, जिसके ताले में

चाभी लगी हुई थी। उसने ताले में से चाभी निकाली और जाँच के लिए मेरी तरफ़ बढ़ा दी। मुझे कुछ ख़ास नहीं दिखा, वह साधारण चाभी थी, जिसके हैंडल में छोटा-सा मुड़ा हुआ तार था।

इसके बाद उसने उस दरवाज़े के फ्रेम की जाँच की, जिसे तोड़कर हम अन्दर गये थे, ताकि उसे यह विश्वास हो जाये कि दरवाज़े की सिटकिनी वाकई अन्दर से बन्द थी। फिर वह उल्टी तरफ़ वाले दरवाज़े के पास गया जो सिंथिया के कमरे में खुलता था। वह भी मेरे बताये अनुसार बन्द था। फिर भी उसने जाकर उसे खोला, फिर कई बार खोलना, बन्द करना करता रहा, यह काम वह बहुत सावधानी से, बिना आवाज़ किये करता रहा। अचानक सिटकिनी की ही किसी चीज़ पर उसकी नज़र अटक गयी। वह ध्यान से देखता रहा, फिर कुशलता से अपने बक्से में से एक चिमटी निकाल कर कोई छोटी-सी चीज़ खींची और सावधानी से एक छोटे लिफ़ाफ़े में बन्द कर दी।

दराजों वाली अलमारी के ऊपर एक ट्रे में स्पिरिट वाला एक लैंप और एक छोटा-सा सॉसपैन रखा था। उसमें थोड़ी-सी मात्रा में एक गहरे रंग का ज़रा-सा द्रव बचा था, वहीं एक खाली प्याला और प्लेट भी रखे थे जिनमें कुछ पीया गया था।

मैं सोचने लगा मैं इतना असावधान कैसे हो सकता था कि यह सब अनदेखा कर गया। यह सबूत काम का था। पॉयरो ने नज़ाकत से उस द्रव में उँगली डुबाकर सावधानी से उसे चखा। उसने बहुत बुरा मुँह बनाया।

'कोको — मेरे ख़्याल से — रम के साथ।'

वह बिस्तर के पास फ़र्श पर पड़े मलबे की तरफ़ गया, जो मेज़ के उलटने की वजह से गिरा था। पढ़ने के लिए एक लैंप, कुछ किताबें, माचिस, एक चाभी का गुच्छा और टूटे हुए प्याले के टुकड़े फैले हुए थे।

पॉयरो बोला, 'ओह, यह अजीब है।'

'मैं यह स्वीकार करता हूँ कि मुझे इसमें कुछ अजीब नहीं दिख रहा है।'

'नहीं दिख रहा है? लैंप को देखो — चिमनी दो जगह से टूटी है; वे वैसी ही पड़ी है जैसी गिरी होगी। पर देखो, कॉफ़ी के प्याले का पूरी तरह चूरा बना हुआ है।

मैं थकी हुई आवाज़ में बोला, 'हाँ, मेरे ख़्याल से किसी ने उस पर पैर रख दिया होगा।'

पॉयरो ने अजीब-सी आवाज़ में कहा, 'बिल्कुल, किसी ने उस पर पैर रखा था।'

वह घुटनों से ऊपर उठा, धीरे से मैंटलपीस तक गया, जहाँ रखे सज़ावट के सामानों को अनमने ढंग से छूता, सीधा करता रहा — परेशान होने पर वह यही किया करता था।

वह मेरी तरफ़ मुड़ा और बोला, 'दोस्त, किसी ने उस प्याले पर पैर रखा, उसका पाउडर बनाया, और उसका कारण या तो उसमें स्ट्रिकनीन होना था या — इससे भी गम्भीर बात यह — कि उसमें स्ट्रिकनीन नहीं होना था।'

मैंने कोई जवाब नहीं दिया। मैं चकराया हुआ था पर उससे बताने के लिए कहने का कोई फायदा नहीं था, इसलिए पूछा नहीं। एक-दो मिनट में वह सजग हुआ और फिर से अपनी खोज में लग गया। उसने फ़र्श पर से चाभियों का गुच्छा उठाया और अपनी उँगलियों पर घुमाते हुए एक बहुत चमकीली चाभी चुनी जिसे उसने बैंगनी रंग के छोटे बक्से के ताले में लगाने की कोशिश की। वह लग गयी, उसने बक्सा खोला, पर एकपल झिझकने के बाद बन्द करके फ़िर से ताला लगा दिया, फिर चाभी का गुच्छा और वह चाभी जो पहले ताले में लगी थी, अपने जेब में डाल ली।

'मेरे पास इन काग़ज़ों को देखने का अधिकार तो नहीं है। पर इन्हें देखना चाहिए — फ़ौरन।'

उसके बाद उसने हाथ धोने वाले स्टैंड की दराजों को बड़ी सावधानी से जाँचा। बाँयी तरफ़ की खिड़की तक जाने के लिए कमरा पार किया, गहरे कत्थई रंग के कालीन पर गोल-सा एक निशान था जो मुश्किल से दिख रहा था। पर उसने पॉयरो का ख़ास ध्यान खींचा। वह घुटनों के बल बैठकर बारीकी से उसे परखता रहा — यहाँ तक कि उसे सूँघा भी।

अन्त में उसने शीशे की एक परखनली में कोको की कुछ बूँदें डालीं, फिर उसे सावधानी से सील कर दिया। उसका

अगला काम एक छोटी नोटबुक निकालना था।

उसने व्यस्तता से लिखते हुए कहा, 'हमें इस कमरे में छ: रोचक सूत्र मिले हैं। उन्हें मैं गिनाऊँ या तुम गिनाओगे?

मैं जल्दी से बोला, 'तुम'।

'तो ठीक है। एक कॉफ़ी का प्याला जिसका चूरा कर दिया गया है; दूसरा छोटा बक्सा जिसके ताले में चाभी लगी थी; तीसरा फ़र्श पर पड़ा एक दाग़।'

मैंने बीच में टोका, 'वह पहले का पड़ा हुआ भी हो सकता है।'

'नहीं, क्योंकि वह अभी भी गीला दिख रहा है और उसने कॉफ़ी की गंध है। चौथा, किसी गहरे हरे रंग के कपड़े का टुकड़ा, भले ही एक दो धागे ही हैं, पर पहचाना जा सकता है।'

मैं ज़ोर से बोला, 'ओह, तो उसे तुमने लिफ़ाफ़े में सील किया है?'

'हाँ। हो सकता है कि वह मिसेज़ इंगलथोर्प की अपनी पोशाक का टुकड़ा ही हो, और काफ़ी महत्वहीन हो। हम देखेंगे। पाँचवाँ, यह।' एक नाटकीय मुद्रा में उसने लिखने वाली मेज़ के पास फ़र्श पर पड़ी मोम के छितराव की तरफ़ इशारा किया। 'यह कल हुआ होगा, नहीं तो एक अच्छी नौकरानी ने गरम प्रेस और स्याही सोख्ते की मदद से इसे फ़ौरन हटा दिया होता। एक बार मेरे सबसे अच्छे हैट पर — पर वह मौके की बात नहीं है।'

'यह ज़रूर कल रात को हुआ होगा। हम बहुत परेशान थे। या शायद मिसेज़ इंगलथोर्प ने ख़ुद ही अपनी मोमबत्ती गिरा दी हो।'

'तुम कमरे में एक ही मोमबत्ती लाये थे?'

'हाँ। वह लॉरेंस कैवेन्डिश के हाथ में थी। पर वह बहुत परेशान था।' मैंने मैंटलपीस की तरफ़ इशारा करते हुए बताया, 'ऐसा लगा जैसे उसे वहाँ कुछ ऐसा दिखा जिसने उसे सुन्न कर दिया।'

पॉयरो जल्दी से बोला, 'यह दिलचस्प बात है।' उसने पूरी दीवार की लम्बाई पर अपनी आँख घुमाई—'पर यह बड़ा-सा छितराव उसकी मोमबत्ती का नहीं है, क्योंकि तुम देख रहे हो कि यह सफ़ेद मोम है; जबकि मिस्टर लॉरेंस की मोमबत्ती जो अब भी शृंगार मेज़ पर रखी है, उसका रंग गुलाबी है। दूसरी तरफ़ मिसेज़ इंगलथोर्प के कमरे में शमादान नहीं, सिर्फ़ पढ़ने वाला लैंप था।

मैंने कहा, 'तो तुम क्या नतीजा निकालते हो?'

जवाब में मेरे दोस्त ने चिढ़ाने वाली बात कही; मुझसे बोला, मुझे अपनी सहज बुद्धि का इस्तेमाल करना चाहिए।

मैंने पूछा, 'छठा सूत्र? मेरे ख़्याल से वह कोको का नमूना था।'

पॉयरो ने सोचते हुए कहा, 'नहीं, मैं उसे छ: में जोड़ सकता था पर मैंने नहीं जोड़ा। नहीं, छठा सूत्र मैं अभी अपने तक रखूँगा।'

उसने जल्दी से कमरे में चारों तरफ़ नज़र दौड़ाई। 'मेरे ख़्याल से अब यहाँ कुछ और करने को नहीं है, जब तक कि—' वह गम्भीरता से देर तक अँगीठी की राख को घूरता रहा। 'आग जलती है और सब कुछ नष्ट कर देती है। पर अगर संयोग से — वहाँ कुछ हो — देखते हैं।'

घुटनों पर बैठकर उसने हाथों से अँगीठी की राख को कुरेदकर बहुत सावधानी से एक तरफ़ करना शुरू किया। अचानक उसने हल्की-सी चीख़ के साथ कहा :

'हेस्टिंग्स, चिमटी।'

मैंने जल्दी से उसे वह पकड़ाई और उसने कुशलता से एक छोटा-सा अधजला काग़ज़ का टुकड़ा निकाला।

वह ज़ोर से बोला, 'दोस्त, इस बारे में तुम क्या सोचते हो?' मैंने उस टुकड़े को जाँचा। यहाँ उसकी ज्यों की त्यों प्रतिलिपि है:

मैं चकरा गया। वह असामान्य रूप से मोटा, साधारण काग़ज़ से काफ़ी अलग काग़ज़ था। अचानक मेरे मन एक विचार आया।

मैं चिल्लाया, 'पॉयरो, यह एक वसीयत का टुकड़ा है।'

'बिल्कुल।'

मैंने उसे तीख़ी नज़र से देखा।

'तुम्हें ताज्जुब नहीं हुआ?'

वह गम्भीरता से बोला, 'नहीं, मुझे इसकी उम्मीद थी।' मैंने वह काग़ज़ का टुकड़ा छोड़ दिया और उसे उसी व्यवस्थित सावधानी से अपने बक्से में रखते हुए देखता रहा, जिससे वह सब चीज़ों को रख रहा था। मेरा दिमाग़ घूम रहा था। यह वसीयत का क्या चक्कर था? किसने इसे नष्ट किया होगा? उसी इंसान ने जो फ़र्श पर मोम छोड़ गया था? स्पष्ट था। पर अन्दर से सिटकिनी लगी होने पर कोई कैसे घुसा होगा? सारे दरवाज़े तो अन्दर से बन्द थे?

पॉयरो ने फुर्ती से कहा, 'दोस्त, अब हम चलेंगे। मैं खाना बनाने वाली नौकरानी से कुछ पूछताछ करना चाहूँगा, उसका नाम डॉरकस ही है न?'

हम एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के कमरे से होते हुए निकले, पॉयरो उतनी देर रुका, जितने में उसने संक्षिप्त पर विस्तृत जाँच की। हम उस दरवाज़े से बाहर निकले, उसे और मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे के दरवाज़े को पहले की तरह ताला लगाकर बन्द कर दिया।

मैं उसे नीचे बैठक में ले गया जिसे वह देखना चाहता था, मैं ख़ुद डॉरकस को ढूँढ़ने चला गया।

पर जब मैं उसे लेकर लौटा, तब बैठक खाली थी। मैंने चिल्लाकर पूछा, 'पॉयरो, तुम कहाँ हो?'

'मैं यहाँ हूँ दोस्त।'

वह फ्रेंच विंडो से बाहर निकल गया था और विभिन्न प्रकार के आकारों की क्यारियों के सामने खड़ा था, स्पष्ट था कि उनकी प्रशंसा में खोया हुआ था।

'अद्भुत! वह बुदबुदाया, 'प्रशंसनीय! कितनी इकसार बनी हैं। उस अर्धचन्द्राकार को देखो; वह ईंट के पत्तों के आकार वाली; इनकी सुघड़ता आँखों को खुशी देती है। पौधों के बीच की दूरी भी सही है। यह हाल में बनाई गयी होंगी, है न?'

'हाँ, मेरे ख़्याल से वे कल दोपहर को यहाँ काम कर रहे थे। पर अन्दर आओ — डॉरकस आ गयी है।'

'बहुत अच्छा! पल भर को आँखें ठण्डी करने से नाराज़ मत हो।'

'हाँ पर यह मामला ज़्यादा महत्वपूर्ण है।'

'तुम्हें कैसे पता है कि ये सुन्दर बिगौनिया उतने ही महत्वपूर्ण नहीं हैं?'

मैंने अपने कंधे उचका दिये। अगर वह बहस करने पर आये तो वास्तव में उससे जीता नहीं जा सकता।

'तुम सहमत नहीं हो? पर ऐसी चीज़ें रही हैं। अच्छा, हम अन्दर चलकर बहादुर डॉरकस से भेंट करते हैं।'

डॉरकस बैठक में खड़ी थी, उसने अपने हाथ सामने बाँधे हुए थे। उसकी सफ़ेद टोपी के नीचे सफ़ेद बाल अकड़े हुए, लहरों में खड़े थे। वह पुराने जमाने के अच्छे नौकर की आदर्श तस्वीर थी।

पॉयरो के प्रति उसका रुख सन्देहपूर्ण था, पर उसने जल्दी ही डॉरकस का रक्षात्मक रुख तोड़ दिया। एक कुर्सी आगे खींची और बोला,

'मिस बैठ जाइये।'

'धन्यवाद, सर।'

'तुम अपनी मालकिन के साथ बहुत साल से हो। है न?'

'दस साल, सर।'

'काफ़ी लम्बा समय है, बहुत ईमानदारी से सेवा की। तुम उनसे बहुत जुड़ी हुई भी थीं, थीं न?'

'सर, वह मेरे लिए बहुत अच्छी मालकिन थीं।'

'तो तुम्हें कुछ प्रश्नों का जवाब देने में एतराज़ तो नहीं होगा, मैं मिस्टर कैवेन्डिश की पूरी सहमति से ही पूछ रहा हूँ।'

'ज़रूर, सर।'

'तो मैं तुमसे कल दोपहर की घटनाओं के बारे में पूछने से शुरू करूंगा। तुम्हारी मालकिन का झगड़ा हुआ था?

'हाँ सर। पर मैं नहीं जानती कि मुझे—' डॉरकस झिझक गयी।

पॉयरो ने उसे ध्यान से देखा।

'मेरी अच्छी डॉरकस, यह ज़रूरी है कि मुझे उस लड़ाई के एक-एक विस्तार का, जितना सम्भव हो, पता रहे। ऐसा मत सोचो कि तुम अपनी मालकिन की गुप्त बातें खोलकर विश्वासघात कर रही हो। तुम्हारी मालकिन मृत पड़ी हैं — अगर हमें बदला लेना है तो हमारे लिए सब कुछ जानना बहुत ज़रूरी है। कुछ भी उन्हें फिर से जीवित नहीं कर सकता, पर हम यह ज़रूर उम्मीद करेंगे कि अगर कुछ ग़लत हुआ है तो हत्यारे को सज़ा दिलाई जा सके।'

डॉरकस तीखे स्वर में बोली, 'आमीन! किसी का नाम लिए बिना मैं इतना कहूँगी कि इस घर में एक ऐसा आदमी है, जिसे हममें से कोई भी सह नहीं सकता। वह बहुत मनहूस दिन था, जब पहली बार उसके आने से ड्योढ़ी अँधेरी हुई थी।'

पॉयरो ने उसके ग़ुस्से के शान्त होने का इन्तज़ार किया, और फिर अपने पेशेवर सुर में पूछने लगा: 'अब उस झगड़े की बात करें? तुमने सबसे पहले इसके बारे में कब सुना?'

'हाँ, सर। मैं कल हॉल के बाहर से जा रही थी—'

'तब क्या समय रहा होगा?'

'मैं सही तो नहीं बता सकती, सर, पर तब तक चाय का वक़्त नहीं हुआ था। शायद चार बजे होंगे, या उससे कुछ बाद की बात होगी। सर, जैसा कि मैंने कहा, मैं वहाँ से जा रही थी, जब मैंने यहाँ अन्दर से आती तेज़ और ग़ुस्से से भरी आवाज़ें सुनीं। मैं दरअसल सुनना नहीं चाहती थी, पर — वह आ रही थी। मैं रुक गयी। दरवाज़ा बन्द था, पर मालकिन की आवाज़ बहुत तीखी और स्पष्ट थी। वे जो कह रही थीं वह उन्होंने सीधे-सीधे कहा, 'तुमने मुझसे झूठ

बोला और मुझे धोखा दिया।' मि. इंग्लथोर्प का जवाब मैं नहीं सुन पायी। वह मालकिन की आवाज़ से बहुत धीमी आवाज़ में बोल रहा था। उन्होंने जवाब दिया, 'तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई? मैंने तुम्हें रखा, कपड़े दिये, खाना दिया। हर चीज़ तुम्हें मेरी बदौलत मिली। तुम बदला इस तरह दे रहे हो? हमारे नाम को बदनाम करके।' मुझे फिर उसकी आवाज़ सुनाई नही दी। पर वे बोलती गई, 'तुम्हारे कुछ भी कहने से कोई फ़र्क नहीं पड़ता। मुझे अपना कर्तव्य साफ़ दिखाई दे रहा है। मैंने अपना मन बना लिया। तुम्हें यह सोचने की ज़रूरत नहीं है कि लोकनिन्दा का भय या पति-पत्नी के बीच की लड़ाई की बदनामी से डर कर मैं पीछे हट जाऊँगी।' फिर मुझे लगा कि वे लोग बाहर आ रहे हैं, इसलिए मैं जल्दी से चली गयी।

'तुम्हें पूरा विश्वास है कि तुमने जो आवाज़ सुनी थी, वह इंग्लथोर्प की थी?

'जी हाँ, सर, और किसकी हो सकती थी?'

'फिर आगे क्या हुआ?'

'बाद में मैं हॉल में लौटी, तो सब कुछ शान्त था। पाँच बजे मिसेज़ इंग्लथोर्प ने घण्टी बजाई और मुझसे एक प्याला चाय बैठक में लाने को कहा, उन्हें खाने को कुछ नहीं चाहिए था। वे भयानक दिख रही थीं — बिल्कुल सफ़ेद और परेशान। वे बोलीं, 'डॉरकस, मुझे बहुत बड़ा सदमा लगा है।' मैंने कहा, 'मुझे इसका बहुत अफ़सोस है, मैडम। एक प्याला गरम चाय पीने से आपको बेहतर लगेगा।' उनके हाथ में कुछ था। मुझे नहीं पता कि वह पत्र था, या सिर्फ़ काग़ज़ का एक टुकड़ा था, पर उस पर कुछ लिखा था और वे उसे घूरे जा रही थीं, लगभग ऐसे जैसे उस पर जो लिखा था उस पर वे विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने ख़ुद से बुदबुदाया जैसे वे भूल गयी थीं कि मैं वहाँ मौजूद थी। 'ये कुछ शब्द — और सब कुछ बदल गया।' और फिर वे मुझसे बोलीं, 'डॉरकस, एक आदमी पर कभी विश्वास मत करना, वे इस लायक नहीं होते।' मैं जल्दी से गयी और उनके लिए बढ़िया कड़क चाय का प्याला बना कर लायी, उन्होंने मुझे धन्यवाद दिया और बोलीं कि उसे पीने के बाद अच्छा लगेगा। फिर कहने लगीं, 'मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करूं। पति-पत्नी के बीच धोखाधड़ी एक भयानक बात है। अगर हो सके तो मैं उसे दबाना चाहूँगी।' उसी वक़्त मिसेज़ कैवेन्डिश अन्दर आयीं, इसलिए मैडम आगे कुछ नहीं बोलीं।'

'तब भी वह चिट्ठी या जो भी था, उनके हाथ में था?'

'हाँ, सर।'

'बाद में वे उसके साथ क्या कर सकती थीं?'

'सर, मैं नहीं जानती, मुझे लगता है उन्होंने उसे अपने बैंगनी बक्से में रख दिया होगा।'

'क्या वे अपने ज़रूरी काग़ज़ ज़्यादातर उसी में रखती थीं?'

'हाँ सर, वे रोज सुबह उसे अपने साथ नीचे लाती थीं और हर रात को वापस ऊपर ले जाती थीं।'

'उसकी चाभी कब खोई थी?'

'कल दोपहर को खाने के वक़्त उन्हें नहीं मिली, उन्होंने मुझसे उसे ध्यान से ढूँढ़ने को कहा। वे इस वजह से काफ़ी परेशान थीं।'

'पर उनके पास उसकी दूसरी चाभी भी तो थी?'

'हाँ, सर।'

डॉरकस उसकी तरफ़ कुतुहल से देखने लगी, 'सच कहूँ तो मैं भी सोच रहा था। एक खोई हुई चाभी को लेकर इतनी बात?' पॉयरो मुस्कराया।

'जाने दो डॉरकस, मेरा काम ही चीज़ों के बारे में जानने का है। क्या यही वह खोई हुई चाभी है?' उसने अपनी जेब से वह चाभी निकाली जो उसे ऊपर छोटे बक्से में लगी हुई मिली थी।

डॉरकस की आँखें ऐसी फटीं रह गयीं जैसे सिर में से बाहर निकल आयेंगी।

'यही है सर, बिल्कुल सही है। पर आपको कहाँ मिली? मैंने इसे हर जगह ढूँढ़ा था।'

'पर कल यह उस जगह थी ही नहीं जहाँ आज थी। अब हम दूसरे विषय पर चलते हैं। क्या तुम्हारी मालकिन के कपड़ों की अलमारी में कोई गहरे हरे रंग की पोशाक थी?'

डॉरकस इस अनपेक्षित प्रश्न से चौंक गयी।

'नहीं, सर।'

'क्या तुम्हें पूरा विश्वास है?'

'जी हाँ, सर।'

'क्या घर में किसी और के पास हरी पोशाक है?' डॉरकस सोचने लगी।

'मिस सिंथिया की शाम को पहनने की एक हरी पोशाक है।'

'हल्के रंग की या गहरे रंग की?'

'सर, हल्के रंग की, जिसे ये लोग शिफॉन कहते हैं।'

'ओह, मुझे वैसी नहीं चाहिए। और किसी की नहीं है?'

'नहीं सर, मैं नहीं जानती।'

पॉयरो के चेहरे से यह पता नहीं चला कि वह निराश हुआ या नहीं। उसने सिर्फ़ यह कहा: 'अच्छा, हम इसे छोड़ते हैं और आगे बढ़ते हैं। क्या तुम्हें किसी कारण यह विश्वास हो सकता है कि तुम्हारी मालकिन ने पिछली रात नींद का पाउडर खाया हो?'

'सर, मैं जानती हूँ कि पिछली रात नहीं खाया।'

'तुम इतने निश्चयपूर्वक कैसे कह सकती हो?'

'क्योंकि बक्सा खाली था। उन्होंने दो दिन पहले आख़िरी पुड़िया खा ली थी, और नयी बनवाई नहीं थीं।'

'तुम्हें पूरा विश्वास है?'

'हाँ, सर।'

'चलो, यह बात तो साफ़ हो गयी! वैसे यह बताओ तुम्हारी मालकिन ने कल तुमसे किसी काग़ज़ पर हस्ताक्षर तो नहीं करवाये?'

'काग़ज़ पर हस्ताक्षर? नहीं सर!'

'कल शाम को जब मि. हेस्टिंग्स और मि. कैवेन्डिश आये थे तो उन्होंने तुम्हारी मालकिन को चिट्ठियाँ लिखने में व्यस्त पाया था। मुझे लगता है तुम मुझे यह नहीं बता पाओगी कि वे चिट्ठियाँ किसे लिखी गयी होंगी?'

'मुझे डर है कि मैं नहीं बता सकती। क्योंकि मैं शाम को बाहर गयी थी। शायद ऐवी आपको बता सके, हालाँकि वह एक लापरवाह लड़की है। कल रात को उसने कॉफ़ी के प्याले भी नहीं उठाये थे। जब ध्यान रखने के लिए मैं यहाँ नहीं होती हूँ, तब यही होता है।'

पॉयरो ने अपना हाथ उठाया।

'डॉरकस, मैं तुमसे यह कहना चाहता था कि जब उसने उन्हें छोड़ ही दिया था तो थोड़ी देर और पड़ा रहने दो। मैं उन्हें जाँचना चाहूँगा।'

'बहुत अच्छा, सर।'

'तुम कल शाम को किस वक़्त बाहर गयी थीं?'

'लगभग छः बजे, सर।'

'धन्यवाद डॉरकस! मुझे तुमसे इतना ही पूछना था।' वह उठा और टहलता हुआ खिड़की तक गया। 'मैं इन क्यारियों की तारीफ़ कर रहा था। वैसे इस वक़्त यहाँ कितने माली काम पर लगे हुए हैं?'

'सर अब सिर्फ़ तीन हैं। लड़ाई से पहले पाँच हुआ करते थे, तब यह जगह सज्जनों के रहने लायक समझी जाती थी। काश आपने तब देखा होता। तब यह सुन्दर दिखाई देती थी। पर अब यहाँ सिर्फ़ बूढ़ा मैनिंग और एक युवक विलियम है। अब एक नये फ़ैशन की मालिन आयी है, वह ब्रीचेज़ जैसी पहनती है। यह बुरा वक़्त है।'

'डॉरकस, अच्छे दिन फिर आयेंगे। कम से कम हम यह उम्मीद तो कर सकते हैं। अब क्या तुम ऐवी को यहाँ भेज सकती हो?'

'जी हाँ, सर। धन्यवाद, सर।'

डॉरकस के कमरे से जाते ही मैंने जीवन्त उत्सुकतावश पूछा, 'तुम्हें कैसे पता चला कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने नींद का पाउडर खाया था? और यह भी कि खोई हुई चाभी की दूसरी भी थीं?'

'एक बार में एक बात के बारे में ही बताऊगा। नींद के पाउडर के बारे में इससे पता चला।' उसने अचानक एक छोटा-सा गत्ते का डिब्बा निकाला जैसा दवाई विक्रेता पाउडरों के लिए रखते हैं।

'तुम्हें यह कहाँ मिला?'

'मिसेज़ इंग्लथोर्प के सोने वाले कमरे में हाथ धोने वाले स्टैंड की दराज में था। मेरी सूत्रों की सूची में छठे नम्बर पर यही था।'

'पर मेरा ख़्याल है कि पुड़िया दो दिन पहले ले ली गयी थी, इसलिए यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है?'

'शायद नहीं, पर क्या तुम्हें इस डिब्बे में कुछ अलग दिखाई दे रहा है?'

मैंने उसे ध्यान से देखा।

'नहीं, मुझे ऐसा कुछ नहीं दिख रहा जो मैं बताऊँ।'

'लेबल को देखो।'

मैंने लेबल को ध्यान से पढ़ा : ज़रूरत होने पर एक बार में एक पुड़िया सोने से पहले ली जाये। मिसेज़ इंग्लथोर्प। 'नहीं मुझे कुछ असामान्य नहीं दिख रहा है।'

'यह तथ्य भी नहीं कि उस पर किसी केमिस्ट का नाम नहीं है?'

मैं बोला, 'ओह, यह निश्चित रूप से अजीब है।'

'क्या तुम किसी ऐसे केमिस्ट को जानते हो जो ऐसा डिब्बा बिना अपने छपे हुए नाम के भेजता हो?'

'नहीं, मैं यह नहीं कह सकता कि ऐसा देखा है।'

मैं काफ़ी उत्तेजित होता जा रहा था, परन्तु पॉयरो ने अपने कथन से मेरे उत्साह पर पानी डाल दिया।

'फिर भी इसकी कैफियत काफ़ी आसान है। इसलिए मेरे दोस्त, ख़ुद को किसी षड्यन्त्र की कल्पना में मत डालो।

दरवाज़े के खुलने की आवाज़ से ऐवी के आने का पता चल गया, इसलिए मैं जवाब नहीं दे पाया।

ऐवी एक अच्छी तगड़ी युवती थी, स्पष्ट था कि जो हादसा हुआ था, उसके कारण तीव्र उत्तेजना और उसके साथ शैतानी आनन्द के मिले जुले भाव को लेकर जूझ रही थी।

पॉयरो फ़ौरन पेशेवर फुर्ती के साथ मुद्दे पर आ गया।

'ऐवी, मैंने तुम्हें बुलाया था क्योंकि मुझे लगा तुम उन चिट्ठियों के बारे में मुझे बता सकोगी जो मिसेज़ इंगलथोर्प ने कल रात को लिखी थीं। वे कितनी थीं? क्या तुम उन पर लिखे नामों और पतों के बारे में कुछ बता सकती हो?

ऐवी सोचने लगी।

'सर, चार चिट्ठियाँ थीं। एक मिस हॉवर्ड के लिए और एक वकील मि. वेल्स के लिए, बाकी दो के बारे में मुझे नहीं लगता कि मुझे याद है, — सर, हाँ, एक टैडमिन्स्टर स्थित केटरर मि. रॉस के लिए थी। और मुझे याद नहीं है।'

पॉयरो ने उकसाया, 'याद करो।'

ऐवी का दिमाग़ पर ज़ोर डालना बेकार गया।

'माफ़ कीजिये, सर, दिमाग़ से साफ़ निकल गया है। मुझे नहीं लगता कि वह मैंने देखा होगा।'

पॉयरो ने बिना निराशा दिखाये कहा, 'कोई बात नहीं। अब मैं तुमसे कुछ और पूछना चाहूँगा। मिसेज़ इंगलथोर्प के कमरे में एक सॉसपैन है, जिसमें थोड़ी कोको पड़ी है। क्या वे हर रात को वह पीती थीं?'

'हाँ, सर, हर रात को वह उनके कमरे में रखी जाती थी, वे रात में जब मन होता तो गरम कर लेती थीं।'

'वह क्या होती थी? सादी कोको?'

'हाँ सर, दूध और एक चम्मच चीनी और दो चम्मच रम से बनी होती थी।'

'उनके कमरे में कौन ले गया था?'

'मैं ले गयी थी, सर।'

'हमेशा?'

'हाँ, सर।'

'किस वक़्त?'

'नियम से पर्दे खींचने के समय ले जाती थी, सर।'

'तुम क्या रसोई से सीधे ऊपर लेकर जाती थीं?'

'नहीं सर, ऐसा है कि गैस पर ज़्यादा जगह न होने की वजह से रसोइया रात के खाने की सब्जियाँ बनाने से पहले उसे जल्दी बना देता था। फिर मैं उसे ऊपर ले जाती थी और घूमने वाले दरवाज़े के बाहर रखी मेज़ पर रख देती थी, बाद में उनके कमरे में ले जाती थी।'

'वह दरवाज़ा बाँये हिस्से में है, है न?'

'हाँ, सर।'

'और मेज़, वह दरवाज़े से इस तरफ़ है, या दूर की तरफ़ — नौकरों की तरफ़?'

'वह इस तरफ़ है, सर।'

'कल रात को तुम किस वक़्त ले गयी थीं?'

'लगभग सवा सात बजे, मेरा यही ख़्याल है सर।'

'तुम मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में कब लेकर गयी थीं?'

'जब मैं बन्द करने गयी थी, सर। प्राय: आठ बजे। मिसेज़ इंग्लथोर्प मेरा काम ख़त्म होने से पहले पलंग पर आ गयी थीं।'

'तो सवा सात बजे से आठ बजे के बीच कोको बाँयी तरफ़ वाली मेज़ पर थी।'

'हाँ, सर।' ऐवी का चेहरा ज़्यादा से ज़्यादा लाल होता जा रहा था, और अब उसने सहसा उगल दिया: 'सर, अगर उसमें नमक था, तो वह मैंने नहीं डाला था। मैं नमक उसके पास भी नहीं ले गयी।'

पॉयरो ने पूछा, 'तुमने ऐसा क्यों सोचा कि उसमें नमक था?'

'सर, ट्रे पर देखने के कारण।'

'तुमने ट्रे पर नमक देखा था?'

'हाँ। वह रसोई के मोटे नमक जैसा दिख रहा था। जब मैं ट्रे ऊपर लेकर गयी, तब उसमें कुछ नहीं दिखा था। पर जब मैं मालकिन के कमरे में लेकर गयी, तब दिखा, मेरे ख़्याल से मुझे वह फिर से नीचे ले जाना चाहिए था, और रसोइये से फिर से ताजी बनवानी चाहिए थी। पर मैं जल्दी में थी, क्योंकि डॉरकस बाहर गयी हुई थी, और मैंने सोचा शायद कोको ठीक ही हो। नमक सिर्फ़ ट्रे पर गिरा हुआ हो। मैंने अपने एप्रन से उसे झाड़ दिया और अन्दर ले गयी।'

मेरे लिए अपनी उत्तेजना पर काबू करना बहुत मुश्किल हो रहा था। ऐवी ने अपने अनजाने में हमें सबूत का एक महत्वपूर्ण अंश दे दिया था। अगर उसे यह पता चल जाता कि जिसे वह रसोई का मोटा नमक समझ रही थी वह वास्तव में स्ट्रिकनीन था जो इंसानों के लिए सबसे ज़्यादा घातक ज़हर था, तो उसका मुँह खुला का खुला रह जाता। मैं पॉयरो की शान्ति देखकर चकित था। उसका आत्मनियन्त्रण आश्चर्यजनक था। मैं अधीरता से उसके अगले प्रश्न का इन्तज़ार कर रहा था, पर उसके पूछने पर मैं निराश हो गया।

'ज़ब तुम मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में गयीं तब क्या मिस सिंथिया के कमरे की तरफ़ जाने वाले दरवाज़े की सिटकिनी लगी देखी थी?'

ऐवी झिझकी।

'सर, मैं ठीक से नहीं बता सकती; वह बन्द तो था पर यह नहीं कह सकती कि सिटकिनी लगी थी या नहीं।'

'जब आख़िर में तुम कमरे से निकली थीं, तो क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प ने तुम्हारे निकलने पर सिटकिनी लगा ली थी?'

'नहीं सर, तभी नहीं, पर मुझे लगता है बाद में लगा ली होगी। वे सामान्यत: रात को बन्द कर लेती थीं। मतलब गलियारे में खुलने वाले दरवाज़े को।'

'कल जब तुमने कमरा साफ़ किया था तो क्या फ़र्श पर मोम पड़ा देखा था?'

'मोम? नहीं सर। मिसेज़ इंग्लथोर्प के पास मोमबत्ती नहीं पढ़ने वाला लैंप होता था।

'तो अगर फ़र्श पर मोम का एक बड़ा धब्बा होता तो तुम्हारा ख़्याल है कि तुम्हें ज़रूर दिख जाता?'

'हाँ सर, और मैं उसे स्याही सोख़्ते के टुकड़े और गरम प्रेस से हटा देती।'

फिर पॉयरो ने जो प्रश्न डॉरकस से पूछा था, वह इससे भी पूछा: 'क्या तुम्हारी मालकिन के पास कभी हरे रंग की

पोशाक थी?'

'नहीं सर।'

'कोई दुपट्टा या कैप — या — क्या कहते हैं — खिलाड़ियों का कोट?'

'हरे रंग की नहीं थी, सर।'

'घर में किसी और के पास भी नहीं?'

ऐवी सोचने लगी।

'नहीं, सर।'

'तुम पूरे विश्वास से कह सकती हो।'

'हाँ।'

'अच्छा! मुझे सिर्फ़ यही जानना था। बहुत धन्यवाद।'

एक घबराई हुई टिटहरी के साथ आवाज़ करती हुई ऐवी कमरे से बाहर चली गयी। मेरी दबी हुई उत्तेजना फट पड़ी।

मैं चिल्ला उठा, 'पॉयरो, बधाई हो। यह बहुत बड़ी बात पता चली है।'

'कौन-सी बड़ी बात?'

'क्यों? यही कि ज़हर कॉफ़ी नहीं कोको में मिलाया गया था। इससे सब बात साफ़ हो जाती है। इसीलिए सुबह तक असर नहीं हुआ, क्योंकि कोको आधी रात को पीया गया था।'

'हेस्टिंग्स, मैं जो कह रहा हूँ उसे अच्छी तरह समझ लो — तो तुम सोचते हो कि कोको में स्ट्रिकनीन था?'

'बिल्कुल! ट्रे पर जो नमक था, वह और क्या हो सकता था?'

पॉयरो शान्तिपूर्वक बोला, 'वह नमक हो सकता था।'

मैंने अपने कंधे उचका दिये। अगर वह मामले को इस रुख़ में ले जाना चाहता था, तो उससे बहस का कोई फ़ायदा नहीं था। यह पहली बार नहीं थी जब मेरे दिमाग़ में आया कि बेचारा पॉयरो बूढ़ा हो रहा था। मैं अपने आपमें सोचने लगा कि वह ख़ुशकिस्मत है, जो किसी ज़्यादा ग्रहणशील दिमाग़ वाले से जुड़ा है।

पॉयरो अपनी चमकती आँखों से चुपचाप मुझे देख रहा था।

'दोस्त, तुम मुझसे ख़ुश नहीं हो?'

मैं ठण्डी आवाज़ में बोला, 'प्रिय पॉयरो, मैं तुम्हें बताने वाला कौन हूँ। जैसे मैं अपनी राय रखता हूँ वैसे ही तुम्हें अपनी रखने का अधिकार है।'

फुर्ती से खड़े होते हुए पॉयरो ने कहा, 'बहुत प्रशंसनीय विचार है। इस कमरे में मेरा काम ख़त्म हो गया है। वैसे उस कोने में रखा हुआ वह छोटा डेस्क किसका है?'

'मि. इंग्लथोर्प का।'

'ओ!' उसने उसका ऊपरी ढक्कन उठाकर देखने की कोशिश की। 'ताला लगा है। पर शायद मिसेज़ इंग्लथोर्प की चाभियों में से किसी एक से खुल जायेगा।' वह अपने कुशल हाथों से कई चाभियाँ लगाकर, घुमाकर, मोड़कर कोशिश करता रहा, अन्त में संतोष के साथ बोल पड़ा, 'बढ़िया! यह इसकी चाभी नहीं है पर थोड़ी मुश्किल से खुल जायेगा।'

उसने ढक्कन खोला, सफ़ाई से फाइलों में लगे काग़ज़ों पर एक नज़र डाली। मुझे ताज्जुब हुआ कि उसने उनकी जाँच नहीं की, सिर्फ़ दुबारा बन्द करते वक़्त प्रशंसापूर्वक कहने लगा, 'निश्चित रूप से यह आदमी व्यवस्थित है।'

पॉयरो की राय में किसी आदमी का व्यवस्थित होना, उसे उच्चतम प्रशंसा देना था।

उसकी असम्बद्ध बातों को सुनकर मुझे लगा मेरा दोस्त पहले जैसा नहीं रहा।

'उसके डेस्क में टिकट नहीं थे, पर हो सकता है पहले रहे हों, हैं दोस्त? पहले हों? हाँ।' — उसकी आँखें कमरे में घूम रही थी — 'इस बैठक में हमें बताने के लिए और कुछ नहीं है। इसमें कुछ ख़ास नहीं मिला। सिर्फ़ यह।'

उसने अपनी जेब से एक मुड़ा-तुड़ा लिफ़ाफ़ा निकाला और उसे मेरी तरफ़ फेंका। वह एक अजीब दस्तावेज़ था। सादा, देखने में गन्दा, पुराना लिफ़ाफ़ा जिस पर स्पष्ट बेतरतीबी से कुछ शब्द घसीटे हुए थे। नीचे उसकी प्रतिकृति है:

possessed
I am possessed

He is possessed
I am possessed
possessed

पाँचवाँ अध्याय
'यह स्ट्रिकनीन नहीं है, है क्या?'

मैंने उत्सुकता से भरकर पॉयरो से पूछा, 'तुम्हें यह कहाँ मिला?'

'कूड़ेदान में। तुम लिखाई पहचानते हो?'

'हाँ, यह मिसेज़ इंग्लथोर्प की है। पर इसका मतलब क्या है?'

पॉयरो ने कंधे उचकाये।

'मैं कह नहीं सकता — पर यह इशारा देता है।'

मेरे दिमाग़ में एक ऊटपटांग विचार कौंध गया। क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प का दिमाग़ ख़राब हो गया था? क्या ये अजीब विचार उनके पैशाचिक कब्जे में होने के कारण थे? अगर ऐसा था तो क्या यह सम्भव नहीं था कि उन्होंने ख़ुद ही अपनी जान ले ली हो?

मैं इन सब मतों को पॉयरो से कहने वाला था तभी उसके अपने शब्दों ने मेरा ध्यान भटका दिया।

वह बोला, 'चलो, अब कॉफ़ी के प्यालों की जाँच करें।'

'प्रिय पॉयरो! अब जब हम कोको के बारे में जान गये हैं, तो इससे क्या फायदा होगा?'

पॉयरो ढीठपने से बोला, 'ऊलाला! वह अभागी कोको!'

वह स्पष्ट तौर पर मज़े लेता हुआ हँस रहा था, नकली निराशा में उसने अपनी बाँहें स्वर्ग की तरफ़ उठायीं, लेकिन इस सब में मुझे बहुत भद्दापन लगा।

मैंने बढ़ती हुई तटस्थता से कहा, 'जो भी हो, मिसेज़ इंग्लथोर्प अपनी कॉफ़ी अपने साथ ऊपर ले गयी थीं। मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि तुम क्या मिलने की उम्मीद कर रहे हो, बशर्ते तुम्हें ट्रे पर स्ट्रिकनीन का पैकेट मिलने की आशा न हो।'

पॉयरो एकदम गम्भीर हो गया।

मेरी बाँह में अपनी बाँह डालते हुए बोला: 'आओ, आओ दोस्त, मुझे अपने कॉफ़ी के प्यालों पर ध्यान देने दो, मैं तुम्हारी कोको को इज्ज़त दूँगा। ठीक समझौता है?'

वह इतने अनोखे ढंग से मज़ाक करता था कि मैं हँसने को विवश हो गया। हम साथ-साथ ड्राइंग रूम में गये, जहाँ कॉफ़ी के प्याले और ट्रे, वैसी ही पड़ी थीं जैसी हम छोड़ गये थे। किसी ने उसे छुआ नहीं था।

पॉयरो ने पिछली रात का दृश्य दोहराने को कहा, बड़े ध्यान से सुनता रहा, और साथ-साथ प्यालों की स्थिति को जाँचता-परखता रहा।

'तो मिसेज़ कैवेन्डिश ट्रे के पास खड़ी थी — प्यालों में डाल रही थी। हाँ। फिर वह कमरा पार कर, तुम मिस सिंथिया के साथ जिस खिड़की के पास बैठे थे वहाँ आयी। हाँ, ये रहे तीन प्याले। और यह आधा पीया हुआ मैंटलपीस पर रखा प्याला जो मि. लॉरेंस कैवेन्डिश का रहा होगा। और जो ट्रे पर है?'

'वह जॉन कैवेन्डिश का है। मैंने उसे वहाँ रखते हुए देखा था।'

'बहुत अच्छा। एक, दो, तीन, चार, पाँच — पर फिर मि. इंग्लथोर्प का प्याला कहाँ है?'

'वह कॉफ़ी नहीं पीता।'

'तो गिनती पूरी हो गयी। एक मिनट, मेरे दोस्त।'

बेहद सावधानी के साथ उसने हर प्याले के तले में से एक दो बूँदें लेकर उन्हें अलग-अलग परीक्षण नली (टेस्टट्यूब) में डालकर सील कर दिया। ऐसा करने से पहले बारी-बारी से सबको चखता गया। उसकी आकृति में एक अजीब बदलाव आ गया। उसके चेहरे के भावों को मैं कुछ अजीब से और कुछ राहतपूर्ण कहूँगा।

आख़िर वह बोला, 'अच्छा! यह स्पष्ट है! मेरे मन में एक विचार था — पर ज़ाहिर है कि मैं ग़लत था। हाँ, मैं पूरी तरह ग़लत था। फिर भी यह अजीब है, पर कोई बात नहीं।'

ख़ास ढंग से अपने कंधे उचकाते हुए उसने अपने दिमाग़ की चिन्ता को रफ़ा-दफ़ा कर दिया। मैं उसे शुरू में ही बता सकता था कि कॉफ़ी को लेकर उसकी सनक बन्द गली में ख़त्म हो जायेगी। पर मैंने अपनी ज़बान को रोक लिया था। भले ही वह अब बूढ़ा हो गया था, आख़िर वह अपने वक़्त का बड़ा आदमी था।

जॉन कैवेन्डिश ने हॉल में आते हुए कहा, 'नाश्ता तैयार है। मि. पॉयरो, तुम हमारे साथ नाश्ता करोगे?'

पॉयरो ने स्वीकार कर लिया। मैंने जॉन को देखा। वह अभी से लगभग सामान्य हो गया था। पिछली रात की घटनाओं ने उसे कुछ देर के लिए परेशान किया था पर अब उसका स्थिर सन्तुलन जल्द ही वापस आ गया था। वह अपने भाई की तुलना में बहुत उल्टा था। जॉन में कल्पना बहुत कम थी, जबकि लॉरेंस में बहुत ज़्यादा।

बहुत सुबह से जॉन काम में लगा हुआ था — लोगों को तार भेज रहा था — सबसे पहले जिन्हें भेजा उनमें एक ऐवेलिन हॉवर्ड थी — अख़बारों में छपवाने के लिए सूचना तैयार कर रहा था। सामान्य तौर पर एक मौत से जुड़े उदास कामों में लगा था।

उसने पूछा, 'क्या मैं पूछ सकता हूँ कि चीज़ें कैसे बढ़ रही हैं? क्या तुम्हारी खोज मेरी माँ की सामान्य मौत का इशारा दे रही है — या — या हमें अपने आपको एक बुरी स्थिति के लिए तैयार रखना होगा?'

पॉयरो गम्भीरता से बोला, 'मि. कैवेन्डिश, मेरे ख़्याल से तुम झूठी उम्मीदों से ख़ुद को ख़ुश न करो तो अच्छा है। क्या तुम मुझे परिवारों के अन्य सदस्यों की सोच के बारे में बता सकते हो?'

'मेरे भाई लॉरेंस का विश्वास है कि हम बिना किसी बात के बतंगड़ बना रहे हैं। वह कहता है कि सारी चीज़ें सामान्य दिल के दौरे की तरफ़ इशारा करती हैं।'

पॉयरो धीरे से फुसफुसाया, 'वह ऐसा कहता है, यह बहुत रोचक है। और मिसेज़ कैवेन्डिश?'

जॉन के चेहरे पर से उदासी की एक हल्की छाया गुज़र गयी।

'मुझे इस विषय के बारे में पत्नी के विचारों की कोई जानकारी नहीं है।'

जवाब से पल भर के लिए विचारों के सिलसिले में सख़्ती आ गयी। जॉन ने थोड़ी कोशिश के साथ उस नाजुक सन्नाटे को तोड़ते हुए कहा, 'मैंने तुम्हें बताया था या नहीं कि मि. इंगलथोर्प लौट आया था?'

पॉयरो ने अपना सिर झुका लिया।

'हम सबके लिए यह एक अजीब-सी स्थिति है। हमें ज़रूर उसके प्रति सामान्य व्यवहार करना चाहिए—यह सब कुछ छोड़ दो, फिर भी एक सम्भावित हत्यारे के साथ बैठकर खाना गले से उतारना मुश्किल हो जाता है।'

पॉयरो ने सहानुभूति में सिर हिलाया।

'मि. कैवेन्डिश, मैं समझता हूँ, तुम्हारे लिए यह स्थिति बहुत मुश्किल है। मैं तुमसे एक सवाल करना चाहूँगा। मुझे लगता है पिछली रात मि. इंगलथोर्प के घर न लौटने का कारण चाभी यहीं भूल जाना था। क्या ऐसा ही नहीं है?'

'हाँ'।

'मुझे लगता है तुम्हें यह भरोसा है कि दरवाज़े की चाभी भूल गया था — या कि वह लेकर ही नहीं गया था?'

'मुझे कुछ पता नहीं। न मैंने देखने की कोशिश ही की। हम उसे हमेशा हाल की दराज में रखते हैं। मैं जाकर देखता हूँ वह अब वहाँ है या नहीं।'

पॉयरो ने हल्की मुस्कराहट के साथ अपना हाथ उठाया।

'नहीं, नहीं, मि. कैवेन्डिश, अब बहुत देर हो चुकी है। मुझे विश्वास है कि वह तुम्हें वहीं मिल जायेगी। अगर मि. इंग्लथोर्प ले भी गया था तो उसके पास उसे वापस रखने के लिए बहुत वक़्त था।'

'पर तुम क्या सोचते हो—'

'मैं कुछ नहीं सोचता। अगर किसी ने सुबह उसके लौटने से पहले चाभी वहाँ देखी थी तो वह उसके पक्ष में महत्वपूर्ण बिन्दु होता। बस इतना ही है।'

जॉन परेशान दिख रहा था।

पॉयरो ने सहजता से कहा, 'चिन्ता मत करो। मैं तुम्हें भरोसा देता हूँ कि तुम इसकी वजह से परेशान मत होओ। तुम इतने स्नेही हो, चलो, हम सब कुछ नाश्ता करें।'

सब लोग खाने वाले कमरे में इकट्ठा थे। परिस्थितियों के कारण स्वाभाविक था कि हम बहुत ख़ुश नहीं थे। एक सदमे के बाद की प्रतिक्रिया हमेशा बहुत मुश्किल होती है, मेरे ख़्याल से हम उसी से गुज़र रहे थे। शालीनता और अच्छी परवरिश के कारण हमें अपना व्यवहार यथासम्भव सामान्य रखना ज़रूरी था, पर मैं यह सोचे बिना नहीं रह पा रहा था कि क्या यहाँ आत्मसंयम रखना वास्तव में बहुत कठिन था। यहाँ किसी की आँखें लाल नहीं थीं, कोई ऐसा संकेत नहीं था जिससे लगे कि चुपचाप दुख में डूबे हैं। मुझे लगा मेरा यह सोचना सही था कि दुर्घटना के प्रभाव को देखा जाये तो व्यक्तिगत रूप से सबसे ज़्यादा प्रभावित इंसान डॉरकस थी।

मैंने एल्फ्रेड इंग्लथोर्प की उपेक्षा की, जो शोकाकुल विधुर होने का ढोंग इस तरह कर रहा था कि मेरे मन में घृणा पैदा हो रही थी। मैं सोच रहा था क्या वह जानता था कि हम उस पर शक़ कर रहे थे? भले ही हम इस तथ्य को छिपा रहे थे, वह इससे अनजान नहीं हो सकता था। क्या उसे अन्दर ही अन्दर डर लग रहा था, या उसे विश्वास था कि उसका अपराध पकड़ा ही नहीं जायेगा जो उसे सज़ा मिल सके। वातावरण में फैला शक़ उसे चेतावनी दे रहा होगा कि वह अभी से निशाने पर था।

पर क्या सब उस पर शक़ कर रहे थे? मिसेज़ कैवेन्डिश क्या सोचती होगी? मैंने उसे मेज़ के शीर्ष पर बैठे देखा, वह बहुत अच्छी, संयत और रहस्यमय दिख रही थी। वह स्लेटी फ्रॉक पहने थी जिसकी सफ़ेद झालर उसके पतले हाथों की कलाई पर गिर रही थी। वह बहुत सुन्दर लग रही थी। फिर भी वह जब चाहती तो उसका चेहरा रहस्यमय व्यक्ति के चेहरे की तरह हो जाता था जिसे पढ़ा नहीं जा सकता था। वह बहुत चुप थी, होंठ भी नहीं खोल रही थी। और फिर भी एक अजीब ढंग से मुझे लग रहा था कि उसके व्यक्तित्व की महान ताकत हम सब पर छाई हुई थी।

और वह छोटी-सी सिंथिया? क्या उसे शक़ था? मुझे वह बहुत थकी हुई और बीमार लग रही थी। उसके व्यवहार की उदासी और निर्जीवता बहुत स्पष्ट थी। मैंने उससे पूछा कि क्या उसकी तबियत ख़राब थी और उसका जवाब साफ़ था, 'हाँ, मेरे सिर में भयंकर दर्द है'।

पॉयरो ने फ़िक्र के साथ कहा, 'मिस, कॉफ़ी का एक प्याला और ले लो। उससे आप में जान पड़ जायेगी। ऐसी स्थिति में इसका कोई मुकाबला नहीं का सकता।' वह उछल कर उठा और उसका कप उठा लिया।

सिंथिया उसे देख रही थी, जैसे ही उसने चीनी डालनी चाही, वह बोली, 'चीनी नहीं।'

'नहीं? तुमने लड़ाई का वक़्त है इसलिए छोड़ दी है?'

'नहीं। मैं कॉफ़ी में कभी चीनी नहीं लेती।'

प्याला भर कर लाते हुए पॉयरो ख़ुद से बुदबुदाया 'ताज्जुब है।'

सिर्फ़ मैंने उसकी बात सुनी और उत्सुकता से उसकी तरफ़ देखा। उस छोटे से आदमी के चेहरे पर दबी हुई उत्तेजना

दिखाई दी, उसकी आँखें बिल्ली की आँखों की तरह हरी थीं। उसने कुछ ऐसा देखा या सुना था, जिसने उसे इतनी तीव्रता से प्रभावित किया था। पर वह क्या था? सामान्यत: मैं ख़ुद को मंदबुद्धि नहीं मानता, पर मुझे मानना पड़ेगा कि किसी असामान्य चीज़ ने मेरा ध्यान नहीं खींचा था।

दूसरे पल, दरवाज़ा खुला और डॉरकस दिखाई दी। उसने जॉन से कहा, 'मि. वेल्स आपसे मिलने आये हैं, सर।'

मुझे वह नाम याद था। मिसेज़ इंग्लथोर्प ने पिछली रात जिसे पत्र लिखा था, यह वही वकील था।

जॉन फ़ौरन उठकर खड़ा हो गया।

'उन्हें पढ़ने वाले कमरे में ले जाओ।' फिर हमारी तरफ़ मुड़ा। उसने बताया, 'मेरी माँ का वकील है। फिर धीमी आवाज़ में बोला, 'वह कोरोनर भी है, समझे। शायद तुम मेरे साथ आना चाहोगे?'

हम सहमत होकर उसके पीछे कमरे से बाहर निकल गये। जॉन आगे जा रहा था, मौक़ा देखकर मैंने पॉयरो से फुसफुसाकर पूछा : 'इसका मतलब तहक़ीक़ात होगी?'

पॉयरो ने अनमने भाव से सिर हिलाया। ऐसा लग रहा था जैसे वह अपने विचारों में डूबा हुआ था, इतना कि मेरी उत्सुकता जाग उठी।

'क्या बात है? तुम मेरी बात नहीं सुन रहे हो।'

'सच है, दोस्त। मैं काफ़ी चिन्तित हूँ।'

'क्यों?'

'क्योंकि मिस सिंथिया कॉफ़ी में चीनी नहीं लेतीं।'

'क्या? तुम ज़रूर गम्भीर नहीं हो।'

'पर मैं बहुत गम्भीर हूँ। कुछ है जो मेरी समझ में नहीं आ रहा है। मेरी सहज बुद्धि सही थी।'

'कौन-सी सहज बुद्धि?'

'वह सहजबुद्धि जिसने मुझे कॉफ़ी के प्यालों की जाँच करने को प्रेरित किया। बस! अब और नहीं!'

हम जॉन के पीछे उसके पढ़ने वाले कमरे में घुसे। उसने हमारे अन्दर आ जाने के बाद दरवाज़ा बन्द कर लिया।

मि. वेल्स अधेड़ उम्र का ख़ुशमिजाज़ आदमी था, उसकी आँखें तीखी थीं, उसका मुँह बिल्कुल वकीलों जैसा था। जॉन ने हम दोनों से परिचय करवाया और हमारे वहाँ होने का कारण बताया।

उसने यह भी कहा, 'वेल्स, तुम समझ सकते हो कि यह सब अत्यधिक व्यक्तिगत मामला है। हम अभी भी यह उम्मीद कर रहे हैं कि किसी तरह की जाँच पड़ताल की ज़रूरत नहीं पड़ेगी।

मि. वेल्स ने तसल्ली देते हुए कहा, 'हाँ ज़रूर, ज़रूर। मैं भी यह चाहता हूँ कि तुम जाँच पड़ताल की तकलीफ़ और प्रचार से बच सको, पर डॉक्टर के सर्टिफ़िकेट के बिना इससे बच नहीं सकते।'

'हाँ, मैं यह समझता हूँ।'

'बॉयरस्टीन होशियार आदमी है। मुझे लगता है वह विष-विज्ञान का बड़ा विशेषज्ञ है।'

जॉन का व्यवहार थोड़ा सख़्त हो गया। वह बोला 'ज़रूर'। फिर उसने झिझकते हुए पूछा, 'क्या हमें, मेरा मतलब सब को गवाहों की तरह पेश होना पड़ेगा?'

'निश्चित रूप से तुम्हें — और अ — मिस्टर-अ-मि. इंग्लथोर्प को।'

वकील के सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार में, बात को जारी रखने से पहले एक छोटा-सा विराम आया: 'दूसरे प्रमाण सिर्फ़ पुष्टि करेंगे, केवल मामले को आकार देंगे।'

'अच्छा।'

जॉन के चेहरे पर राहत का हल्का-सा भाव दौड़ गया। इससे मैं चकरा गया, क्योंकि इसका कोई कारण नहीं दिख रहा था।

मि. वेल्स ने जारी रखते हुए कहा, 'मैंने शुक्रवार के लिए सोचा था अगर तुम्हें उसके विपरीत कुछ न मिले, तब ऐसा होगा। इससे हमें डॉक्टर की रिपोर्ट के लिए काफ़ी समय मिल जायेगा। मेरे ख़्याल से पोस्टमार्टम आज रात को हो जायेगा?'

'हाँ।'

'तो यह इन्तज़ाम तुम्हारे लिए ठीक रहेगा?'

'बिल्कुल।'

'मि. कैवेन्डिश, मुझे तुम्हें यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि इस बहुत ज़्यादा दुखद घटना से मैं कितना परेशान हूँ।'

जब से हम कमरे में घुसे थे तब से पहली बार पॉयरो ने बीच में बाधा डालते हुए पूछा, 'महाशय, क्या आप इस मामले को सुलझाने में हमारी कोई मदद नहीं कर सकते हैं?'

'मैं?'

'हाँ, हमने सुना है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने कल रात को आपके नाम पत्र लिखा था। आपको वह सुबह तक मिल गया होगा।'

'मिल तो गया पर उसमें कोई सूचना नहीं है। वह सिर्फ़ एक नोट है, जिसमें आज अपने पास बुलाया था, क्योंकि वे एक बहुत ज़रूरी मामले में मेरी सलाह चाहती थीं।'

'उस मामले के बारे में आपको कोई इशारा नहीं दिया था?'

'दुर्भाग्य से नहीं।'

जॉन ने कहा, 'यह दुख की बात है।'

पॉयरो गम्भीरता से बोला, 'बहुत दुख की।'

चुप्पी छा गयी। पॉयरो कुछ समय तक विचारों में खोया रहा। आख़िर वह फिर वकील की तरफ़ मुड़ा।

'मि. वेल्स, अगर आपके पेशे के शिष्टाचार के विरुद्ध न हो, तो मैं आपसे एक बात पूछना चाहूँगा; मिसेज़ इंग्लथोर्प की मृत्यु के बाद उनकी दौलत का वारिस कौन होगा?'

वकील एक पल को झिझका, फिर उसने जवाब दिया : 'जल्दी ही यह बात आम हो जायेगी, इसलिए अगर मि. कैवेन्डिश को एतराज़ न हो तो—'

जॉन ने बीच में कहा, 'बिल्कुल नहीं।'

'मुझे तुम्हारे प्रश्न का उत्तर न देने का कोई कारण नहीं दिखता। पिछले साल अगस्त में लिखी गयी उनकी आख़िरी वसीयत के मुताबिक छोटी मोटी महत्वहीन सम्पत्ति नौकरों को देने के अलावा उन्होंने अपनी पूरी जायदाद अपने सौतेले बेटे मि. जॉन कैवेन्डिश के नाम छोड़ी है।'

'मि. कैवेन्डिश, मेरे प्रश्न के लिए मुझे माफ़ करना, पर क्या यह उनके दूसरे सौतेले बेटे लॉरेंस कैवेन्डिश के प्रति

अन्याय नहीं है?'

'नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचता। देखो, उनके पिता की वसीयत के अनुसार सौतेली माँ की मृत्यु होने पर जॉन को जायदाद मिलेगी, लॉरेंस को काफ़ी पैसा मिलेगा। मिसेज़ इंग्लथोर्प ने अपना पैसा अपने बड़े सौतेले बेटे के लिए छोड़ा था, क्योंकि वह जानती थी कि उसे स्टाईल्स सँभालना था। मेरे विचार से वह बहुत सही और उचित बँटवारा किया गया था।

पॉयरो सोचते हुए सिर हिलाता रहा।

'मैं समझ गया। पर क्या मैं यह सही नहीं कह कहा हूँ कि आपके अंग्रेज़ी क़ानून के अनुसार मिसेज़ इंग्लथोर्प के दुबारा शादी कर लेने से पहली वसीयत अपने आप रद्द हो जायेगी।'

मि. वेल्स ने अपना सिर झुकाया।

'मि. पॉयरो, मैं यह कहने वाला था कि वह वसीयत अब बेकार हो गयी है।'

'हाँ!' पॉयरो बोला। उसने पल भर के लिए सोचा और फिर पूछा, 'क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प इस तथ्य से परिचित थीं?'

'मैं नहीं जानता। शायद जानती होंगी।'

अनपेक्षित रूप से जॉन ने कहा, 'वे जानती थीं। कल ही हम यह बात कर रहे थे कि किसी के दुबारा शादी कर लेने से पहली वसीयत रद्द हो जाती है।'

'ओह! मि. वेल्स, एक और प्रश्न पूछना था। आप कह रहे थे 'उनकी आख़िरी वसीयत।' तो क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प ने पहले कई वसीयतें बनाई थीं?'

मि. वेल्स बिना विचलित हुए बोले, 'वे औसतन हर साल कम से कम एक वसीयत बनवाती थीं। वे वसीयती अधिकारों के बारे में अपना मन बदलती रहती थीं; कभी परिवार के एक सदस्य को फायदा देती थी, तो कभी दूसरे को।'

पॉयरो ने एक बात पूछी, 'मान लो, आपके बिना जाने अगर उन्होंने एक नई वसीयत किसी ऐसे के नाम बना दी हो जो परिवार से किसी तरह जुड़ा भी नहीं है — जैसे हम कहें मिस हॉवर्ड — तो क्या आपको ताज्जुब होगा?'

'बिल्कुल नहीं।'

'अहा!' ऐसा लगा जैसे पॉयरो अपने सारे प्रश्न पूछ चुका था।

मैं उसके पास खिसका, इस बीच जॉन और मि. वेल्स मिसेज़ इंग्लथोर्प के काग़ज़ों को देखने के बारे में बातचीत कर रहे थे।

मैंने धीमी आवाज़ में कुछ उत्सुकता से पूछा, 'क्या तुम्हें यह लगता है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प वसीयत के द्वारा अपना सारा पैसा मिस हॉवर्ड के लिए छोड़ गयी होगीं?'

पॉयरो मुस्कराया, 'नहीं।'

'तो तुमने क्यों पूछा?'

'चुप!'

जॉन कैवेन्डिश पॉयरो की तरफ़ घूम चुका था।

'मि. पॉयरो, क्या तुम हमारे साथ चलोगे? हम माँ के काग़ज़ात देखने जा रहे हैं। मि. इंग्लथोर्प उन्हें पूरी तरह मेरे और मि. वेल्स के ऊपर छोड़ने को तैयार हैं।'

वकील ने बुदबुदाते हुए कहा, 'जिससे मामला ज़्यादा सहज हो जाता है। क्योंकि निश्चित रूप से कानूनी तौर पर उसका—' उसने अपना वाक्य पूरा नहीं किया।

जॉन ने स्पष्ट किया, 'हम पहले बैठक वाले डेस्क को देखेंगे। बाद में उनके सोने वाले कमरे में जायेंगे। वे अपने सबसे महत्वपूर्ण काग़ज़ बैंगनी रंग के एक छोटे-से बक्से में रखती थीं, उसे हमें बहुत ध्यान से अच्छी तरह देखना है।'

वकील ने कहा, 'हाँ, सम्भव है कि मेरे पास वाली वसीयत के बाद भी उन्होंने कोई वसीयत बनाई हो।'

पॉयरो बोला, 'बाद की वसीयत है।'

'क्या?' जॉन और वकील ने चौंक कर उसकी तरफ़ देखा।

मेरे दोस्त ने बिना परेशान हुए कहा, 'या कहा कि थी।'

'तुम्हारा क्या मतलब है? थी? अब कहाँ गयी?'

'जला दी गयी।'

'जला दी?'

'हाँ। यह देखो।' उसने जले हुए काग़ज़ के टुकड़े जो हमें मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे की अँगीठी में मिले थे, वे निकालकर वकील को देते हुए संक्षेप में बताया कि वे कब और कहाँ मिले थे।

'पर हो सकता है कि यह पुरानी वसीयत हो?'

'मुझे नहीं लगता। दरअसल मुझे पूरा विश्वास है कि यह कल दोपहर से पहले नहीं बनाई गयी थी।'

एक के बाद एक करके दोनों आदमी बोल पड़े, 'क्या? असम्भव?'

पॉयरो जॉन की तरफ़ मुड़ा।

'अगर तुम मुझे माली को बुलाने दो तो मैं यह साबित कर दूँगा।'

'ओह, ज़रूर — पर मेरी समझ में नहीं आ रहा—'

पॉयरो ने हाथ ऊपर उठाया : 'जैसा मैं कह रहा हूँ, वैसा करो। बाद में तुम जितने चाहो प्रश्न करना।'

'ठीक है।' उसने घण्टी बजाई।

डॉरकस तभी आ गयी।

'डॉरकस, क्या तुम मैनिंग से यहाँ आकर मुझसे बात करने को कहोगी?'

'हाँ, सर।'

वह चली गयी।

हम तनावपूर्ण चुप्पी में इन्तज़ार करते रहे। सिर्फ़ पॉयरो पूरी तरह सहज दिख रहा था, उसने किताबों के शेल्फ़ के एक बिना झड़े कोने को झाड़ना शुरू कर दिया।

बाहर की बजरी पर गुलमेख लगे जूतों की आवाज़ मैनिंग के आने की घोषणा कर रही थी। जॉन ने प्रश्नसूचक ढंग से पॉयरो को देखा। उसने सिर हिला दिया।

मैनिंग धीरे-धीरे, झिझकते हुए फ्रेंच विंडो से अन्दर आया और उसी के जितना पास खड़ा हो सकता था, हो गया। उसने अपनी टोपी हाथों में पकड़ी हुई थी और बहुत सावधानी से उसे गोल-गोल घुमाता जा रहा था। उसकी पीठ

काफ़ी झुकी हुई थी, पर वह जितना बूढ़ा दिखता था, उतना था नहीं, उसकी आँखें तेज़ और होशियार थीं और उसकी धीमी तथा सावधान आवाज़ को झूठा साबित कर रही थीं।

जॉन ने कहा, 'मैनिंग, यह सज्जन तुमसे कुछ सवाल पूछेंगे, मैं चाहता हूँ कि तुम उनके जवाब दो।

मैनिंग बुदबुदाया, 'जी मालिक।'

पॉयरो फ़ुर्ती से आगे आया। मैनिंग ने हल्के से तिरस्कार से उसे देखा।

'कल दोपहर को तुम घर के दक्षिणी हिस्से में बिगोनिया की क्यारी बना रहे थे, है न?'

'हाँ सर, मैं और विलम।'

'मिसेज़ इंग्लथोर्प खिड़की में आईं और उन्होंने तुम्हें बुलाया, है न?'

'हाँ सर, बुलाया था।

'मुझे अपने शब्दों में सही ढंग से बताओ कि उसके बाद क्या हुआ?'

'कुछ ख़ास नहीं, सर। उन्होंने सिर्फ़ विलम से साइकिल पर गाँव जाकर वसीयत का फार्म या वैसा ही कुछ — लाने को कहा, मैं ठीक से नहीं जानता कि क्या था — उन्होंने उसे लिख कर दे दिया था।'

'अच्छा।'

'वह ले आया, सर।'

'उसके बाद क्या हुआ?'

'सर, हम बिगोनिया का काम करते रहे।'

'क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प ने तुम्हें फिर नहीं बुलाया?'

'हाँ सर, उन्होंने मुझे और विलम दोनों को बुलाया।'

'और फिर?'

'उन्होंने अन्दर आने को कहा, और एक लम्बे काग़ज़ पर नीचे जहाँ उन्होंने हस्ताक्षर किये थे, उसके नीचे हमसे अपने नाम और हस्ताक्षर करने को कहा।'

'उनके दस्तख़त के ऊपर जो लिखा था, क्या वह तुमने देखा?'

'नहीं सर, उस हिस्से के ऊपर स्याही सोख़्ते का टुकड़ा रखा था।'

'जहाँ उन्होंने कहा था तुमने वहाँ दस्तख़त कर दिये?'

'हाँ सर, पहले मैंने फिर विलम ने।'

'उसके बाद उन्होंने उसका क्या किया?'

'सर, उन्होंने उसे एक लम्बे लिफ़ाफ़े में डाला और उसे डेस्क पर रखे एक तरह के बैंगनी डिब्बे में रख दिया।'

'पहले जब उन्होंने तुम्हें बुलाया था, तब क्या समय था?'

'मेरे ख़्याल से चार के करीब होगा।'

'और पहले नहीं? क्या साढ़े तीन नहीं हो सकता था?'

'नहीं, मैं यह नहीं कहूँगा। चार के थोड़ा बाद ज़रूर हो सकता है — पहले नहीं।'

पॉयरो ने ख़ुशमिजाजी से कहा, 'धन्यवाद, मैनिंग, इतना काफ़ी है।'

माली ने अपने मालिक की तरफ़ देखा, जिसने सिर हिला दिया। इसके बाद मैनिंग धीमे से कुछ बोलते हुए उँगली उठाकर माथे से लगाते हुए, सावधानी से खिड़की से पीछे होता हुआ बाहर निकल गया।

हम सबने एक-दूसरे की तरफ़ देखा।

जॉन बड़बड़ाया, 'हे भगवान, कैसा अद्भुत संयोग है।'

'संयोग — कैसे?'

'कि मेरी माँ ने अपनी मौत के दिन वसीयत बनायी।'

मि. वेल्स ने गला साफ़ करते हुए रुखाई से कहा, 'कैवेन्डिश, तुम्हें विश्वास है कि यह संयोग है?'

'तुम्हारा क्या मतलब है?'

'तुमने मुझे बताया था कि कल दोपहर में तुम्हारी माँ का किसी से भयंकर झगड़ा हुआ था।'

जॉन फिर चिल्लाया, 'तुम्हारा क्या मतलब है?' उसकी आवाज़ में कंपकंपाहट थी और उसका रंग फीका पड़ गया था।

'उस लड़ाई के फलस्वरूप तुम्हारी माँ ने अचानक जल्दी से एक नई वसीयत बनायी। उसमें क्या था यह हमें कभी पता नहीं चलेगा। उन्होंने किसी को इस बारे में नहीं बताया होगा। आज सुबह, वे बेशक़ इस बारे में मुझसे सलाह करतीं, पर उन्हें मौक़ा नहीं मिला। वसीयत गायब हो गयी और वे इसका रहस्य अपने साथ कब्र में ले गयीं। कैवेन्डिश, मुझे डर है कि यह संयोग नहीं है। मि. पॉयरो, मुझे विश्वास है कि तुम मुझसे इस बात पर सहमत होओगे कि तथ्यों में बहुत संकेत हैं।'

जॉन ने बीच में बाधा डालते हुए कहा, 'संकेत हैं या नहीं, हम मि. पॉयरो के बहुत कृतज्ञ हैं कि उन्होंने इस मामले पर अच्छी तरह प्रकाश डाला। उनके बिना हमें इस वसीयत का पता ही नहीं चलता। मेरे ख़्याल से मुझे यह पूछना ही नहीं चाहिए कि आपको पहले पहल इस सच्चाई का शक़ कैसे हुआ?'

पॉयरो मुस्कराया, फिर जवाब में बोला, एक पुराना लिफ़ाफ़ा जिस पर कुछ लिखा हुआ था और बिगोनिया की नई क्यारी। मैं सोचता हूँ जॉन कुछ और सवाल भी उठाता, पर उसी वक़्त कार की ऊँची घरघराहट सुनाई थी, जैसे ही वह खिड़की के पास से निकली, हम सब उस तरफ़ मुड़ गये।

जॉन चिल्लाया, 'ऐवी!' 'माफ़ करना वेल्स '। वह जल्दी से हॉल में निकल गया।

पॉयरो ने जिज्ञासु नज़र से मुझे देखा।

मैंने स्पष्ट किया, 'मिस हॉवर्ड।'

'ओह मैं बहुत ख़ुश हूँ कि वह आ गयी। हेस्टिंग्स, वह ऐसी औरत है जिसके पास दिमाग़ के साथ दिल भी है। हालाँकि भगवान ने उसे रूप नहीं दिया है।'

मैं भी जॉन की तरह बाहर हॉल में चला गया, जहाँ मिस हॉवर्ड सिर पर लिपटे बृहदाकार आवरण से ख़ुद को निकालने की कोशिश कर रही थी। जैसे ही उसकी नज़र मुझ पर पड़ी, मेरे मन में अपराध-बोध की लहर दौड़ गयी। यह वह औरत थी जिसने मुझे चेतावनी दी थी, जिस पर, अफ़सोस, मैंने ध्यान नहीं दिया था। मैंने कितनी जल्दी और कितने तिरस्कार से उस बात को अपने दिमाग़ से निकाल दिया था। अब जब वह इतने त्रासद रूप में सही साबित हुई है, तो मुझें शरम आ रही थी। वह एल्फ्रेड इंगलथोर्प को अच्छी तरह जानती थी। मैं सोच रहा था कि अगर वह स्टाईल्स

में रही होती तो क्या यह दुर्घटना घटती या वह आदमी इस औरत की चौकसी आँखों से डरा रहता?

उसने जब मुझसे अच्छी तरह दर्दनाक पकड़ के साथ हाथ मिलाया तो मुझे राहत मिली। मुझसे मिलने वाली आँखों में उदासी थी, पर उलाहना नहीं था। उसकी आँखों की लाली बता रही थी कि बुरी तरह रोती रही होगी, पर उसके व्यवहार में वही पुरानी स्पष्टवादी रुखाई थी।

'रात की ड्यूटी करने के बाद लौटते ही तार मिला, उसी वक़्त किराए की गाड़ी ली और चल दी। यहाँ जल्दी पहुँचने का वही तरीका था।'

जॉन ने पूछा, 'ऐवी, सुबह से तुमने कुछ खाया?'

'नहीं।'

'मुझे यही लगा था। चलो, नाश्ता अभी हटाया नहीं गया है, वे तुम्हारे लिए ताज़ी चाय बना देंगे।' वह मेरी तरफ़ मुड़ा। 'हेस्टिंग्स, इनका ध्यान रखना, ठीक है? वेल्स मेरा इन्तज़ार कर रहा है। ओह मि. पॉयरो... ऐवी, तुम जानती हो, ये हमारी मदद कर रहे हैं।'

मिस हॉवर्ड ने पॉयरो से हाथ मिलाया, पर जॉन की तरफ़ शक्की नज़र से देखा।

'क्या मतलब — मदद कर रहे हैं?'

'जाँच करने में मदद कर रहे हैं।'

'जाँचने को कुछ नहीं है। वे लोग उसे अभी तक जेल नहीं ले गये?'

'किसे जेल नहीं ले गये?'

'किसे? निश्चित रूप से एल्फ्रेड इंग्लथोर्प को।'

'ऐवी, ध्यान रखो। लॉरेंस को लगता है कि माँ दिल के दौरे से मरी है।'

'लॉरेंस बेवकूफ़ है।' मिस हॉवर्ड पलटकर बोली। 'निश्चित रूप से एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने बेचारी ऐमिली का क़त्ल किया है — मैं हमेशा तुम्हें बताती रही हूँ कि वह ऐसा करेगा।'

'ऐवी, ऐसे मत चिल्लाओ। हम कुछ भी सोचते हों या शक़ करें, इस वक़्त जितना कम बोलेंगे उतना ही अच्छा होगा। तहक़ीक़ात शुक्रवार तक नहीं होगी।'

मिस हॉवर्ड की फुफकार वाकई शानदार थी।

'बेकार वक़्त बरबाद करना। तुम सबका दिमाग़ फिर गया है। तब तक वह आदमी देश छोड़कर भाग जायेगा। अगर उसमें अकल है तो वह यहाँ दब्बू ढंग से रुककर फाँसी चढ़ने का इन्तज़ार नहीं करेगा।

जॉन कैवेन्डिश लाचारी से उसे देखता रहा।

ऐवी ने उसे दोष देते हुए कहा, 'मैं जानती हूँ क्या है, तुम डॉक्टरों की सुनते हो, जो नहीं सुनना चाहिए। वे क्या जानते हैं? कुछ नहीं — या सिर्फ़ इतना, जिससे वे ख़तरनाक बन जाते हैं। मुझे पता है — मेरे पिता ख़ुद एक डॉक्टर थे। मैंने भी अब तक जितने देखे हैं, उनमें विल्किन्स सबसे बड़ा मूर्ख है। दिल का दौरा! वह ऐसी ही बात कह सकता था। कोई भी अक्ल वाला फ़ौरन देख सकता था कि उसके पति ने उसे ज़हर दिया था। मैं हमेशा कहती थी कि वह उसका पलंग पर ही क़त्ल कर देगा, बेचारी औरत! अब उसने कर दिया। तुम लोग सिर्फ़ बेवकूफ़ी की बातें बुदबुदा सकते हो जैसे 'दिल का दौरा' और 'शुक्रवार को जाँच पड़ताल'। जॉन कैवेन्डिश, तुम्हें अपने ऊपर शरम आनी चाहिए।'

हल्की-सी मुस्कान को रोकने में असमर्थ जॉन ने पूछा, 'तुम मुझसे क्या करवाना चाहती हो? यह सब छोड़ो ऐवी, मैं उसे गरदन से पकड़कर घसीटता हुआ स्थानीय थाने तक नहीं ले जा सकता हूँ।'

'तुम कुछ तो कर सकते हो। यह पता लगाओ कि उसने कैसे यह किया। वह धूर्त, निकम्मा है। मैं यह कहने की हिम्मत रखती हूँ कि उसने मक्खी मारने वाले काग़ज़ भिगोये होंगे। खाना बनाने वाली से पूछो उसे कुछ काग़ज़ कम तो नहीं लग रहे।'

उस वक़्त मुझे बड़ी तेज़ी से यह लगा कि मिस हॉवर्ड और एल्फ्रेड इंगलथोर्प को एक छत के नीचे और वह भी दोनों के बीच शान्ति बनाये रखकर जीना काफ़ी मशक्कत वाला काम साबित होने वाला था। मुझे जॉन से ईर्ष्या नहीं हुई। मैं उसके चेहरे के भाव पर देख पा रहा था कि वह स्थिति की कठिनाई को समझ रहा था। उस वक़्त उसने पीछे हटने की समझदारी की और कमरे से बाहर निकल गया।

डॉरकस ताज़ी चाय लेकर आयी। जब वह कमरे से निकल गयी, तो अब तक खिड़की के पास खड़ा पॉयरो आकर मिस हॉवर्ड के सामने बैठ गया।

उसने गम्भीरता से कहा, 'मिस, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ।'

महिला ने नापसन्दगी से उसे देखते हुए कहा, 'पूछो।'

'मैं आपसे मदद की अपेक्षा रखना चाहता हूँ।'

वह रुखाई से बोली, 'मैं एल्फ्रेड को फाँसी पर चढ़ाने में तुम्हारी मदद खुशी से करूँगी। फाँसी उसके लिए बहुत अच्छी सज़ा है। उसे तो पुराने जमाने की तरह घसीट कर ले जाने के बाद चार टुकड़ों में काट देना चाहिए।'

पॉयरो ने कहा, 'तब तो हम दोनों एक-सा सोचते हैं। क्योंकि मैं भी अपराधी को फाँसी पर लटकाना चाहता हूँ।

'एल्फ्रेड इंग्लथोर्प?'

'वह या दूसरा जो भी हो।'

'किसी और का सवाल ही नहीं उठता। जब तक वह नहीं आया, कोई बेचारी ऐमिली का क़त्ल नहीं कर पाया। मैं यह नहीं कहती कि वह घातक शार्कों से घिरी हुई नहीं थी — थी। पर वे लोग सिर्फ़ उसके पैसे के पीछे पड़े थे। उसकी ज़िन्दगी काफ़ी सुरक्षित थी। लेकिन फिर एल्फ्रेड इंगलथोर्प आया — और दो महीने के अन्दर — फटाफट!'

पॉयरो ने पूरे मन से कहा, 'मिस हॉवर्ड, मेरा भरोसा कीजिए, अगर मि. इंगलथोर्प ही वह इंसान है, तो वह मुझसे नहीं बचेगा। मैं ईमानदारी से कहता हूँ कि बहुत ऊँचाई से उसे लटका दूँगा।'

मिस डॉवर्ड ज़्यादा उत्साहपूर्वक बोली, 'यह अच्छी बात है।'

'पर मैं चाहूँगा कि आप मुझ पर विश्वास करें। आपकी मदद मेरे लिए बहुत क़ीमती हो सकती है। मैं बताऊँ, क्यों। क्योंकि इस मातम वाले घर में सिर्फ़ तुम्हारी आँखें रोई हैं।'

मिस हॉवर्ड ने पलकें झपकायीं, उसकी रूखी आवाज़ में एक नया सुर आ गया।

'अगर तुम्हारा यह मतलब है कि मैं उसे प्यार करती थी तो हाँ करती थी। तुम्हें बताऊँ, ऐमिली अपने ढंग की एक बेहद स्वार्थी औरत थी। वह बहुत उदार थी, पर हमेशा बदले में कुछ चाहती थी। वह लोगों को कभी भी यह भूलने नहीं देती थी कि उसने उनके लिए क्या किया — इस वजह से उसे प्यार नहीं मिला। यह मत सोचना कि वह कभी यह समझ पायी या उसने कभी इसकी कमी महसूस की। जो भी हो, उम्मीद करूँगी कि न समझी हो। मेरे साथ अलग रिश्ता था। मैंने शुरू से ही अपनी स्थिति बनाये रखी। 'तुम्हारे लिए मेरी क़ीमत इतने पाउण्ड प्रतिवर्ष की है। अच्छा है। पर उसके अलावा न एक पेनी, न एक जोड़ा दस्ताने, न थियेटर का एक टिकट।' उसकी समझ में नहीं आता था — कभी-कभी बहुत गुस्सा हो जाती थी। कहती थी मैं बेवकूफ़ घमण्डी थी। ऐसा नहीं था — पर मैं उसे बता नहीं पाती थी। जो भी हो, मैंने अपना आत्मसम्मान बनाये रखा। इसलिए पूरे झुँड में सिर्फ़ मैं ही उससे स्नेह कर पायी। मैं उस पर नज़र रखती थी और बाकी सबसे उसे बचाये रखती थी। फिर एक बातूनी बदमाश आया और मेरी इतने सालों की निष्ठा बेकार हो गयी।'

पॉयरो ने सहानुभूति के साथ गरदन हिलायी।

'मैं समझता हूँ, मिस। आप जो महसूस करती हैं वह सब मैं समझता हूँ। यह स्वाभाविक है। आप सोचती हैं कि हममें प्यार की गरमाई नहीं है — हममें ऊर्जा नहीं है — पर विश्वास कीजिए, ऐसा नहीं है।'

इसी वक़्त जॉन ने अपना सिर अन्दर किया और हम दोनों से मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में आने को कहा, क्योंकि वह और मि. वेल्स बैठक वाले डेस्क की छानबीन ख़त्म कर चुके थे।

ज़ब हम सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे तब जॉन ने मुड़ कर खाने वाले कमरे की तरफ़ देखा और अपनी आवाज़ गोपनीय ढंग से धीमी करके बोला :

'देखो, जब ये दोनों मिलेंगे तो क्या होगा?'

मैंने बेबसी से सिर हिलाया।

'मैंने मेरी कैवेन्डिश से कहा है कि हो सके तो दोनों को अलग रखे।'

'क्या वह ऐसा कर सकेगी?'

'भगवान ही जाने। एक बात है, इंग्लथोर्प ख़ुद भी उससे मिलने का इच्छुक नहीं होगा।'

जब हम बन्द कमरे के दरवाज़े पर पहुँचे तो मैंने पूछा, 'पॉयरो, चाभियाँ अभी तुम्हारे पास ही हैं न?'

पॉयरो से चाभी लेकर जॉन ने ताला खोला और हम सब अन्दर गये। वकील सीधा डेस्क की तरफ़ गया, जॉन उसके पीछे-पीछे गया और बोला, 'मेरे ख़्याल से माँ अपने सारे महत्वपूर्ण काग़ज़ इस बक्से में रखती थीं।'

पॉयरो ने चाभियों का छोटा गुच्छा निकाला। 'मुझे खोलने दो। मैंने आज सुबह सावधानी के लिए ताला लगाया था।'

'पर इस वक़्त तो ताला नहीं लगा है?'

'असम्भव!'

'देखो।' और जॉन ने कहते-कहते ढक्कन उठा दिया।

भौंचक्के पॉयरो ने कहा, 'क्या?' वह हैरान रह गया। 'और मैं — जिसकी जेब में दोनों चाभियाँ हैं।' वह बक्से पर झुक गया। अचानक वह सख़्त हो गया। 'यह एक गम्भीर मामला है।'

'इस ताले को जबरदस्ती खोला गया।'

'क्या?'

पॉयरो ने डिब्बा वापस रख दिया।

'पर किसने जबरदस्ती की? क्यों की? कब? पर दरवाज़े पर तो ताला लगा था?' हम सब अलग अलग बोल पड़े।

पॉयरो ने लगभग मशीनी ढंग से एक-एक करके जवाब दिया। 'प्रश्न है किसने? क्यों? काश मैं जानता! कब? एक घण्टे के बीच में, क्योंकि मैं एक घण्टा पहले यहाँ आया था। रही बात ताला बन्द होने की, तो वह एक साधारण ताला था। हो सकता है कि गलियारे के किसी भी दरवाज़े की चाभी उसमें लग गयी होगी।'

हम खाली नज़रों से एक दूसरे को घूरते रहे। पॉयरो मैंटलपीस की तरफ़ चला गया। वह बाहर से शान्त दिख रहा था, पर मैंने उसके हाथों की तरफ़ देखा। अरसे से चले आते अभ्यास के कारण वह मैंटलपीस पर बिखरे फूलदानों को मशीनी तौर पर सीधा कर रहा था, तब उसके हाथ बुरी तरह काँपते हुए दिखाई दिये।

आख़िर वह बोला, 'इधर देखो, यह ऐसे था। इस बक्से में कुछ था — कोई छोटा-सा सबूत होगा, जो शायद अपने आप में छोटा होते हुए भी हत्यारे को जुर्म से जोड़ सकता था। वह उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा होगा, इसलिए वह किसी और के उसे खोजने और उसके महत्व को समझने से पहले उसे नष्ट कर देना चाहता होगा इसलिए उसने यहाँ

आने का इतना बड़ा ख़तरा मोल लिया होगा। बक्से का ताला बन्द देखकर, उसे जबरन खोलना ज़रूरी लगा, जिस वजह से उसके आने का पता चला। उसका इतना बड़ा ख़तरा उठाना साबित करता है कि कुछ बहुत महत्वपूर्ण रहा होगा।'

'पर क्या था?'

पॉयरो गुस्से की मुद्रा में बोला, 'वह मैं नहीं जानता! किसी तरह का कोई दस्तावेज़, शायद वह काग़ज़ का टुकड़ा हो जो डॉरकस ने कल दोपहर को उनके हाथ में देखा था। और मैं' — अब उसका ग़ुस्सा पूरी तरह फट पड़ा — 'मैं ऐसा कमबख़्त जानवर हूँ! मैं कुछ सोच नहीं पाया। मैंने एक बेवकूफ़ की-सी हरकत की। मुझे यह बक्सा यहाँ नहीं छोड़ना चाहिए था। अपने साथ ले जाना चाहिए था। तिगुना सुअर हूँ। अब वह सबूत गायब हो गया। नष्ट कर दिया गया होगा। पर क्या वह मिटा दिया गया होगा? क्या अभी और मौक़ा नहीं मिलेगा — हमें कोई कोशिश छोड़नी नहीं है—'

वह कमरे से निकलकर एक पागल की तरह भागा, मैं जैसे ही थोड़ा होश में आया, उसके पीछे गया। पर जब तक मैं सीढ़ियों में ऊपर पहुँचा, वह नज़र से ओझल हो गया था।

मेरी कैवेन्डिश वहाँ खड़ी थी, जहाँ सीढ़ियाँ दो तरफ़ बँट जाती थीं। वह हॉल की उस दिशा में घूर रही थी जिस तरफ़ पॉयरो गायब हुआ था।

'मि. हेस्टिंग्स, तुम्हारे इस अनोखे छोटे दोस्त को क्या हो गया है? वह अभी मेरे पास से एक पागल सांड की तरह भागता हुआ गया है।'

मैं धीमी आवाज़ में बोला, 'वह किसी बात के कारण परेशान है।'

मैं वास्तव में नहीं जानता था कि पॉयरो कितनी बात बताना चाहेगा। पर जब मैंने मिसेज़ कैवेन्डिश के चेहरे पर एक अर्थपूर्ण मुस्कान देखी, तो बात बदलने की कोशिश में पूछा, 'क्या वे दोनों मिले हैं या नहीं?'

'कौन दोनों?'

'मि. इंगलथोर्प और मिस हॉवर्ड?'

उसने मेरी बात को व्यर्थ करते हुए, पूछा 'क्या तुम्हें लगता है कि उनका मिलना इतनी बड़ी दुर्घटना होगा?'

मैंने अचकचाकर पूछा, 'क्या तुम्हें नहीं लगता?'

वह अपने शान्त ढंग से मुस्करा रही थी। बोली, 'नहीं। मैं तो उनके बीच के तेज़ भड़कने को देखना चाहूँगी। उससे हवा साफ़ हो जायेगी। इस वक़्त हम सब इतना ज़्यादा सोच रहे हैं, पर बोल बहुत कम रहे हैं।'

मैंने टिप्पणी की, 'जॉन ऐसा नहीं सोचता। वह उन दोनों को अलग रखना चाहता है।'

'ओह जॉन!'

उसके सुर ने मेरे आग लगा दी और मैं फट पड़ा :

'जॉन बहुत अच्छी प्रकृति का इंसान है।'

वह पल दो पल के लिए मुझे जिज्ञासापूर्वक जाँचती रही, फिर मुझे बहुत आश्चर्य में डालते हुए बोली, 'तुम अपने दोस्त के प्रति वफ़ादार हो। मुझे तुम इसी वजह से पसन्द हो।'

'क्या तुम भी मेरी दोस्त नहीं हो?'

'मैं बहुत बुरी दोस्त हूँ।'

'ऐसा क्यों कह रही हो?'

'क्योंकि यह सच है। मैं एक दिन अपने दोस्तों के साथ बहुत अच्छी रहती हूँ, दूसरे दिन उन्हें भूल जाती हूँ।'

मैं नहीं जानता कि मुझे क्या चुभा, पर मैं उत्तेजित हो गया। और मैंने ऐसी बेवकूफ़ी की बात कही जो बहुत शालीन नहीं थी:

'पर तुम डॉ. बॉयरस्टीन के प्रति हमेशा अच्छी रहती हो!'

मुझे बोलते ही अपने शब्दों पर अफ़सोस हुआ। उसका चेहरा तनावपूर्ण हो गया, मुझे ऐसा लगा जैसे एक स्टील के पर्दे ने असली औरत को छिपा दिया हो। बिना एक शब्द बोले वह मुड़ी और तेज़ी से सीढ़ियाँ चढ़ गयी, जबकि मैं बेवकूफ़ों की तरह मुँह बाये उसे जाते हुए देखता रह गया।

नीचे होती भयंकर लड़ाई ने मुझे दूसरे मामलों की याद दिला दी। मुझे पॉयरो के चिल्लाने और समझाने की आवाज़ सुनाई दी। मैं यह सोचकर परेशान था कि मेरी व्यवहार-कुशलता बेकार हो गयी थी। वह आदमी पूरे घर को अपने विश्वास के बारे में बता रहा था और मुझे इस काम में बुद्धिमानी नज़र नहीं आ रही थी। एक बार फिर मुझे यह अफ़सोस हुआ कि मेरा दोस्त उत्तेजना के पलों में अपना सन्तुलन खो देता था। मैं तेज़ी से सीढ़ियों से उतरा। मुझे देखते ही पॉयरो शान्त हो गया। मैं उसे एक तरफ़ ले गया।

मैंने पूछा, 'मेरे दोस्त, क्या यह अक्लमन्दी है? तुम ज़रूर यह नहीं चाहोगे कि पूरे घर को इस घटना के बारे में पता चले? वास्तव में तुम अपराधी के हाथों में खेल रहे हो।'

'तुम्हें ऐसा लगता है, हेस्टिंग्स?'

'मुझे विश्वास है।'

'अच्छा दोस्त, अब मैं तुम्हारे अनुसार चलूँगा।'

'अच्छा। हालाँकि दुर्भाग्य से थोड़ी देर हो चुकी है।'

'सच है।'

वह इतना हतोत्साहित और लज्जित लग रहा था कि मुझे उसके लिए बुरा लगने लगा, पर मैं तब भी यही सोच रहा था कि मेरा फटकारना सही और बुद्धिमानी का था।

आख़िर वह बोला, 'दोस्त, अब हमें चलना चाहिए।'

'तुम्हारा यहाँ का काम ख़त्म हो गया?'

'अभी के लिए, हाँ। तुम मेरे साथ गाँव तक चलोगे?'

'खुशी से।'

उसने अपना छोटा बक्सा उठाया और हम बैठक की खुली खिड़की से बाहर निकल गये। उसी वक़्त सिंथिया मर्डोक अन्दर आ रही थी, पॉयरो ने एक तरफ़ खड़े होकर उसे निकलने का रास्ता दे दिया।

'मिस, माफ़ करना, एक मिनट।'

वह पूछने के लिए मुड़ी, 'हाँ?'

'क्या तुमने कभी मिसेज़ इंग्लथोर्प की दवाइयाँ बनाई थीं?'

नियन्त्रित रूप से जवाब देते वक़्त उसके चेहरे पर हल्की-सी लाली फैल गयी, वह बोली, 'नहीं'।

'सिर्फ़ उनकी पुड़ियाँ बनाती थीं?'

लाली गहरी होती गयी, 'ओह हाँ, एक बार मैंने उनके लिए नींद के लिए खाने वाली पुड़ियाँ बनाई थीं।'

'ये?' पॉयरो ने वह खाली डिब्बा दिखाया जिसमें पुड़ियाँ रखी जाती थीं।

उसने सिर हिलाकर हामी भरी।

'क्या तुम मुझे बता सकती हो कि इनमें क्या था? सलफोनोल? या वेरोनोल?'

'नहीं, ये ब्रोमाइड पाउडर की पुड़ियाँ थीं।'

'धन्यवाद, मिस। शुभ प्रभात।'

फुर्ती से घर से बाहर जाते वक़्त मैंने कई बार उसकी तरफ़ देखा। मैंने पहले भी कई बार यह देखा था कि किसी चीज़ से उत्तेजित होने पर उसकी आँखें बिल्ली की आँखों की तरह हरी हो जाती थीं। इस वक़्त भी वे हरे पन्ने की तरह चमक रही थीं।

आख़िर वह बोला, 'दोस्त, मेरे मन में एक छोटा-सा विचार आया है, एक बहुत अजीब और शायद पूरी तरह असम्भव विचार है, पर वह सही बैठता लग रहा है।'

मैंने अपने कंधे उचकाये। मैं मन ही मन सोच रहा था कि पॉयरो ऐसे विभिन्न विचारों को ज़रा ज़्यादा ही महत्व देता था। इस केस में सच्चाई ज़रा ज़्यादा ही साफ़ और स्पष्ट थी।

मैंने कहा, 'तो बक्से पर बिना लिखे लेबल की यह वजह रही होगी। जैसा कि तुमने कहा, बहुत साधारण है। मुझे वाकई ताज्जुब है कि मैंने ख़ुद यह क्यों नहीं सोचा।'

ऐसा लगा कि पॉयरो मेरी बात नहीं सुन रहा था।

उसने अपने कंधे के ऊपर से स्टाईल्स की तरफ़ अँगूठा दिखाते हुए ध्यानपूर्वक कहा, 'उन्होंने एक और खोज की है। जब हम ऊपर जा रहे थे, तब मि. वेल्स ने मुझे बताया था।'

'वह क्या थी?'

'उन्हें बैठक वाले डेस्क में ताले में बन्द मिसेज़ इंग्लथोर्प की शादी से पहले की तारीख़ की एक वसीयत मिली थी जिसमें उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के नाम की थी। वह ज़रूर सगाई के वक़्त बनाई गयी होगी। उसे देखकर मि. वेल्स और जॉन कैवेन्डिश चकित रह गये थे। वह वसीयत के छपे हुए फॉर्मों में से एक पर लिखी गयी थी, दो नौकर गवाह थे — उनमें डॉरकस नहीं थी।'

'क्या मि. इंग्लथोर्प उसके बारे में जानता था?'

'वह इनकार कर रहा है।'

मैं सन्देहपूर्वक बोला, 'इस पर विश्वास करना ज़रा मुश्किल काम है। ये सारी वसीयतें बहुत गड़बड़ वाली हैं। मुझे ये बताओ कि एक लिफ़ाफ़े पर घसीटे गये उन शब्दों से तुमने यह अन्दाज़ कैसे लगाया कि कल दोपहर को एक वसीयत लिखी गयी थी?'

पॉयरो मुस्कराया।

'दोस्त, क्या तुम्हारे साथ कभी ऐसा हुआ है कि एक ख़त लिखते वक़्त तुम किसी एक शब्द की वर्तनी पर अटक गये हो?'

'हाँ, बहुत बार होता है। मेरे ख़्याल से सबके साथ होता होगा।'

'बिल्कुल ठीक। क्या ऐसी स्थिति में तुम स्याहीसोख़्ते के एक कोने पर या किसी काग़ज़ के टुकड़े पर उस शब्द को एक दो बार लिखकर नहीं देखोगे कि वह सही दिख रहा है या नहीं? यही मिसेज़ इंग्लथोर्प ने किया था। तुमने ध्यान

दिया होगा कि 'पोजेस्सड' शब्द एक बार एक 'एस' के साथ, फिर दूसरी बारें दो 'एस' के साथ जो सही था, लिखा गया था। फिर बाद में निश्चित होने के लिए एक वाक्य में इस प्रकार लिखा था: 'मैं पोजेस्सड हूँ।' इससे मुझे क्या पता चला? इससे मैंने यह जाना कि मिसेज़ इंग्लथोर्प उस दोपहर को 'पोजेस्सड' लिख रही थीं। अँगीठी में काग़ज़ के टुकड़े के मिलने की बात मेरे दिमाग़ में ताज़ा थी, फ़ौरन मुझे एक वसीयत की सम्भावना लगी — एक दस्तावेज़ जिसमें निश्चित रूप से वह शब्द रहा होगा। एक अगली घटना से यह सम्भावना और पुष्ट हो गयी। उस सुबह गड़बड़ी के कारण बैठक में झाड़ू भी नहीं लगी थी और डेस्क के पास बहुत से भूरे निशान और मिट्टी दिखाई दी। कुछ दिनों से मौसम बहुत अच्छा चल रहा था, और कोई भी साधारण जूते इतनी मिट्टी नहीं छोड़ सकते थे।

'मैं टहलता हुआ खिड़की तक गया और फ़ौरन देखा कि बिगोनिया की क्यारियाँ नई बनाई गयी थीं। क्यारियों पर पड़े निशान बैठक के फ़र्श के निशानों से बिल्कुल मिलते थे, और मुझे तुमसे भी पता चला था कि वे कल दोपहर को ही बोये गये थे। अब मुझे पूरी तरह विश्वास हो गया था कि एक, या सम्भवत: दोनों माली बैठक में आये थे — क्योंकि क्यारियों में निशान भी दो जोड़ी पैरों के थे। अगर मिसेज़ इंग्लथोर्प को उनसे सिर्फ़ बात करनी होती तो वे शायद खिड़की में खड़ी होकर वे बात कर लेतीं और वे कमरे में नहीं आते। अब मुझे पूरी तरह विश्वास हो गया था कि उन्होंने एक नई वसीयत बनाई थी और दोनों मालियों को अपने हस्ताक्षर का गवाह बनाया था। घटनाओं ने मेरी सोच को सही सिद्ध कर दिया।'

मैं माने बिना नहीं रह सका, 'यह बहुत होशियारी की सोच थी। मुझे मानना पड़ेगा कि उन घसीटे हुए शब्दों से जो निष्कर्ष मैंने निकाले थे, वे काफ़ी ग़लत थे।'

वह मुस्कराया, 'तुमने अपनी कल्पना को ज़रा ज़्यादा आज़ादी दे दी। कल्पना अच्छी दासी और बुरी मालकिन होती है। हमेशा सबसे आसान व्याख्या ही सबसे ज़्यादा सम्भव होती है।'

'एक और बात — तुम्हें यह कैसे पता चला कि छोटे बक्से की चाभी खो गयी थी?'

'मैं जानता नहीं था। वह एक अन्दाज़ा था जो सच सिद्ध हुआ। तुमने देखा था कि उसके हत्थे में से एक मुड़ा हुआ तार जा रहा था। उससे मुझे फ़ौरन लगा कि उसे एक कमज़ोर चाभी के गुच्छे से तोड़ कर निकाला गया होगा। अगर वह खोने के बाद वापस मिली चाभी होती तो मिसेज़ इंग्लथोर्प फ़ौरन उसे अपने गुच्छे में वापस डाल देतीं, पर उनके गुच्छे में मुझे जो चाभी मिली थी, वह दूसरी वाली थी, क्योंकि बिल्कुल नई और चमकती हुई थी, जिससे मैं इस नतीजे पर पहुँचा कि किसी और ने असली चाभी को डिब्बे के ताले में जबरन घुसाया होगा।'

'हाँ,' मैं बोला, 'निस्सन्देह एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने किया होगा।'

पॉयरो ने कौतुहल से मुझे देखा।

'तुम उसके अपराध के बारे में बहुत पक्की तरह विश्वास करते हो?'

'हाँ, स्वाभाविक है। हर ताज़ा परिस्थिति इसे ज़्यादा स्पष्ट रूप से पुष्ट करती है।'

पॉयरो ने शान्ति से कहा, 'इसके विपरीत बहुत-सी बातें उसके पक्ष में हैं।'

'ओह, क्या कह रहे हो!'

'हाँ।'

'मुझे सिर्फ़ एक दिख रही है।

'और वह क्या है?'

'कि वह पिछली रात घर पर नहीं था।'

'बुरा निशाना! जैसा कि तुम अंग्रेज़ कहते हो! तुमने जो बात पकड़ी है, मेरे अनुसार वह उसके ख़िलाफ़ जाती है।'

'वह कैसे?'

'क्योंकि मि. इंग्लथोर्प अगर यह जानता होता कि उसकी पत्नी को उस रात ज़हर दिया जाना था तो वह ज़रूर घर से चले जाने का प्रबन्ध करता। उसका बहाना तो स्पष्ट रूप से बनाया हुआ था। इसके बाद हमारे पास दो सम्भावनाएँ बचती हैं या तो वह जानता था कि क्या होने वाला था, या उसकी अनुपस्थिति का उसका अपना कोई कारण था।'

मैंने सन्देह के साथ पूछा, 'और वह कारण क्या था?'

पॉयरो ने कंधे उचका दिये, 'मुझे कैसे पता होगा? निस्सन्देह कुछ लज्जाजनक होगा। ये मि. इंग्लथोर्प, मैं कहूँगा, किसी हद तक बदमाश है — पर इस वजह से ज़रूरी नहीं है कि वह हत्यारा है।'

मैंने असहमति में सिर हिलाया।

पॉयरो बोला, 'हम एक-दूसरे से सहमत नहीं हैं, हैं? चलो इसे छोड़ देते हैं। वक़्त बतायेगा कि हममें से कौन सही है। अब हम इस मामले के दूसरे पहलुओं की तरफ़ चलते हैं। शयन कक्ष के सारे दरवाज़े अन्दर से बन्द थे, इस तथ्य के बारे में तुम्हें क्या लगता है?'

मैंने सोचते हुए कहा, 'हमें इस बारे में तर्कसंगत ढंग से देखना चाहिए।'

'सच है।'

'मैं इसे इस तरह रखूँगा। दरवाज़ों की सिटकिनी लगी थी — हमारी आँखों ने देखा था — फिर भी फ़र्श पर पड़ी मोम, और वसीयत को नष्ट किया जाना यह साबित करता है कि रात को कोई कमरे में आया था। इतने से तुम सहमत हो?'

'पूरी तरह। तुमने प्रशंसनीय स्पष्टता से रखा है। आगे?'

मैं उत्साहित होकर आगे बोलने लगा, 'अन्दर आने वाला आदमी क्योंकि खिड़की से नहीं घुसा, न ही किसी चमत्कारी साधन से आया, तो यही लगता है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने अन्दर से दरवाज़ा खोला होगा। स्वाभाविक था कि अपने पति के लिए वे ही दरवाज़ा खोलतीं।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। 'वे क्यों खोलतीं? उन्होंने पति के कमरे में खुलने वाले दरवाज़े की अपनी तरफ़ से सिटकिनी लगा ली थी — वह उनका बहुत असामान्य कार्य था — उसी दोपहर उनकी उससे जबरदस्त लड़ाई हुई थी। नहीं, वह आख़िरी इंसान होता जिसे वे आने देतीं।'

'पर तुम इस बात पर तो मुझसे सहमत हो न, कि दरवाज़ा ख़ुद मिसेज़ इंग्लथोर्प ने ही खोला होगा।'

'एक और सम्भावना है। जब वे सोने गयीं तब गलियारे की तरफ़ वाले दरवाज़े को बन्द करना भूल गयी हों, बाद में, सुबह जब उठी हों तब सिटकिनी लगाई हो।'

'पॉयरो क्या सचमुच तुम ऐसा सोचते हो?'

'नहीं, मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि ऐसा है, पर हो सकता था। अब एक और बात के बारे में सोचो। तुमने मिसेज़ कैवेन्डिश और उनकी सास के बीच की बातचीत के जो टुकड़े सुने थे, उनके बारे में तुम्हारी क्या राय है?'

मैंने सोचते हुए कहा, 'उस बारे में तो मैं भूल ही गया था। वह हमेशा की तरह रहस्यपूर्ण है। यह अविश्वसनीय लगता है कि मिसेज़ कैवेन्डिश जैसी अत्यधिक अभिमानी और अल्पभाषी औरत एक ऐसे मामले में ज़बरदस्ती दखल देती है जिससे निश्चित रूप से उसका कोई ताल्लुक नहीं था।'

'बिल्कुल! उस जैसी महिला का वह व्यवहार आश्चर्यजनक था।'

मैंने सहमत होते हुए कहा, 'यह ज़रूर कुतुहल जगाता है। फिर भी यह महत्वहीन है और इसके बारे में सोचने की ज़रूरत नहीं है।'

पॉयरो कराहा।

'मैंने हमेशा तुमसे क्या कहा है? हर चीज़ के बारे में सोचना चाहिए। कोई तथ्य उस मत में उपयुक्त न लगे, तो उसे

छोड़ दो।'

मैं खीजकर बोला, 'चलो, हम देखेंगे।'

हम लीस्टवेज कॉटेज पहुँच चुके थे। पॉयरो मुझे ऊपर अपने कमरे में ले गया। उसने मुझे एक छोटी रूसी सिगरेट दी, जैसी वह ख़ुद कभी-कभी पीता था। मुझे यह देखकर मज़ा आ रहा था कि वह किस तरह जली हुई माचिस की तीली को अत्यधिक सावधानी से चीनी के बर्तन में रख रहा था। मेरी क्षणिक खीझ गायब हो गयी।

पॉयरो ने हमारी दोनों की कुर्सियाँ खुली हुई खिड़की के सामने रख दीं। वहाँ से गाँव की गली का दृश्य दिख रहा था। अन्दर आने वाली ताज़ी हवा में गरमाई और प्रफुल्लता दोनों थे। दिन गरम होने वाला था।

अचानक मेरा ध्यान एक छरहरे युवक ने खींचा, जो तेज़ी से गली में आ रहा था। उसके चेहरे का भाव अजीब था — उसमें डर और परेशानी का मिला-जुला रूप था।

मैंने कहा, 'पॉयरो, देखो।'

वह आगे झुका, बोला, 'अरे, यह तो केमिस्ट की दुकान का मि. मेस है। वह यहीं आ रहा है।'

युवक लीस्टवेज कॉटेज के सामने रुक गया, पल भर को झिझका, फिर दरवाज़े को ज़ोर से खटखटाने लगा।

पॉयरो ने खिड़की में चिल्लाकर कहा, 'एक मिनट, आता हूँ।'

मुझे अपने पीछे आने का इशारा करते हुए उसने तेज़ी से सीढ़ियों से उतरकर दरवाज़ा खोला। मि. मेस ने फ़ौरन बोलना शुरू कर दिया।

'ओह, मि. पॉयरो, मुझे अफ़सोस है कि मैं आपको तंग कर रहा हूँ, पर मैंने सुना कि आप अभी हॉल से लौटे हो?'

'हाँ, हम अभी आये हैं।'

युवक ने अपने सूखे होंठों को गीला किया। उसके चेहरे पर अजीब भाव थे।

'मिसेज़ इंगलथोर्प के अचानक मर जाने की ख़बर पूरे गाँव में फैली हुई है।' उसने सावधानी से अपनी आवाज़ नीची करके कहा, 'वे कह रहे हैं, इसका कारण ज़हर था।'

पॉयरो का चेहरा भावहीन हो गया।

'मि. मेस, डॉक्टर ही हमें कुछ बता सकते हैं।'

युवक ने झिझकते हुए कहा, 'बिल्कुल, ज़रूर—' पर फिर उसकी परेशानी बहुत बढ़ गयी। उसने पॉयरो को बाँह से पकड़ लिया। अपनी आवाज़ को फुसफुसाहट में बदल कर बोला, 'मि. पॉयरो, मुझे सिर्फ़ इतना बता दीजिए कि वह स्ट्रिकनीन नहीं है — नहीं है न?'

मैं पॉयरो का जवाब बहुत मुश्किल से सुन पाया। इतना पता चला कि वह अनिश्चित उत्तर था। युवक चला गया, दरवाज़ा बन्द करते वक़्त पॉयरो की नज़र मुझसे मिली। वह गम्भीरता से सिर हिलाते हुए बोला, 'हाँ, जाँच-पड़ताल के वक़्त उसे गवाही देनी पड़ेगी।'

हम फिर से धीरे-धीरे ऊपर चले गये। मैं मुँह खोलने ही वाला था कि पॉयरो ने मुझे रोककर हाथ का इशारा किया।

'अभी नहीं, अभी नहीं, दोस्त। मुझे सोचने की ज़रूरत है। मेरा मन कुछ उलझन में है, जो कि ठीक नहीं है।'

लगभग दस मिनट वह बिल्कुल चुप बैठा रहा; सिवाय उसकी भौंहों की विभिन्न अर्थपूर्ण गतिविधियों के वह पूरी तरह स्थिर था और उसकी आँखें लगातार ज़्यादा से ज़्यादा हरी होती जा रही थीं। आख़िर उसने एक गहरी साँस खींची।

'अब ठीक है। बुरा वक़्त टल गया। अब सब कुछ व्यवस्थित और श्रेणीबद्ध हो गया है। दिमाग़ में कभी भी गड़बड़ी

को आने नहीं देना चाहिए। मामला अभी भी साफ़ नहीं है। क्योंकि यह बहुत ही जटिल है। मुझे उलझन में डाल रहा है। मुझे, हरक्यूल पॉयरो को। दो तथ्य महत्वपूर्ण हैं।'

'वे क्या हैं?'

'पहला कल का मौसम है। वह बहुत महत्वपूर्ण है।'

'पर वह तो बढ़िया दिन था!' मैंने बीच में टोका। 'पॉयरो, तुम मेरी टांग खींच रहे हो!'

'बिल्कुल नहीं। छाया में थर्मामीटर 800 दिखा रहा था। दोस्त, यह मत भूलो। वही पूरी पहेली की कुंजी है।

मैंने पूछा, 'और दूसरी बात?'

'यह महत्वपूर्ण तथ्य कि मि. इंग्लथोर्प बड़े अजीब कपड़े पहनता है, उसकी दाढ़ी काली है, और वह चश्मा पहनता है।'

'मुझे विश्वास नहीं होता कि तुम गम्भीर हो, पॉयरो।'

'मैं पूरी तरह गम्भीर हूँ, मेरे दोस्त।'

'पर यह तो बचपना है।'

'नहीं, यह बहुत महत्वपूर्ण है।'

'मान लो, कोरोनर के जूरी एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के ख़िलाफ़ जानबूझकर हत्या करने के आरोप का खारिज कर दे? तब तुम्हारे सिद्धान्तों का क्या होगा?'

'बारह बेवकूफ़ आदमियों की ग़लती के कारण मेरे सिद्धान्त नहीं पलटेंगे। पर ऐसा नहीं होगा। एक तो यह बात है कि प्रदेश की जूरी अपने ऊपर जिम्मेवारी लेने की इच्छुक नहीं होगी और मि. इंग्लथोर्प लगभग स्थानीय जमींदार की स्थिति में है। इसके अलावा मुझे यह मानने नहीं देना चाहिए कि उसने हत्या की है।' वह शान्तिपूर्वक कहता रहा।

'तुम नहीं मानने दोगे?'

'नहीं।'

मैंने उस छोटे अनोखे आदमी की तरफ़ खीज और हँसी के मिले-जुले भावों के साथ देखा। वह अपने पर पूरी तरह विश्वस्त था। ऐसा लगा जैसे उसने मेरे भाव पढ़ लिये थे, उसने धीरे से गर्दन हिलायी।

'हाँ, मेरे दोस्त, मैं वही करूंगा जो कह रहा हूँ।' वह उठा और उसने अपना हाथ मेरे कंधे पर रखा। उसकी आकृति पूरी तरह बदल गयी। उसकी आँखों में आँसू आ गये। 'तुम यह देखो, इस पूरे मामले में मैं बेचारी मृत मिसेज़ इंग्लथोर्प के बारे में सोच रहा हूँ। कोई भी उन्हें बहुत प्यार नहीं करता था, है न। पर वे हम बेल्जियनों के प्रति बहुत अच्छी थीं। मुझ पर उनका कर्ज़ है।'

मैंने बीच में रोकने की कोशिश की पर पॉयरो बोलता गया। हेस्टिंग्स, मैं तुम्हें यह बताना चाहता हूँ कि अगर मैं उनके पति को इस वक़्त गिरफ़्तार होने दूँगा — तो वे मुझे कभी माफ नहीं करेंगी — जबकि मेरा एक शब्द उसे बचा सकता है।'

छठा अध्याय
जाँच-पड़ताल

जाँच पड़ताल से पहले के अवकाश में पॉयरो बिना रुके अपने काम में लगा रहा। दो बार वह मि. वेल्स के साथ एक कक्ष में बन्द रहा। वह प्रदेश में लम्बी सैर भी करता रहा। मुझे उस पर गुस्सा था कि वह मुझे अपने विश्वास में नहीं ले रहा था, ज़्यादा इसलिए भी था कि वह क्या करने जा रहा था, मैं उसकी थोड़ी भी कल्पना नहीं कर पा रहा था।

मुझे लगा कि वह शायद रैक्स के फार्म पर कोई तहक़ीक़ात कर रहा हो; इसलिए जब मैं बुधवार की शाम को लीस्टवेज कॉटेज पर उससे मिलने गया और वह वहाँ नहीं मिला, तो मैं उससे मिल पाने की उम्मीद में खेतों में से होता हुआ वहाँ गया। पर उसका कहीं नामोनिशान नहीं था, और सीधे फार्म तक जाने में मुझे झिझक हुई। जब मैं वहाँ से चलने लगा तो मुझे एक बूढ़ा गँवार मिला, जो धूर्तता के साथ मुझे बुरी नज़र से देख रहा था।

उसने पूछा; 'तुम हॉल से हो, है न?'

'हाँ। मैं अपने एक दोस्त को ढूँढ़ रहा हूँ, मुझे लगा था कि वह इस तरफ़ आया होगा।'

'एक छोटा-सा आदमी? जो बात करते-करते हाथ हिलाता जाता है? गाँव में रहने वाले बेल्जियनों में से एक है?'

मैंने चतुरता से कहा, 'हाँ, तो वह यहाँ आया था?'

'ओह हाँ, वह सही माने में यहाँ आया था। एक बार से ज़्यादा बार यहाँ आया था। वह क्या तुम्हारा दोस्त है? आह, तुम लोग हॉल से हो — काफ़ी लोग हो। वह पहले से कहीं ज़्यादा बुरी नज़र से देखने लगा।'

मैं यथासम्भव लापरवाही दिखाते हुए पूछने लगा 'हॉल के आदमी यहाँ इतनी बार क्यों आते हैं?'

उसने मेरी तरफ़ देखते हुए आँख मारी।

'मिस्टर, एक आदमी आता है। किसी का नाम नहीं लेना चाहता। वह बड़ा आज़ाद आदमी है। धन्यवाद, सर, मुझे पूरा भरोसा है।'

मैं तेज़ी से चलता गया। तो ऐवेलिन हॉवर्ड सही थी और जब मैंने सोचा कि एल्फ्रेड इंगलथोर्प कैसे दूसरी औरत के पैसे को कितनी उदारता से प्रयोग में ला रहा था तो मेरे मन में घृणा की तीखी टीस महसूस हुई। क्या इस अपराध के भूल में वह मनोरंजक जिप्सी चेहरा था या वह पैसा प्रेरणा का मूलस्रोत था? या शायद दोनों का विवेकपूर्ण सम्मिश्रण।

पॉयरो को एक मुद्दे पर अजीब-सी सनक सवार थी। उसने एक-दो बार मुझे बताया कि उसका ख़्याल था कि डॉरकस झगड़े का समय बताने में भूल कर रही थी। वह बार-बार उसे यह सुझाव दे रहा था कि जब उसने आवाज़ें सुनी थीं तब साढ़े चार बजे थे, चार नहीं।

पर डॉरकस टस से मस नहीं हुई। उसके आवाज़ें सुनने और मालकिन के लिए चाय ले जाने के बीच एक घण्टे से ज़्यादा का समय बीता होगा। चाय वह पाँच बजे ले गयी थी।

शुक्रवार को गाँव के स्टाइलाइट्स आर्म्स में जाँच-पड़ताल शुरू हुई। मैं और पॉयरो साथ-साथ बैठे थे, हमें गवाही नहीं देनी थी।

प्रारम्भिक जाँच हो चुकी थी। जूरी ने शव देख लिया था, और जॉन कैवेन्डिश ने शिनाख़्त की गवाही दे दी थी।

आगे की पूछताछ में उसने बहुत सुबह जगाये जाने और अपनी माँ की मृत्यु की परिस्थितियों के बारे में बताया।

इसके बाद डॉक्टरी प्रमाण लिया गया। कोर्ट में ऐसा सन्नाटा था, जैसे कोई सांस भी नहीं ले रहा हो; हर आँख लन्दन के प्रसिद्ध विशेषज्ञ पर टिकी हुई थी। इस समय वह ज़हर के विषय का सबसे बड़ा अधिकारी माना जाता था।

उसने थोड़े से शब्दों में पोस्टमार्टम का नतीजा दे दिया। डॉक्टरी तकनीकी और पारिभाषिक शब्दावली को छोड़ देने पर एक ही तथ्य निकला कि मिसेज़ इंगलथोर्प की मृत्यु स्ट्रिंकनीन के ज़हर से हुई थी। जो मात्रा मिली थी उससे यह

जाना गया था कि उन्होंने स्ट्रिकनीन के एक ग्रेन के पौने हिस्से से कम नहीं लिया था, पर शायद एक ग्रेन या उससे थोड़ा और ज़्यादा ले लिया था।

कोरोनर ने पूछा, 'क्या यह सम्भव है कि उन्होंने ग़लती से निगल लिया हो?'

'मैं इसे सम्भव नहीं मानूँगा। कुछ ज़हर घरेलू कामों में इस्तेमाल कर लिये जाते हैं पर स्ट्रिकनीन का इस तरह प्रयोग नहीं होता, और उसकी बिक्री पर भी रोक लगी हुई है।'

'क्या तुम्हारी जाँच में कुछ ऐसा है जो यह बता सके कि ज़हर कैसे दिया गया था?'

'नहीं।'

'मुझे बताया है कि तुम स्टाईल्स पर डॉ. विल्किन्स से पहले पहुँच गये थे?'

'हाँ वैसा ही है। मुझे लॉज के फाटक पर मोटर मिल गयी थी, और मैं जितनी जल्दी वहाँ पहुँच सकता था, पहुँच गया।'

'क्या तुम हमें ठीक-ठीक बता सकते हो कि फिर क्या हुआ?'

'मैं मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में गया। उस समय वे ख़ास तरह के मांसपेशी तनाव वाले दौरे झेल रही थीं। उन्होंने मेरी तरफ़ देखा और हाँफते हुए बोली: 'एल्फ्रेड — एल्फ्रेड—'

'क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प को रात के खाने के बाद की उस कॉफ़ी में स्ट्रिकनीन ज़हर दिया जा सकता था, जो उनका पति उनके पास ले गया था?'

'हो सकता है, पर स्ट्रिकनीन ज़हर अपना काम काफ़ी तेज़ी से करता है। यह लिये जाने के एक दो घण्टे बाद लक्षण दिखने लगते हैं। कुछ परिस्थितियों में यह असर देर से होता है, पर इस मामले में ऐसी कोई स्थिति मौजूद नहीं दिखती। मेरे ख़्याल से मिसेज़ इंग्लथोर्प ने रात के खाने के बाद लगभग आठ बजे कॉफ़ी पी होगी, जबकि लक्षण सुबह होने के पास तक नहीं दिखे थे, जो यह इशारा देता है कि दवा शाम को काफ़ी बाद में ली गयी होगी।'

'मिसेज़ इंग्लथोर्प को बीच रात में कोको का प्याला पीने की आदत थी। क्या स्ट्रिकनीन उसमें दी जा सकती थी?'

'नहीं, मैंने ख़ुद सॉसपैन में बची हुई कोको का अंश लेकर उसका विश्लेषण करवाया था। उसमें स्ट्रिकनीन नहीं था।'

मुझे अपने पास बैठे पॉयरो की दबी हुई हँसी की आवाज़ सुनाई दी।

'सुनो।'

डॉक्टर आगे बता रहा था, 'मैं कहूँगा कि अगर नतीजा कुछ और आता तो मुझे ताज्जुब होता।'

'क्यों?'

'सिर्फ़ इसलिए क्योंकि स्ट्रिकनीन का स्वाद असामान्य रूप से कड़वा होता है। यह सत्तर हज़ार के घोल में एक के अनुपात का मिश्रण हो, तब भी पहचाना जा सकता है। इसे सिर्फ़ किसी तेज ख़ुशबू वाले द्रव्य से ही छिपाया जा सकता है। कोको में उसे छिपाने की ताकत नहीं है।'

जूरी में से एक ने यह जानना चाहा कि क्या कॉफ़ी पर भी यही बात लागू होती है।

'नहीं, कॉफ़ी का अपना स्वाद कड़वा होता है, जो शायद स्ट्रिकनीन के स्वाद को छिपा सकेगा।'

'तो तुम्हें यह सम्भव लगता है कि दवा कॉफ़ी में दी गयी होगी, पर किसी अज्ञात कारण से उसका असर देर में हुआ?'

'हाँ, पर प्याले का पूरी तरह चूरा हो जाने के कारण उसमें मौजूद अंश की जाँच नहीं करवाई जा सकती है।'

इसके साथ ही डॉ. बॉयरस्टीन की गवाही ख़त्म हो गयी। डॉ. विल्किन्स ने हर मुद्दे पर अपनी सहमति जतायी। उसने आत्महत्या की सम्भावना से पूरी तरह इनकार कर दिया। उसने कहा कि मृतका का दिल कमज़ोर था, पर अन्यथा वे पूरी तरह स्वस्थ और स्वभाव से ख़ुशमिजाज और संतुलित थीं। अपनी जान ख़ुद लेने वाली वे आख़िरी औरत होतीं।

इसके बाद लॉरेंस कैवेन्डिश को बुलाया गया। उसकी गवाही काफ़ी महत्वहीन थी, क्योंकि वह भाई की बातों को दोहरा ही रहा था। वह कठघरे से उतरने वाला ही था, जब पल भर को रुक गया, और कुछ झिझकते हुए बोला, 'क्या मैं एक सुझाव दे सकता हूँ?'

'ज़रूर, मि. कैवेन्डिश, हम यहाँ इस मामले की सच्चाई तक पहुँचने के लिए आये हैं। ऐसी हर बात का स्वागत है जो इसे और स्पष्ट कर सके।' कोरोनर ने फुर्ती से जवाब दिया।

लॉरेंस ने सफ़ाई देते हुए कहा, 'यह सिर्फ़ मेरा विचार है। यह ज़रूर है कि मैं ग़लत हो सकता हूँ, पर मुझे अब भी लगता है कि मेरी माँ की मौत सामान्य कारणों से हुई होगी।'

'मि. कैवेन्डिश, आपको ऐसा क्यों लगता है?'

'मरने से कुछ समय पहले से मेरी माँ एक टॉनिक पीती थीं, जिसमें स्ट्रिकनीन हुआ करता था।'

कोरोनर ने कहा, 'ओह।'

जूरी ने दिलचस्पी से ऊपर देखा।

लॉरेंस ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसे मामले होते रहे हैं जिनमें कुछ दिनों तक यह दवाई लेते रहने के संचित प्रभाव से मृत्यु हुई है। इसके अलावा क्या यह सम्भव नहीं है कि उन्होंने ग़लती से वह दवाई ज़्यादा ले ली हो?'

'हम पहली बार यह सुन रहे हैं कि मृतका मरने के पहले से स्ट्रिकनीन लिया करती थीं। मि. कैवेन्डिश, हम आपके आभारी हैं।'

डॉ. बिल्किन्स को फिर से बुलाया गया, उन्होंने इस सुझाव की हँसी उड़ाई। 'जो मि. कैवेन्डिश सुझा रहे हैं, वह नहीं हो सकता। कोई भी डॉक्टर आपसे यही कहेगा। स्ट्रिकनीन किसी हद तक संचित होने वाला ज़हर है, पर उसके कारण इस तरह सहसा मृत्यु हो जाना असम्भव है। बहुत दिनों तक लगातार दिखने वाले लक्षणों की तरफ़ मेरा ध्यान ज़रूर जाता। पूरा विचार बेतुका है।'

'और दूसरा सुझाव? कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने ग़लती से ज़्यादा दवाई ले ली हो?'

'तीन, यहाँ तक कि चार ख़ुराकों से भी मृत्यु नहीं हो सकती थी। मिसेज़ इंग्लथोर्प हमेशा एक ही बार में बड़ी तादाद में दवाई बनवा लेती थीं, क्योंकि वे टैडमिन्स्टर के कूट्स वाले कैश केमिस्ट से दवाई लेती थीं। पोस्टमार्टम में स्ट्रिकनीन की जितनी मात्रा मिली है उसके लिए उन्हें लगभग पूरी बोतल पीने की ज़रूरत थी।'

'तो तुम्हें लगता है कि टॉनिक को उनकी मृत्यु का कारण मानने के सुझाव को हमें ख़ारिज कर देना चाहिए?

'ज़रूर। यह सोचना हास्यास्पद है।'

जिस जूरी ने पहले भी बीच में टोका था, उसने यह सन्देह व्यक्त किया कि दवाई बनाने वाले केमिस्ट से भी ग़लती हो सकती थी।

डॉक्टर ने जवाब दिया, 'ज़रूर, वह तो हमेशा सम्भव है।'

पर अगली गवाह डॉरकस ने इस सम्भावना को भी नकार दिया। दवाई नयी नहीं बनी थी। इसके विपरीत मिसेज़ इंग्लथोर्प ने अपनी मृत्यु वाले दिन आख़िरी ख़ुराक ली थी।

इसलिए टॉनिक का प्रश्न अन्तत: छोड़ दिया गया और कोरोनर ने अपना काम शुरू किया। डॉरकस के यह स्पष्ट करने के बाद कि कैसे वह मालकिन के तेज घण्टी बजाने पर जागी और उसने सारे घर को जगा दिया था, कोरोनर पिछली दोपहर को हुई लड़ाई के विषय पर चला गया।

इस मुद्दे पर डॉरकस ने अपनी गवाही में वही बातें कहीं जो मैं और पॉयरो पहले ही सुन चुके थे, इसलिए मैं यहाँ उन्हें दुबारा नहीं बताऊँगा।

अगली गवाह मेरी कैवेन्डिश थी। वह बिल्कुल सीधी खड़ी थी, और धीमी, स्पष्ट और पूरी तरह शान्त आवाज़ में बात कर रही थी। कोरोनर के प्रश्न के जवाब में उसने बताया कि कैसे उसकी घड़ी के अलार्म ने उसे रोज की तरह सुबह साढ़े चार बजे जगा दिया था। वह उठकर तैयार हो रही थी, तभी किसी भारी चीज़ के गिरने की आवाज़ से वह चौंक उठी।

कोरोनर ने टिप्पणी की, 'वह बिस्तर के पास वाली मेज़ ही रही होगी।'

मेरी ने बोलना ज़ारी रखा, 'मैंने अपना दरवाज़ा खोला और सुनने लगी। कुछ मिनटों के बाद बड़ी तेज़ी से एक घण्टी की आवाज़ आयी। डॉरकस दौड़ती हुई आयी और मेरे पति को जगाया, और हम सब मेरी सास के कमरे की तरफ़ गये, पर वह बन्द था—'

कोरोनर ने उसे बीच में ही रोक दिया। वह बोला, 'मुझे वास्तव में ऐसा नहीं लगता है कि हमें इस मुद्दे पर तुम्हें और परेशान करना चाहिए। उसके बाद जो कुछ हुआ उसके बारे में जितना जाना जा सकता था, वह हम जानते हैं। पर अगर पिछले दिन के झगड़े के बारे में तुमने जो कुछ सुना था, वह बता सकोगी तो हम आभारी होंगे।'

'मैं?'

उसकी आवाज़ में हल्का-सा अक्खड़पन था। उसने अपना हाथ ऊपर उठाकर, गले पर आती लेस की झालर को सही किया, और ऐसा करते वक़्त अपने सिर को थोड़ा मोड़ा। मेरे दिमाग़ में सहज ही यह विचार कौंधा, 'वह वक़्त का लाभ लेना चाहती है।'

कोरोनर ने जानबूझकर अपनी बात जारी रखी, 'हाँ, जहाँ तक मैं समझा हूँ, तुम बैठक की लम्बी खिड़की के बिल्कुल बाहर पड़ी बेंच पर बैठकर किताब पढ़ रही थीं। ऐसा ही था, है न?'

मेरे लिए यह एक ख़बर थी और जब मैंने तिरछी नज़र से पॉयरो को देखा तो समझ गया कि उसके लिए भी वैसा ही था।

जवाब देने से पहले वह पल भर को झिझकी, हल्की-सी रुकी : 'हाँ, ऐसा ही था।'

'बैठक की खिड़की ख़ुली थी, है न?'

जब वह जवाब दे रही थी, तब उसका चेहरा निश्चित रूप से थोड़ा और फीका पड़ गया था : 'हाँ।'

'तब अन्दर की आवाज़ें तुम न सुन सको, ऐसा हो ही नहीं सकता था, ख़ासकर जब वह ग़ुस्से की वजह से ऊँची भी थीं। दरअसल हॉल की अपेक्षा जहाँ तुम बैठी थी, वहाँ ज़्यादा अच्छी तरह सुनाई दी होंगी।'

'शायद।'

'तुमने झगड़े की जो बातें सुनीं, क्या उन्हें दोहरा सकोगी?'

'मुझे वाकई याद नहीं है कि कुछ सुना था।'

'तुम्हारे कहने का मतलब है कि तुमने आवाज़ें नहीं सुनीं?'

'हाँ, मुझे आवाज़ें सुनाई दी थीं, पर वे क्या कह रहे थे, यह नहीं सुना था।' उसके गालों पर हल्की लाली आ गयी। 'मुझे लोगों की व्यक्तिगत बातें सुनने की आदत नहीं है।'

कोरोनर अड़ा रहा।

'तुम्हें कुछ भी याद नहीं है? कुछ नहीं, मिसेज़ कैवेन्डिश? कोई शब्द या पंक्ति जिससे तुम्हें यह पता चलता है कि वह निजी बातचीत थी?'

वह रुकी रही, जैसे कुछ सोच रही हो, फिर भी बाहर से हमेशा की तरह शान्त थी। 'हाँ, मुझे याद आया; मिसेज़ इंग्लथोर्प कुछ बोली थीं, — मुझे ठीक से याद नहीं है कि क्या — पर पति-पत्नी के बीच आघात पहुँचाने की कोई बात थी।'

'आह!' कोरोनर सन्तुष्ट होकर पीछे टिक गया। 'डॉरकस ने जो सुना था, उसे यह पुष्ट करता है। पर मिसेज़ कैवेन्डिश, माफ़ करना हालाँकि तुम यह जान गयी थीं कि यह बातचीत व्यक्तिगत थी, फिर भी तुम हटीं नहीं? तुम जहाँ थीं, वहीं, बैठी रहीं?'

जब उसने अपनी हल्के भूरे रंग की आँखें उठाईं, तब पल भर को मैंने उनकी चमक देखी। मुझे उस पल ऐसा लगा जैसे उस छोटे वकील द्वारा छिपे हुए संकेतों को उठाने के कारण वह खुशी-खुशी उसके टुकड़े कर देती, पर उसने काफ़ी शान्ति से जवाब दिया : 'नहीं। मैं जहाँ थी, वहाँ आराम से थी। मैंने अपना ध्यान अपनी किताब पर लगा दिया।

'तुम हमें इतना ही बता सकती हो?'

'हाँ।'

जाँच ख़त्म हो गयी, हालाँकि मुझे कोरोनर के पूरी तरह सन्तुष्ट होने के बारे में सन्देह था। मेरे ख़्याल से उसे यह शक़ था कि मेरी कैवेन्डिश अगर चाहती तो और कुछ भी बता सकती थी।

अगली गवाह दुकान की सहायिका ऐमी हिल थी, जिसने स्वीकार किया कि उसने सत्रह की दोपहर को वसीयत का फ़ॉर्म स्टाईल्स के सहायक माली विलियम अर्ल को बेचा था।

उसके बाद विलियम अर्ल और मैनिंग को बुलाया गया, उन्होंने एक दस्तावेज़ के साक्षी होने की गवाही दी। मैनिंग ने साढ़े चार बजे का समय बताया, विलियम के अनुसार समय उससे पहले का था।

उनके बाद सिंथिया मर्डोक आयी। पर उसके पास बताने के लिए बहुत कम था। वह उस दुर्घटना के बारे में तब तक कुछ नहीं जानती थी, जब तक कि मिसेज़ कैवेन्डिश ने उसे जगाया नहीं।

'तुम्हें मेज़ गिरने की आवाज़ सुनाई नहीं दी?'

'नहीं, मैं गहरी नींद सो रही थी।'

कोरोनर मुस्कराया 'अच्छे अन्त:करण वाले गहरी नींद सोते हैं।' वह बोला। 'धन्यवाद मिस मर्डोक, बस इतना काफ़ी है।'

'मिस हॉवर्ड।'

मिस हॉवर्ड ने वह पत्र पेश किया जो मिसेज़ इंग्लथोर्प ने सत्रह की शाम को उसके लिए लिखा था। मैं और पॉयरो उसे पहले ही देख चुके थे। उससे दुर्घटना के बारे में हमें कोई और जानकारी नहीं मिल रही थी। नीचे उसकी प्रतिलिपि है :

July 17th

Styles Court
Essex

My dear Evelyn
Can we not bury the hatchet? I have found it hard to forget the things you said against my dear husband but I am an old woman very fond of you
Yours affectionately
Emily Inglethorp

जुलाई 17 स्टाईल्स कोर्ट

एसेक्स

मेरी प्रिय ऐवेलिन,

क्या हम पिछली बातों को भुला नहीं सकते? तुमने मेरे प्रिय पति के बारे में जो बातें कहीं थीं, उन्हें भुलाना मुझे मुश्किल लगा है। पर मैं एक बूढ़ी औरत हूँ, तुम्हें बहुत प्यार करती हूँ।

तुम्हारी स्नेहपूर्ण

ऐमिली इंगलथोर्प

वह पत्र ज़ूरी को दे दिया गया, जिसने बड़े ध्यान से उसकी जाँच की।

कोरोनर ने ठण्डी सांस भरते हुए कहा, 'मुझे डर है कि इससे हमें ख़ास मदद नहीं मिलेगी। इसमें उस दोपहर की घटनाओं का कोई ज़िक्र नहीं है।'

मिस हॉवर्ड ने रुखाई से कहा, 'मेरे लिए यह एक नुकीले डण्डे की तरफ़ साफ़ है। यह स्पष्टता से दिखाता है कि मेरी बेचारी बूढ़ी मित्र को तभी पता चला था कि उसको बेवकूफ़ बनाया गया था।'

कोरोनर ने कहा, 'पत्र में ऐसी कोई बात नहीं कही गयी है।'

'नहीं, क्योंकि ऐमिली कभी भी ख़ुद को ग़लत साबित नहीं करना चाहती थी। पर मैं उसे जानती हूँ। वह मुझे वापस बुलाना चाहती थी। पर वह यह कभी नहीं मान सकती थी कि मैं सही थी। वह बात को घुमाती रही। ज़्यादातर लोग यही करते हैं। मैं ख़ुद इसमें विश्वास नहीं करती।'

मि. वेल्स हल्के से मुस्कराये। मैंने देखा कि ज़ूरी के कई दूसरे सदस्य भी मुस्करा रहे थे। स्पष्ट था कि मिस हॉवर्ड

सबके लिए काफ़ी जानी-पहचानी औरत थी।

जूरी को ऊपर से नीचे तक उपेक्षा के साथ देखते हुए महिला ने अपना बोलना ज़ारी रखा।

'जो भी हो, इस सारे मज़ाक में काफ़ी वक़्त बरबाद हो चुका है। बातें — बातें — बातें! जब कि पूरे समय हम अच्छी तरह से जानते हैं—'

कोरोनर ने आशंका की पीड़ा से उसे बीच में ही रोक दिया :

'धन्यवाद, मिस हॉवर्ड। बस इतना ही काफ़ी है।'

जब वह मान गयी तो कोरोनर ने राहत की सांस ली।

फिर उस दिन की सनसनीखेज़ स्थिति आयी। कोरोनर ने कैमिस्ट के सहायक मि. मेस को बुलाया।

वह हमारा पीले चेहरे वाला परेशान युवक था। कोरोनर के प्रश्नों के जवाब में उसने बताया कि वह योग्य फार्मेसिस्ट था। पर इस दुकान पर हाल ही में आया था, क्योंकि जो पहला सहायक था उसे अभी सेना में बुला लिया गया था।

शुरुआती बातें पूरी होने के बाद कोरोनर ने काम की बात आरम्भ की।

'मि. मेस, क्या आपने इन दिनों में किसी अनधिकृत व्यक्ति को स्ट्रिकनीन बेची थी?'

'हाँ, सर।'

'कब की बात है?'

'पिछले सोमवार की बात है।'

'सोमवार? मंगलवार नहीं?'

'नहीं, सर। सोमवार, सोलह तारीख को।'

'क्या हमें बता सकते हो कि किसको बेची थी?'

'हाँ सर। मि. इंगलथोर्प को।'

इतना सन्नाटा छा गया कि सुई गिरने की आवाज़ भी सुनाई दे जाती।

कहने के साथ हर आँख उस तरफ़ उठ गयी जहाँ एल्फ्रेड इंगलथोर्प बिल्कुल स्थिर, निर्जीव-सा बैठा था। उस युवक के होंठों से निन्दनीय शब्दों के निकलने पर वह हल्का-सा चौंका। मुझे कुछ ऐसा लगा कि वह अपनी कुर्सी पर से उठ खड़ा होगा, पर वह बैठा रहा। हालाँकि उसके चेहरे पर बढ़िया अचरज का भाव नाटकीय रूप से उभर आया।

कोरोनर ने सख़्ती से पूछा, 'तुम यह कथन विश्वास के साथ कर रहे हो?'

'जी, सर।'

'क्या तुम इस तरह बिना जाँचे किसी को भी स्ट्रिकनीन बेचते हो?'

कोरोनर की नाराजगी पर अभागा युवक निस्तेज दिख रहा था।

'नहीं सर, बिल्कुल नहीं। पर यह देखकर कि मि. इंगलथोर्प हॉल से आये थे, मुझे लगा देने में कोई नुकसान नहीं था। उन्होंने कहा था कि कुत्ते को ज़हर देने के लिए चाहिए था।'

मुझे अन्दर ही अन्दर उससे सहानुभूति हुई। यह महज़ मानवीय प्रवृत्ति थी कि हॉल वालों को सन्तुष्ट रखा जाये, विशेष रूप से जब यह उम्मीद हो कि ग्राहक शायद कूट कम्पनी को छोड़कर स्थानीय लोगों को अपना काम दे दे।

'क्या ज़हर खरीदने वाले से रजिस्टर में हस्ताक्षर करवाने का नियम नहीं है?'

'हाँ, सर, मि. इंग्लथोर्प ने किये थे?'

'क्या तुम रजिस्टर लाये हो?'

'हाँ, सर।'

वह पेश किया गया; कुछ सख़्त निन्दाजनक शब्दों के साथ मि. मेस को रफ़ादफ़ा कर दिया गया।

फिर सन्नाटे के बीच एल्फ्रेड इंग्लथोर्प को बुलाया गया। मैं सोच रहा था, क्या वह समझ रहा था कि किस तरह फाँसी का फंदा उसके गले के पास आता जा रहा था।

कोरोनर सीधा मुद्दे पर आया।

'क्या पिछले सोमवार की शाम को तुमने कुत्ते को ज़हर देने के लिए स्ट्रिकनीन ख़रीदी थी?'

इंग्लथोर्प ने पूरी तरह शान्ति के साथ जवाब दिया: 'नहीं, मैंने नहीं ख़रीदी। स्टाईल्स में कोई कुत्ता नहीं है, सिवाय बाहर के गड़रिये वाले कुत्ते के जो पूरी तरह स्वस्थ है।'

'पिछले सोमवार को एल्बर्ट मेस से स्ट्रिकनीन खरीदने से तुम पूरी तरह इनकार करते हो?'

'हाँ।'

कोरोनर ने उसे वह रजिस्टर पकड़ाया जिस पर उसके हस्ताक्षर थे और पूछा, 'क्या तुम इससे भी इनकार करते हो?'

'ज़रूर। मेरी लिखावट से यह बहुत अलग है। मैं आपको दिखाता हूँ।'

उसने अपनी जेब से एक पुराना लिफ़ाफ़ा निकाला, अपना नाम उस पर लिखा और जूरी को पकड़ा दिया। यह निश्चित रूप से पूरी तरह बेमेल था।

'तो तुम मि. मेस के कथन के बारे में क्या कहोगे?'

एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने बिना विचलित हुए जवाब दिया, 'मि. मेस को ग़लतफ़हमी हुई होगी।'

पल भर को झिझकने के बाद कोरोनर ने कहा, 'मि. इंग्लथोर्प, सिर्फ़ कार्यवाही के तौर पर क्या आप बता सकते हैं कि सोमवार, सोलह जुलाई की शाम को आप कहाँ थे?'

'मुझे वास्तव में याद नहीं है।'

कोरोनर सख़्ती से बोला, 'मि. इंग्लथोर्प, यह बेतुकी बात है, फिर सोचिए।'

इंग्लथोर्प ने सिर हिलाया।

'मैं आपको नहीं बता सकता। मैं सिर्फ़ इतना जानता हूँ कि मैं सैर के लिए बाहर गया था।'

'किस दिशा में?'

'मुझे सच में याद नहीं है।'

कोरोनर का चेहरा गम्भीर हो गया।

'क्या तुम किसी के साथ थे?'

'नहीं।'

'क्या तुम्हें सैर के वक़्त कोई मिला था?'

'नहीं।'

कोरोनर ने रुखाई से कहा, 'यह अफ़सोस की बात है। क्या मैं यह मान लूँ कि मि. मेस तुम्हें अच्छी तरह पहचान कर तुम्हारे दुकान में घुसकर स्ट्रिकनीन ख़रीदने की बात कह रहा है जबकि तुम उस वक़्त कहाँ थे यह बताने से इनकार कर रहे हो?'

'अगर आप इस तरह सोचते हैं, तो हाँ।'

'मि. इंग्लथोर्प, ध्यान रखिए।'

पॉयरो घबराहट से बेचैन हो रहा था। वह बड़बड़ाया, 'क्या यह बेवक़ूफ़ आदमी गिरफ़्तार होना चाहता है?'

निश्चित रूप से इंग्लथोर्प बुरा प्रभाव छोड़ रहा था। उसके निरर्थक इनकार से कोई बच्चा भी सन्तुष्ट नहीं हो सकता था। पर कोरोनर फुर्ती से दूसरे बिन्दु पर गया, और पॉयरो ने तसल्ली की सांस ली।

'मंगलवार की दोपहर को तुम्हारी अपनी पत्नी से बहस हुई थी? एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने टोकते हुए कहा, 'मुझे माफ़ कीजियेगा, आपको ग़लत ख़बर दी गयी है। मेरा अपनी प्रिय पत्नी से कोई झगड़ा नहीं हुआ था। पूरी कहानी बिल्कुल झूठ है। मैं पूरी दोपहर घर से बाहर था।'

'क्या कोई तुम्हारी बात की पुष्टि कर सकता है?'

इंग्लथोर्प गुस्से से बोला, 'मैं आपको बता रहा हूँ।'

कोरोनर ने जवाब देने की तकलीफ़ नहीं की।

'यहाँ दो गवाह हैं, जो कसम खाते हैं कि उन्होंने तुम्हारी अपनी पत्नी से लड़ाई को सुना था।'

'वे गवाह झूठे हैं।'

मैं उलझन में पड़ गया। वह आदमी इतनी शान्ति से विश्वासपूर्वक बोल रहा था कि मैं चकित रह गया। मैंने पॉयरो की तरफ़ देखा। उसके चेहरे पर विजयोल्लास का भाव था, जिसे मैं समझ नहीं पा रहा था। क्या आख़िर वह एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के अपराध को मान रहा था?'

क़ोरोनर ने कहा, 'मि. इंग्लथोर्प, तुमने यहाँ अपनी पत्नी के अन्तिम शब्दों का दोहराया जाना सुना है। क्या उनके बारे में कोई सफ़ाई दे सकते हो?'

'ज़रूर दे सकता हूँ।'

'तुम दे सकते हो?'

'वह बहुत आसान लगता है। कमरे में हल्की रोशनी थी। डॉ. बॉयरस्टीन मेरी लम्बाई और आकार के हैं, और मेरी तरह उनकी भी दाढ़ी है। हल्की रोशनी और अपनी तकलीफ़ में होने के कारण मेरी पत्नी को उसे देखकर मेरा भ्रम हुआ होगा।'

पॉयरो अपने आप से बड़बड़ाया, 'आह! पर यह भी एक विचार है!'

मैं फुसफुसाया, 'तुम्हें यह सच लगता है?'

'मैं यह नहीं कह रहा। पर यह वास्तव में बढ़िया कल्पना है।'

इंग्लथोर्प बात जारी रखे था, 'आपने मेरी पत्नी के शब्दों में दोषारोपण देखा, जबकि इसके विपरीत वह मुझसे विनती थी।'

कोरोनर ने एक पल को सोचा, फिर वह बोला :

'मि. इंग्लथोर्प, मेरे ख़्याल से उस शाम तुम कॉफ़ी ख़ुद ढालकर अपनी पत्नी के पास ले गये थे?'

'हाँ, मैंने ही ढाली थी। पर मैं उन तक लेकर नहीं गया था। मैं ले जाना चाहता था, पर मुझे बताया गया था कि एक दोस्त हॉल के दरवाज़े पर था, इसलिए मैंने कॉफ़ी हॉल की मेज़ पर रख दी। कुछ पल बाद जब मैं वापस हॉल में से आया, तो कॉफ़ी जा चुकी थी।'

यह कथन सच हो सकता था और नहीं भी, पर मुझे ऐसा नहीं लगा कि इससे इंग्लथोर्प के लिए स्थिति ज़्यादा अच्छी हो सकती थी। जो भी हो, उसके पास ज़हर देने के लिए बहुत वक़्त था।

इस समय, पॉयरो ने मुझे धीरे से हिलाया, दरवाज़े के पास साथ बैठे दो आदमियों की तरफ़ इशारा किया। एक नाटा, तीखा, साँवला, खोजी शक्लवाला आदमी था और दूसरा लम्बा व गोरा था।

मैंने चुप रहकर पॉयरो की तरफ़ प्रश्न सूचक ढंग से देखा। उसने मेरे कान से अपने ओंठ लगाये: 'क्या तुम उस नाटे आदमी को जानते हो?'

मैंने न में सिर हिलाया।

'वह स्कॉटलैंड यार्ड का जासूसी इंस्पेक्टर जेम्स जैप है। दूसरा भी स्कॉटलैंड यार्ड से ही है। चीज़ें तेज़ी से बढ़ रही हैं।'

मैं दोनों आदमियों को ध्यान से घूरता रहा। दोनों में निश्चित रूप से पुलिस वालों की-सी कोई बात नहीं थी। मैं कभी उनके उच्च पदाधिकारी होने के बारे में सोच भी नहीं सकता था।

मैं अभी घूर ही रहा था, जब मैं चौंक उठा और वर्तमान में लौट आया। फैसला दिया जा रहा था:

किसी एक या अनेक अज्ञात लोगों के विरुद्ध 'जानबूझ कर हत्या करने का आरोप।'

सातवाँ अध्याय
पॉयरो ने अपना कर्ज़ चुकाया

जैसे ही हम स्टाइलाइट्स आर्म्स से बाहर निकले, पॉयरो ने बाँह पर हल्का-सा दबाव डालते हुए मुझे एक तरफ़ कर लिया। मैं उसका मतलब समझ गया। वह स्कॉटलैंड यार्ड के आदमियों का इन्तज़ार कर रहा था।

कुछ पलों में वे बाहर आये और पॉयरो फ़ौरन आगे बढ़ा, दोनों में से जो नाटा था उसे छेड़ते हुए बोला : 'इंस्पेक्टर जैप, मुझे डर है कि तुम मुझे भूल गये हो।'

'क्या, अरे मि. पॉयरो!' इंस्पेक्टर ज़ोर से बोला। वह दूसरे आदमी की तरफ़ मुड़ा। 'तुमने मुझे मि. पॉयरो के बारे में बातें करते हुए सुना है? 1904 में हमने साथ काम किया था — वह एबरक्राम्बी धोखाधड़ी का मामला था — तुम्हें याद है वह ब्रसेल्स में बन्द किया गया था। मिस्टर, वे दिन कितने अच्छे थे। फिर, क्या तुम्हें 'बैरन' अल्तारा याद है? वह तुम्हारे लिए कितना बदमाश साबित हुआ था! यूरोप की आधी पुलिस को वह चकमा देता रहा था। पर हमने एंटवर्प में उसे इन मि. पॉयरो की बदौलत दबोच लिया था।'

जब ये दोस्ताना यादें दोहराई जा रही थीं, तब मैं पास को गया, उस वक़्त डिटेक्टिव इंस्पेक्टर जैप से मेरा परिचय करवाया गया, उसने हम दोनों को अपने साथी सुपरिन्टेन्डेन्ट समरहाय से मिलवाया।

पॉयरो ने टिप्पणी की, 'मुझे यह पूछने की ज़रूरत नहीं है कि तुम दोनों सज्जन यहाँ क्या कर रहे हो।'

जैप ने जानते हुए एक आँख दबायी।

'सच में नहीं। मैं कहूँगा, मामला काफ़ी साफ़ है।'

पर पॉयरो ने गम्भीरता से जवाब दिया: 'मैं तुमसे सहमत नहीं हूँ।'

पहली बार अपना मुँह खोलते हुए समरहाय ने कहा, 'अरे, सारी बात दिन की रोशनी की तरह साफ़ है। आदमी को रंगे-हाथों पकड़ा गया है। मैं इस बात से हैरान हूँ कि कोई आदमी इतना बेवक़ूफ़ कैसे हो सकता है।'

पर जैप पॉयरो की तरफ़ ध्यान से देख रहा था। वह मज़ाकिया ढंग से बोला, 'समरहाय, अपनी गोलाबारी रोके रहो। मैं और मि. पॉयरो पहले मिल चुके हैं। मैं इनके आगे किसी और के फ़ैसले को जल्दी ही स्वीकार नहीं करूँगा। अगर मैं बहुत ग़लत नहीं हूँ, तो उन्हें ज़रूर कुछ पता है। महोदय, ऐसा ही है, न?'

पॉयरो मुस्कराया। 'हाँ, मैं कुछ नतीजों पर पहुँच चुका हूँ।'

समरहाय अभी भी कुछ सन्देहपूर्ण दिख रहा था, पर जैप ने अपना निरीक्षण जारी रखा।

वह कहने लगा, 'ऐसा है कि अभी तक हमने मामले को बाहर से देखा है। इस तरह के मामले में, जहाँ कहा जाये तो जाँच-पड़ताल के बाद हत्या के बारे में पता चलता है, वहाँ यार्ड के लोग नुकसान में रहते हैं। सबसे पहले मौके पर मौजूद होने पर बहुत कुछ निर्भर करता है, पॉयरो ने हमसे पहले जाँच शुरू की। अगर मौके पर मौजूद एक चतुर डॉक्टर ने कोरोनर के ज़रिये हमें संकेत नहीं दिया होता तो हमें इतनी जल्दी यहाँ होना भी नहीं चाहिए था। परन्तु तुम शुरू से मौके पर मौजूद थे, अत: तुमने कुछ छोटे संकेत पाये होंगे। जाँच-पड़ताल के दौरान गवाहों के बूते पर मि. इंग्लथोर्प का अपनी पत्नी की हत्या करना उतना ही निश्चित जान पड़ता है, जितना मेरा यहाँ खड़े होना; और अगर तुम्हारे अलावा किसी और ने इसके विपरीत संकेत दिया होता, तो मैं उसके मुँह पर हँस देता। मैं यह ज़रूर कहूँगा कि जूरी के तभी के तभी उस पर जानबूझ कर हत्या करने का आरोप न लगाने से मैं ताज्जुब में पड़ गया। मुझे लगता है कि अगर कोरोनर ने उन्हें रोका नहीं होता तो वे ऐसा कर देते।'

पॉयरो ने संकेत दिया, 'पर शायद तुम्हारी जेब में इस वक़्त भी उसकी गिरफ़्तारी के लिए वारण्ट है।'

जैप की भावपूर्ण आकृति पर अफ़सरशाही का भावशून्य पर्दा-सा उतर आया। वह रुखाई से बोला, 'शायद है, शायद नहीं।'

पॉयरो सोचते हुए उसे देखने लगा। 'मैं बहुत चिन्तित हूँ, सज्जनों, उसे गिरफ़्तार नहीं किया जाना चाहिए।'

समरहाय व्यंग्यपूर्वक बोला, 'मैं पूछने की हिम्मत रखता हूँ।'

जैप मज़ाकिया उलझन से पॉयरो को देख रहा था।

'मि. पॉयरो, क्या तुम थोड़ा और नहीं बढ़ सकते? तुम्हारा पलक झपकाना या गरदन हिलाना उतना ही अच्छा है। तुम मौके पर थे — और तुम जानते हो कि यार्ड कोई ग़लती करना नहीं चाहेगा।'

पॉयरो ने गम्भीरता से सिर हिलाया। 'मैं बिल्कुल यही सोच रहा था। ठीक है, मैं तुम्हें यह बताता हूँ। अपने वारण्ट का इस्तेमाल करो: मि. इंगलथोर्प को गिरफ़्तार कर लो। पर इससे तुम्हें कोई प्रशंसा नहीं मिलेगी — उसके ख़िलाफ़ मामला फ़ौरन ख़ारिज कर दिया जायेगा।' और उसनें स्पष्ट रूप से चुटकी बजायी।

जैप का चेहरा गम्भीर हो गया, हालाँकि समरहाय ने सन्देहपूर्ण फुँकार निकाली; जहाँ तक मेरा सवाल है मैं आश्चर्य से बिल्कुल गूँगा हो गया। मैं सिर्फ़ यही नतीजा निकाल पाया कि पॉयरो पागल था।

जैप ने अपना रूमाल निकाला, हल्के हाथ से माथे का पसीना पोंछने लगा।

'मि. पॉयरो, मैं ऐसा करने का दुस्साहस नहीं करूँगा। मैं तुम्हारी बात पर भरोसा करूँगा, पर मेरे ऊपर और लोग भी हैं जो मुझसे पूछेंगे कि मेरी इस हरकत का कारण क्या है? क्या तुम मुझे थोड़ा और नहीं बता सकते, जिसके सहारे मैं चल सकूँ?'

पॉयरो ने पल भर को सोचा, आख़िर बोला, 'यह किया जा सकता है, पर मैं यह मानता हूँ कि मैं ऐसा करना नहीं चाहता। इससे मेरे हाथ विवश हो जायेंगे। मैं इस वक़्त अँधेरे में काम करना बेहतर समझता, पर जो तुम कह रहे हो वह भी सही है — बीते समय के एक बेल्जियन पुलिस वाले के केवल शब्दों पर भरोसा करना काफ़ी नहीं है। और एल्फ्रेड इंगलथोर्प को गिरफ़्तार नहीं करना चाहिए। मैंने इसकी कसम खाई है। यह मेरा दोस्त हेस्टिंग्स जानता है। तो देखो, मेरे दोस्त जैप, तुम फ़ौरन स्टाईल्स चले जाओ।'

'लगभग आधा घण्टे में जाऊँगा। हमें पहले कोरोनर और डॉक्टर से मिलना है।'

'बढ़िया। जाते वक़्त रास्ते से मुझे भी ले लेना — गाँव में आख़िरी घर है। मैं तुम्हारे साथ चलूँगा। स्टाईल्स पर मि. इंगलथोर्प तुम्हें कुछ सबूत देंगे — या हो सकता है, मना कर दें — पर मैं तुम्हें ऐसे सबूत दूँगा जो तुम्हें यह सन्तुष्टि देंगे कि उसके ख़िलाफ़ मुकदमा टिकना सम्भव नहीं था। क्या यह सौदा है?'

जैप ने उत्साहपूर्वक कहा, 'पक्का। यार्ड की तरफ़ से मैं तुम्हारा आभारी हूँ, हालाँकि मुझे यह मानना पड़ेगा कि इस वक़्त मुझे प्रमाण में बचाव के रास्ते की हल्की-सी सम्भावना भी नज़र नहीं आ रही है, पर तुम हमेशा से ही चमत्कारपूर्ण रहे हो। तो तब तक के लिए मिस्टर!'

दोनों जासूस चले गये, समरहाय के चेहरे पर सन्देहपूर्ण मुस्कान थी।

मैं एक शब्द भी बोलता, उससे पहले पॉयरो बोल पड़ा, 'मेरे दोस्त, तुम क्या सोचते हो? उस कोर्ट में कुछ पल मुझे उत्तेजनापूर्ण लगे। मैंने कभी अपने आप ऐसा नहीं सोचा था कि वह आदमी इतना अड़ियल दिमाग़ होगा, जो कुछ भी कहने से इनकार कर देगा। यह नीति निश्चित रूप से एक बेवकूफ़ की थी।'

'हूँ! बेवकूफ़ी के अलावा इसके दूसरे कारण भी हो सकते हैं।'

मैंने कहा, 'क्योंकि अगर उसके ख़िलाफ़ मामला सच्चा है तो वह चुप्पी के अलावा और कैसे ख़ुद को बचा सकता था?'

पॉयरो बोला, 'क्यों, हज़ारों बढ़िया तरीक़ों से। देखो, मान लो क़त्ल मैंने किया है, मैं सात सच लगने वाली कहानियाँ सोच सकता हूँ! और वे मि. इंगलथोर्प के सख़्त इनकार से कहीं ज़्यादा विश्वासपूर्ण होतीं!'

मैं हँसे बिना नहीं रह सका।

'प्रिय पॉयरो, मुझे विश्वास है कि तुम सत्तर कहानियाँ सोचने की सामर्थ्य रखते हो। पर, गम्भीरता से कहूँ तो, बावजूद उसके जो मैंने तुम्हें उन जासूसों से कहते सुना था, तुम निश्चित रूप से एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के निर्दोष होने की सभावना पर विश्वास नहीं कर सकते?'

'अगर पहले भरोसा था तो अब क्यों नहीं होगा? कुछ भी नहीं बदला है।'

'पर सबूत तो नतीजा दे रहे हैं।'

'हाँ, ज़्यादा ही निष्कर्षपूर्ण हैं।'

हम लीस्टवेज कॉटेज के फाटक में घुसे और अब परिचित सीढ़ियों से ऊपर गये।

पॉयरो ने जैसे अपने आप से बोलना जारी रखते हुए कहा, 'हाँ, हाँ बहुत ही स्पष्ट नतीजा दे रहे हैं। असली प्रमाण अस्पष्ट होते हैं और इसलिए असन्तोषपूर्ण भी। उसे जाँचना-छानना पड़ता है। यहाँ तो पूरी चीज़ काट पीटकर तैयार कर दी गयी है। नहीं मेरे दोस्त, ये सबूत बड़ी चतुराई से बनाये गये हैं — इतनी चतुराई से कि अपने उद्देश्य को ख़ुद ही पराजित कर रहे हैं।'

'तुमने यह कैसे जाना?'

'क्योंकि जब तक उसके विरुद्ध सबूत अस्पष्ट और सूक्ष्म थे, तब तक ग़लत साबित करना मुश्किल था। पर अपनी चिन्ता में, अपराधी ने जाल इतनी अच्छी तरह फैलाया है कि जरा-सी खाते ही इंग्लथोर्प आज़ाद हो जायेगा।'

मैं चुप था। एक दो मिनट बाद पॉयरो फिर चालू हो गया। 'हम मामले को इस तरह देखें। एक आदमी है, हम ऐसे कहते हैं, कि वह अपनी पत्नी को ज़हर देने का निश्चय करता है। जैसी कहावत भी है, वह अपनी बातों के बल पर जीता है। इसलिए ऐसा सोचा जाता है कि उसके पास हाज़िरजवाबी है। तो वह पूरी तरह बेवकूफ़ नहीं है। फिर वह यह काम कैसे करेगा? वह हिम्मत के साथ गाँव के केमिस्ट के पास जाता है, और अपने ही नाम से स्ट्रिकनीन ख़रीदता है। उसके लिए एक कुत्ते के बारे में मनगढ़न्त कहानी बनाता है, जो ज़रूर बेहूदी मानी जायेगी। वह उस रात ज़हर नहीं देता। नहीं, वह पत्नी के साथ तेज़ झगड़े के होने का इन्तज़ार करता है, जिसके बारे में पूरा घर जानता है, स्वाभाविक है कि उसकी वजह से सबका शक़ एल्फ्रेड की तरफ़ जाता है। वह बचाव की तैयारी नहीं करता है, न अपने कहीं और होने का साक्ष्य जुटाता है। जबकि वह यह जानता है कि केमिस्ट का सहायक ज़रूर तथ्यों को लेकर सामने आयेगा। मुझे इस पर विश्वास करने को मत कहना कि कोई आदमी इतना बेवकूफ़ हो सकता है। सिर्फ़ एक पागल जो आत्महत्या करने के लिए ख़ुद को फाँसी पर चढ़ाना चाहता हो, ऐसी हरकत करेगा।'

मैंने शुरू किया, 'फिर भी, मुझे नहीं दिखता—'

'न मुझे दिखता है। मैं तुमसे कह रहा हूँ, यह मुझे दुविधा में डाल रहा है — मुझे हरक्यूल पॉयरो को!'

'पर अगर तुम्हें वह निर्दोष लगता है तो उसके स्ट्रिकनीन खरीदने का कारण बताओ?'

'बहुत आसान है। उसने नहीं खरीदी थी।'

'पर मेस ने उसे पहचाना था!'

'मैं तुमसे माफी चाहूँगा, पर उसने मि. इंग्लथोर्प जैसी काली दाढ़ी और चश्मे वाला एक आदमी देखा, उसने उन्हीं जैसे दिखनेवाले कपड़े पहने हुए थे। वह उस आदमी को कैसे पहचान सकता था जिसे उसने शायद दूर से ही देखा होगा। क्योंकि, तुम्हें याद होगा, वह ख़ुद इस गाँव में पन्द्रह दिन पहले ही आया था और मिसेज़ इंग्लथोर्प ज़्यादातर टैडमिन्स्टर स्थित कूट्स से ही दवाई लेती थीं।'

'तो तुम्हें लगता है—'

'दोस्त, तुम्हें वे दो बातें याद हैं जिन पर मैं बल देता हूँ? इस वक़्त के लिए पहली को छोड़ दो, दूसरी क्या थी?'

'यह महत्वपूर्ण तथ्य कि एल्फ्रेड इंग्लथोर्प अजीब कपड़े पहनता है, उसकी काली दाढ़ी है और वह चश्मा लगाता है।'

मैंने बताया।

'बिल्कुल! अब यह कल्पना करो कि अगर कोई ख़ुद को जॉन या लॉरेंस कैवेन्डिश जैसा दिखाना चाहे तो क्या यह आसान होगा?

मैंने सोचते हुए कहा, 'नहीं, एक अभिनेता ज़रूर—'

पर पॉयरो ने बेरहमी से मुझे बीच में ही रोक दिया।

'क्यों आसान नहीं होगा? मैं तुम्हें बताता हूँ, दोस्त। क्योंकि दोनों की दाढ़ी-मूँछें साफ़ हैं। उन दोनों में से किसी एक की तरह भी दिन की रोशनी में सफलता से बन पाने के लिए एक प्रतिभाशाली अभिनेता की, और पहले चेहरे में कुछ समानता की ज़रूरत होगी। पर एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के केस में वह सब बदला हुआ है। उसके कपड़े, दाढ़ी, आँखों को छिपानेवाला चश्मा — उसके व्यक्तित्व की पहचान के प्रमुख तत्व हैं। अब अपराधी की पहली प्रवृत्ति क्या होती है? अपने पर से शक़ को हटाना, क्या यही नहीं है? और यह सबसे अच्छे ढंग से वह कैसे कर सकता है? किसी दूसरे को बीच में लाकर। इस मामले में उसके हाथ में एक आदमी तैयार था। हरेक इंसान मि. इंग्लथोर्प के अपराध को माने बैठा था। यह पहले से जाना हुआ नतीजा था कि उस पर शक़ हो; पर उसको निश्चित करने के लिए ठोस सबूत की ज़रूरत थी — जैसे वास्तव में ज़हर खरीदना, और वह भी इंग्लथोर्प जैसे ख़ास रंग रूप वाले आदमी के द्वारा — जो मुश्किल नहीं था। याद है, युवा मैस ने मि. इंग्लथोर्प से वास्तव में कभी बात भी नहीं की थी। इंग्लथोर्प जैसे कपड़ों, दाढ़ी और चश्मेवाला आदमी एल्फ्रेड इंग्लथोर्प नहीं था, ऐसा उसे शक़ भी कैसे हो सकता था?'

पॉयरो की वाक्पटुता से मुग्ध होकर मैं बोला, 'शायद ऐसा हो, पर अगर ऐसा था तो उसने बता क्यों नहीं दिया कि वह सोमवार की शाम को छः बजे कहाँ था?'

पॉयरो ने शान्त होते हुए कहा, 'वाकई, क्यों नहीं? अगर वह गिरफ़्तार कर लिया जाता, तब शायद बोलता, पर मैं वह स्थिति नहीं चाहता, मुझे उसे उसकी स्थिति की गम्भीरता ज़रूर दिखानी है। उसकी चुप्पी में निश्चित रूप से कुछ शर्मिंदगी है। अगर उसने अपनी पत्नी की हत्या नहीं भी की है, तो भी कम से कम वह बदमाश तो है, और अपनी कोई बात छिपाना चाहता है, जो इस हत्या से काफ़ी हटकर है।'

उस पल पॉयरो के दृष्टिकोण से सहमत होते हुए मैंने सोचा 'वह क्या हो सकता है?' हालाँकि अब भी मुझे हल्का-सा विश्वास था कि स्पष्ट निष्कर्ष ही सही था।

पॉयरो ने मुस्कराते हुए पूछा, 'क्या तुम अनुमान नहीं लगा सकते?'

'नहीं, क्या तुम निकाल सकते हो?'

'हाँ, कुछ समय पहले मेरे मन में एक छोटा विचार आया था, और अब सही निकला है।'

मैंने शिकायती स्वर में कहा, 'तुमने मुझे बताया भी नहीं।'

पॉयरो ने खेद व्यक्त करते हुए हाथ फैलाये।

'मुझे माफ़ करना दोस्त, पर तुम सही मानने में सहानुभूतिपूर्ण नहीं थे।' वह गम्भीरता से मेरी तरफ़ मुड़ा। 'मुझे बताओ — अब तुम देख रहे हो न कि उसे गिरफ़्तार नहीं होना चाहिए?'

मैंने सन्देहपूर्वक कहा, 'शायद', क्योंकि वास्तव में मैं एल्फ्रेड इंग्लथोर्प की किस्मत के प्रति तटस्थ था और मुझे लगता था कि उसके अच्छी तरह डरने से कोई नुक़सान नहीं होगा।

मुझे ध्यान से देखते हुए पॉयरो ने एक सांस छोड़ी। उसने विषय बदलते हुए कहा, 'दोस्त, मि. इंग्लथोर्प के अलावा जाँच के अन्य गवाह तुम्हें कैसे लगे?'

'काफ़ी कुछ मेरी उम्मीद के मुताबिक थे।'

'तुम्हें इनमें कुछ अजीब नहीं लगा?'

मेरे विचार मेरी कैवेन्डिश की तरफ़ गये, मैंने कतराते हुए पूछा, 'किस तरफ़?'

'उदाहरण के लिए लॉरेंस कैवेन्डिश की गवाही?'

मुझे तसल्ली हुई। 'ओह लॉरेंस! नहीं, मेरे ख़्याल से नहीं। वह हमेशा ही घबराया हुआ-सा होता है।'

'उसका यह सुझाव कि उसकी माँ को ग़लती से ज़हर दे दिया गया हो, तुम्हें यह अजीब नहीं लगता है?'

'नहीं, मैं नहीं कह सकता कि लगा। यह ज़रूर है कि डॉक्टरों ने हँसी उड़ाई। पर एक अनाड़ी के लिए ऐसा सुझाव देना स्वाभाविक था।'

'पर मिस्टर लॉरेंस अनाड़ी नहीं है। तुम्हीं ने बताया था कि उसने पहले डॉक्टरी की पढ़ाई की थी।'

मैं चौंक उठा, 'हाँ, यह सच है। मैंने उस बारे में सोचा ही नहीं था। यह अजीब तो है।'

पॉयरो ने गरदन हिलायी। 'उसका व्यवहार शुरू से ही अजीब था। पूरे घर में वही अकेला था जो स्ट्रिकनीन ज़हर के लक्षण पहचान सकता था, और फिर भी परिवार में वही एक ऐसा सदस्य है जो प्राकृतिक कारणों से हुई मौत के सिद्धान्त को जबरदस्ती पकड़े हुए है। अगर मि. जॉन ऐसा कहता तो मैं समझ सकता था। उसे तकनीकी ज्ञान नहीं है, और स्वभाव से कल्पनाशील नहीं है। पर मि. लॉरेंस — नहीं। और अब, आज उसने एक ऐसा सुझाव दिया, जिसे वह ख़ुद हास्यास्पद मानता होगा। दोस्त, इसमें सोचने की ज़रूरत है।'

मैंने स्वीकार किया, 'यह सब काफ़ी गड़बड़ है।'

पॉयरो बोलता गया, 'और वह मिसेज़ कैवेन्डिश, वह एक और है जो अपनी पूरी जानकारी को बता नहीं रही है। उसके व्यवहार से तुम्हें क्या लगता है?'

'मैं समझ नहीं पा रहा कि क्या सोचूँ। यह सोचा भी नहीं जा सकता कि वह एल्फ्रेड इंगलथोर्प को बचाना चाह रही है। पर लगता वैसा ही है।'

पॉयरो ने सोचते हुए गरदन हिलायी।

'हाँ, यह अजीब है। एक बात तय है। उस 'व्यक्तिगत बातचीत' के बारे में वह जितना बता रही है, उससे कहीं ज़्यादा उसने सुना है।'

'पर उसे छिपकर सुनने का दोषी ठहराना बहुत मुश्किल है।'

'बिल्कुल उसकी गवाही ने मुझे मेरी ग़लती दिखा दी। डॉरकस सही थी। लड़ाई उसके कहे के अनुसार दोपहर को जल्दी ही लगभग चार बजे के आसपास ही हुई थी।'

मैंने उत्सुकता से उसकी तरफ़ देखा। उसका वक़्त पर इतना ज़ोर देना मेरी समझ में नहीं आ रहा था।

पॉयरो बोलता जा रहा था। 'हाँ, आज काफ़ी अजीब बातें सामने आयीं। अब डॉ. बॉयरस्टीन, वह इतनी सुबह जगा हुआ तैयार होकर क्या कर रहा था? मुझे ताज्जुब है कि किसी ने इस तथ्य के बारे में कुछ नहीं कहा।'

मैंने सन्देहपूर्वक कहा, 'मुझे लगता है, उसे अनिद्रारोग है।'

पॉयरो बोला, 'यह एक बहुत अच्छी या बहुत बुरी सफ़ाई है। इससे सब कुछ ढक जाता है और किसी बात का स्पष्टीकरण नहीं होता। मैं अपने चतुर डॉ. बॉयरस्टीन पर नज़र रखूँगा।'

मैंने व्यंग्यपूर्वक पूछा, 'गवाही में और कोई दोष मिला?'

पॉयरो ने गम्भीरता से कहा, 'दोस्त, जब तुम्हें पता चले कि लोग तुम्हें सच नहीं बता रहे हैं — तब बाहर तलाश करो। अब, अगर मैं ग़लत नहीं हूँ, तो आज की जाँच में सिर्फ़ एक या ज़्यादा से ज़्यादा दो लोग बिना छिपाये या बनाये हुए सच बोल रहे थे।'

'ओह, पॉयरो! मैं लॉरेंस या मिसेज़ कैवेन्डिश के बारे में कुछ नहीं का सकता — पर जॉन और मिस हॉवर्ड ज़रूर सच बोल रहे थे?'

'दोनों? एक तो मैं मान सकता हूँ, पर दोनों—!'

उसकी बातों से मुझे परेशान करने वाला झटका लगा। मिस हॉवर्ड की गवाही, वैसे महत्वहीन थी, पर इतनी पूरी तरह स्पष्टतापूर्ण थी कि मुझे उसकी सच्चाई पर जरा भी शक़ नहीं हुआ। फिर भी मैं पॉयरो की दूरर्दिशता की बहुत इज्जत करता था — सिवाय उन मौकों के जब वह मुझे बेवकूफ़ी की सीमा तक अड़ियल लगता था।

मैंने पूछा, 'क्या तुम्हें सच में ऐसा लगता है? मुझे तो मिस हॉवर्ड हमेशा जरा ज़्यादा ही ईमानदार और किसी हद तक असुविधापूर्ण लगी थी।'

पॉयरो ने मुझे अजीब तरह देखा, जिसे मैं अच्छी तरह समझ नहीं पाया। वह कुछ कहने वाला था, फिर उसने ख़ुद को रोक लिया।

मैं बोलता गया, 'मिस मर्डोक में भी कुछ झूठ नहीं है।'

'नहीं। पर यह अजीब लगा कि साथ वाले कमरे में होने के बावजूद उसने कोई आवाज़ नहीं सुनी; जबकि मिसेज़ कैवेन्डिश ने घर के दूसरे हिस्से में होने के बावजूद मेज़ के गिरने की आवाज़ सुन ली थी।'

'वह जवान है। और गहरी नींद में सोती है।'

'ओह, हाँ, ज़रूर! वह ज़रूर नामी सोनेवाली होगी।'

मुझे उसके बोलने का लहजा अच्छा नहीं लगा, पर तभी एक तेज़ खटखट हमारे कानों तक पहुँची; खिड़की से बाहर झाँकने पर देखा, दोनों जासूस नीचे हमारा इन्तज़ार कर रहे थे।

पॉयरो ने अपना हैट उठाया, मूँछों को ज़ोर से ऐंठा, और अपनी बाँह को बड़े ध्यान से ऐसे झाड़ा जैसे धूल के कण पड़े हों; मुझे सीढ़ियों से उतरने का इशारा किया, वहाँ जासूसों के पास पहुँचकर हम स्टाईल्स की तरफ़ चल दिये।

मेरे ख़्याल से दोनों जासूसों को देखकर उन लोगों को, ख़ासकर जॉन को झटका लगा, हालाँकि फैसले के बाद उसने ज़रूर यह समझ लिया होगा कि बस वक़्त की देर थी। फिर भी, दोनों जासूसों की मौजूदगी ने जैसे सच्चाई उसके सामने ला दी, वैसे और कोई नहीं ला सकता था।

ऊपर जाते वक़्त पॉयरो जैप से धीमी आवाज़ से बातें करता रहा, और उस बाद वाले अधिकारी ने यह अनुरोध किया कि नौकरों के अलावा घर के सारे सदस्य बैठक में इकट्ठा हो जायें। मैं इसका महत्व समझ गया था। पॉयरो को अपनी शेखी को सच साबित करना था।

व्यक्तिगत तौर पर मैं उत्साहपूर्ण नहीं था। पॉयरो के पास इंग्लथोर्प को निर्दोष साबित करने के बढ़िया कारण हो सकते थे, पर समरहाय जैसे इंसान स्पष्ट प्रमाणों की अपेक्षा करता, और मुझे शक़ था कि पॉयरो वह दे पाता।

बिना देर किए हम सब बैठक में इकट्ठे हो गये, जिसका दरवाज़ा जैप ने बन्द कर लिया। पॉयरो ने विनम्रता से सबके लिए कुर्सियाँ लगा दीं। स्कॉटलैंड यार्ड के लोग सबकी आँखों का आकर्षण थे। मेरे ख़्याल से पहली बार हमें लगा कि यह हादसा एक बुरा सपना न होकर एक स्पष्ट सच था। हमने ऐसी बातों के बारे में पढ़ा था — अब हम ख़ुद इस नाटक के पात्र थे। कल पूरे इंग्लैंड के दैनिक अख़बारों में इस समाचार को भड़कीले शीर्षक में घोषित किया जायेगा:

ऐसेक्स में रहस्यमय त्रासदी

धनी महिला को ज़हर दिया गया

गाँव का फ़ोटोग्राफ़र खाली नहीं बैठा था, स्टाईल्स की तस्वीरें, जाँच-पड़ताल के बाद कोर्ट से निकलते परिवार की तस्वीरें भरी होंगी। चीज़ें जो दूसरों के साथ होती हैं, अपने साथ नहीं, वही बातें जो कोई सौ बार पढ़ चुका होगा — दोहराई जायेंगी। अब, इस घर में एक क़त्ल हुआ था। हमारे सामने 'इस मामले की जाँच की ज़िम्मेवारी वाले जासूस'

बैठे थे। पॉयरो के कार्यवाही शुरू करने से पहले के समय में मेरे दिमाग़ में परिचित शब्दावली लगातार दौड़ रही थी।

मेरे ख़्याल से सभी इस बात से थोड़े चकित थे कि अधिकारी जासूसों के शुरू करने के बजाय पॉयरो ने बोलना शुरू किया था।

जैसे कोई प्रसिद्ध व्यक्ति अपना भाषण शुरू करने से पहले सबका अभिनन्दन करता है, ठीक उसी तरह झुककर पॉयरो ने बोलना शुरू किया: 'श्रीमती और श्रीमान, मेरे आप सबसे यहाँ इकट्ठे होने को कहने के पीछे एक उद्देश्य है। वह मि. एल्फ्रेड इंगलथोर्प से जुड़ा है।'

इंगलथोर्प थोड़ा अलग बैठा था — मेरे ख़्याल से अनजाने में ही सबने अपनी कुर्सी उससे थोड़ी दूर कर ली थी — पॉयरो के नाम लेते ही, वह हल्का-सा चौंका।

पॉयरो ने सीधे उसको सम्बोधित करते हुए कहा, 'मि. इंगलथोर्प, इस घर पर एक काली छाया — हत्या की छाया मँडरा रही है।'

इंगलथोर्प ने उदासी से सिर हिलाया। वह बुदबुदाया : 'बेचारी मेरी पत्नी, बेचारी ऐमिली! यह भयानक हादसा है।'

पॉयरो ने कुछ तीखेपन से कहा, 'मि. मुझे नहीं लगता कि आप समझ रहे हैं — यह घटना कैसे तुम्हारे लिए भयानक हो सकती है।'

क्योंकि ऐसा नहीं लगा कि इंगलथोर्प कुछ समझा हो, तो उसने जोड़ा: 'मि. इंगलथोर्प तुम बहुत गम्भीर ख़तरे में खड़े हो।'

दोनों जासूस बेचैन होने लगे। मुझे सरकारी सावधानी दिखाई दी। मुझे लगा समरहाय के होंठों पर ये शब्द 'तुम जो कुछ कहोगे, वह तुम्हारे ख़िलाफ़ सबूत होगा।' काँप रहे थे। पॉयरो बोलता गया: 'मिस्टर, क्या अब तुम समझ गये हो?'

'नहीं, तुम्हारा क्या मतलब है?'

पॉयरो जानबूझकर बोला, 'मेरा यह मतलब है कि तुम पर अपनी पत्नी को ज़हर देने का शक़ है।'

इस साफ़ कही गयी बात से लोगों के घेरे ने साँस खींच ली।

इंगलथोर्प चौंककर उठते हुए चिल्ला पड़ा। 'कितना भयानक विचार है! मैं — अपनी प्रियतमा ऐमिली को ज़हर दूँगा!'

पॉयरो उसे बारीकी से देखता हुआ बोला, 'मुझे नहीं लगता कि तुम्हें जाँच के वक़्त दी गयी अपनी उल्टी गवाही का एहसास है। मि. इंगलथोर्प, अभी जो मैंने तुम्हें बताया है, उसे जानने के बाद भी क्या तुम सोमवार की दोपहर को छ: बजे कहाँ थे, यह बताने से इंकार करोगे?'

एक कराह के साथ एल्फ्रेड इंगलथोर्प फिर से बैठ गया और उसने अपने हाथों में अपना चेहरा छिपा लिया। पॉयरो उसके पास गया और उसके सिर पर खड़ा हो गया।

वह ख़तरनाक ढंग से चिल्लाया, 'बोलो!'

चेष्टापूर्वक इंगलथोर्प ने अपने हाथों पर से मुँह उठाया। फिर धीरे से सोच-समझकर, अपना सिर हिलाया।

'तुम नहीं बोलोगे?'

'नहीं। मुझे विश्वास नहीं होता कि कोई मुझ पर इतना भयानक आरोप लगा सकता है, जैसा तुम कह रहे हो।'

पॉयरो ने सोचते हुए, उस आदमी की तरह सिर हिलाया जिसने अपना मन बना लिया हो। वह बोला, 'तब मुझे तुम्हारी तरफ़ से बोलना पड़ेगा।'

एल्फ्रेड इंगलथोर्प फिर उछल पड़ा।

'तुम? तुम कैसे बोल सकते हो? तुम नहीं जानते—' वह बीच में ही अचानक रुक गया।

पॉयरो हम सबकी तरह मुड़ा। 'श्रीमती, श्रीमान! मैं बोलूँगा! सुनो! मैं हरक्यूल पॉयरो यह पुष्ट करता हूँ कि जिस आदमी ने केमिस्ट की दुकान में पिछले सोमवार की शाम को छः बजे घुसकर स्ट्रिकनीन खरीदी थी, वह मि. इंगलथोर्प नहीं था, क्योंकि वह उस दिन उस वक़्त पड़ोस के फार्म की मिसेज़ रैक्स को उसके घर छोड़ने गया था। मैं पाँच गवाहों को पेश कर सकता हूँ जो यह कसम खाने को तैयार हैं कि छः या छः के फ़ौरन बाद उन्हें साथ में देखा था। जैसा कि तुम जानते हो ऐवी फार्म, मिसेज़ रैक्स का घर, गाँव से कम से कम ढाई मील दूर है। उसके कहीं और होने का सवाल ही नहीं उठता।'

आठवाँ अध्याय
नये सन्देह

पल भर के लिए सुन्न कर देने वाला सन्नाटा छा गया। हम सबमें से सबसे कम चकित जैप सबसे पहले बोला।

उसने कहा, 'मैं कहूँगा, तुम क्या चीज़ हो! मि. पॉयरो, कोई गलती तो नहीं है! मेरे ख़्याल से तुम्हारे गवाह सही होंगे?'

'हाँ! मैंने उनके नामों और पतों की सूची बनाई हुई है। तुम्हें यह ज़रूर देखनी चाहिए। पर तुम्हें वह ठीक लगेगी।'

जैप ने अपनी आवाज़ नीची की, 'मुझे इसका भरोसा है। इसे गिरफ़्तार करना झंझट बन जाता।' वह इंग्लथोर्प की तरफ़ मुड़कर बोला, 'लेकिन मुझे माफ करना सर, आपने यह बात जाँच के वक़्त क्यों नहीं बतायी?'

पॉयरो ने बीच में टोकते हुए कहा, 'मैं बताता हूँ, क्यों। एक अफ़वाह फैली हुई थी—'

एल्फ्रेड इंग्लथोर्प परेशान आवाज़ में बीच में ही बोल पड़ा, 'बहुत ही दुर्भावनापूर्ण और पूरी तरह झूठी अफ़वाह।'

'और मि. इंग्लथोर्प इस वक़्त कोई अपवाद फिर से उखाड़ना नहीं चाहते थे। क्या मैं सही हूँ?'

इंग्लथोर्प ने गरदन हिलाते हुए कहा, 'बिल्कुल ठीक। अभी मेरी प्रिय बेचारी ऐमिली को दफ़नाया भी नहीं गया है, क्या तुम इससे ताज्जुब कर सकते हो कि मैं और झूठी अफ़वाहों के शुरू न करने के लिए आतुर था?'

जैप बोला, 'सर, आपके और मेरे बीच मैं यह कहूँगा कि हत्या के लिए गिरफ़्तार होने की जगह कितनी भी अफ़वाहें सुनना चाहूँगा। और मैं यह कहने का जोखिम उठाऊँगा कि आपकी बेचारी पत्नी भी यही महसूस करती। अगर पॉयरो न होते तो आपकी गिरफ़्तारी उतनी ही तय थी जितना अण्डे को अण्डा कहना होता है।'

इंग्लथोर्प बड़बड़ाया, 'निस्सन्देह मैं बेवकूफ़ था। पर आप नहीं जानते, इंस्पेक्टर, कि मुझे किस तरह सताया और बदनाम किया गया।'

यह कहने के साथ उसने ऐवेलिन हॉवर्ड की तरफ़ एक कड़वी नज़र डाली।

जैप ने फुर्ती से जॉन की तरफ़ मुड़ते हुए कहा, 'सर, अब मैं उन महिला का सोने का कमरा देखना चाहूँगा, उसके बाद मैं नौकरों से थोड़ी बातचीत करूँगा। आप लोग किसी बात के लिए परेशान न हों। ये मि. पॉयरो मुझे रास्ता दिखा देंगे।'

जब वे सब कमरे से निकल गये, तब पॉयरो मुड़ा और उसने पीछे-पीछे ऊपर आने का इशारा किया। वहाँ उसने मुझे बाँह से पकड़कर एक तरफ़ खींचा।

'जल्दी से दूसरे हिस्से में जाओ। वहाँ खड़े रहना — बनात के दरवाज़े के पास। जब तक मैं न आऊँ हिलना नहीं।' फिर तेज़ी से घूमकर, दोनों जासूसों के साथ हो लिया।

मैंने उसके निर्देश का पालन किया, दरवाज़े के पास खड़े होकर सोचने लगा, इस अनुरोध के पीछे क्या वजह होगी? मुझे इस ख़ास जगह पर किसकी निगरानी के लिए खड़े रहना है? मैं अपने सामने वाले गलियारे में यही सोचते हुए देखता रहा। तभी मन में एक विचार आया। सिवाय सिंथिया मर्डोक के, सारे कमरे इस बाँये हिस्से में थे। क्या इससे कोई ताल्लुक हो सकता है? क्या मुझे यह बताना है कि कौन आया और कौन गया? मैं ईमानदारी से अपनी जगह पर खड़ा रहा। मिनट बीतते गये। कोई नहीं आया। कुछ नहीं हुआ।

लगभग बीस मिनट बाद पॉयरो मेरे पास आया।

'तुम हिले भी नहीं?'

'नहीं, मैं यहाँ पहाड़ की तरह जमा हूँ। कुछ नहीं हुआ।'

'आह!' क्या वह ख़ुश था या निराश! 'तुमने कुछ नहीं देखा?'

'नहीं।'

'पर तुमने शायद कुछ सुना होगा? एक बड़ा-सा धमाका?'

'नहीं।'

'क्या यह सम्भव है? पर मैं ख़ुद से खीजा हुआ हूँ! मैं आम तौर पर फूहड़ नहीं हूँ। पर मैंने एक हल्का-सा इशारा किया था' — मैं पॉयरो के इशारों को जानता हूँ — 'बाँये हाथ से, और पलंग के पास वाली मेज़ उलट गयी।'

वह इतने बचकाने ढंग से दुखी और हताश दिख रहा था कि मैं जल्दी से उसे तसल्ली देने लगा।

'कोई बात नहीं। इससे क्या होता है? नीचे मिली जीत से तुम उत्तेजित हो गये थे। मैं तुम्हें बता सकता हूँ कि वह हम सबके लिए अचरज की बात थी। इंग्लथोर्प के मिसेज़ रैक्स के साथ के चक्कर में ज़रूर हमारी सोच से ज़्यादा कुछ होगा, जिसकी वजह से वह बराबर अपनी ज़बान बन्द रखे हुए था। अब तुम क्या करोगे? स्कॉटलैंड यार्ड वाले लोग कहाँ हैं?'

'वे नीचे नौकरों से बात करने गये हैं। मैंने जो उन्हें दिखाना था, सब दिखा दिया। मैं जैप से निराश हूँ। उसका कोई तरीका नहीं है।'

मैंने खिड़की से बाहर देखते हुए कहा, 'डॉ. बॉयरस्टीन आ गया। पॉयरो, मुझे लगता है तुम इस आदमी के बारे में सही थे। मुझे यह पसन्द नहीं है।'

पॉयरो ध्यान से बोला, 'वह चालाक है।'

'ओह शैतान की तरह चालाक। मैं कहूँगा मंगलवार को उसकी दुर्दशा देखकर मैं बहुत ख़ुश हुआ था। तुमने ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा होगा!' मैंने उसे डॉक्टर के जोखिम भरे काम का ब्यौरा दिया। 'वह बाकायदा बिजूखा लग रहा था! सिर से पैर तक कीचड़ से सना हुआ था।'

'तो, तुमने उसे देखा था?'

'हाँ। ये ज़रूर है कि वह अन्दर आना नहीं चाहता था — अभी रात का खाना ख़त्म ही हुआ था — पर मि. इंग्लथोर्प ने जिद की।'

पॉयरो ने मुझे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा, 'क्या? डॉ. बॉयरस्टीन मंगल की शाम को यहाँ था? यहाँ? तुमने मुझे बताया भी नहीं? क्यों नहीं बताया? क्यों? क्यों?'

वह पूरी तरह पागल-सा हो गया था।

मैंने विरोध करते हुए कहा, 'पॉयरो, मुझे नहीं लगा था कि तुम्हारी इसमें रुचि होगी। मैं नहीं जानता था कि इसका कोई महत्व था।'

'महत्व? यह सबसे पहले महत्व रखता है! तो डॉ. बॉयरस्टीन मंगल की रात को यहाँ था — हत्या की रात को। हेस्टिंग्स, क्या तुम नहीं देख रहे? इससे सब कुछ बदल जाता है — सब!'

मैंने उसे इतना परेशान कभी नहीं देखा था। मुझ पर अपनी पकड़ ढीली करते हुए उसने मशीनी तौर पर एक जोड़ा मोमबत्ती दान को सीधा किया, और अपने आप से बड़बड़ाता रहा, 'हाँ, इससे सब बदल गया — सब कुछ।'

अचानक वह जैसे एक नतीजे पर पहुँच गया।

वह बोला, 'हमें फ़ौरन काम करना है। मि. कैवेन्डिश कहाँ हैं?'

जॉन सिगरेट पीने वाले कमरे में था। पॉयरो सीधा वहाँ गया।

'मि. कैवेन्डिश, मुझे टैडमिन्स्टर में कुछ ज़रूरी काम है। एक नया सुराग। क्या मैं तुम्हारी मोटर ले जा सकता हूँ?'

'ज़रूर। क्या तुम्हें फ़ौरन जाना है?'

'अगर तुम्हें एतराज़ न हो तो।'

जॉन ने घण्टी बजायी, कार लाने का आदेश दिया। दस मिनट में हम पार्क के पास से होते हुए तेज़ी के साथ टैडमिन्स्टर जाने वाली बड़ी सड़क पर दौड़ रहे थे।

मैंने सब्र के साथ पूछा, 'पॉयरो, शायद अब तुम मुझे बताओगे कि यह सब क्या है?'

'दोस्त, काफ़ी कुछ तो तुम ख़ुद ही कल्पना कर सकते हो। तुम इतना ज़रूर जान गये हो कि अब मि. इंग्लथोर्प इससे बाहर है, पूरी स्थिति बहुत ज़्यादा बदल गयी है। हमारे सामने एक पूरी तरह नई समस्या है। अब हम एक आदमी को जानते हैं जिसने ज़हर नहीं खरीदा है। हमने बनाये गये सबूतों को मिटा दिया है। अब असली सबूतों पर आना है। मैं यह जान गया हूँ कि क्योंकि मिसेज़ कैवेन्डिश तुम्हारे साथ टेनिस खेल रही थी तो उसके अलावा घर का कोई और इंसान मि. इंग्लथोर्प का रूप धर कर सोमवार की शाम को गया था। इसी तरह हमारे पास उसका यह बयान है कि उसने कॉफ़ी हॉल में रख दी थी। जाँच के वक़्त किसी ने उस तरफ़ ज़्यादा ध्यान नहीं दिया — पर अब उसका बहुत अलग महत्व है। हमें यह जानना ज़रूरी है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प के पास कॉफ़ी आख़िर कौन लेकर गया था, या जब कॉफ़ी हॉल में रखी थी तब वहाँ से कौन निकला था। तुम्हारे ब्यौरे से हम सिर्फ़ दो लोगों के कॉफ़ी के पास न जाने की कह सकते हैं — वे हैं मिसेज़ कैवेन्डिश और मिस सिंथिया।'

'हाँ, यह तो है।' मैं बता नहीं सकता कि मेरा दिल कितना हलका हो गया। मेरी कैवेन्डिश निश्चित रूप से शक़ के दायरे के बाहर थी।

पॉयरो बोलता गया, 'एल्फ्रेड इंग्लथोर्प को निर्दोष साबित करने के लिए मुझे अपना हाथ वक़्त से पहले दिखाना पड़ा। जबकि उसे लग रहा था कि मैं उसके पीछे पड़ा हूँ तब तक अपराधी चौकन्ना नहीं रहा होगा। अब वह दुगुना सावधान होगा। हाँ — दुगुना सावधान!' वह अचानक मेरी तरफ़ मुड़ा, हेस्टिंग्स, तुम ख़ुद — क्या तुम्हें किसी पर शक़ नहीं है?'

मैं झिझका। सच कहूँ तो अपने आप में फालतू और बेकार, एक विचार सुबह से एक-दो बार मेरे दिमाग़ में कौंधा था। मैंने उसे बेतुका सोच कर नकार दिया था, पर वह फिर भी रह गया।

मैं बुदबुदाया, 'तुम उसे शक़ नहीं कह सकते, वह बिल्कुल बेवक़ूफ़ी का है।'

पॉयरो ने मुझे बढ़ावा देते हुए कहा, 'अब डरो नहीं। अपने मन की बात कहो। तुम्हें हमेशा अपने अन्दर की भावना पर ध्यान देना चाहिए।'

मैंने कह ही दिया, 'यह बेतुकी बात है — पर मुझे मिस हॉवर्ड पर शक़ है कि वे अपनी पूरी जानकारी नहीं दे रही हैं।'

'मिस हॉवर्ड?'

'हाँ, — तुम मुझ पर हँसोगे—'

'बिल्कुल नहीं। मैं क्यों हँसूँगा?'

मैं डगमगाते हुए बोलता रहा, 'मैं यह सोचे बिना नहीं रह सकता कि हमने जिन पर शक़ किया जा सकता है उनमें उसे सिर्फ़ इसलिए नहीं रखा था क्योंकि वह इस जगह से दूर थी। पर, आख़िर वह सिर्फ़ पन्द्रह मील की दूरी पर थी। कार में वह रास्ता आधा घण्टे में तय किया जा सकता है। हम यह पक्के तौर पर कैसे कह सकते हैं कि क़त्ल की रात वह स्टाईल्स से बाहर थी?'

पॉयरो ने अचानक कहा, 'हाँ, दोस्त, हम कह सकते हैं। मेरे पहले कुछ कामों में से एक उस अस्पताल में फ़ोन करना था, जहाँ वह काम करती है।'

'फिर?'

'फिर मुझे पता चला कि मिस हॉवर्ड मंगलवार को दोपहर की ड्यूटी पर थी, और यह कि सहसा एक रक्षादल के आने की सुनकर उसने रात की ड्यूटी कर लेने की सहमति दे दी, जो कृतज्ञता के साथ स्वीकार कर ली गयी। इससे वह बात ख़ारिज हो जाती है।

मैं उलझन में पड़कर बोला, 'ओह!' फिर आगे बोलता गया, 'वास्तव में इंग्लथोर्प के ख़िलाफ़ उसके असामान्य तीखेपन की वजह से मेरे मन में उसके प्रति सन्देह हो गया। मैं यह सोचने से ख़ुद को रोक नहीं सका कि वह उसके ख़िलाफ़ कुछ भी कर सकती थी। मुझे यह भी ख़्याल आया कि वसीयत को नष्ट करने के बारे में भी वह कुछ जानती होगी। हो सकता है नई वसीयत उसी ने ग़लती से इंग्लथोर्प के पक्ष वाली पहली वसीयत सोचकर जला दी होगी। वह उसके प्रति बेहद कड़वाहट लिए है।'

'तुम्हें उसकी कड़वाहट अस्वाभाविक लगती है?'

'हाँ। वह इतनी हिंसक हो जाती है। मैं वास्तव में सोचता हूँ कि कहीं वह उस विषय पर सही तो नहीं है।

पॉयरो ने अपना सिर बड़ी ताकत से हिलाया।

'नहीं, नहीं, वहाँ तुम ग़लत दिशा में जा रहे हो। मिस हॉवर्ड में मन की कमजोरी या विकृति नहीं कही जा सकती। वह सन्तुलित अंग्रेज़ी मांसलता और बाहुबल का उत्कृष्ट उदाहरण है। वह पूरी तरह स्वस्थ है।'

'पर इंग्लथोर्प के प्रति उसकी नफ़रत एक सनक की सीमा तक है। निस्सन्देह मेरा विचार — बहुत हास्यास्पद था — कि वह उसे ज़हर देना चाहती थी — और यह कि ग़लती से वह मिसेज़ इंग्लथोर्प के हाथ लग गया। पर मैं यह बिल्कुल नहीं समझा कि कैसे वह किया जा सकता था। पूरी बात अन्त तक बेतुकी और हास्यास्पद है।'

'लेकिन तुम एक बात में सही हो। बुद्धिमानी इसी में है कि बौद्धिक तौर पर और अपने सन्तोष होने तक तुम्हें हर किसी पर शक़ करना चाहिए, भले ही वह निर्दोष हो। अब मिस हॉवर्ड के मिसेज़ इंग्लथोर्प को जानबूझकर ज़हर देने के क्या कारण हो सकते हैं?'

मैं चिल्ला उठा, 'क्यों, वह उसके प्रति समर्पित थी।'

पॉयरो चिढ़कर बोला, 'श्! श्! तुम एक बच्चे की तरह बहस मत करो। अगर मिस हॉवर्ड बुज़ुर्ग महिला को ज़हर दे सकती थी, तो उतनी ही कुशलता से अपने समर्पित होने का नाटक भी कर सकती थी। नहीं, हमें कहीं और देखना पड़ेगा! तुम्हारा यह सोचना बिल्कुल सही है कि एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के प्रति उनका विरोध इतना तीखा है कि बिल्कुल स्वाभाविक नहीं लगता। पर उससे जो नतीजे तुम निकालते हो वे ग़लत हैं। मैंने अपने नतीजे निकाले हैं, जो मुझे ठीक लगते हैं, पर मैं अभी उनके बारे में बात नहीं करूँगा।' वह पल भर को रुका, फिर बोलने लगा, 'मेरे सोचने के ढंग से मिस हॉवर्ड के हत्या करने के ख़िलाफ़ एक ऐसा एतराज है जिसे मिटाया नहीं जा सकता।'

'और वह है?'

'कि मिसेज़ इंग्लथोर्प की मौत से मिस हॉवर्ड को कोई फायदा मिलना सम्भव नहीं था। कोई भी हत्या बिना किसी कारण नहीं की जाती।'

मैं सोचने लगा।

'क्या मिसेज़ इंग्लथोर्प उसके पक्ष में वसीयत नहीं बना सकती थी।'

पॉयरो ने गरदन हिलायी।

'पर तुमने ही ख़ुद मि. वेल्स को यह सुझाव दिया था?'

पॉयरो मुस्कराया।

'वह किसी कारण से था। मेरे दिमाग़ में जिस आदमी का नाम वास्तव में था, उसे मैं बताना नहीं चाहता था। मिस हॉवर्ड की स्थिति काफ़ी कुछ वैसी ही है, इसलिए मैंने उसका नाम ले लिया।'

'फिर भी हो सकता है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने वैसा किया हो। जो वसीयत उन्होंने अपनी मृत्यु के दिन दोपहर को बनाई थी, वह—'

पॉयरो ने इतनी ज़ोर से सिर हिलाया कि मैं रुक गया।

'नहीं दोस्त, मेरे मन में उस वसीयत के बारे में अपने कुछ विचार हैं। पर मैं तुम्हें इतना बता सकता हूँ — यह मिस हॉवर्ड के पक्ष में नहीं है।'

मैंने उसके आश्वासन को स्वीकार कर लिया, हालाँकि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि वह इस मामले में इतना निश्चिन्त कैसे हो सकता था।

एक सांस खींचते हुए मैं बोला, 'ठीक है, तो हम मिस हॉवर्ड को बरी करते हैं। मेरे मन में उसके प्रति सन्देह जागने के पीछे किसी हद तक दोष तुम्हारा भी है। जाँच के वक़्त तुमने उसकी गवाही के बारे में जो कहा था उसके कारण मेरे मन में वह ख़्याल आया था।'

पॉयरो कुछ परेशान दिखा।

'मैंने उसकी गवाही के बारे में क्या कहा था?'

'तुम्हें याद नहीं है? जब मैंने उसे और जॉन कैवेन्डिश को शक़ से परे बताया था?'

'ओह - हाँ-हाँ।' वह थोड़ा अचकचाया-सा लगा, पर उसने ख़ुद को सँभाल लिया। 'सुनो, हेस्टिंग्स, मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे लिए कुछ करो।'

'ज़रूर। क्या करना है?'

'अगली बार जब तुम लॉरेंस कैवेन्डिश के साथ अकेले में हो, तो मैं चाहूँगा कि तुम उससे यह कहो, 'तुम्हारे लिए पॉयरो का एक सन्देश है। वह कह रहा था: जो फालतू कॉफ़ी का प्याला था, उसे ढूँढ़ लो और तुम शान्ति से रह सकोगे! न इससे ज़्यादा, न इससे कम।'

'फालतू कॉफ़ी का प्याला ढूँढ़ो, आराम से रह सकोगे!' ठीक है? मैंने पूछा, मुझे सब कुछ रहस्यपूर्ण लगा।

'बढ़िया।'

'पर इसका मतलब क्या है?'

'वह ढूँढ़ने का काम मैं तुम पर छोड़ता हूँ। तथ्यों तक तुम्हारी पहुँच है। बस उससे इतना कहना और देखना कि वह क्या करता है।'

'ठीक है — पर यह सब बहुत रहस्यात्मक है।'

हम अब टैडमिन्स्टर में घुस रहे थे, पॉयरो ने कार को 'एनालिटिकल केमिस्ट' की दिशा में ले लिया।

पॉयरो फुर्ती से उतरा, अन्दर गया। कुछ ही मिनिटों में वह वापस आ गया।

वह बोला, 'चलो, बस मेरा इतना ही काम था।'

मैंने सजीव उत्सुकता से पूछा, 'यहाँ तुम क्या करने गये थे?'

'मैं कुछ जाँच के लिए देकर आया हूँ।'

'हाँ, पर क्या?'

'सोनेवाले कमरे में पड़े सॉसपैन से लिये गये कोको के नमूने को देकर आया हूँ।'

मैं विस्मित होकर चिल्ला पड़ा, 'पर उसका परीक्षण तो पहले ही हो चुका था? डॉ. बॉयरस्टीन ने करवा लिया था और तुम ख़ुद उसमें स्ट्रिकनीन होने की सम्भावना का मज़ाक उड़ा रहे थे।'

पॉयरो ने शान्तिपूर्वक जवाब दिया, 'मैं जानता हूँ कि डॉ. बॉयरस्टीन ने जाँच करवाई थी।'

'फिर?'

'पर मेरा मन दुबारा जाँच करवाने का है, बस इतनी-सी बात है।'

मैं इस बारे में उससे एक भी और शब्द नहीं निकलवा पाया।

पॉयरो की कोको को लेकर जो कार्यवाही थी, उसने मुझे बेहद उलझन में डाल दिया था। मुझे इसकी कोई तुक नज़र नहीं आ रही थी। फिर भी उसमें मेरा विश्वास जो एक वक़्त बहुत कम हो गया था, तब फिर से पूरी तरह स्थापित हो गया जब उसने एल्फ्रेड इंग्लथोर्प की निर्दोषिता में अपने विश्वास को इतनी सफलता से साबित कर दिया।

अगले दिन मिसेज़ इंग्लथोर्प को दफ़नाया गया, और सोमवार को जब मैं नाश्ते के लिए आया तो जॉन मुझे एक तरफ़ ले गया। उसने मुझे बताया कि मि. इंग्लथोर्प उस दिन सुबह यहाँ से तब तक के लिए स्टाइलाइट्स आर्म्स में रहने जा रहा था, जब तक कि अपनी योजनाएँ पूरी नहीं कर लेता।

मेरे ईमानदार दोस्त ने आगे कहा, 'वास्तव में, हेस्टिंग्स, उसके जाने की सुनकर बहुत राहत मिली है। पहले जब हम सोचते थे कि उसने यह काम किया था, तभी स्थिति काफ़ी ख़राब थी, पर अब जब हमारे मन उस आदमी पर अविश्वास करने की ग्लानि से भरे हैं, तब और ज़्यादा बुरी स्थिति है। सच तो यह है कि हमने उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है। यह ज़रूर है कि चीज़ें उसके ख़िलाफ़ गन्दी दिख रही थीं। मुझे नहीं लगता कि जिस नतीजे पर हम पहुँचे थे, उसके लिए कोई हमें दोष दे सकता था। फिर भी यह तो है कि हम ग़लत थे। अब यह भावना कि हमें उस ग़लती को सुधारना चाहिए, बहुत जघन्य और कठिन लगती है क्योंकि हम उस आदमी को ज़रा भी बेहतर ढंग से नहीं चाहते। पूरी स्थिति काफ़ी अजीब है। मैं उसका कृतज्ञ हूँ कि उसने ख़ुद को हटाने की तरकीब सोच ली है। यह अच्छी बात है कि स्टाईल्स माँ का नहीं था, जो वे उसके नाम कर पातीं। उसके यहाँ प्रभुत्व जमाने की बात हम सोच भी नहीं सकते। उनका धन उसे मुबारक हो।'

मैंने पूछा, 'तुम इस जगह का रख-रखाव कर पाओगे?'

'ओह, हाँ! यह ज़रूर है कि मृत्यु कर लगेगा, पर मेरे पिता का आधा पैसा इस जगह के साथ है, फिलहाल लॉरेंस हमारे साथ रहेगा, तो उसका हिस्सा भी है। शुरू में ज़रूर थोड़ी मुश्किल होगी, क्योंकि जैसा कि मैंने एक बार तुम्हें बताया था, मैं ख़ुद अभी आर्थिक परेशानी में हूँ। फिर भी अब लोग-बाग इन्तज़ार कर लेंगे।'

उस त्रासदी के बाद इंग्लथोर्प के जाने का वक़्त आने से आम राहत में हमने अत्यधिक सुखद नाश्ता किया। सिंथिया जिसकी युवा आत्मा स्वभाव से ही प्रफुल्लित थी, फिर से अपने सुन्दर रूप में दिख रही थी; और लॉरेंस के अलावा हम सब जो अपरिवर्तनीय उदासी और घबराहट से भरे दिखते थे, अब एक नये और आशापूर्ण भविष्य के आने की शान्तिपूर्ण ख़ुशी में दिख रहे थे।

अख़बार ज़रूर, उस त्रासदी की ख़बरों से भरे हुए थे। स्पष्ट सुर्खियाँ, घर के हर सदस्य के जीवन से जुड़ी बातें, सूक्ष्म संकेत, पुलिस के पास सबूत होने के सामान्य परिचित घिसे-पिटे उद्धरण भरे थे। हमें किसी तरह छोड़ा नहीं गया था। यह बड़ा मुश्किल वक़्त था। कुछ समय के लिए लड़ाई बन्द हो गयी थी और अख़बारों ने फ़ैशन की दुनिया के इस अपराध को लालच के साथ लपक लिया था। इस समय का विषय था : 'स्टाईल्स का रहस्यमय मामला।'

कैवेन्डिश परिवार को गुस्सा आना स्वाभाविक था। रिपोर्टर लगातार घर को घेरे हुए थे। उन्हें बराबर अन्दर आने से रोका जा रहा था, फिर भी वे निरन्तर मैदानों और गाँव में फैले हुए थे। वे अपने कैमरे लिए हुए घर के किसी भी असावधान सदस्य के इन्तज़ार में थे। हम सब प्रचार के अभिशाप में जी रहे थे। स्कॉटलैंड यार्ड के लोग आये, जाँच की, प्रश्न पूछे, तीक्ष्ण नज़र और बन्द जबान लिए चले गये। हमें कुछ पता नहीं था कि वे किस दिशा में काम कर रहे थे। क्या उनके पास कोई सबूत थे या पूरी घटना अज्ञात अपराध की श्रेणी में थी?

नाश्ते के बाद डॉरकस बड़े रहस्यपूर्ण ढंग से मेरे पास आयी, पूछने लगी, क्या वह मुझसे कुछ बात कर सकती थी?

'ज़रूर। डॉरकस क्या बात है?'

'सर, सिर्फ़ यह पूछना था कि क्या आप आज उन बेल्जियन भद्रपुरुष से मिलेंगे?' मैंने हामी भरी। 'सर, क्या आप जानते हो कि उन्होंने मुझसे ख़ास तौर पर पूछा था कि मालकिन के या किसी और के पास कोई हरी पोशाक थी?'

'हाँ, हाँ। तुम्हें कोई मिली है?' मेरी रुचि जाग उठी थी।

'नहीं, सर, यह बात नहीं है। पर तब मुझे याद आया कि 'ये युवक' — (डॉरकस के लिए जॉन और लॉरेंस युवक ही थे) जिसे 'शृंगार का बक्सा' कहते हैं, वह सामने वाली दुछत्ती में है। एक बड़ा बक्सा है, जिसमें पुराने कपड़े, विभिन्न तरह की पोशाकें और न जाने क्या-क्या भरा है। मुझे अचानक ध्यान आया कि उनमें कोई हरी पोशाक हो सकती है। इसलिए अगर आप उन्हें यह बता दें—'

मैंने वादा किया, 'डॉरकस, मैं उसे बता दूँगा।'

'सर, बहुत धन्यवाद। सर, वे बहुत भले आदमी हैं। लंदन से आये हुए दोनों जासूसों से अलग तरह के हैं। वे इधर-उधर ताकझाँक करते, प्रश्न करते रहते हैं। मैं ज़्यादातर विदेशियों के ख़िलाफ़ नहीं होती हूँ पर अख़बारों में जो कहा जाता है, उससे मैंने जान लिया है कि कैसे यह बहादुर बेल्जियन साधारण विदेशियों की तरह का इंसान नहीं है, और निश्चित रूप से बहुत नरमाई से बोलने वाला सज्जन व्यक्ति है।'

प्रिय बूढ़ी डॉरकस! जब वह अपना वफ़ादार चेहरा मेरी तरफ़ उठाये वहाँ खड़ी थी, तब मैंने सोचा पुराने ढर्रे की नौकरानी का वह कितना बढ़िया नमूना थी।

मैंने सोचा, मैं अभी ही गाँव की तरफ़ चला जाऊँ और पॉयरो से मिल लूँ, पर मुझे वह आधे रास्ते पर ही मिल गया। वह घर की तरफ़ ही जा रहा था, मैंने फ़ौरन उसे डॉरकस का सन्देश दे दिया।

'ओह, बहादुर डॉरकस! हम सन्दूक को देखेंगे — हालाँकि — पर कोई बात नहीं — फिर भी हम देख ही लेंगे।'

हम एक खिड़की से घर में घुसे। हॉल में कोई नहीं था, हम सीधे दुछत्ती की तरफ़ चले गये।

निश्चित रूप से वहाँ एक पुराना बढ़िया सन्दूक था, जिस पर पीतल की कीलों से सज़ावट थी और उसमें जितनी तरह के कपड़ों की कल्पना की जा सकती थी, वे पूरी तरह भरे हुए थे।

पॉयरो ने बहुत कम शिष्टाचार अपनाये सारे कपड़ों का फ़र्श पर ढेर लगा दिया। उसने एक या दो भिन्न हरे रंगों के कपड़े थे, पर पॉयरो ने उन्हें देखकर गरदन हिला दी। वह अपनी खोज के प्रति कुछ अरुचि लिए था, मानो उसे इसमें कोई बड़ा सुराग मिलने की आशा न हो। अचानक वह चिल्ला पड़ा।

'क्या है?'

'देखो।'

सन्दूक तक़रीबन खाली था और बिल्कुल नीचे एक सुन्दर काली दाढ़ी थी।

पॉयरो बोला, 'ओहो!' अपने हाथों में लेकर उलट-पुलट की, ध्यान से देखा, फिर बोला, 'ओहो, नई है, हाँ काफ़ी नई है।'

पल भर झिझकने के बाद उसने उसे वापस सन्दूक में रख दिया, बाकी सारी चीज़ों का ऊपर ढेर लगा दिया और फुर्ती से नीचे उतर आया। वह सीधा रसोई के साथ वाले कमरे में गया जहाँ डॉरकस चाँदी के बरतन चमका रही थी।

पॉयरो ने फ्रांसीसियों की विनम्रता के साथ 'शुभप्रभात' कहा, और आगे बोला, 'डॉरकस, हमने वह सन्दूक देख लिया। मैं तुम्हारा आभारी हूँ कि तुमने उसके बारे में बताया। उसमें काफ़ी सुन्दर संकलन है। मैं पूछ सकता हूँ कि क्या वे चीज़ें बहुत बार प्रयोग में आती हैं?'

'सर, आजकल तो बहुत बार नहीं, पर समय-समय पर युवक लोग जिसे 'सजने वाली रात' कहते हैं, मनाया करते हैं। सर, कभी-कभी यह बहुत मजेदार होती है। मि. लॉरेंस तो इस सबमें बहुत बढ़िया हैं। सबसे ज़्यादा मजाकिया। मैं वह

रात कभी नहीं भूल सकती जब वे पर्शिया के शाह बनकर आये थे। मेरे ख़्याल से वे उसे — एक तरह का पूर्वी बादशाह कह रहे थे। उनके हाथ में काग़ज़ का एक बड़ा चाकू था, और वे बोले, 'डॉरकस, ध्यान रखो, तुम्हें बहुत इज्ज़त देनी पड़ेगी। ये मेरी ख़ास तौर से धार दी गयी तलवार है। अगर मैं तुमसे नाराज़ हुआ, तो इससे तुम्हारा सिर उड़ा दूँगा।' मिस सिंथिया, वह बनी थी जिसे उन लोगों ने अपाचे या ऐसा ही नाम दिया था — जो मेरे ख़्याल से एक तरह से फ्रांसीसी गुण्डा होता है। वह भी एक नमूना लग रही थी। आप विश्वास नहीं कर सकते थे कि उसकी जैसी सुन्दर युवती अपने आप को ऐसे गुण्डे की तरह सज़ा सकती थी। कोई उसे पहचान नहीं सकता था।'

पॉयरो ने उत्साहपूर्वक कहा, 'ऐसी शामें बड़ी मज़ेदार होती हैं। मेरे ख़्याल से मि. लॉरेंस ने शाह बनते वक़्त वह सुन्दर काली दाढ़ी लगाई होगी, जो ऊपर वाले सन्दूक में रखी है?'

मुस्कराती हुई डॉरकस ने जवाब दिया, 'उन्होंने दाढ़ी लगाई थी, और मैं अच्छी तरह जानती हूँ कि उन्होंने मुझसे दो लच्छी काला ऊन लेकर उससे बनाई थी। मैं पक्के तौर पर कहूँगी कि दूर से वह सुन्दर रूप में सहज दिख रही थी। मैं नहीं जानती कि ऊपर दाढ़ी भी थी। वह हाल ही में ली गयी होगी। मैं जानती हूँ कि वहाँ एक लाल रंग की बालों वाली टोपी थी, पर बालों की और कोई चीज़ नहीं थी। ज़्यादातर वे जली हुई डाटें इस्तेमाल करते हैं — हालाँकि उन्हें उतारना बहुत गन्दगी फैलाता था। एक बार मिस सिंथिया हब्शी महिला बनी थी, और, ओह, जो परेशानी उसे हुई थी।'

जब हम फिर से हॉल में पहुँचे तो पॉयरो ने सोचते हुए कहा, 'तो डॉरकस उस काली दाढ़ी के बारे में कुछ नहीं जानती।'

मैं बेचैनी से फुसफुसाया,

'क्या तुम्हें लगता है यह वही है?'

पॉयरो ने हाँ में सिर हिलाया, 'मुझे लगता है, तुमने ध्यान दिया होगा, उसे तराशा गया है।'

'नहीं।'

'हाँ। वह बिल्कुल मि. इंगलथोर्प की दाढ़ी के आकार में तराशी गयी थी, मुझे एक-दो बाल भी मिले। हेस्टिंग्स, यह मामला बहुत गहरा है।'

'मैं सोच रहा हूँ इसे सन्दूक में किसने रखा होगा?'

पॉयरो रुखाई से बोला, 'किसी बहुत बुद्धिमान ने रखा होगा। तुम समझ रहे हो कि उसने उसे छिपाने के लिए घर में ऐसी जगह चुनी जहाँ किसी का ध्यान नहीं जा सकता था? हाँ, वह बुद्धिमान है। पर हमें ज़्यादा बुद्धिमान होना है। हमें इतना अक्लमन्द होना है कि उसे हम पर शक़ भी न हो कि हममें बुद्धि है।'

मैंने मौन रूप से स्वीकार कर लिया।

'दोस्त, इसमें मुझे तुमसे बहुत मदद मिलेगी।'

मैं यह प्रशंसा पाकर ख़ुश हो गया। ऐसे मौके भी आये जब मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि पॉयरो मेरी सच्ची क़ीमत समझता था।

वह सोचते हुए मुझे घूरने के साथ आगे बोलता गया, 'हाँ, तुम अमूल्य होगे।'

स्वाभाविक था कि यह सुनना मुझे अच्छा लगा पर पॉयरो के अगले शब्द वांछनीय नहीं थे।

वह विचार करते हुए कहने लगा, 'मुझे घर में एक सहायक ज़रूर चाहिए।'

मैंने विरोध करते हुए कहा, 'मैं तो हूँ।'

'सच है, पर तुम काफ़ी नहीं हो।'

मुझे दुख हुआ और मैंने वह दिखा दिया। पॉयरो ने जल्दी से ख़ुद को स्पष्ट किया।

'तुम मेरा मतलब नहीं समझे। सब जानते हैं कि तुम मेरे साथ काम कर रहे हो। मैं एक ऐसा आदमी चाहता हूँ जो हमसे किसी भी तरह जुड़ा न हो।'

'ओह, अब समझा। जॉन कैसा रहेगा?'

'नहीं, मुझे ठीक नहीं लगता।'

मैं सोचते हुए बोला, 'वह भला आदमी शायद इतना चतुर नहीं है।' अचानक पॉयरो बोला, 'यह मिस हॉवर्ड आ रही हैं। वह सही इंसान है। पर मि. इंग्लथोर्प को छुड़ाने के बाद से मैं उनको नापसन्द हूँ। फिर भी हम कोशिश कर सकते हैं।'

पॉयरो के अनुरोध करने पर वह कुछ मिनट की बातचीत के लिए राजी हुई। हामी भरने के लिए मात्र शिष्टाचारवश गर्दन हिलायी।

हम छोटे कमरे में गये, पॉयरो ने दरवाज़ा बन्द कर लिया।

मिस हॉवर्ड अधीरता से बोली, 'मि. पॉयरो, क्या बात है? बताइये, मैं व्यस्त हूँ।'

'क्या आपको याद है, मिस, एक बार मैंने आपसे मदद करने को कहा था?'

स्त्री ने सिर हिलाते हुए कहा, 'हाँ, याद है। और मैंने आपसे कहा था कि मि. इंग्लथोर्प को फाँसी तक पहुँचाने में मैं खुशी से आपकी मदद करूँगी।'

पॉयरो गम्भीरता से उसे पढ़ता रहा। बोला, 'ओह, मिस हॉवर्ड, मैं आपसे एक प्रश्न पूछूँगा और मेरी विनती है कि आप उसका सच जवाब देना।'

मिस हॉवर्ड ने जवाब दिया, 'मैं कभी झूठ नहीं बोलती।'

'वह यह है। क्या आपको अब भी विश्वास है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प को उनके पति ने ज़हर दिया था?'

उसने तीखी आवाज़ में पूछा, 'तुम्हारा क्या मतलब है? तुम्हें यह सोचने की ज़रूरत नहीं है कि मैं तुम्हारी अच्छी व्याख्याओं से ज़रा भी प्रभावित हुई हूँ। मैं यह मान लूँगी कि केमिस्ट की दुकान से स्ट्रिकनीन उसने नहीं ख़रीदा। उससे क्या होता है? मैं यह कहने का साहस रखती हूँ कि उसने मक्खी मारने वाला काग़ज़ भिगो कर रखा होगा, यह मैं तुम्हें शुरू में बता चुकी हूँ।'

पॉयरो धीमे से बोला, 'वह आर्सेनिक है — स्ट्रिकनीन नहीं।'

'इससे क्या फ़र्क पड़ता है। बेचारी ऐमिली को आर्सेनिक भी वैसे ही मार सकता है जैसे स्ट्रिकनीन। अगर मैं यह मानती हूँ कि उसी ने मारा है, तो मुझे इससे कोई ज़्यादा फ़र्क नहीं पड़ता कि कैसे मारा है।'

'बिल्कुल।' पॉयरो शान्ति से बोला। 'अगर आपको पूरा विश्वास है कि उसी ने मारा है। मैं अपने प्रश्न को दूसरे रूप में रखता हूँ। क्या आपको कभी भी अपने दिल की गहराई में यह विश्वास था कि मिसेज़ इंग्लथोर्प को उनके पति ने ज़हर दिया था?'

मिस हॉवर्ड चिल्लाई, 'हे प्रभु! क्या मैंने तुम्हें हमेशा यह नहीं बताया कि वह आदमी दुष्ट है? क्या मैंने तुमसे हमेशा नहीं कहा कि वह उसे उसके पलंग पर ही ख़त्म कर देगा? क्या मुझे हमेशा उससे ज़हर की तरह नफ़रत नहीं थी?'

'बिल्कुल', 'पॉयरो ने कहा, 'इससे मेरा छोटा-सा विचार पैदा होता है।'

'कौन-सा छोटा विचार?'

'मिस हॉवर्ड, क्या आपको उस दिन की बातचीत याद है, जिस दिन मेरा दोस्त यहाँ आया था? उसने वह दोहराकर

मुझे बताया था, और आपके एक वाक्य ने मुझे बहुत प्रभावित किया था। आपको याद है आपने यह दृढ़ता से कहा था कि अगर कोई अपराध किया गया होता और आपके किसी प्रियजन की हत्या हुई होती तो आपको विश्वास था कि आप सहज-बुद्धि से जान जातीं कि अपराधी कौन था, भले ही आप उसका प्रमाण नहीं दे पातीं?'

'हाँ मुझे अपना कहा हुआ याद है। मेरा इसमें विश्वास भी है। मुझे लगता है तुम्हें यह बेकार लगेगा।'

'बिल्कुल नहीं।'

'फिर भी एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के ख़िलाफ़ जाती मेरी सहजबुद्धि पर तुम ध्यान नहीं दोगे?'

पॉयरो ने संक्षेप में कहा, 'नहीं, क्योंकि आपका सहजबोध मि. इंग्लथोर्प के ख़िलाफ़ नहीं है।'

'क्या?'

'नहीं। आप यह विश्वास करना चाहती हो कि उसने अपराध किया है। आप उसे ऐसा करने में समर्थ मानती हो। पर आपकी सहजबुद्धि आपसे कहती है उसने ऐसा नहीं किया है। वह आपसे कुछ और भी कहती है — क्या बताऊँ?'

वह मुग्ध भाव से उसे घूर रही थी, उसने हाथ हिलाकर हल्का-सा हामी भरने का इशारा किया।

'क्या मैं आपको बताऊँ कि आप मि. इंग्लथोर्प के इतना ख़िलाफ़ क्यों हैं? इसलिए क्योंकि आप जो मानना चाहती थीं, वही मानने की कोशिश कर रही थीं। इसलिए आप अपनी सहजबुद्धि को डुबोने, उसे घोट देने की कोशिश कर रही थीं, क्योंकि वह आपको एक दूसरा नाम—'

'नहीं, नही, नहीं'! मिस हॉवर्ड अपने हाथों को फेंकते हुए पागलों की तरह चिल्लाई। 'मत बोलो। ओह, वह मत बोलो! वह सच नहीं है। वह सच नहीं हो सकता। मैं नहीं जानती कि वह पागल — भयानक — विचार मेरे दिमाग़ में कैसे आया!'

पॉयरो ने पूछा, 'मैं ठीक था, है न?'

'हाँ, हाँ, तुम जादूगर होगे जो यह कल्पना कर सके। पर ऐसा नहीं हो सकता — यह इतना भयानक, बहुत असम्भव बात है। एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने ही किया होगा।'

पॉयरो ने गम्भीरता से अपना सिर हिलाया।

मिस हॉवर्ड बोलती गयी, 'मुझसे इस बारे में मत पूछना क्योंकि मैं तुम्हें नहीं बताऊँगी। मैं ख़ुद अपनेआप से भी इसे स्वीकार नहीं करूगी, मैं पागल हूँ जो ऐसी बात सोच रही हूँ!'

पॉयरो ने ऐसे सिर हिलाया जैसे वह सन्तुष्ट हो गया हो।

'मैं आपसे कुछ नहीं पूछूँगा। मेरे लिये इतना काफ़ी है कि जो मैंने सोचा था, वही है। और मैं — मेरी भी सहजबुद्धि है। हम एक साथ, एक ही लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं।'

'मुझसे मदद मत माँगना, क्योंकि मैं नहीं करूगी। मैं एक उँगली भी नहीं उठाऊँगी जिससे—' वह हकलाते हुए बोली।

'आप न चाहते हुए भी मेरी मदद करोगी। मैं आपसे कुछ नहीं मागूँगा — पर आप मेरा साथ दोगी। आप ख़ुद को रोक नहीं पाओगी। आप सिर्फ़ वही करोगी जो मैं आपसे चाहूँगा।'

'और वह क्या है?'

'आप देखती रहो।'

ऐवेलिन हॉवर्ड ने अपना सिर झुका लिया।

'हाँ, मैं वैसा किये बिना नहीं रह सकूँगी। मैं हर वक़्त नज़र रखे हूँ — हमेशा उम्मीद करती हूँ कि मैं ग़लत साबित हो

जाऊँ।'

पॉयरो ने कहा, 'अगर हम ग़लत हैं तो ठीक है। मुझसे ज़्यादा सन्तुष्ट कोई नहीं होगा। पर अगर हम ठीक हैं? अगर हम सही हैं, मिस हॉवर्ड तो आप किसकी तरफ़ रहोगी?'

'मैं नहीं जानती, नहीं जानती।'

'अब बता भी दीजिए।'

'हो सकता है, यह मामला दबाया जा सके।'

'यह दबाया नहीं जाना चाहिए।'

'पर ऐमिली ख़ुद—' वह बीच में ही रुक गयीं।

पॉयरो ने गम्भीरता से कहा, 'मिस हॉवर्ड, यह आपको शोभा नहीं देता।'

अचानक उसने हाथों में से चेहरा ऊपर उठाया।

वह शान्तिपूर्वक बोली, 'हाँ, वह ऐवेलिन हॉवर्ड नहीं बोली थी!' उसने गर्व से अपना सिर ऊँचा किया। 'यह है ऐवेलिन हॉवर्ड! और वह न्याय का पक्ष लेगी! उसकी कोई भी क़ीमत क्यों न हो!' और इन शब्दों के साथ वह दृढ़तापूर्वक कमरे से बाहर निकल गयी।

उसे जाते हुए देखते पॉयरो ने कहा, 'वह हमारी बहुमूल्य साथिन जा रही है। हेस्टिंग्स, उस औरत के पास दिल और दिमाग़ दोनों हैं।'

मैंने कोई जवाब नहीं दिया।

पॉयरो विचार करते हुए बोला, 'सहजबुद्धि एक बढ़िया तत्व है। इसकी न व्याख्या की जा सकती है, न उपेक्षा।'

मैं उदासीनता से बोला, 'लगता है तुम और मिस हॉवर्ड जानते हो कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो। शायद तुम यह नहीं समझ रहे कि मैं अभी भी अँधेरे में हूँ।'

'सच? क्या ऐसा है, दोस्त?'

'हाँ। क्या तुम मुझे कुछ बताओगे?'

पॉयरो पल भर के लिए मुझे ध्यान से पढ़ता रहा। फिर मुझे बेहद चकित करते हुए, उसने निर्णयपूर्वक सिर हिलाया।

'नहीं, मेरे दोस्त।'

'ओह, इधर देखो, क्यों नहीं?'

'गोपनीय बात दो में भी काफ़ी होती है।'

'मैं सोचता हूँ, मुझसे तथ्य छिपाना मेरे प्रति अन्याय है।'

'मैं तथ्य छिपा नहीं रहा हूँ। जो मैं जानता हूँ, वह तुम्हारे भी पास है। तुम उससे अपने नतीजे निकाल सकते हो। इस वक़्त सवाल विचारों का है।'

'फिर भी जानना अच्छा लगेगा।'

पॉयरो ने मेरी तरफ़ बहुत गम्भीरता से देखा और फिर सिर हिला दिया। वह उदास होकर बोला, 'देखो, तुम्हारे पास सहजबुद्धि नहीं है।'

मैंने उसे याद दिलाया, 'अभी तो तुम्हें बुद्धि की ज़रूरत थी?'

पॉयरो ने रहस्यात्मक ढंग से कहा, 'ज़्यादातर दोनों साथ चलते हैं।'

बात इतनी अप्रासंगिक थी कि मैंने जवाब देने की तकलीफ़ नहीं की। पर मैंने यह तय कर लिया अगर मुझे कोई रोचक और महत्वपूर्ण बात मिली, जो कि बेशक़ मिलनी चाहिए — तो मैं भी अपने तक रखूँगा, और अन्तिम परिणाम से पॉयरो को चौंका दूँगा।

एक ऐसा वक़्त भी होता है जब इंसान को लगता है कि उसका अपने प्रति भी कर्तव्य होता है, और उसे निश्चयपूर्वक निर्णय लेना चाहिए।

नवाँ अध्याय
डॉ. बॉयरस्टीन

मुझे अभी तक लॉरेंस को पॉयरो का सन्देश देने का मौक़ा नहीं मिला था। पर अब, मन में दोस्त के मनमाने व्यवहार के कारण खीज लिए हुए जब घूमता हुआ बाहर लॉन पर आया तो देखा लॉरेंस यों ही कुछ पुरानी गेंदों को और भी पुराने मुगदर से इधर उधर मार रहा था।

उसे अपना सन्देश देने का मुझे यह अच्छा मौक़ा लगा। अन्यथा पॉयरो ख़ुद मुझे इस काम से छुट्टी दे देता। यह सच था कि मैं इसका उद्देश्य नहीं समझ पाया था, पर मैंने ख़ुद को यह सन्तोष दिया कि लॉरेंस के जवाब और शायद मेरे अपने बुद्धिमानी से पूछताछ करने से कोई महत्वपूर्ण बात दिख जाये। उसी हिसाब से मैंने उसे छेड़ा।

मैंने झूठ बोला, 'मैं तुम्हें ढूँढ़ रहा था।'

'अच्छा?'

'हाँ। सच यह है कि मुझे तुम्हें पॉयरो का सन्देश देना था।'

'कहो?'

मैं हमेशा से ख़ुद को माहौल बनाने में कुशल मानता रहा हूँ। मैंने बड़े अर्थपूर्ण ढंग से आवाज़ नीची करते हुए कहा, 'उसने मुझसे कहा था कि तुमसे अकेले में बात करूँ।

'अच्छा।'

उसके उदास चेहरे के भाव में कोई बदलाव नहीं आया। क्या उसे कुछ अन्दाजा था कि मैं क्या कहने वाला था?

मैंने अपनी आवाज़ और नीची करते हुए कहा, 'सन्देश यह था — 'फालतू कॉफ़ी का प्याला ढूँढ़ लो और तुम शान्ति से रहो'।'

लारेंस अप्रभावित अचरज से मुझे घूरते हुए बोला, 'उसका क्या मतलब होगा?'

'तुम नहीं जानते?'

'ज़रा भी नहीं। तुम जानते हो?'

मुझे मजबूर होकर सिर हिलाना पड़ा।

'कौन-सा फालतू कॉफ़ी का प्याला?'

'मैं नहीं जानता।'

'अगर उसे प्यालों के बारे में जानना है तो उसे डॉरकस या किसी और नौकरानी से पूछना चाहिए। यह उनका काम है, मेरा नहीं। मैं कॉफ़ी के प्यालों के बारे में कुछ नहीं जानता, सिवाय इसके कि हमारे पास कुछ ऐसे प्याले हैं जो कभी प्रयोग में नहीं आते, जो बेहद सुन्दर हैं। पुराने वॉरसेस्टर के प्याले। तुम कद्रदान नहीं हो या हो, हेस्टिंग्स?'

मैंने अपना सिर हिला दिया।

'तुमने बहुत कुछ खोया है। एक वास्तव में श्रेष्ठ पुराना शीशे का सामान इस्तेमाल करने या सिर्फ़ देखने में भी बहुत आनन्ददायक होता है।'

'मैं पॉयरो से क्या कहूँ?'

'कहना कि मैं नहीं जानता वह किस बारे में बात कर रहा है। मुझे वह दुगुनी दुरूह लग रही है।'

'ठीक है।'

मैं फिर से घर की तरफ़ जा रहा था, जब अचानक उसने मुझे वापस बुलाया।

'मैं कह रहा था, सन्देश के आख़िर में क्या था? क्या तुम फिर से बता सकोगे?'

'फालतू कॉफ़ी का प्याला ढूँढ़ लो, और तुम शान्ति से रह सकते हो।' क्या तुम विश्वास से कह सकते हो कि तुम इसका मतलब नहीं जानते?' मैंने उससे गम्भीरता से पूछा।

उसने अपना सिर हिलाया।

सोचते हुए बोला, 'नहीं। मैं नहीं जानता। काश मैं जानता।'

घर से घण्टे की आवाज़ सुनाई दी, हम साथ में अन्दर गये। जॉन ने पॉयरो को दोपहर के भोजन के लिए रोक लिया था, और वह पहले ही मेज़ पर बैठा था।

मौन सहमति से उस त्रासदी का ज़िक्र भी वर्जित था। हम युद्ध तथा दूसरे विषयों पर बातें कर रहे थे। पर चीज़ और बिस्कुट बँट जाने और डॉरकस के कमरे से चले जाने के बाद पॉयरो अचानक मिसेज़ कैवेन्डिश की तरफ़ झुका।

'बुरी यादें याद दिलाने के लिए मुझे माफ़ कीजिएगा। मैडम, पर मेरे मन में एक छोटा-सा विचार है—(पॉयरो के छोटे विचार — एक दो प्रश्न पूछना चाहूँगा — के लिए एक बढ़िया कहावत के रूप में प्रयुक्त होते थे)।'

'मुझसे? ज़रूर।'

'मैडम, तुम बहुत ध्यान से देखती हो। मैं तुमसे यह पूछना चाहूँगा कि मिस सिंथिया के कमरे से जो दरवाज़ा मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में जाता है, तुमने कहा था कि उसकी सिटकिनी लगी थी।' चकित मेरी कैवेन्डिश ने जवाब दिया, 'वह निश्चित रूप से बन्द था, मैंने गवाही के वक़्त भी यही कहा था।'

'सिटकिनी लगी थी?'

'हाँ', वह परेशान दिख रही थी।

पॉयरो ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा, 'मेरा मतलब आपको विश्वास है कि सिटकिनी लगी थी, सिर्फ़ ताला नहीं लगा था?'

'ओह, मैं अब समझी कि आपका क्या मतलब है। नहीं, मुझे नहीं पता। मैंने कहा था सिटकिनी लगी थी, मतलब यह था कि वह बन्द था, और मैं उसे खोल नहीं पायी थी। पर मेरा विश्वास है कि सारे दरवाज़े अन्दर से बन्द थे।'

'फिर भी, जहाँ तक आपका सवाल है, यह भी हो सकता था कि दरवाज़ा कस कर बन्द हो?'

'ओह, हाँ।'

'मैडम, जब आप मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में गयी थीं, तब आपने यह ध्यान नहीं दिया था कि दरवाज़े की सिटकिनी लगी थी या नहीं?'

'मेरा विश्वास है कि लगी थी।'

'पर आपने देखा नहीं था?'

'नहीं, मैंने देखा नहीं।'

अचानक लॉरेंस ने बीच में बाधा दी, 'पर मैंने देखा था, मैंने यह नोट किया था कि सिटकिनी लगी थी।'

पॉयरो हतोत्साहित दिखा था, 'ओह, यह भी तय हो गया।'

मैं ख़ुश हुए बिना नहीं रह सका कि एक बार तो उसका छोटा विचार बेकार हुआ।

दोपहर के खाने के बाद पॉयरो ने मुझसे उसके साथ घर चलने का अनुरोध किया। मैं कुछ रुखाई से राजी हो गया। हम पार्क में से निकल रहे थे, तब पॉयरो ने चिन्ता से पूछा, 'तुम नाराज़ हो, है न?'

मैंने ठण्डेपन से कहा, 'बिल्कुल नहीं।'

'यह अच्छा है। मेरे सिर से बड़ा बोझ उतर गया।

मैं यह नहीं चाह रहा था। मैं उम्मीद कर रहा था कि उसने मेरे व्यवहार की रुखाई देखी होगी। फिर भी उसके शब्दों के भाव ने मेरे सही गुस्से को शान्त करने का काम किया। मैं पिघल गया।

मैंने कहा, 'मैंने लॉरेंस को तुम्हारा सन्देश दे दिया।'

'और उसने क्या कहा? वह पूरी तरह गड़बड़ा गया था?'

'हाँ। मुझे पूरा भरोसा है कि वह तुम्हारा मतलब नहीं समझा था।'

मुझे लगा था कि पॉयरो निराश होगा; पर मुझे ताज्जुब हुआ जब उसने जवाब दिया कि उसने यही सोचा था और वह बहुत ख़ुश था। मेरे अहं ने कोई भी प्रश्न करने से मुझे रोक लिया।

पॉयरो ने दूसरी दिशा बदल ली।

'आज खाने के वक़्त मिस सिंथिया नहीं थी? ऐसा क्यों हुआ?'

'वह फिर से अस्पताल चली गयी थी। उसने आज से काम शुरू कर दिया।'

'ओह, वह बड़ी मेहनती लड़की है। सुन्दर भी है। वह उन तस्वीरों जैसी है, जो मैंने इटली में देखी थीं। मैं उसकी डिस्पेन्सरी देखना चाहूँगा। क्या तुम्हें लगता है वह मुझे दिखायेगी?'

'मुझे विश्वास है कि उसे ख़ुशी होगी। वह छोटी-सी जगह काफ़ी रोचक है।'

'क्या वह रोज़ वहाँ जाती है?

'हर बुधवार को उसकी छुट्टी होती है और हर शनिवार को वह दोपहर के खाने के वक़्त आती है। सिर्फ़ तभी उसकी छुट्टी होती है।'

'मैं याद रखूँगा। आजकल औरतें बहुत अच्छा काम कर रही हैं। मिस सिंथिया होशियार हैं — ओह, हाँ —उस छोटी लड़की के पास दिमाग़ है।'

'हाँ, मेरे ख़्याल से उसने बड़ी कठिन परीक्षा पास की हुई है।'

'निस्सन्देह। आख़िर वह बहुत दायित्वपूर्ण काम कर रही है। मुझे लगता है, वहाँ बड़े तेज ज़हर होते होंगे।'

'हाँ, उसने हमें वे दिखाये थे। वे एक छोटी-सी अलमारी में ताले में रखे रहते हैं। मुझे लगता है उन्हें बहुत सावधान रहना पड़ता है। कमरे से निकलते वक़्त वे हमेशा चाभी निकाल लेते हैं।'

'ज़रूर। वह अलमारी खिड़की के पास है?'

'नहीं, कमरे के बिल्कुल दूसरे छोर पर है। क्यों?'

पॉयरो ने अपने कंधे उचका दिये।

'मैं सोच रहा था। बस। क्या तुम अन्दर आओगे?'

हम घर तक पहुँच गये थे।

'नहीं, मैं सोचता हूँ मुझे लौटना चाहिए। मैं लम्बे रास्ते से जंगल में से होता हुआ जाऊँगा।'

स्टाईल्स के चारों तरफ़ वाला जंगल बहुत सुन्दर था। खुले पार्क में से चलते हुए जाने के बाद ठण्डी छाया में धीरे-धीरे टहलते हुए जाना अच्छा लग रहा था। हवा न के बराबर चल रही थी। चिड़ियों की चहचहाहट भी हल्की और दबी हुई थी। मैं थोड़ी दूर चला, आख़िर एक भव्य पुराने सफ़ेदे के पेड़ के नीचे पसर गया। मानवता के प्रति मेरे विचार करुणापूर्ण और सद्भावना से भरे थे। मैंने पॉयरो को भी उसकी बेतुकी गोपनीयता के लिए माफ़ कर दिया था। दरअसल, मैं दुनिया के प्रति शान्तिपूर्ण था। फिर मैंने उबासी ली।

मैं अपराध के बारे में सोचने लगा, मुझे वह काफ़ी काल्पनिक और दूर लगा।

मैंने फिर उबासी ली।

मैं सोचने लगा, शायद वह वास्तव में हुआ ही नहीं था। निश्चय ही वह एक बुरा सपना था। मामले का सच यह था कि लॉरेंस ने एल्फ्रेड इंगलथोर्प को क्रोकेट के मुग्दर से मार डाला था। पर जॉन का इस बारे में बात का बतंगड़ बनाना और चिल्लाना कि 'मैं तुम्हें बताये दे रहा हूँ, मैं यह नहीं होने दूँगा।' बड़ा बेतुका लग रहा था।

मैं चौंक कर जाग गया।

मैंने फ़ौरन महसूस किया कि एक बड़ी अजीब स्थिति में था। क्योंकि मुझसे लगभग बारह फुट की दूरी पर जॉन और मेरी आमने-सामने खड़े थे, और साफ़ था कि लड़ रहे थे। उतना ही स्पष्ट यह था कि मेरे वहाँ होने से अनजान थे, क्योंकि इससे पहले कि मैं हिलता या बोलता जॉन ने वे शब्द दोहराये जिनके कारण मैं नींद से जाग गया था।

'मैं बता रहा हूँ मेरी, मैं यह नहीं होने दूँगा।'

मेरी की रूखी, अस्थिर आवाज़ आयी:

'क्या तुम्हें मेरे कामों की आलोचना करने का अधिकार है?'

'यह बात गाँव में फैल जायेगी! मेरी माँ शनिवार को ही दफ़नाई गयी है, और यहाँ तुम उस आदमी के साथ आवारागर्दी कर रही हो।'

उसने अपने कंधे उचकाये, 'ओह, अगर तुम्हें सिर्फ़ गाँव में बातें बनने की चिन्ता होती।'

'पर यह बात नहीं है। उस आदमी का लटके रहना मैं बहुत सह चुका। वैसे भी पोलिश यहूदी है।

'यहूदी ख़ून का थोड़ा-सा अंश होना बुरा नहीं है।' उसने जॉन की तरफ़ देखते हुए कहा — 'वह एक साधारण अंग्रेज़ की निर्विकार बेवकूफ़ी को प्रभावित करता है।'

उसकी आँखों में आग और आवाज़ में बर्फ़ थी। मुझे ताज्जुब नहीं हुआ कि जॉन के चेहरे पर ख़ून की लाली फैल गयी।

'मेरी!'

'हाँ?' उसकी आवाज़ में कोई फ़र्क नहीं था।

जॉन की आवाज़ से बहस मिट गयी।

'क्या मैं यह समझूँ कि मेरी स्पष्ट इच्छाओं के विरुद्ध तुम डॉ. बॉयरस्टीन से मिलती रहोगी?'

'अगर मैं चाहूँगी।'

'तुम मेरा विरोध करोगी?'

'नहीं, पर मैं अपने कामों पर तुम्हारी आलोचना के अधिकार को अस्वीकार करती हूँ। क्या तुम्हारे कोई ऐसे दोस्त नहीं हैं, जिन्हें मुझे नापसन्द करना चाहिए?'

जॉन एक कदम पीछे हट गया। उसके चेहरे का रंग धीरे-धीरे बुझ गया।

उसने अस्थिर आवाज़ में पूछा, तुम्हारा क्या मतलब है?

मेरी ने शान्ति से जवाब दिया, 'तुम देखो! तुम देख सकते हो, है न? मैं किससे दोस्ती रखूँ, तुम्हें मुझे यह आदेश देने का कोई हक़ नहीं है?'

जॉन ने उसे खुशामद भरी नज़र से देखा, उसके चेहरे का भाव बहुत दुखी था।

'कोई हक़ नहीं? मेरी, क्या मेरा कोई हक़ नहीं है?' उसने काँपती आवाज़ में कहा। उसने अपने हाथ फैलाये। 'मेरी—'

पल भर के लिए मुझे लगा मेरी हिचकिचाई। उसके चेहरे पर नरम भाव आया, फिर अचानक वह तेज़ी से मुड़ गयी।

'कोई नहीं!'

जब वह चलने लगी तो जॉन उछल कर उसके पीछे गया और उसे बाँह से पकड़ लिया।

उसकी आवाज़ अब शान्त थी, मेरी — 'क्या तुम डॉ. बॉयरस्टीन से प्यार करती हो?'

वह झिझकी, और अचानक उसके चेहरे पर एक अजीब भाव दौड़ गया, जो पहाड़ों से भी पुराना था, पर उसमें थोड़ी अनन्त तरुणाई थी। जैसे मिस्र देश की रहस्यमय मूर्ति मुस्करा दी हो।

उसने चुपचाप अपनी बाँह छुड़ाई और पलट कर बोली, 'शायद' फिर पत्थर बने जॉन को वहीं खड़ा छोड़कर तेज़ी से जंगल के रास्ते से निकल गयी।

मैंने आडम्बरपूर्वक, सूखी डण्डियों पर पैर रखते हुए आगे पैर बढ़ाया, उससे चरमराहट की आवाज़ हुई तो जॉन मुड़ा। सौभाग्य से उसने सोचा मैं तभी वहाँ आया था।

'हलो, हेस्टिंग्स! क्या उस छोटे आदमी को राजी खुशी उसके घर छोड़ आये? अजीब आदमी है। क्या वह वास्तव में योग्य भी है?'

'वह अपने जमाने का सबसे बढ़िया जासूस माना जाता था।'

'अच्छा, तब तो ज़रूर उसमें कुछ होगा। पर यह दुनिया कितनी सड़ी हुई है!'

मैंने पूछा, 'तुम्हें ऐसी लगती है?'

'हाँ! सबसे पहले तो यह मामला ही इतना भयानक है। स्कॉटलैंड यार्ड के आदमी ऐसे घर में आ जा रहे हैं जैसे घर के मालिक हों। कुछ पता नहीं चलता कब कहाँ पहुँच जायेंगे। देश के हर अख़बार में चीखती सुर्खियाँ हैं — मैं कहूँगा सारे पत्रकारों को भाड़ में झोंक दो। क्या तुम्हें पता है आज सुबह घर के बाहर लोगों की भीड़ खड़ी अन्दर की तरफ़ घूर रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे मैडम तुसों का डरावना घर हो जो मुफ़्त में देखा जा सकता था। काफ़ी पिचपिच है, है न?'

मैंने तसल्ली देते हुए कहा, 'जॉन, ख़ुश रहो! वक़्त हमेशा ऐसा नहीं रहेगा।'

'नहीं रहेगा? वह इतना लम्बा रह सकता है कि हम फिर कभी सिर न उठा सकें।'

'नहीं, नहीं, तुम इस विषय के बारे में बहुत नकारात्मक हो रहे हो।'

'कहीं भी जाने पर इन जंगली पत्रकारों के द्वारा पीछा किये जाने और बेवक़ूफ़ों के द्वारा पीछा किये जाने पर कोई भी

इंसान बुरा ही सोचेगा! पर इससे भी बुरा है।'

'क्या?'

जॉन ने अपनी आवाज़ धीमी की : 'हेस्टिंग्स, क्या तुमने कभी सोचा है कि किसने हत्या की, यह सोच मेरे लिए एक दु:स्वप्न की तरह है। कभी-कभी मैं यह सोचने से ख़ुद को रोक नहीं पाता कि यह एक दुर्घटना रही होगी। क्योंकि - क्योंकि - कौन ऐसा कर सकता था? अब इंग्लथोर्प बीच में नहीं है, कोई और भी नहीं है; कोई नहीं, मेरा मतलब — हम में से किसी एक के अलावा।'

हाँ, ज़रूर। किसी भी आदमी के लिए यह बुरे सपने जैसा था! हममें से एक? हाँ, ज़रूर ऐसा ही होगा, बशर्ते—'

मेरे मन में एक नया विचार आया। मैं तेज़ी से सोचने लगा। रोशनी बढ़ी। पॉयरो के रहस्यमय कारनामे, उसके संकेत — वे सब सही बैठ रहे थे। मैं कितना बेवकूफ़ था, जो पहले इस तरफ़ नहीं सोचा, हम सबको कितनी राहत मिलेगी।

मैं बोला, 'नहीं, जॉन, हममें से एक नहीं है। कैसे हो सकता है?'

'मैं जानता हूँ, पर, फिर और कौन है?'

'क्या तुम अन्दाज़ नहीं लगा सकते?'

'नहीं।'

मैंने सावधानी से चारों तरफ़ देखा, और अपनी आवाज़ धीमी की। मैं फुसफुसाया, 'डॉ. बॉयरस्टीन।'

'असम्भव!'

'बिल्कुल नहीं।'

'पर माँ की मृत्यु में उसकी क्या रुचि हो सकती है?'

मैंने स्वीकार किया, 'वह मुझे नहीं पता, पर मैं तुम्हें बताऊँ, पॉयरो भी ऐसा ही सोचता है।'

'पॉयरो? यही सोचता है? तुम्हें कैसे पता?'

मैंने उसे बताया कि उस घातक रात को डॉ. बॉयरस्टीन स्टाईल्स आया था, यह सुनकर पॉयरो बहुत उत्तेजित हो उठा था और दो बार बोला था : 'इससे सब कुछ बदल जाता है।' और मैं सोच रहा था। तुम जानते हो इंग्लथोर्प ने कहा था उसने कॉफ़ी हॉल में रख दी थी? तभी डॉ. बॉयरस्टीन आया था। क्या यह सम्भव नहीं है कि जब इंग्लथोर्प हॉल में से उसे लेकर आया, तब वहाँ से निकलते वक़्त उसने कॉफ़ी में कुछ डाल दिया हो?'

जॉन बोला, 'वह बहुत ज़ोखिम का काम था।'

'हाँ, पर किया जा सकता था।'

'पर उसे कैसे पता चल सकता था कि वह माँ की कॉफ़ी थी? नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह माना जा सकता है।'

पर मुझे कुछ और भी याद आ गया था।

'तुम ठीक कह रहे हो। वह काम ऐसे नहीं किया गया होगा। सुनो।' और फिर मैंने उसे कोको के नमूने के बारे में बताया, जिसे पॉयरो जाँच के लिए ले गया था।

जॉन ने वैसे ही टोका जैसे मैंने टोका था।

'पर, देखो, डॉ. बॉयरस्टीन पहले ही जाँच करवा चुका था?'

'हाँ, हाँ, यही तो बात है। अभी तक मैं भी नहीं देख पाया था। तुम समझे नहीं? बॉयरस्टीन ने जाँच करवाई — वही तो

वजह है! अगर बॉयरस्टीन हत्यारा है, तो उसके लिए नमूने को साधारण कोको से बदल कर जाँच के लिए भेजना और भी आसान था। और उसमें स्ट्रिकनीन न मिलना निश्चित था। सिवाय पॉयरो के कोई भी बॉयरस्टीन पर सपने में भी शक़ नहीं करता और न ही दूसरा नमूना भेजने की सोचता।' मैंने देर में आयी जानकारी के आधार पर जोड़ा।

'हाँ, पर स्ट्रिकनीन के कड़वे स्वाद को कोको से छिपाया नहीं जा सकता। उसके बारे में क्या कहोगे?'

'इस बारे में हमारे पास सिर्फ़ उसी का कथन है। जबकि दूसरी सम्भावनाएँ भी हैं। मानना पड़ेगा कि वह दुनिया का सबसे बड़ा विष-विज्ञानी—'

'दुनिया का सबसे बड़ा क्या? फिर से कहो।'

मैंने स्पष्ट किया, 'वह विष के बारे में लगभग सबसे ज़्यादा जानता है। मुझे लगता है शायद उसने स्ट्रिकनीन को स्वादरहित बनाने का भी कोई तरीका निकाल लिया हो। यह भी हो सकता है कि वह स्ट्रिकनीन हो ही नहीं, बल्कि कोई और दुरूह, अनसुनी दवा हो, जिससे वैसे ही लक्षण पैदा होते हों।'

जॉन बोला, 'हाँ, यह हो सकता था। पर देखो, उसे कोको मिली कैसे होगी? वह नीचे तो थी ही नहीं?'

मैंने बेमन से स्वीकार किया, 'नहीं, नहीं थी।'

और तब, अचानक, एक भयंकर सम्भावना मेरे मन में कौंधी। मैं यह उम्मीद और प्रार्थना करता रहा कि जॉन को वह न सूझे। मैंने तिरछी नज़र से उसे देखा। वह परेशानी के कारण त्यौरियों में बल डाले था, मैंने राहत की एक लम्बी सांस ली, क्योंकि जो भयानक विचार मेरे मन में आया था, वह यह था कि डॉ. बॉयरस्टीन का कोई सहायक हो सकता था।

पर यह ज़रूरी नहीं था। मेरी कैवेन्डिश जैसी सुन्दर औरत निश्चित रूप से हत्यारी नहीं हो सकती थी। पर सुन्दर औरतों के ज़हर देने के बारे में सुना जाता रहा है।

अचानक मुझे अपने आने वाले दिन, चाय के वक़्त की उसकी पहली बातचीत और उसकी आँखों की वह चमक याद आयी जब उसने कहा था कि ज़हर एक औरत का हथियार होता है। उस विनाशकारी मंगल की शाम को वह कितनी परेशान दिख रही थी! क्या मिसेज़ इंगलथोर्प को उसके और डॉ. बॉयरस्टीन के बीच की कोई बात पता चल गयी थी और वे उसके पति को सब कुछ बताने की कहकर धमका रही थीं? क्या उस बदनामी को रोकने के लिए यह अपराध किया गया होगा?

फिर मुझे पॉयरो और ऐवेलिन हॉवर्ड के बीच की वह रहस्यपूर्ण बातचीत याद आयी। क्या वे इस बारे में बात कर रहे थे? क्या यही वह भयानक सम्भावना थी जिस पर ऐवेलिन विश्वास नहीं करना चाहती थी?

हाँ, सब ठीक बैठ रहा था।

कोई ताज्जुब नहीं कि मिस हॉवर्ड बात को 'दबाने' को कह रही थी। अब मैं उसके अधूरे वाक्य का अर्थ समझ रहा था :

'ऐमिली ख़ुद—' और अपने दिल में मैं उससे सहमत था। क्या मिसेज़ इंगलथोर्प भी यही नहीं चाहतीं कि कैवेन्डिश नाम पर इतना भयानक कलंक लगने से बेहतर उनकी मौत को बिना बदले के जाने देना था?

अचानक जॉन ने कहा, 'एक और बात है', उसकी अनपेक्षित आवाज़ से मैं दोषी की तरह चौंक गया। 'कुछ है जो मुझे तुम्हारे कथन की सच्चाई पर सन्देह में डालता है।'

कोको में ज़हर कैसे मिलाया गया होगा, इस विषय से उसके हट जाने पर मैं कृतज्ञ हो गया, मैंने पूछा 'वह क्या है?'

'यह तथ्य कि डॉ. बॉयरस्टीन ने पोस्टमार्टम करवाना चाहा था। उसे वह सुझाने की ज़रूरत नहीं थी। डॉ. विलिकन्स दिल की बीमारी मानकर सन्तुष्ट हो जाता।'

मैं सन्देहपूर्वक बोला, 'हाँ, पर हम नहीं जानते। शायद उसे लगा हो कि इससे आगे चलकर सुरक्षा रहेगी। बाद में कोई

कुछ कह सकता था। फिर गृहमन्त्रालय शव को निकलवाने का आदेश देता। तब सारी बात सामने आ जाती और उसकी स्थिति बुरी बन जाती, क्योंकि कोई भी यह विश्वास नहीं करता कि उसका जैसा प्रतिष्ठित आदमी धोखे से दिल की बीमारी की बात कह सकता था।'

जॉन ने स्वीकार कर लिया, 'हाँ यह सम्भव है।' उसने जोड़ा, फिर भी अगर मैं यह जान पाता कि उसका क्या उद्देश्य हो सकता था तो मैं तसल्ली में हो जाता।

मैं काँप उठा।

मैंने कहा, 'देखो, मैं पूरी तरह ग़लत हो सकता हूँ। और याद रखना, यह सब मैं तुमसे गुप्त रूप से बता रहा हूँ।'

'ओह, ज़रूर — यह कहने की ज़रूरत नहीं है।'

हम चलते-चलते बात कर रहे थे, अब हम छोटे से फाटक से बगीचे में पहुँच गये। पास से ही आवाज़ें आ रही थीं, क्योंकि गूलर के पेड़ के नीचे चाय की मेज़ तैयार थी, जैसी उस दिन लगी थी, जब मैं यहाँ आया था।

सिंथिया अस्पताल से लौट आयी थी, मैंने अपनी कुर्सी उसके पास लगा ली और उसे बताया कि पॉयरो उसकी डिस्पेन्सरी देखने जाना चाहता था।

'ज़रूर! मुझे उनका आना बहुत अच्छा लगेगा। बेहतर होगा कि वे एक दिन चाय के लिए वहाँ आयें। मैं उनके साथ तय कर लूँगी। वे इतने अच्छे इंसान हैं! पर मजेदार भी हैं। एक दिन उन्होंने मुझसे टाई में से ब्रोच निकालने और दोबारा लगाने को कहा, क्योंकि उन्होंने बताया कि वह टेढ़ा लगा था।'

मैं हँस दिया।

'उसे इन सब चीज़ों की सनक है।'

'हाँ, है न?'

हम एक-दो पल के लिए चुप हो गये, फिर सिंथिया ने मेरी कैवेन्डिश की तरफ़ देखते हुए आवाज़ नीची करके मुझसे कहा :

'मि. हेस्टिंग्स!'

'हाँ?'

'चाय के बाद मैं आपसे बात करना चाहूँगी।'

उसके मेरी की तरफ़ देख कर बोलने के कारण मैं सोचने लगा। मुझे लगा इन दोनों के बीच बहुत कम सहानुभूति थी। पहली बार मैं लड़की के भविष्य के बारे में सोचने लगा। मिसेज़ इंगलथोर्प ने उसके लिए किसी तरह की कोई तैयारी नहीं की थी। पर मैं अन्दाज़ लगा रहा था कि शायद जॉन और मेरी उसे अपने साथ रहने की — कम से कम युद्ध ख़त्म होने तक — जिद करेंगे। मैं जानता था कि जॉन उसे काफ़ी पसन्द करता था और उसे जाने देने पर अफ़सोस करेगा।

जॉन घर में चला गया था, अब लौट आया। उसके अच्छे स्वभाव वाले चेहरे पर कभी न दिखने वाला गुस्से का तनाव था।

'इन जासूसों की ऐसी की तैसी। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि वे क्या ढूँढ़ रहे हैं। घर के हर कमरे में जा चुके हैं — चीज़ें अन्दर से बाहर, उलट-पलट किये जा रहे हैं। ये वाकई बहुत बुरी बात है। मेरे ख़याल से उन्होंने हम सब के बाहर होने का फायदा उठाया है। अगली बार जब जैप मुझे दिखेगा तो मैं उसके पीछे पड़ जाऊँगा।'

मिस हॉवर्ड गुर्रायी, 'पॉल प्राइस की भीड़ है। लॉरेंस को लग रहा था कि उन्हें दिखावा करना था कि वे कुछ कर रहे हैं।'

मेरी कैवेन्डिश ने कुछ नहीं कहा।

चाय के बाद मैंने सिंथिया को सैर के लिए चलने को कहा, हम साथ-साथ जंगल की तरफ़ टहलने के लिए चले गये।

जैसे ही खोजने वाली नज़रों से दूर पेड़-पौधों के पर्दे में छिपे, मैंने पूछा, 'कहो?'

एक लम्बी सांस के साथ सिंथिया नीचे पसर गयी, उसने अपना हैट उतार कर फेंक दिया। शाखाओं के बीच से छन कर आती धूप ने उसके सुनहरी बालों को काँपते सोने के रंग में बदल दिया।

'मि. हेस्टिंग्स — आप हमेशा इतने कृपालु रहे हो और इतना कुछ जानते हो।'

उस पल मुझे ऐसा लगा कि सिंथिया वास्तव में एक आकर्षक लड़की है। मेरी से कहीं ज़्यादा मनोहारी है, जो कभी इस तरह की बातें नहीं कहती।

उसे झिझकते देखकर मैंने सदय भाव से पूछा, 'कहो?'

'मैं आपकी सलाह चाहती हूँ। मैं क्या करूं?'

'करूं?'

'हाँ। देखिए, ऐमिली आंटी हमेशा मुझसे कहती थीं मेरे लिए कुछ व्यवस्था करेंगी। मेरे ख़्याल से वे भूल गयीं, या उन्होंने सोचा नहीं था कि वे मरने वाली थीं — जो भी हो, मेरे लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मैं नहीं जानती कि मैं क्या करूं। क्या आपको लगता है कि मुझे यहाँ से फ़ौरन चले जाना चाहिए?'

'भगवान के लिए, नहीं! मुझे विश्वास है कि वे तुमसे अलग होना नहीं चाहते।'

सिंथिया थोड़ा हिचकिचायी, अपने छोटे हाथों से घास तोड़ती रही। फिर बोली, 'मिसेज़ कैवेन्डिश यही चाहेंगी। वे मुझसे नफ़रत करती हैं।'

मैं ताज्जुब से चिल्ला उठा, 'तुमसे नफ़रत करती हैं?'

सिंथिया ने सिर हिलाकर हामी भरी।

'हाँ, मैं नहीं जानती कि क्यों, पर वे बरदाश्त नहीं कर सकतीं और न ही वह।'

मैंने स्नेह से कहा, 'यहाँ मैं जानता हूँ कि तुम ग़लत हो। इसके विपरीत जॉन तुम्हें बहुत पसन्द करता है।'

'हाँ — जॉन। मेरा मतलब लॉरेंस से था। यह ज़रूर है कि मुझे भी इस बात की परवाह नहीं है कि वह मुझसे नफ़रत करता है या नहीं। फिर भी, अगर कोई भी प्यार न करता हो तो स्थिति काफ़ी बुरी होती है, है न?'

मैं गम्भीरता से बोला, 'पर सिंथिया, ये लोग प्यार करते हैं। तुम्हें ज़रूर कोई ग़लतफ़हमी हुई है। देखो, जॉन है — और मिस हॉवर्ड—'।

सिंथिया ने उदासी से भरकर सिर हिलाया — 'हाँ, मेरे ख़्याल से जॉन मुझे पसन्द करता है, और ऐवी अपनी रुखाई के बावजूद एक मक्खी को भी दुख नहीं पहुँचा सकती। पर लॉरेंस का बस चले तो वह मुझसे कभी बात भी न करे, और मेरी कैवेन्डिश मेरे प्रति शिष्टता भी नहीं रख पाती। वह चाहती है, ऐवी यहीं रहे और उससे विनती भी कर रही थी, पर मुझे नहीं चाहती। मैं नहीं जानती कि क्या करूं।' और अचानक वह बेचारी बच्ची रोने लगी।

मुझे नहीं पता कि मुझे क्या हुआ। शायद उसकी सुन्दरता जब वह वहाँ बैठी थी, तब उसके सिर पर पड़ती चमकीली धूप; शायद किसी ऐसे से मिलने की राहत, जिसका स्पष्टत: उस त्रासदी से कोई सम्बन्ध नहीं हो सकता था; शायद उसकी कम उम्र और अकेलेपन के प्रति सच्ची करुणा; जो भी हो, मैं आगे झुका, उसके छोटे हाथ को पकड़ा और बेतुके ढंग से बोला, 'सिंथिया, मुझसे शादी कर लो।'

कुछ न समझते हुए मुझे उसके आँसुओं का यह बढ़िया इलाज लगा। वह फ़ौरन उठकर बैठ गयी, अपना हाथ अलग

खींचा और कुछ कटुता से बोली, 'बेवकूफ़ मत बनो।'

मुझे थोड़ा गुस्सा आया।

'मैं बेवकूफ़ी की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं तुम्हें अपनी पत्नी होने का सम्मान देने की बात कर रहा हूँ।'

सिंथिया के ज़ोर से हँसने से मैं बेहद चकित हो गया। उसने मुझे 'मज़ाकिया दोस्त' कहा।

वह बोली, 'तुम्हारा यह कहना बहुत प्यारा है। पर तुम जानते हो कि तुम यह चाहते नहीं हो!'

'मैं चाहता हूँ। मेरे पास—'

'तुम्हारे पास क्या है, उसकी परवाह मत करो। तुम वास्तव में नहीं चाहते हो — और न ही मैं।'

मैं रुखाई से बोला, 'चलो, यह ज़रूर तय हो गया, पर मुझे इसमें हँसने की कोई बात नहीं दिखी। विवाह प्रस्ताव में हँसने की कोई बात नहीं होती।'

सिंथिया ने कहा, 'नहीं, ज़रूर नहीं होती। अगली बार कोई तुम्हें स्वीकार भी कर सकता है। अलविदा, तुमने मुझे बहुत ख़ुश कर दिया।'

फिर अन्तिम बार बेकाबू हँसी के दौरे के साथ वह पेड़ों के बीच में गायब हो गयी।

इस भेंट के बारे में सोचते हुए अचानक मुझे लगा कि गाँव तक जाकर बॉयरस्टीन से मिल आऊँ। किसी को उस आदमी पर भी नज़र रखनी चाहिए। साथ ही उसे अगर अपने पर शक़ होने का कोई सन्देह हो तो उसे दूर करने में बुद्धिमानी है। मुझे याद आया कि कैसे पॉयरो मेरी व्यवहार कुशलता पर भरोसा करता है। अपने ख़्याल के अनुसार मैं उस छोटे से घर गया जिसकी खिड़की में 'अपार्टमेंट्स' का कार्ड लगा था। मैं जानता था कि वह वहाँ रहता था, मैंने दरवाज़ा खटखटाया।

एक बुढ़िया ने आकर दरवाज़ा खोला।

मैंने खुशी खुशी कहा, 'शुभ दोपहर, क्या डॉ. बॉयरस्टीन अन्दर हैं?'

वह मुझे घूरने लगी।

'क्या तुमने सुना नहीं?'

'क्या नहीं सुना?'

'उसके बारे में?'

'उसके बारे में क्या?'

'उसे ले गये।'

'ले गये? क्या वह मर गया?'

'नहीं, उसे पुलिस ले गयी।'

'पुलिस?' मैं हाँफ उठा। 'तुम्हारा मतलब वे उसे गिरफ़्तार करके ले गये?'

'हाँ, यही, और—'

मैं और कुछ सुनने के लिए नहीं रुका, बल्कि पॉयरो को ढूँढ़ने के लिए गाँव की तरफ़ दौड़ा।

दसवाँ अध्याय
गिरफ़्तारी

पॉयरो के अन्दर न मिलने से मुझे बहुत खीज हुई, जिस बूढ़े बेल्जियन ने मेरे खटखटाने पर दरवाज़ा खोला था, उसी ने यह ख़बर दी कि उसे लगता था पॉयरो लंदन चला गया था।

मैं हैरान रह गया। पॉयरो लंदन में क्या कर रहा होगा? क्या उसने यह फैसला अचानक लिया होगा? या जब कुछ घण्टे पहले वह मुझसे अलग हुआ था तब तक फ़ैसला कर चुका था?

मैंने चिढ़ के साथ स्टाईल्स की तरफ़ कदम बढ़ा दिये। पॉयरो के चले जाने की वजह से मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या करूं। क्या उसने गिरफ़्तारी का अन्दाज़ा लगा लिया था? कहीं ऐसा तो नहीं कि उसी के कारण यह हुआ? मैं इन प्रश्नों को हल नहीं कर पा रहा था। पर इस बीच मुझे क्या करना था? क्या स्टाईल्स के लोगों के सामने गिरफ़्तारी की स्पष्ट घोषणा करूं या नहीं? हालाँकि मैं ख़ुद से भी कबूल नहीं कर रहा था, पर मेरी कैवेन्डिश के बारे में सोच मुझे बोझिल कर रही थी। क्या उसके लिए यह बहुत बड़ा सदमा नहीं होगा? इस वक़्त मैंने उसके बारे में जो भी सन्देह थे, एक तरफ़ कर दिये। उसे फँसाया नहीं जा सकता था — नहीं तो मुझे कोई संकेत मिलता।

तय था कि डॉ. बॉयरस्टीन की गिरफ़्तारी की ख़बर उससे हमेशा के लिए छिपाई नहीं जा सकती थी। कल सुबह के हर अख़बार में वह ख़बर होगी। फिर भी मैं यह बताने में सकुचा रहा था। काश, पॉयरो तक पहुँचा जा सकता। मैं उससे सलाह ले लेता। उसे क्या सूझी जो बिना कुछ बताये लंदन चला गया?

अपने गुस्से के बावजूद, उसकी दूरदर्शिता के बारे में मेरी राय असीम रूप से बढ़ गयी थी। मैं सपने में भी डॉक्टर पर शक़ नहीं कर सकता था, पॉयरो ने ही मेरे दिमाग़ में यह डाला था। तय है कि यह छोटा आदमी होशियार है।

कुछ देर सोचने के बाद, मैंने फैसला किया कि जॉन को गुप्त रूप से यह बात बता दूँगा और उसी पर यह बात छोड़ दूँगा कि वह इस बारे में सबको बताना चाहेगा या नहीं।

जब मैंने उसे यह ख़बर दी तो उसने आश्चर्य व्यक्त करते हुए सीटी बजायी।

'तो तब तुम सही थे। उस वक़्त मैं इस पर विश्वास नहीं कर सका।'

'नहीं, जब तक इस विचार के आदी न हो जाओ तब तक यह चौंकाने वाला लगता है। देखो, कैसे सब चीज़ें सही बैठ रही हैं। अब हम क्या करें? कल सबको इसकी जानकारी मिलना निश्चित है।'

जॉन सोचने लगा। आख़िर बोला, 'चिन्ता मत करो, अभी हम किसी को कुछ नहीं बतायेंगे। कोई ज़रूरत नहीं है। जैसा कि तुमने कहा, जल्दी ही सबको पता चल जायेगा।'

पर अगले दिन सुबह जल्दी नीचे जाकर जब मैंने आतुरता से अख़बार खोला तो मुझे बेहद ताज्जुब हुआ, गिरफ़्तारी के बारे में एक शब्द भी नहीं था। एक पूरा कॉलम 'स्टाईल्स का ज़हर दिये जाने का मामला' के अनावश्यक विस्तार से भरा था, पर उससे आगे कुछ नहीं था। यह समझ के बाहर था, पर मुझे लगा कि शायद किसी कारणवश जैप इसे अख़बारों में नहीं आने देना चाहता होगा। इससे मुझे थोड़ी चिन्ता हुई, क्योंकि इसमें यह सम्भावना भी थी कि शायद और गिरफ़्तारियाँ होने वाली हों।

मैंने नाश्ते के बाद गाँव जाने का फैसला किया ताकि देख सकूँ कि पॉयरो लौटा या नहीं। पर मेरे निकलने से पहले एक सुपरिचित चेहरा एक खिड़की को घेरे हुए था और एक चिरपरिचित आवाज़ आयी:

'हलो, मेरे दोस्त।'

मैं राहत से चिल्ला उठा, 'पॉयरो', दोनों हाथों से उसे पकड़कर कमरे में ले गया। 'मैं कभी किसी को देखकर इतना ख़ुश नहीं हुआ। सुनो, मैंने जॉन के अलावा किसी को कुछ नहीं बताया। ठीक है?'

पॉयरो ने जवाब दिया, 'दोस्त, मैं नहीं जानता कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।'

मैं धैर्य खोता हुआ बोला, 'हाँ बॉयरस्टीन की गिरफ़्तारी।'

'तो बॉयरस्टीन गिरफ़्तार हो गया?'

'तुम्हें पता नहीं था?'

'जरा भी नहीं।' पर पल भर रुककर उसने जोड़ा, 'फिर भी मुझे ताज्जुब नहीं है। आख़िर हम तट से सिर्फ़ चार मील दूर हैं।'

मैंने परेशान होकर पूछा, 'तट? उससे क्या ताल्लुक है?'

पॉयरो ने कंधे उचका दिये। 'यह पूरी तरह स्पष्ट है।'

'मुझे नहीं। इसमें कोई शक नहीं कि मैं काफ़ी मन्दबुद्धि हूँ, लेकिन मैं नहीं देख पा रहा हूँ कि तट के पास होने से मिसेज़ इंगलथोर्प के क़त्ल का क्या सम्बन्ध है।'

मुस्कराते हुए पॉयरो बोला, 'ज़रूर कोई सम्बन्ध नहीं है। पर हम तो डॉ. बॉयरस्टीन की गिरफ़्तारी की बात कर रहे थे।'

'उसे मिसेज़ इंगलथोर्प के क़त्ल के लिए ही पकड़ा गया है।'

पॉयरो स्पष्टत: आश्चर्य से भर कर चिल्ला उठा, 'क्या? डॉ. बॉयरस्टीन को मिसेज़ इंगलथोर्प की हत्या के लिए पकड़ा है?'

'हाँ।'

'असम्भव। यह जरा ज़्यादा अच्छा तमाशा होगा। दोस्त, तुम्हें यह किसने बताया?'

मैंने स्वीकार किया, 'बताया तो किसी ने नहीं, पर वह गिरफ़्तार कर लिया गया है।'

'ओह, हाँ! वह मुमकिन था, पर जासूसी के लिए, दोस्त।'

मैंने सांस खींचकर पूछा, 'जासूसी?'

'बिल्कुल।'

'मिसेज़ इंगलथोर्प को ज़हर देने के लिए नहीं?'

पॉयरो ने शान्तिपूर्वक जवाब दिया, 'नहीं, बशर्ते हमारे दोस्त जैप के होशोहवास ठिकाने पर हों।'

'पर — पर मैं सोचता था कि तुम भी ऐसा मानते हो?'

पॉयरो ने मेरी तरफ़ एक नज़र डाली, जिसमें चकित दया के साथ उसका ऐसे विचार के प्रति पूरी तरह बेतुके पन का भाव था।

धीरे-धीरे ख़ुद को इस नये विचार का आदी बनाते हुए मैंने पूछा, 'क्या तुम यह कहना चाहते हो कि डॉ. बॉयरस्टीन एक जासूस है?'

पॉयरो ने सिर हिलाया, 'क्या तुम्हें कभी इस बात का शक़ नहीं हुआ?'

'मेरे दिमाग़ में यह बात कभी आयी ही नहीं।'

'तुम्हें यह अजीब नहीं लगा कि लंदन का एक प्रसिद्ध डॉक्टर अपने आप को ऐसे छोटे से गाँव में दफ़्न किये हुए है और पूरी रात सारे कपड़ों में तैयार होकर घूमते रहने की आदत रखता है।'

मैंने स्वीकार किया, 'नहीं, मैंने कभी ऐसी कोई बात नहीं सोची।'

पॉयरो ध्यानमग्न होकर बोला, 'वह पैदाइश से ज़रूर जर्मन है, पर इतने लम्बे समय से इस देश में काम कर रहा है कि कोई भी उसे अंग्रेज़ के अलावा और कुछ नहीं समझता। पन्द्रह साल पहले वह यहाँ की नागरिकता ले चुका था। बहुत चतुर इंसान है — एक यहूदी ज़रूर है।'

मैं गुस्से से बोला, 'बदमाश।'

'बिल्कुल नहीं। बल्कि वह एक देश भक्त है। सोचो उसे क्या कुछ खोना पड़ेगा। मैं ख़ुद उस आदमी का प्रशंसक हूँ।'

पर मैं इस बारे में पॉयरो के दार्शनिक ढंग को नहीं देख पा रहा था।

मैं गुस्से से बोला, 'और यह वह आदमी है जिसके साथ मेरी कैवेन्डिश पूरी दुनिया में घूमती फिरती थी।'

'हाँ। मुझे लगता है उसे वह काफ़ी काम की लगी होगी। जब तक अफ़वाहें इन दोनों के नाम साथ जोड़ने मे व्यस्त रही, तब तक डॉक्टर की दूसरी बातें बिना नज़र में आये चलती रहीं।' पॉयरो ने कहा।

मैंने अधीरता से — शायद परिस्थितियों को देखते हुए जरा ज़्यादा ही उत्साहित होते हुए पूछा, 'तो तुम्हें लगता है कि वह वास्तव में कभी उसकी चिन्ता नहीं करता था?'

'यह मैं निश्चित रूप से तो नहीं कह सकता, पर हेस्टिंग्स, क्या मैं अपनी निजी राय बताऊँ?'

'हाँ।'

'वह यह है: मिसेज़ कैवेन्डिश डॉ. बॉयरस्टीन के बारे में जरा भी चिन्ता न कभी करती थी, न करती है।'

मैं अपनी खुशी को छिपा नहीं पाया, 'क्या तुम वास्तव में ऐसा सोचते हो?'

'मुझे पूरा विश्वास है। और तुम्हें बताऊँगा कि क्यों।'

'हाँ।'

'क्योंकि मेरे दोस्त, वह किसी और की परवाह करती है।'

'ओह!' इसका क्या मतलब है? अपनी सोच के बावजूद मुझमें सुखद गरमाई फैल गयी। जहाँ तक औरतों का सवाल है मैं अहंकारी इंसान नहीं हूँ लेकिन मुझे कुछ संकेत याद आये, जो उस वक़्त शायद हल्के लगे थे, पर निश्चित रूप से इशारा देने लगे थे—

मेरे सुखद विचारों में मिस हॉवर्ड के अचानक आने से बाधा पड़ गयी। उन्होंने कमरे में चारों तरफ़ नज़र डाली, जिससे भरोसा हो जाये कि कोई और मौजूद नहीं है, और जल्दी से एक पुराने भूरे से काग़ज़ को निकाला। उन्होंने वह पॉयरो को दिया और रहस्यमय शब्दों में धीमे से बुदबुदाई : 'अलमारी के ऊपर था।' फिर जल्दी से कमरे से निकल गयी।

पॉयरो ने उत्सुकता के साथ काग़ज़ खोला और एक सन्तोषपूर्ण आवाज़ निकाली। उसे मेज़ पर फैलाया।

'हेस्टिंग्स इधर आओ। अब मुझे बताओ, वह अक्षर कौन-सा है — जे या एल?'

वह एक मध्यम आकार का काग़ज़ था, थोड़ी धूल पड़ी थी जैसे कुछ समय से एक ही जगह पड़ा रह गया हो। पर उसका लेबल पॉयरो का ध्यान खींच रहा था। बिल्कुल ऊपर मेसर्स पार्कसन की छपी हुई मुहर थी, जो जाने-माने नाटकीय पोशाकें बेचने वाले थे और उस पर लिखे पते के पहले अक्षर पर दुविधा थी, बाकी इस प्रकार था: कैवेन्डिश एस्क्वेचर, स्टाईल्स कोर्ट, स्टाईल्स सेंट मेरी, एसेक्स।'

उसे एक दो मिनट पढ़ने के बाद मैंने कहा, 'वह 'टी' हो सकता है। या 'एल' हो सकता है। निश्चित रूप से 'जे' नहीं है।

पॉयरो ने जवाब दिया 'अच्छा' और काग़ज़ फिर से तह कर दिया। 'मैं भी तुम्हारी तरह सोच रहा हूँ। यह 'एल' है, हम यही मान कर चलेंगे।'

मैंने उत्सुकता से पूछा, 'यह कहाँ से आया है? क्या यह महत्वपूर्ण है?'

'कुछ हद तक है। यह मेरे एक अन्दाज़ को पुष्ट करता है। इसके होने के बारे में तय हो जाने के बाद मैंने मिस हॉवर्ड से उसे ढूँढ़ने को कहा था, और जैसा कि तुम देख रहे हो, वह सफल हो गयी।'

'अलमारी के ऊपर' से उनका क्या तात्पर्य था?'

पॉयरो फ़ौरन बोला, 'उनका मतलब था कि वह उन्हें अलमारी के ऊपर मिला था।'

मैं सोचते हुए बोला, 'एक भूरे काग़ज़ को रखने की अजीब जगह थी।'

'बिल्कुल नहीं। अलमारी के ऊपर की जगह भूरे काग़ज़ों और गत्ते के डिब्बों को रखने की बढ़िया जगह है। मैं ख़ुद वहीं रखता हूँ। तरतीब से रखी जायें तो आँखों को कुछ नहीं चुभता।'

मैंने गम्भीरता से पूछा, 'पॉयरो, क्या तुमने इस अपराध के बारे में तय कर लिया है?'

'हाँ — यह कह सकते हो, कि मुझे भरोसा है यह कैसे किया गया होगा।'

'अहा!'

'दुर्भाग्य से मेरे पास अपने विचार के अलावा कोई प्रमाण नहीं है, जब तक—' अचानक ताक़त के साथ उसने मुझे बाँह से पकड़ लिया और घुमाकर नीचे हॉल में ले गया, उत्तेजना के कारण फ्रेंच भाषा में पुकारने लगा, 'मिस डॉरकस, एक मिनट, कृपया सुनो।'

शोर से घबराकर डॉरकस रसोई के साथ वाले कमरे से जल्दी से बाहर आयी।

'मेरी अच्छी डॉरकस, मेरे मन में एक विचार है — छोटा-सा विचार — अगर वह ठीक साबित हुआ, तो बढ़िया संयोग होगा। डॉरकस, मुझे यह बताओ कि सोमवार को, मंगल नहीं बल्कि सोमवार को, त्रासदी से पहले वाले दिन, क्या मिसेज़ इंगलथोर्प की घण्टी ख़राब हो गयी थी?'

डॉरकस बहुत आश्चर्य चकित दिखने लगी।

'हाँ, सर, अब जब आपने कहा, हाँ, ख़राब थी; हालाँकि मैं नहीं जानती कि आपने उस बारे में कैसे सुना। एक चूहे या किसी ने तार काट दिया था। मंगलवार की सुबह आदमी आया और ठीक कर गया।'

ख़ुशी की एक लम्बी आवाज़ निकालते हुए पॉयरो वापस सुबह वाले कमरे में ले गया।

'तुम यह देखो, बाहरी प्रमाणों के बारे में नहीं पूछना चाहिए — नहीं, विवेकबुद्धि काफ़ी होना चाहिए। शरीर कमज़ोर है, पर यह पता चल जाये कि दिशा ठीक है, तो तसल्ली मिलती है। ओह, मेरे दोस्त, मैं उस भीमकाय जैसा हूँ जो ताज़ा हो गया हो, एकदम ताज़ा। मैं दौड़ूँगा। मैं कूदूँगा।'

और वह सच में दौड़ने और कूदने लगा, लम्बी खिड़की के बाहर वाले लॉन पर पागलों की तरह उछल-कूद करने लगा।

मुझे अपने पीछे से आवाज़ आयी, 'तुम्हारा अजीब दोस्त क्या कर रहा है?' मुड़कर देखा तो मेरी कैवेन्डिश मेरे बिल्कुल पीछे थी।

वह मुस्करायी और मैं भी। 'यह सब क्यों हो रहा है?'

'सच कहूँ तो मैं कुछ नहीं कह सकता। उसने डॉरकस से घण्टी के बारे में कुछ पूछा था, लग रहा है, जवाब पाकर इतना ख़ुश हो गया कि कैसे कुलाँचे भर रहा है, वह तो तुम देख ही रही हो।'

मेरी हँस पड़ी।

'कितना हास्यास्पद है! वह फाटक से बाहर जा रहा है। आज लौटेगा या नहीं?'

'मुझे मालूम नहीं। मैंने यह अन्दाज़ा लगाना बन्द कर दिया है कि वह आगे क्या करने वाला है।'

'मि. हेस्टिंग्स, क्या ये पागल हैं?'

'मैं सच में नहीं जानता। कभी-कभी मुझे काफ़ी पक्के तौर पर यह लगता है कि वह हैट बनाने वाले की तरह पागल है; और तभी जब पागलपन की पराकाष्ठा पर होता है तो मुझे उसके पागलपन में भी व्यवस्था नज़र आती है।'

'अच्छा।'

उस सुबह हँसने के बावजूद मेरी सोच में चिंतित दिख रही थी। वह गम्भीर, लगभग उदास दिखी।

मुझे लगा यह एक अच्छा मौक़ा है जब मैं उससे सिंथिया के बारे में बात कर सकता हूँ। मैंने सोचा, मैं बड़ी चतुराई से शुरू कर रहा था, पर इससे पहले कि मैं आगे बढ़ता उसने अधिकारपूर्वक मुझे रोक दिया।

'मि. हेस्टिंग्स, मुझे इसमें कोई शक़ नहीं है कि आप बहुत अच्छे वकील हैं, पर इस मामले में आपकी प्रतिभा बेकार हो गयी है। सिंथिया को मेरी तरफ़ से किसी तरह की निष्ठुरता का सामना नहीं करना पड़ेगा।'

मैंने दुर्बलता से हकलाते हुए शुरू किया कि उम्मीद करता हूँ उसने यह नहीं सोचा — पर उसने फिर मुझे रोक दिया, और उसके शब्द इतने अनपेक्षित थे कि उनके कारण मेरे मन से सिंथिया और उसकी परेशानी निकल गयी।

वह बोली, 'मि. हेस्टिंग्स, क्या आपको लगता है कि मेरा पति और मैं साथ में ख़ुश हैं?'

मैं अचकचा गया और सिर्फ़ इतना ही बुदबुदा पाया कि इस बारे में कुछ भी सोचना मेरा काम नहीं है।

वह शान्ति से बोली, 'तुम्हारा काम है या नहीं, मैं तुम्हें बता रही हूँ कि हम ख़ुश नहीं हैं।'

मैं कुछ नहीं बोला, क्योंकि मुझे लगा कि उसने अपनी बात ख़त्म नहीं की थी।

उसने कमरे में ऊपर से नीचे चलते-चलते धीरे से बोलना शुरू किया, उसका सिर झुका था, उसकी पतली, लचीली देह चलने में थोड़ी हिल रही थी। अचानक वह रुकी और उसने मेरी तरफ़ देखा।

उसने मुझसे पूछा, 'तुम मेरे बारे में कुछ नहीं जानते, है न? मैं कहाँ से आयी हूँ, जॉन से शादी करने से पहले मैं कौन थी — वास्तव में कुछ भी नहीं जानते? मैं तुम्हें बताती हूँ। मैं तुम्हें वह पादरी बनाती हूँ जिसके सामने अपने सब गुनाह कबूले जाते हैं। मेरे ख़्याल से तुम दयालु हो — हाँ, मुझे विश्वास है कि हो।'

जो भी हो, मुझे जितना ख़ुश होना चाहिए था मैं उतना था नहीं। मुझे याद आया सिंथिया ने भी अपना भरोसा व्यक्त करने की शुरुआत कुछ इसी तरह की थी। इसके अलावा पापमोचक पादरी को बुज़ुर्ग होना चाहिए, एक युवक की ऐसी भूमिका कतई नहीं होनी चाहिए।

मिसेज़ कैवेन्डिश ने कहा, मेरे पिता अंग्रेज़ थे, पर मेरी माँ रूसी।

मैं बोला, 'ओह, अब मैं समझा—'

'क्या समझे?'

'तुममें हमेशा कुछ विदेशी — भिन्न — होने का संकेत रहा है।'

'मेरी माँ बहुत सुन्दर थीं, मैं यह मानती हूँ। मैं जानती नहीं क्योंकि मैंने उन्हें कभी देखा नहीं था। मैं अभी छोटी बच्ची ही थी जब उनकी मृत्यु हो गयी थी। मेरे ख़्याल से उनकी मृत्यु के साथ कोई त्रासदी जुड़ी थी — उन्होंने ग़लती से नींद की ज़्यादा गोलियाँ खा ली थीं। जो भी रहा हो, मेरे पिता का दिल टूट गया था। कुछ ही समय बाद वे सलाहकारी की

नौकरी में चले गये। जहाँ वे जाते थे, मैं उनके साथ जाती थी। जब मैं तेईस की थी, तब तक मैं पूरी दुनिया घूम चुकी थी। जीवन बहुत अच्छा था, मुझे बहुत प्रिय भी था।'

उसके चेहरे पर एक मुस्कान थी, उसका सिर पीछे को था। ऐसा लग रहा था जैसे वह उन खुशी भरे दिनों की याद में जी रही थी।

'फिर मेरे पिता की मृत्यु हो गयी। वे मेरे लिए कुछ नहीं छोड़ गये थे। मुझे यॉर्कशायर में किन्हीं बूढ़ी आंटियों के पास जाकर रहना पड़ा।' वह सिहर उठी। 'जब मैं तुम्हें यह बताऊँगी कि मेरी तरह पली हुई लड़की के लिए वह जीवन भयानक था, तो तुम समझ सकोगे। वह संकुचितता, वह भयंकर नीरस दिनचर्या मुझे पागल किये दे रही थी।' वह थोड़ा रुकी, फिर अलग स्वर में बोली, 'फिर मैं जॉन कैवेन्डिश से मिली।'

'अच्छा?'

'तुम कल्पना कर सकते हो कि मेरी आंटियों की दृष्टि से यह बहुत अच्छा रिश्ता था। पर मैं ईमानदारी से कहूँ तो यह तथ्य मुझ पर दबाव नहीं डाल रहा था। मेरे लिए वह मेरे जीवन के उस असह्य नीरस रूप से बच निकलने का एक माध्यम था।'

मैं कुछ नहीं बोला, एक मिनट बाद वह फिर बोलने लगी:

'मुझे ग़लत मत समझना। मैं उसके साथ काफ़ी ईमानदार थी। मैंने उसे सच्चाई बता दी, यह कि मुझे वह बहुत अच्छा लगा था, और मुझे उम्मीद थी कि और ज़्यादा पसन्द करने लगूँगी, पर यह भी कि दुनिया जिसे प्यार में पड़ना कहती है, मैं उस स्थिति में नहीं थी। उसने कहा वह उतने में सन्तुष्ट था और इसलिए हमने शादी कर ली।'

वह काफ़ी देर रुकी रही, उसके माथे पर त्यौरियाँ पड़ गयीं। ऐसा लगा जैसे वह गम्भीरता से उन बीते दिनों को देख पा रही थी।

'मैं सोचती हूँ — मुझे भरोसा है — वह पहले मेरी परवाह करता था। पर मुझे लगता है हम एक-दूसरे के लिए ठीक नहीं थे। लगभग एकदम हम दूर होने लगे। वह — यह मेरे गर्व के लिए सुखद बात नहीं है, पर सच्चाई है — मुझसे तंग होने लगा।' मैं अस्वीकृति में कुछ बड़बड़ाया, क्योंकि वह जल्दी से बोलने लगी: 'अब इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता — अब जब हम अलग होने वाले हैं।'

'तुम्हारा क्या मतलब है?'

उसने शान्ति से जवाब दिया, 'मेरा मतलब अब मैं स्टाईल्स में नहीं रहूँगी।'

'तुम और जॉन अब यहाँ नहीं रहोगे?'

'हो सकता है कि जॉन यहाँ रहे, पर मैं नहीं रहूँगी।'

'तुम उसे छोड़ दोगी?'

'हाँ।'

'पर क्यों?'

वह बहुत देर तक चुप रही, आख़िर बोली :

'शायद — क्योंकि मैं — आज़ाद होना चाहती हूँ।'

और जैसे-जैसे वह बोल रही थी तो मुझे अचानक फैली जगहें, अछूते प्रदेश, निर्जन धरती का दृश्य दिखने लगा — और यह अनुभूति हुई कि मेरी कैवेन्डिश जैसे प्रकृतिवादी के लिए आज़ादी का क्या अर्थ होगा। पल भर के लिए मुझे वह एक गर्वीली जंगली जीव जैसी पहाड़ों की उस संकोची पक्षी जैसी दिखी जो सभ्यता से अविजित हो। उसके होंठों से एक हल्की-सी आवाज़ निकली।

'तुम नहीं जानते, तुम नहीं जानते, यह जगह मेरे लिए एक क़ैदख़ाने जैसी रही है।'

मैंने कहा, 'मैं समझता हूँ — पर जल्दी में कुछ मत करना।'

'ओह जल्दबाज़ी!' उसकी आवाज़ में दुनियादारी की हँसी थी।

फिर अचानक मैंने एक बात कही जिसके लिए मैं अपनी ज़बान काट सकता था :

'तुम जानती हो कि डॉ. बॉयरस्टीन गिरफ़्तार हो गया है?'

फ़ौरन उसके चेहरे पर भावशून्यता की नकाब आ गयी, उसके चेहरे के सारे भाव छिप गये।

'आज सुबह जॉन ने मुझे यह ख़बर सुनाई।' मैंने धीमी आवाज़ में पूछा, 'तुम क्या सोचती हो?'

'किस बारे में?'

'गिरफ़्तारी के बारे में।'

'मुझे क्या सोचना है। ज़ाहिर है कि वह जर्मन जासूस है; माली ने जॉन को यह बात बतायी थी।'

उसका चेहरा और आवाज़ पूरी तरह तटस्थ और भावशून्य थे। क्या उसे परवाह थी, या नहीं?

वह एक-दो कदम हटी, एक फूलदान को छुआ : 'ये तो मर से गये हैं। मुझे फिर से नये लगाने होंगे। मि. हेस्टिंग्स, जरा-सा उधर होंगे — धन्यवाद।' उसने मेरी तरफ़ हल्का-सा इशारा किया और बाहर निकल गयी।

नहीं, वह निश्चित रूप से बॉयरस्टीन की परवाह नहीं करती। कोई भी औरत इतनी ठण्डी उदासीनता से अपनी भूमिका का नाटक नहीं कर सकती।

अगले दिन सुबह पॉयरो नहीं आया और न ही स्कॉटलैंड यार्ड के आदमी दिखाई दिये।

पर दोपहर के भोजन के वक़्त एक नया सबूत — या सबूत की कमी सामने आयी। मृत्यु से पहले मिसेज़ इंग्लथोर्प द्वारा लिखी गयी चौथी चिट्ठी की हमारी तलाश बेकार रही थी। सारी चेष्टाएँ बेकार होने पर हमने मामले को इस उम्मीद से छोड़ दिया था कि शायद एक दिन वह ख़ुद सामने आ जाये। और यही हुआ; दूसरी डाक से फ्रांसीसी संगीत प्रकाशकों की फ़र्म की तरफ़ से आये पत्र में मिसेज़ इंग्लथोर्प के चैक की प्राप्ति सूचना थी; उसमें यह अफ़सोस जताया गया था कि दे रूसी लोकगीतों की एक ख़ास सीरीज़ ढूँढ़ने में असमर्थ थे। इस तरह उस घातक शाम को लिखे गये मिसेज़ इंग्लथोर्प के पत्र के माध्यम से रहस्य का हल मिलने की आख़िरी उम्मीद छोड़नी पड़ी।

चाय से थोड़ा पहले, मैं घूमता हुआ पॉयरो को नयी निराशा के बारे में बताने के लिए गया, पर पता चला कि वह फिर बाहर गया हुआ था। मुझे बहुत ग़ुस्सा आया।

'फिर से लन्दन गया है?'

'ओह नहीं, सर, वे ट्रेन से टैडमिन्स्टर गये हैं। उन्हें एक युवती की डिस्पेन्सरी देखनी थी।' वह बोला।

मेरे मुँह से निकल गया, 'बेवकूफ़ गधा। मैंने उसे बताया था कि बुधवार के दिन ही वह वहाँ होती है। ख़ैर, उससे कहना कि कल सुबह हमसे मिल ले, कह दोगे?'

'ज़रूर, सर।'

पर अगले दिन भी उसका कोई अता-पता नहीं था। मुझे ग़ुस्सा आता जा रहा था। वह वास्तव में हमारे प्रति लापरवाही का व्यवहार कर रहा था।

दोपहर के खाने के बाद लॉरेंस मुझे एक तरफ़ ले गया, और पूछने लगा कि क्या मैं उससे मिलने जाऊँगा।

'नहीं, मुझे नहीं लगता कि जाऊँगा। अगर उसे हमसे मिलना है तो वह यहाँ आ सकता है।'

'ओह!' लॉरेंस अनिश्चित दिख रहा था। उसके व्यवहार में कुछ अस्वाभाविक उत्तेजना थी जिसने मेरी उत्सुकता जगा दी।

मैंने पूछा, 'क्या बात है? अगर कोई ख़ास बात हो तो मैं जा सकता हूँ।'

'कुछ ज़्यादा नहीं, लेकिन — ख़ैर, अगर तुम जा रहे हो तो क्या उन्हें बता सकोगे—' उसने अपनी आवाज़ फुसफुसाहट में बदल दी, — मेरे ख़्याल से मुझे वह फालतू कॉफ़ी का प्याला मिल गया है।'

मैं पॉयरो के उस रहस्यमय सन्देश को लगभग भूल चुका था, पर अब मेरी उत्सुकता फिर से ताजी हो गयी थी।

लॉरेंस आगे कुछ नहीं बोला, तो मैंने सोचा मैं ही थोड़ा झुक जाऊँ, और फिर एक बार पॉयरो को ढूँढ़ने के लिए लीस्टवेज कॉटेज जाऊँ।

इस बार एक मुस्कान के साथ मेरा स्वागत हुआ। मिस्टर पॉयरो अन्दर थे। क्या मैं सीढ़ी चढ़ूँ? मैं चढ़ गया।

पॉयरो मेज़ के पास बैठा था। उसने अपने हाथों में सिर को पकड़ रखा था। मेरे घुसते ही वह उछलकर खड़ा हो गया।

मैंने चिन्तित स्वर में पूछा, 'क्या हुआ है? मुझे विश्वास है कि तुम बीमार नहीं हो?'

'नहीं, नहीं, बीमार नहीं हूँ। पर मुझे लगता है कि एक बड़ा महत्वपूर्ण मामला है।'

मैंने मज़ाकिया ढंग से पूछा, 'अपराधी को पकड़े या नहीं?'

पर मुझे बहुत ताज्जुब हुआ जब पॉयरो ने गम्भीरता से सिर हिलाया 'जैसा कि तुम्हारे महान शेक्सपियर ने लिखा है, 'बोलूँ या नहीं', यही प्रश्न है।'

मैंने उद्धरण को सही करने की कोशिश नहीं की।

'पॉयरो, तुम गम्भीर नहीं हो?'

'मैं बहुत गम्भीर हूँ, क्योंकि सबसे ज़्यादा गम्भीर चीज़ बेकार में लटकी है।'

'और वह क्या है?'

'एक औरत की खुशी, दोस्त!' वह गम्भीरता से बोला।

मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या बोलूँ।

पॉयरो सोचते हुए बोला, 'वक़्त आ गया है, और मैं नहीं जानता कि क्या करूँ। क्योंकि, तुम देखो, मैं कितने बड़े दाँव के लिए खेल रहा हूँ। मैं, हरक्यूल पॉयरो ही यह खेलने की कोशिश कर सकता है, और कोई नहीं।' और उसने गर्व से अपनी छाती ठोकी।

उसकी आत्मप्रशंसा के प्रभाव को नष्ट न करने के लिए कुछ देर आदरपूर्वक चुप रहा, फिर उसे लॉरेंस का सन्देश दिया।

'अहा'! वह चिल्लाया। 'तो उसे फालतू कॉफ़ी का प्याला मिल गया। यह अच्छा हुआ। तुम्हारा लम्बे मुँह वाला मि. लॉरेंस दिखने में जैसा लगता है उससे ज़्यादा बुद्धिमान है।'

मैं ख़ुद लॉरेंस की बुद्धिमानी के बारे में बहुत ऊँचा नहीं सोचता था, पर पॉयरो का विरोध नहीं किया, और नरमायी से सिंथिया के छुट्टी वाले दिनों की मेरी बताई हुई बात भूल जाने के लिए उसे डाँटा।

'सच है, मेरा सिर छलनी की तरह है। फिर भी दूसरी युवती बहुत दयालु थी। वह मेरी निराशा के लिए अफ़सोस कर

रही थी और उसने मुझे सब कुछ बहुत अच्छी तरह दिखाया।'

'ओह, ख़ैर, वह सब ठीक है, तो तुम किसी और दिन सिंथिया के साथ चाय के लिए ज़रूर हो आना।'

मैंने उसे पत्र के बारे में बताया।

वह बोला, 'मुझे इसका अफ़सोस है। मुझे उस पत्र से हमेशा उम्मीद थी। पर, नहीं, ऐसा नहीं होना था। यह पूरा मामला अन्दर से ही सुलझाना पड़ेगा।' उसने अपने माथे को थपथपाया। 'यह बुद्धि, सब कुछ इसी पर निर्भर करती है — जैसा कि यहाँ कहा जाता है।' फिर अचानक उसने पूछा, 'दोस्त, क्या तुम उँगलियों के निशान पहचान सकते हो?'

मैंने कुछ अचरज के साथ कहा, 'नहीं, मैं यह जानता हूँ कि किन्हीं दो उँगलियों के निशान एक से नहीं होते, पर मेरा विज्ञान वहीं तक जाता है।'

'बिल्कुल।'

उसने एक छोटी दराज़ का ताला खोला, उसमें से कुछ तस्वीरें निकालीं, जिन्हें मेज़ पर रख दिया।

'मैंने उन पर 1, 2, 3 नम्बर डाल दिये हैं। क्या तुम उनके बारे में मुझे बता सकोगे?

मैंने उन सबूतों को बड़े ध्यान से देखा।

'सबको काफ़ी बड़ा किया हुआ है। नं. 1, मैं कहूँगा एक आदमी के अँगूठे और पहली उँगली के निशान हैं। नं. 2, औरत के हैं, वे काफ़ी छोटे और हर तरह से अलग हैं। नं. 3, मैं कुछ देर रुका — 'काफ़ी गड़बड़ निशान हैं, पर यहाँ बहुत स्पष्ट नं. 1, के हैं।'

'दूसरे निशानों को ढंक रहे है?'

'हाँ।'

'तुम बिना ग़लती के उन्हें पहचान सकते हो?'

'ओह, हाँ, एक से हैं।'

पॉयरो ने गरदन हिलाई, और धीरे से मुझसे तस्वीरें लेकर उन्हें फिर से ताले में बन्द कर दिया।

मैं बोला, 'मेरे ख़्याल से, हमेशा की तरह, तुम कुछ बताने वाले नहीं हो।'

'इसके विपरीत नं. 1 मि. लॉरिंस की उँगलियों के निशान हैं, नं. 2 मिस सिंथिया के। वे महत्वपूर्ण नहीं हैं। मैंने सिर्फ़ तुलना के लिए उठाये थे। नं. 3 जरा ज़्यादा उलझा हुआ है।'

'हैं?'

'जैसा कि तुम देख रहे हो, काफ़ी बड़ा किया हुआ है। तुमने ध्यान दिया होगा कि पूरी तस्वीर के ऊपर से एक धुँधला धब्बा-सा जाता है। मैं तुम्हें उस ख़ास यन्त्र, पाउडर छिड़कने वगैरह के बारे में नहीं बताऊँगा, जिनका मैंने प्रयोग किया था। पुलिस के लिए यह प्रक्रिया परिचित है, और इसके द्वारा बहुत थोड़े समय में किसी भी चीज़ पर से उँगलियों के निशानों की तस्वीर उतार सकते हो। तो मेरे दोस्त, तुमने उँगलियों के निशान देख लिए — अब तुम्हें यह बताना बचा है कि ये किन ख़ास चीज़ों पर से उठाये गये हैं।'

'बताते जाओ — मैं वाकई उत्तेजित हूँ।'

'चलो! तस्वीर नं. 3 में टैडमिन्स्टर स्थित रेडक्रॉस अस्पताल की डिस्पेंसरी में ज़हर वाली अलमारी के सबसे ऊपर वाले खाने में रखी एक छोटी बोतल की सतह को इतना ज़्यादा बड़ा किया हुआ है कि वह जैक के बनाए घर जैसी लग रही है।'

'हे भगवान', मैं चिल्लाया पर लॉरेंस कैवेन्डिश की उँगलियों के निशान वहाँ क्या कर रहे थे? जिस दिन हम वहाँ गये थे उस दिन वह ज़हर वाली अलमारी के पास भी नहीं गया था?'

'हाँ, वह गया था।'

'असम्भव! हम पूरा वक़्त साथ थे।'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'नहीं, मेरे दोस्त, एक पल ऐसा था जब तुम सब साथ नहीं थे। अन्यथा मि. लॉरेंस को बालकनी पर तुम्हारे पास आने के लिए बुलाने की ज़रूरत ही नहीं होती।'

मैंने मान लिया, 'मैं वह भूल गया था, पर वह तो पल भर की बात थी।'

'उतनी देर काफ़ी थी।'

'किस लिए काफ़ी?'

पॉयरो की मुस्कराहट रहस्यमय बन गयी।

'जो आदमी कभी डॉक्टरी पढ़ने वाला था, उसकी स्वाभाविक रुचि और उत्सुकता को सन्तुष्ट करने के लिए काफ़ी थी।'

हमारी नज़रें मिलीं। पॉयरो की आँखें ख़ुशमिजाजी से भरी पर अस्पष्ट थी। वह उठा और एक धुन गुनगुनाने लगा। मैं सन्देह से उसे देखने लगा।

मैंने कहा, 'पॉयरो, उस ख़ास छोटी बोतल में क्या था?'

पॉयरो खिड़की से बाहर देखने लगा।

वह मुड़कर बोला 'स्ट्रिकनीन का हाइड्रोक्लोराइड,' और उसने गुनगुनाना जारी रखा।

मैंने काफ़ी धीरे से कहा, 'हे प्रभु!' मुझे ताज्जुब नहीं हुआ, क्योंकि इसी जवाब की अपेक्षा कर रहा था।

'वे गोलियों के लिए कभी-कभी उसकी बहुत थोड़ी मात्रा का प्रयोग करते हैं। यह अधिकृत घोल है, लिक्विड स्ट्रिकनीन हाइड्रोक्लोर जो ज़्यादातर दवाइयों में इस्तेमाल होता है। इसीलिए उँगलियों के निशान तब से बिना बिगड़े मौजूद हैं।'

'तुम ये तस्वीरें कैसे ले पाये?'

'मैंने अपना हैट बालकनी से नीचे गिरा दिया', पॉयरो ने सहज ही बता दिया। 'उस वक़्त आनेवालों को नीचे जाने की अनुमति नहीं थी। मेरे बहुत बार माफ़ी माँगने के बावजूद मिस सिंथिया की सहयोगी को नीचे जाकर मेरा हैट वापस लाना पड़ा।'

'तो तुम्हें पता था कि तुम्हें क्या मिलने वाला था?'

'नहीं, बिल्कुल नहीं। तुम्हारी कहानी से मुझे सिर्फ़ यह अनुभव हुआ कि मि. लॉरेंस के लिए ज़हर की अलमारी तक जाना सम्भव था। सम्भावना को या तो पुष्ट करना था या मिटाना था।'

मैंने कहा, 'पॉयरो, तुम्हारी ख़ुशी मुझे धोखा नहीं दे सकती। यह बहुत महत्वपूर्ण उपलब्धि है।'

पॉयरो बोला, 'मैं नहीं जानता। पर मुझे एक चीज़ ज़रूर लगी। निस्सन्देह यह तुम्हें भी लगी होगी।'

'वह क्या है?'

'क्यों — इस मामले में कुल मिलाकर इतनी स्ट्रिकनीन क्यों है। हम तीसरी बार उसके विरुद्ध खड़े हैं। मिसेज़ इंग्लथोर्प के टॉनिक में स्ट्रिकनीन था। स्टाईल्स सेंट मेरी के काउंटर पर मेस स्ट्रिकनीन बेचता है। अब और स्ट्रिकनीन है जो एक घर में इस्तेमाल होती है, यह उलझन में डालता है; और जैसा कि तुम जानते हो, मुझे उलझन पसन्द नहीं है।'

इससे पहले कि मैं जवाब देता, एक दूसरे बेल्जियन ने दरवाज़ा खोला और अपना सिर अन्दर घुसाया।

'नीचे एक औरत आयी है जो मि. हेस्टिंग्स से मिलना चाहती है।'

'एक औरत?'

मैं उछल पड़ा। पॉयरो मेरे पीछे सीढ़ियों से उतरा। मेरी कैवेन्डिश ड्यौढ़ी पर खड़ी थी।

उसने स्पष्ट किया, 'मैं गाँव में एक बुढ़िया से मिलने गयी थी क्योंकि लॉरेंस ने मुझे बताया तुम मि. पॉयरो के साथ हो, तो मैंने सोचा कि तुम्हें साथ ले लूँ।

पॉयरो बोल पड़ा, 'अफ़सोस मैडम, मैंने सोचा था कि तुम मुझसे मिलने आकर मुझे इज्जत दे रही हो।'

उसने मुस्कराते हुए वादा किया, 'अगर आप कहोगे तो किसी दिन ज़रूर आऊँगी।'

'वह अच्छा रहेगा। मैडम अगर तुम्हें कभी पापमोचक पादरी की ज़रूरत हो — वह बहुत हल्के से चौंकी — 'याद रखियेगा, पापा पॉयरो हमेशा तुम्हारी सेवा में हाज़िर रहेगा।'

वह कुछ मिनट उसे घूरती रही, जैसे उसके शब्दों में कोई गहरा अर्थ पढ़ने की कोशिश कर रही है। फिर वह सहसा घूम गयी।

'मि. पॉयरो क्या आप भी हमारे साथ नहीं लौटेंगे?'

'मैं मन्त्रमुग्ध हूँ।'

स्टाईल्स तक के पूरे रास्ते मेरी जल्दी-जल्दी और उत्तेजित रूप से बातें करती रही। मुझे लगा जैसे वह किसी कारण पॉयरो की आँखों की वजह से घबरा रही थी।

मौसम बदल रहा था, तीखी, तेज हवा शरद काल की-सी लग रही थी। मेरी थोड़ा सिहरी, उसने अपने स्पोर्ट्स कोट को पास खींच कर बटन बन्द कर लिए। पेड़ों के बीच से जाती हवा एक दुखी आवाज़ पैदा कर रही थी, जैसे कोई दैत्य सांसें भर रहा हो।

हम स्टाईल्स के बड़े दरवाज़े तक पहुँचे और हमें फ़ौरन लगा जैसे कुछ ग़लत हो गया था।

डॉरकस भागती हुई आकर हमसे मिली। वह रो रही थी और अपने हाथ मल रही थी। मैंने देखा बाकी सारे नौकर साथ खड़े थे, उनकी आँखें और कान, कुछ देखने, सुनने को आतुर थे।

'ओह मे'म! ओह मे'म! मैं नहीं जानती कि आपको कैसे बताऊँ।'

मैं अधीरता से बोला, 'डॉरकस क्या हुआ? फ़ौरन हमें बताओ।'

'वे दुष्ट जासूस! उन्होंने उसे गिरफ़्तार कर लिया — उन्होंने मि. कैवेन्डिश को गिरफ़्तार कर लिया।'

मैंने हाँफते हुए पूछा, 'लॉरेंस को गिरफ़्तार कर लिया?'

'नहीं सर। मि. लॉरेंस को नहीं — मि. जॉन।'

मेरे पीछे से एक तेज़ चीख़ के साथ मेरी मेरे ऊपर गिर गयी, और जैसे ही मैं उसे पकड़ने के लिए मुड़ा, तो मुझे पॉयरो की आँखों में मौन जीत दिखायी दी।

ग्यारहवाँ अध्याय
अभियोजन के लिए मामला

दो महीने बाद जॉन कैवेन्डिश पर अपनी सौतेली माँ के क़त्ल का मुक़दमा शुरू हुआ।

बीच के हफ़्तों के बारे में मैं कम ही कहूँगा, पर मेरी कैवेन्डिश के प्रति मेरी प्रशंसा और सहानुभूति सच्ची थी। वह पूरे जोश के साथ अपने पति के पक्ष में थी, उसके अपराध के विचार मात्र को नकार रही थी और उसके लिए जी जान से लड़ रही थी।

मैंने पॉयरो को अपनी प्रशंसा के बारे में बताया, वह भी सोचते हुए सिर हिलाने लगा। 'हाँ, वह उन औरतों में से है, जो परेशानी में अपना सर्वोत्तम रूप व्यक्त करती हैं। उनमें जितना प्यारा और सच्चा पक्ष होता है, वह सामने आता है। उसका गर्व और ईर्ष्या—'

मैंने पूछा, 'ईर्ष्या?'

'हाँ, क्या तुमने महसूस नहीं किया कि वह असामान्य रूप से ईर्ष्यालु औरत है? जैसा कि मैं कह रहा था, इस समय उसका गर्व और ईर्ष्या एक तरफ़ रख दिये गये हैं। वह अपने पति और उस पर लटकते भयानक भाग्य के अलावा कुछ नहीं सोच रही है।

वह बहुत भावुकता से बोल रहा था, और मैं गम्भीरता से उसे देख रहा था, मुझे वह पिछली दोपहर याद आ रही थी जब वह यह सोच रहा था कि बोले या नहीं। उसमें 'एक औरत की खुशी' के लिए नरमाई देखकर मुझे खुशी थी कि उसके हाथों से निर्णय निकल गया था।

मैंने कहा, 'अब भी मुझे विश्वास करना मुश्किल लग रहा है। आख़िरी पल तक मैं लॉरेंस की गिरफ़्तारी की ही सोच रहा था।'

पॉयरो मुस्कराया, 'मैं जानता था कि तुम वैसा सोच रहे थे।'

'पर जॉन! मेरा पुराना दोस्त जॉन!'

'हर हत्यारा शायद किसी का पुराना दोस्त होता होगा', पॉयरो ने दार्शनिकता से कहा। 'तुम भावनाओं और तर्क को जोड़ नहीं सकते हो।'

'मैं यह ज़रूर कहूँगा, मेरे ख़्याल से तुम मुझे एक इशारा दे सकते थे।'

'दोस्त, शायद मैंने ऐसा इसलिए नहीं किया होगा क्योंकि वह तुम्हारा पुराना मित्र था।'

मैं इस बात से क्षुब्ध हो गया, क्योंकि मुझे याद आया कि कैसे मैंने जॉन को व्यग्रता से बॉयरस्टीन के बारे में अपने विश्वास को पॉयरो का मत कहकर बताया था। पर वह अपने ख़िलाफ़ लगे आरोपों से बरी हो गया था। फिर भी, इस बार उसके बहुत चतुर होने के बावजूद, जासूसी का आरोप तो नहीं लग पाया, पर भविष्य के लिए उसके पंख कतर दिये गये थे।

मैंने पॉयरो से पूछा, क्या उसे लगता था कि जॉन को दोषी ठहराया जायेगा। उसके जवाब ने मुझे बहुत अचरज में डाल दिया, वह बोला कि इसके विपरीत उसके छूटने की सम्भावना बहुत ज़्यादा थी।

मैंने विरोध में कहा, 'पर पॉयरो—'

'ओह, दोस्त, क्या मैं तुमसे बराबर यह नहीं कहता रहा हूँ कि मेरे पास सबूत नहीं है। यह जानना कि एक इंसान दोषी है एक बात है और यह साबित करना दूसरी। और इस मामले में बहुत थोड़ा सबूत है। यही सबसे बड़ी मुश्किल है। मैं, हरक्यूल पॉयरो, जानता हूँ, पर मेरे पास ज़ंजीर की आख़िरी कड़ी नहीं है। जब तक वह खोई हुई कड़ी मुझे नहीं मिलती—' उसने गम्भीरता से सिर हिलाया।

मैंने एक-दो मिनट बाद पूछा, 'तुम्हें जॉन पर पहली बार शक़ कब हुआ?'

'क्या तुम्हें उस पर बिल्कुल शक़ नहीं हुआ?'

'बिल्कुल नहीं।'

'मिसेज़ कैवेन्डिश और उसकी सास के बीच की बातचीत के टुकड़े सुनने और बाद में जाँच के समय उसमें स्पष्टता की कमी को देखने के बाद भी नहीं?'

'नहीं।'

'क्या तुमने दो और दो नहीं जोड़े, यह नहीं सोचा कि एल्फ्रेड अपनी पत्नी से झगड़ा नहीं कर रहा था — तुम्हें याद है उसने जिरह के वक़्त बहुत ताकत से झगड़ा न होने की बात कही थी — तो फिर लॉरेंस या जॉन में से ही कोई हो सकता था? अब अगर वह लॉरेंस था तो मेरी कैवेन्डिश का व्यवहार उतना ही दुर्बोध होता। दूसरी तरफ़ अगर वह जॉन था तो सारी बात सहजता से स्पष्ट हो रही थी?'

मुझ पर बिजली टूट पड़ी, मैं चिल्लाया, 'तो उस दोपहर को वह जॉन था, जिसका माँ से झगड़ा हुआ था?'

'बिल्कुल।'

'और तुम पूरा वक़्त यह बात जानते थे?'

'ज़रूर। मिसेज़ कैवेन्डिश के व्यवहार को सिर्फ़ इसी तरह स्पष्ट किया जा सकता था।'

'और फिर भी तुम कहते हो कि वह छूट भी सकता है?'

पॉयरो ने कंधे उचकाये।

'ज़रूर कहता हूँ। पुलिस की कचहरी की कार्यवाही में हम इस मामले के अभियोग पक्ष को सुनेंगे, पर पूरी सम्भावना है कि उसके सॉलिसिटर उसे अपने बचाव पक्ष को रोके रखने की सलाह देंगे। वह मुक़दमे के वक़्त हम पर उछाला जायेगा। और वैसे भी, दोस्त, मैं तुम्हें सावधान करना चाहूँगा, मुझे इस मामले में पेश नहीं होना चाहिए।'

'क्या?'

'नहीं। सरकारी तौर पर मेरा इससे कुछ लेना-देना नहीं है। जब तक मुझे जंजीर की आख़िरी कड़ी नहीं मिल जाती, मुझे पीछे ही रहना चाहिए। मिसेज़ कैवेन्डिश को लगना चाहिए कि मैं उसके पति के लिए काम कर रहा हूँ, विरुद्ध नहीं।'

मैंने विरोध जताते हुए कहा, 'मैं कहूँगा, यह निकृष्ट काम है।'

'बिल्कुल नहीं। हमें एक बेहद चालाक और बेईमान आदमी का सामना करना है — हमें अपनी सामर्थ्य के सारे साधन इस्तेमाल करने होंगे — नहीं तो वह हमारे हाथों में से फिसल जायेगा। इसलिए मैं पृष्ठभूमि में रहने की सावधानी बरत रहा हूँ। सारी खोज जैप ने की है और उसी को श्रेय मिलना चाहिए। अगर मुझे गवाही के लिए बुलाया भी जायेगा' — उसने खुलकर मुस्कराते हुए कहा — 'तो वह शायद बचाव पक्ष के गवाह की तरह होगा।'

मेरे लिए अपने कानों पर भरोसा करना मुश्किल था। पॉयरो ने बोलना जारी रखा, 'यह काफ़ी आश्चर्य की बात है। अजीब यह है कि मेरा एक सबूत अभियोग पक्ष के दावे को नष्ट कर देगा।'

'कौन सा?'

'जो वसीयत को नष्ट करने से जुड़ा है। जॉन कैवेन्डिश ने वसीयत नष्ट नहीं की थी।'

पॉयरो सच्चा प्रवक्ता है। मैं पुलिस की अदालती कार्यवाही के विस्तार में नहीं जाऊँगा क्योंकि उसमें बहुत-सी थकानेवाली पुनरुक्तियाँ हैं। मैं सिर्फ़ साफ़-साफ़ यह कहूँगा कि जॉन कैवेन्डिश ने अपने बचाव को रोके रखा और उसे विधिवत मुक़दमे के सुपुर्द कर दिया गया।

सितम्बर में हम सब लन्दन में थे। मेरी ने केंसिंग्टन में एक घर ले लिया था, पॉयरो को परिवार में जोड़ लिया गया था।

ख़ुद मुझे युद्ध कार्यालय में नौकरी मिल गयी थी, इसलिए लगातार उनसे मिल पाता था।

जैसे-जैसे हफ़्ते बीत रहे थे, पॉयरो का धैर्य बद से बदतर होता जा रहा था। जिस आख़िरी कड़ी की वह बात कर रहा था, वह अभी तक नहीं मिली थी। निजी तौर पर मैं आशा कर रहा था कि वैसा ही हो जाये, क्योंकि अगर जॉन बरी नहीं हुआ तो मेरी के लिए कौन-सी खुशी बचेगी?

15 सितम्बर को जॉन कैवेन्डिश ओल्ड बेली के कठघरे में पेश किया गया। उस पर 'ऐमिली एग्नेस इंगलथोर्प की जानबूझकर हत्या' करने का आरोप लगाया गया, और उसने अपराध अस्वीकार कर दिया।

बचाव के लिए सर अर्नेस्ट हेवीवेदर, प्रसिद्ध के.सी., की नियुक्ति की गयी थी।

मि. फिलिप्स ने राज्य की तरफ़ से केस को पेश किया।

उन्होंने कहा, 'यह हत्या पूर्वनिश्चित और अत्यधिक निर्मम थी। यह न कम न ज़्यादा, जानबूझकर ज़हर देने का मामला है, वह भी एक स्नेही, विश्वासपूर्ण औरत को उस सौतेले बेटे ने दिया, जिसे वह माँ से ज़्यादा प्यार देती रही थी। उसे बचपन से सहारा दिया। जॉन और उसकी पत्नी उनकी देखरेख और प्यार के साथ, पूरे ऐशोआराम से स्टाईल्स कोर्ट में रहते थे। वे दयालु और उदार तथा उनका भला चाहने वाली थीं।'

उसने गवाहों को बुलाने का प्रस्ताव रखा, ताकि वह दिखा सके कि क़ैदी उड़ाऊ और खर्चीला होने के कारण अपनी आर्थिक सीमा के अन्त तक पहुँच चुका था और उसके किसी पड़ोसी किसान की पत्नी मिसेज़ रैक्स के साथ अनुचित सम्बन्ध भी थे। जब यह बात सौतेली माँ के कानों तक पहुँची तो हत्या से पहले वाली दोपहर को उन्होंने उस पर आरोप लगाया, दोनों में झगड़ा शुरू हो गया, जिसका कुछ हिस्सा औरों ने भी सुना। क़ैदी पिछले दिन भेष बदल कर गाँव के केमिस्ट की दुकान पर जाकर स्ट्रिकनीन ख़रीद कर लाया था, ताकि दोष दूसरे आदमी यानी मिसेज़ इंगलथोर्प के दूसरे पति एल्फ्रेड इंगलथोर्प पर लग सके, जिनसे वह बेहद ईर्ष्या करता था। मि. इंगलथोर्प की ख़ुशकिस्मती थी कि वह कहीं और होने के कारण ख़ुद को निर्दोष साबित कर सके।

वकील ने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, 17 जुलाई की दोपहर को बेटे से झगड़े के फ़ौरन बाद मिसेज़ इंगलथोर्प ने नई वसीयत बनायी। अगली सुबह वह उनके सोने वाले कमरे की अँगीठी में अधजली मिली, पर जो सबूत सामने आया, उससे पता चला कि वह उन्होंने अपने पति के पक्ष में बनायी थी। मृतका ने अपनी शादी से भी पहले यह बना ली थी, पर — (मि. फिलिप्स ने अर्थपूर्ण ढंग से उँगली हिलाते हुए कहा) पर क़ैदी इस बारे में नहीं जानता था। वकील ने कहा, यह नहीं बताया जा सकता कि पुरानी वसीयत मौजूद होते हुए मृतका ने नयी क्यों बनायी थी। वह एक बूढ़ी औरत थीं, हो सकता है कि वह पहली के बारे में भूल गयी हो, या यह ज़्यादा सम्भव लगता है कि — उन्हें यह लगा हो कि उनकी शादी के कारण पुरानी रद्द हो गयी होगी, क्योंकि इस विषय पर कुछ बातें हुई भी थीं। औरतों को क़ानूनी कार्यवाही के बारे में हमेशा ज़्यादा जानकारी नहीं होती। उन्होंने साल भर पहले क़ैदी के पक्ष में एक वसीयत बनायी थी। वह गवाह को बुलाकर यह दिखाना चाहेगा कि उस घातक रात क़ैदी ने ही सौतेली माँ को कॉफ़ी दी थी। बाद में शाम को वह उनके कमरे में गया, उस वक़्त, निस्सन्देह उसे वसीयत नष्ट करने का मौक़ा मिल गया, जिससे उसकी जानकारी के मुताबिक, उसके पक्ष वाली वसीयत को मान्यता मिल जाती।

अत्यधिक प्रतिभाशाली डिटेक्टिव-इंस्पेक्टर जैप को जब क़ैदी के कमरे से गाँव के केमिस्ट की दुकान से काल्पनिक इंगलथोर्प द्वारा ख़रीदी गयी स्ट्रिकनीन की शीशी से मिलती-जुलती शीशी मिली, तब नतीजतन क़ैदी को गिरफ़्तार कर लिया गया। यह ख़रीदारी मौत से एक दिन पहले की गयी थी। अब यह जूरी को तय करना है कि ये निन्दापूर्ण तथ्य, क़ैदी के अपराध का जबरदस्त प्रमाण संघटित करते हैं या नहीं।

इस प्रकार सूक्ष्म रूप से यह जताते हुए कि एक जूरी का ऐसा निर्णय न लेना, सोचा भी नहीं जा सकता; मि. फिलिप्स बैठ गये और अपना माथा पोंछा।

मुक़दमे के पहले गवाह ज़्यादातर वही थे जिन्हें जाँच के वक़्त बुलाया गया था, पहले डॉक्टरी प्रमाण लिये गये थे।

सर अर्नेस्ट हेवीवेदर, पूरे इंग्लैंड में गवाहों को अनैतिक रूप से सताने के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने सिर्फ़ दो प्रश्न पूछे।

'डॉ. बॉयरस्टीन, मैं मानता हूँ कि स्ट्रिकनीन दवाई के तौर पर जल्दी असर करती है?'

'हाँ।'

'और आप यह बताने में असमर्थ हैं कि इस मामले में देर क्यों हुई?'

'हाँ।'

'धन्यवाद।'

मि. मेस ने वकील द्वारा दी गयी शीशी को पहचानते हुए कहा कि यह वही थी जो उसने 'मि. इंग्लथोर्प को बेची थी। दबाव डाले जाने पर उसने स्वीकार किया कि वह मि. इंग्लथोर्प को सिर्फ़ देखकर पहचानता था। उसने उससे कभी बात नहीं की थी। गवाह से जिरह नहीं की गयी।

एल्फ्रेड इंग्लथोर्प को बुलाया गया, और उसने ज़हर खरीदने से इनकार किया। उसने अपनी पत्नी से झगड़े से भी इनकार किया। विभिन्न गवाहों ने इन कथनों की सच्चाई को सिद्ध किया।

मालियों से वसीयत का साक्षी होने की गवाही ली गयी, और फिर डॉरकस को बुलाया गया।

अपने 'युवा मालिकों' के प्रति वफ़ादार डॉरकस ने बड़े ज़ोर से जॉन की आवाज़ न सुनने की बात कही और सारी परेशानियों के बीच भी दृढ़ता के साथ यह बयान दिया कि बैठक में उसकी मालकिन के साथ मि. इंगलथोर्प ही था। कठघरे में खड़े क़ैदी के चेहरे पर एक उदास मुस्कान दिखायी दी। वह अच्छी तरह जानता था कि डॉरकस की बहादुर अवज्ञा कितनी व्यर्थ थी, क्योंकि प्रतिवादी का उद्देश्य इस बिन्दु को नकारना नहीं था। निश्चित था कि मिसेज़ कैवेन्डिश को अपने पति के ख़िलाफ़ प्रमाण देने के लिए बुलाया नहीं जा सकता था।

दूसरे मामलों पर विभिन्न प्रश्नों के बाद मि. फिलिप्स ने पूछा: 'क्या तुम्हें याद है कि पिछले जून के महीने में मि. लॉरेंस कैवेन्डिश के नाम पार्कसंस से एक पार्सल आया था?

डॉरकस ने सिर हिलाकर नकारा। 'सर, मुझे याद नहीं है। आया होगा। पर मि. लॉरेंस जून के महीने में कुछ दिनों के लिए घर से बाहर गये हुए थे।'

'उनकी गैरमौजूदगी में पार्सल के आने पर उसका क्या किया गया होगा?'

'वह या तो उनके कमरे में रख दिया गया होगा, या उनके पास भेजा गया होगा।'

'तुमने किया होगा?'

'नहीं सर, मुझे उसे हॉल की मेज़ पर रखना था। ऐसी स्थिति में जो किया जाता है, वह मिस हॉवर्ड करती थीं।'

ऐवेलिन हॉवर्ड को बुलाया गया और दूसरे मुद्दों पर जाँच के बाद, उससे पार्सल के बारे में पूछा गया।

'मुझे याद नहीं है। बहुत पार्सल आते रहते हैं। किसी एक ख़ास के बारे में मुझे याद नहीं है।'

'तुम्हें यह याद नहीं है कि क्या वह मि. लॉरेंस के पास वेल्स भेजा गया था, अथवा उसके कमरे में रख दिया गया था?'

'मेरे ख़्याल से भेजा नहीं गया था। अगर भेजा जाता तो याद रहता।'

'मान लो मि. लॉरेंस के नाम जो पार्सल आया, वह बाद में गायब हो गया था, तो क्या तुम उसके बारे में बतातीं?'

'नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचती। मैं सोचती कि किसी और ने उसे सँभाल दिया होगा।'

'मिस हॉवर्ड, मेरे ख़्याल से यह भूरा काग़ज़ तुम्हें मिला था?' उसने वही धूल लगा काग़ज़ ऊपर उठाया जो स्टाईल्स के सुबह वाले कमरे में मैंने और पॉयरो ने देखा था।

'हाँ।'

'तुम उसे ढूँढ़ने क्यों गयीं?'

'इस मामले की जाँच के लिए जिस बेल्जियन जासूस को रखा गया था, उसने मुझसे इसे ढूँढ़ने को कहा था।'

'आख़िर यह तुम्हें कहाँ मिला?'

'एक अलमारी के ऊपर।'

'क़ैदी की अलमारी के ऊपर?'

'मेरे ख़्याल से।'

'क्या वह तुमने ख़ुद नहीं ढूँढ़ा था?'

'हाँ।'

'तब तो तुम्हें पता होना चाहिए कि वह कहाँ मिला था?'

'हाँ, क़ैदी की अलमारी के ऊपर।'

'बेहतर है।'

पार्कसन्स थियेट्रिकल कॉस्टयूमियर्स में एक सहायक ने इस बात की पुष्टि की कि 29 जून को उन्होंने मि. लॉरेंस कैवेन्डिश के कहे अनुसार उन्हें एक काली दाढ़ी भेजी थी। उसका ऑर्डर पत्र द्वारा किया गया था, उसके साथ एक पोस्टल ऑर्डर लगा था। उन्होंने पत्र नहीं रखा था। उनकी बहियों में सब सौदे दर्ज़ होते हैं। उन्होंने निर्देश के अनुसार दाढ़ी 'एल. कैवेन्डिश एसक्वेयर, स्टाईल्स कोर्ट' के पते पर भेजी थी।

सर अर्नेस्ट हेवीवेदर कोशिश के साथ उठा।

'पत्र कहाँ से आया था?'

'स्टाईल्स कोर्ट से।'

'वही पता था जिस पर पार्सल भेजा गया था?'

'हाँ।'

हेवीवेदर उस पर ऐसे टूट पड़ा जैसे शिकार पर टूट पड़ते हैं।

'तुम्हें कैसे मालूम हुआ?'

'मेरी समझ में नहीं आया।'

'तुम्हें कैसे पता चला कि पत्र स्टाईल्स कोर्ट से आया था? क्या तुमने डाक मुहर पर ध्यान दिया था?'

'नहीं — पर—'

'ओह, तुमने डाकमुहर नहीं देखी थी। और फिर भी इतने विश्वास से कह रहे हो कि स्टाईल्स से आया था। वास्तव में, कहीं की भी डाकमुहर हो सकती थी?'

'हाँ।'

'वास्तव में, पत्र भले ही मुहर वाले काग़ज़ पर लिखा गया था, पर भेजा तो कहीं से भी जा सकता था? उदाहरण के लिए वेल्स से हो सकता था?'

गवाह ने स्वीकार किया कि ये हो सकता था, और सर अर्नेस्ट ने जाहिर किया कि वह सन्तुष्ट हो गया था।

स्टाईल्स की दूसरी नौकरानी एलिजावेथ वेल्स ने बताया कि सोने जाने के बाद उसे याद आया कि उसने बाहर के दरवाज़े की सिटकिनी लगा दी थी जबकि मि. इंगलथोर्प ने चाभी को सिटकिनी पर टंगा छोड़ने को कहा था। वह उसके कहे के अनुसार करने के लिए फिर से नीचे गयी ताकि अपनी ग़लती सुधार ले। पश्चिमी हिस्से से हल्की आवाज़ें सुनकर उसने गलियारे में झाँका और देखा कि मि. जॉन कैवेन्डिश मिसेज़ इंगलथोर्प का दरवाज़ा खटखटा रहे थे।

सर अर्नेस्ट हेवीवेदर ने उसका काम हल्का कर दिया, और उसके निष्ठुरता से सताने से वह अपनी ही बातें अपने आप काटती गयी और सर अर्नेस्ट एक सन्तुष्ट मुस्कान चेहरे पर लिये फिर से बैठ गये।

ऐवी ने अपनी गवाही में फ़र्श पर पड़ी मोमबत्ती की चिकनाई से लेकर क़ैदी को बैठक में कॉफ़ी लेकर जाते देखने तक की सारी बातें बतायीं, मुक़दमे की कार्यवाही अगले दिन तक के लिए मुल्तवी कर दी गयी।

जब हम घर जा रहे थे, तब मेरी कैवेन्डिश अभियोग पक्ष के वकील के ख़िलाफ़ बड़ी कड़वाहट से बोलती रही।

'वो घृणित आदमी! उसने मेरे बेचारे जॉन के आसपास कैसा जाल फैला दिया है। वह हर छोटी सच्चाई को ऐसे घुमा रहा था कि जो नहीं था वह दिखने लगा था।'

मैंने तसल्ली दिलाते हुए कहा, 'कल सब कुछ अलग तरह होगा।'

वह ध्यान से बोली 'हाँ', फिर अचानक अपनी आवाज़ नीची करके बोली, 'मि. हेस्टिंगस, आप यह तो नहीं सोचते कि लॉरेंस कभी हो ही नहीं सकता — ओह, नहीं, ऐसा नहीं हो सकता।'

पर मैं ख़ुद उलझन में था और जैसे ही मैं पॉयरो के साथ अकेला हुआ मैंने उससे पूछा कि उसके अनुसार सर अर्नेस्ट क्या कहना चाहते थे।

पॉयरो ने प्रशंसात्मक रूप में कहा, 'सर अर्नेस्ट एक होशियार आदमी है।'

'क्या तुम्हें लगता है कि वे लॉरेंस को अपराधी मानते हैं?'

'मुझे नहीं लगता कि वे कुछ मानते या किसी पर भरोसा करते हैं। नहीं, वे सिर्फ़ जूरी के दिमाग़ में उलझन पैदा करना चाहते हैं, जिससे वे इस मत पर बँटे रहें कि किस भाई ने यह किया है। वे यह कोशिश कर रहे हैं कि जितने सबूत लॉरेंस के ख़िलाफ़ हैं उतने ही जॉन के ख़िलाफ़ हों — और मुझे बिल्कुल विश्वास नहीं है कि वे सफल नहीं होंगे।'

मुक़दमा दुबारा शुरू होने पर पहले गवाह के रूप में डिटेक्टिव-इंस्पेक्टर जैप को बुलाया गया, उसने अपनी गवाही संक्षेप में और सारगर्भित रूप में दी। पहली घटनाओं के बारे में बताने के बाद वह आगे बढ़ा: 'ख़बर मिलने के बाद मैंने और सुपरिन्टेन्डेन्ट समरहाय ने क़ैदी के कमरे की तलाशी ली। उस समय वह थोड़ी देर के लिए घर से बाहर गया हुआ था। उसकी दराजों वाली अलमारी में अन्दर पहने जाने वाले कपड़ों के नीचे हमें पहले सुनहरी किनारों वाला नाक पर पकड़ने वाला चश्मा मिला, जैसा मि. इंगलथोर्प पहनता है' — वह दिखाया गया — 'दूसरी यह शीशी।'

वह शीशी केमिस्ट के सहायक ने पहले ही पहचान ली थी; वह नीले शीशे की छोटी-सी शीशी थी जिसमें कुछ ग्रेन सफ़ेद रवेदार पाउडर था, उस पर 'स्ट्रिकनीन हाइड्रो-क्लोराइड ज़हर' का लेबल लगा था।

पुलिस कार्यवाही शुरू होने के बाद जासूसों को एक नया सबूत मिला था, जो एक लम्बा, लगभग नया स्याही-सोख़्ता था। वह मिसेज़ इंगलथोर्प की चेकबुक में मिला था और शीशे पर उलटा करने से ये शब्द साफ़-साफ़ दिखते थे... 'सब चीज़ें जो मेरी मृत्यु के वक़्त मेरी हैं, मैं अपने प्रिय पति एल्फ्रेड इंगलथोर्प के लिए छोड़ती हूँ'। इससे एक तथ्य बिना प्रश्न के सामने आता है कि नष्ट की गयी वसीयत मृतक महिला के पति के पक्ष में थी। फिर जैप ने अँगीठी से मिले जले काग़ज़ के टुकड़े पेश किये, इसके साथ दुछत्ती में मिली दाढ़ी के साथ उसकी गवाही पूरी हो गयी।

पर सर अर्नेस्ट की जिरह अभी बाकी थी।

'जब तुमने क़ैदी के कमरे की तलाशी ली, वह कौन-सा दिन था?'

'मंगलवार, 24 जुलाई।'

'त्रासदी के पूरे एक हफ़्ते बाद?'

'हाँ।'

'तुमने बताया कि ये दोनों चीज़ें तुम्हें अलमारी की दराज में मिली थीं। क्या दराज का ताला बन्द था?'

'नहीं।'

'क्या तुम्हें यह असम्भावित नहीं लगता कि एक आदमी जिसने अपराध किया है वह सबूतों को एक खुली दराज में रखता है, जहाँ से कोई भी उन्हें ले सकता है?'

'हो सकता है उसने वहाँ जल्दी में रख दिया हो।'

'पर तुमने अभी बताया था कि हत्या को एक हफ़्ता हो चुका था। उन्हें हटाने और मिटाने के लिए उसके पास काफ़ी वक़्त था।'

'शायद।'

'इसमें शायद की कोई बात नहीं है। क्या उसके पास हटाने और नष्ट करने के लिए बहुत वक़्त था या नहीं?'

'हाँ।'

'अन्दर पहनने वाले कपड़ों का ढेर, जिसके नीचे चीज़ें छिपाई गयी थीं, भारी था या हल्का?'

'भारी-सा था।'

'दूसरे शब्दों में कहा जाये तो वे सर्दियों के कपड़े थे। साफ़ है कि क़ैदी का उस दराज तक जाना सम्भावनीय नहीं था।

'शायद नहीं।'

'कृपया मेरे प्रश्न का उत्तर दें। गर्मियों के एक अत्यधिक गरम हफ़्ते में क्या क़ैदी का सर्दियों के कपड़ों वाली दराज की तरफ़ जाना सम्भावनीय था? हाँ या ना?'

'नहीं।'

'ऐसी स्थिति में, क्या यह सम्भव नहीं है कि किसी तीसरे आदमी ने वहाँ रख दी हो और क़ैदी को उनकी मौजूदगी के बारे में कोई जानकारी न हो?'

'मैं ऐसा सम्भव नहीं मानूँगा।'

'पर हो तो सकता है?'

'हाँ।'

'बस इतना ही पूछना था।'

और प्रमाण आते रहे। जुलाई के अन्त में क़ैदी ने ख़ुद को जिन आर्थिक परेशानियों में पाया, उसके प्रमाण थे। उसके मिसेज़ रैक्स के साथ गुप्त प्रेम के संकेत — बेचारी मेरी, एक गर्वीली औरत के लिए यह सब सुनना कितना मुश्किल रहा होगा। ऐवेलिन हॉवर्ड अपने तथ्यों में सही थी, हालाँकि एलफ्रेड इंगलथोर्प के ख़िलाफ़ अपनी दुश्मनी के कारण वह इस नतीजे पर पहुँच गयी थी कि वही हत्यारा था।

फिर लॉरेंस कैवेन्डिश को कठघरे में खड़ा किया गया। मि. फिलिप्स के प्रश्नों के जवाब में उसने धीमी आवाज़ में जून में पार्कसंस से कुछ भी मँगवाने की बात से इनकार किया। असल में 29 जून को वह बाहर, वेल्स में रह रहा था।

फ़ौरन सर आनेस्ट की ठोड़ी लड़ाके ढंग से आगे हो गयी।

'तुम 29 जून को पार्कसंस से एक काली दाढ़ी मँगवाने की बात से इनकार कर रहे हो?'

'हाँ।'

'ओह! अगर तुम्हारे भाई को कुछ हो जाये तो स्टाईल्स कोर्ट किसे मिलेगा?'

प्रश्न की निष्ठुरता से लॉरेंस के पीले चेहरे पर लाली दौड़ गयी। जज ने नापसन्दगी की हल्की-सी आवाज़ उठायी, लॉरेंस गुस्से के कारण कठघरे में आगे झुक गया।

'हेवीवेदर ने मुवक्किल के गुस्से की कोई परवाह नहीं की।'

'कृपया मेरे प्रश्न का जवाब दें।'

लॉरेंस शान्ति से बोला, 'मेरे ख़्याल से मुझे मिलना चाहिए।'

'मेरे ख़्याल से तुम्हारा क्या मतलब है? तुम्हारे भाई के कोई बच्चे नहीं है। तुमको ही मिलेगा, है न?'

'हाँ।'

'आह, यह बेहतर है।' हेवीवेदर उग्र सौहार्द्र के साथ बोला।

'तुम्हें अच्छा-खासा धन भी मिलेगा, है न?'

जज ने विरोध करते हुए कहा, 'सर अर्नेस्ट, वास्तव में ये प्रश्न संगत नहीं हैं।'

सर अर्नेस्ट झुक गये। अपना तीर तो चला ही चुके थे, आगे बोले, '17 जुलाई, मंगलवार को, मेरे ख़्याल से आप एक और मेहमान के साथ टैडमिन्स्टर स्थित रेडक्रास अस्पताल के दवाख़ाने में गये थे?'

'हाँ।'

'जब आप कुछ पलों के लिए अकेले थे — तब क्या आपने ज़हर वाली अलमारी का ताला खोलकर कुछ शीशियों की जाँच की थी?'

'मैं — मैंने — शायद की हो।'

'मैं कहूँगा कि की थी?'

'हाँ।'

सर अर्नेस्ट ने स्पष्टतया दूसरा प्रश्न पूछा,

'क्या आपने एक ख़ास शीशी का परीक्षण किया था?'

'नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचता।'

'मि. कैवेन्डिश, ध्यान रखें, मैं स्ट्रिकनीन में हाइड्रो-क्लोराइड वाली छोटी शीशी की बात कर रहा हूँ।'

लॉरेंस के चेहरे का रंग अस्वस्थ हरा-सा होता जा रहा था।

'नहीं, मुझे विश्वास है कि मैंने नहीं देखा।'

'तो फिर इस तथ्य के बारे में तुम क्या सफ़ाई दोगे कि उस शीशी पर निश्चित रूप से तुम्हारी उँगलियों के निशान मिले?'

एक घबराने वाले आदमी के लिए उनका उग्र व्यवहार बहुत ज़्यादा प्रभावोत्पादक था।

'मैं — मेरे ख़्याल से मैंने बोतल उठाई होगी।'

'मेरा भी यही ख़्याल है। क्या आपने बोतल में से कुछ पदार्थ निकाला था?'

'बिल्कुल नहीं।'

'तो आपने उठाया क्यों था?'

'मैं कभी डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा था। ऐसी चीज़ें मुझे सहज ही रोचक लगती हैं।'

'तो ज़हर आपमें सहज रुचि पैदा करते हैं? फिर भी तुमने अपनी रुचि को सन्तुष्ट करने के लिए अकेले होने का इन्तज़ार किया?'

'वह महज संयोग की बात है। अगर दूसरे लोग होते तो भी मैं वही करता।'

'फिर भी हुआ यह, कि दूसरे वहाँ नहीं थे।'

'नहीं, पर—'

'वास्तव में, पूरी दोपहर में, आप उन्हीं कुछ मिनिटों के लिए अकेले थे, और ऐसा हुआ — मैं कह रहा हूँ ऐसा हुआ — कि उन्हीं दो मिनिटों में तुमने स्ट्रिकनीन के हाइड्रोक्लोराइड में अपनी रुचि दिखाई?'

लॉरेंस बुरी तरह हकलाने लगा।

'मैं— मैं—'

सन्तुष्ट और भावपूर्ण मुद्रा में सर अर्नेस्ट ने देखा और कहा :

'मि. कैवेन्डिश, मुझे तुमसे और कुछ नहीं पूछना है।'

इस जिरह से कचहरी में काफ़ी उत्तेजना पैदा हो गयी थी। वहाँ बहुत-सी फ़ैशनेबुल औरतें मौजूद थीं, वे सिर जोड़कर बातें करने में लीन हो गईं और उनकी फुसफुसाहट इतनी ऊँची हो गयी कि जज ने गुस्से से धमकी दी फ़ौरन चुप्पी नहीं होने पर कचहरी खाली करवा ली जायेगी।

अब थोड़े से सबूत बाकी थे। केमिस्ट की दुकान में ज़हर के रजिस्टर पर किये गये एल्फ्रेड इंगलथोर्प के हस्ताक्षरों की जाँच के लिए हस्तरेखा विशेषज्ञ को बुलाया गया। सबने एक साथ होकर बताया कि वे निश्चित रूप से उसके हस्ताक्षर नहीं थे, और उन्होंने अपने दृष्टिकोण से कहा कि वे क़ैदी के बनावटी हस्ताक्षर हो सकते थे। जिरह में उन्होंने माना कि वह क़ैदी के चतुराई से बनाये गये हस्ताक्षर थे।

सर अर्नेस्ट हेवीवेदर ने बचाव के लिए मामले को खोलते वक़्त जो भाषण दिया, वह लम्बा नहीं था; पर उसे अपने ज़ोरदार तरीके की पूरी ताक़त का सहारा दिया। उन्होंने कहा, अपने लम्बे अनुभव के दौरान कभी भी किसी हत्या के अपराध को इतने हल्के सबूतों पर टिका नहीं देखा था। न सिर्फ़ वह पूरी तरह परिस्थितिजन्य था, बल्कि उसका ज़्यादातर हिस्सा वास्तव में अप्रमाणित था। जो गवाही उन्होंने सुनी थी अब उन्हें पक्षपातरहित ढंग से छाननी होगी।' क़ैदी के कमरे की दराज में स्ट्रिकनीन मिली थी। वह दराज बिना ताले की थी, यह पहले ही बता चुके थे कि कोई सबूत नहीं मिला था जिससे प्रमाणित किया जा सकता कि क़ैदी ने वह ज़हर वहाँ छिपाया था। वास्तव में यह किसी तीसरे आदमी की क़ैदी पर अपराध थोपने की दुष्ट और दुर्भावनापूर्ण कोशिश थी। अभियोजन पक्ष पार्केसंस से क़ैदी के काली दाढ़ी मँगाने के पक्ष में सबूत का एक टुकड़ा भी नहीं रख पाया। क़ैदी और उसकी सौतेली माँ के बीच जो झगड़ा हुआ था, वह खुले रूप से स्वीकार किया गया था, पर उस झगड़े और आर्थिक परेशानियों की बात को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया था।

सर अर्नेस्ट हेवीवेदर ने लापरवाही से मि. फिलिप्स की तरफ़ इशारा करते हुए कहा, उनके विद्वान मित्र ने कहा था कि अगर क़ैदी एक निर्दोष व्यक्ति होता तो वह पूछताछ के वक़्त सामने आकर कहता कि झगड़ा मि. इंगलथोर्प से नहीं,

उसके साथ हुआ था। उन्हें लगता था कि तथ्यों को ग़लत ढंग से रखा गया था। वास्तव में हुआ यह था : मंगल की शाम को क़ैदी के घर लौटने पर उसे मि. और मिसेज़ इंग्लथोर्प के बीच हुए ज़बरदस्त झगड़े के बारे में प्रामाणिक तौर पर बताया गया। क़ैदी के दिमाग़ में यह शक नहीं आया कि कोई मि. इंग्लथोर्प की आवाज़ को ग़लती से उसकी आवाज़ मान सकता था। स्वाभाविक था कि उसने सोचा उसकी सौतेली माँ का दो बार झगड़ा हुआ होगा।

अभियोजन पक्ष ने प्रमाणित किया कि 16 जुलाई, सोमवार को क़ैदी मि. इंग्लथोर्प के वेश में केमिस्ट की दुकान में घुसा। इसके विपरीत क़ैदी उस वक़्त मार्सटन स्पिनी जैसे एकाकी स्थल पर एक अज्ञात नोट के धमकी भरे स्वर की माँग के कारण गया था, जिसमें न जाने पर उसकी पत्नी को कुछ बातें बता देने के बारे में कहा था। क़ैदी नोट के अनुसार तय जगह पहुँच गया, आधा घण्टा बेकार इन्तज़ार करने के बाद घर लौट आया। दुर्भाग्य से उसे रास्ते में कोई नहीं मिला, जो उसकी कहानी के सच को बताता। पर ख़ुशकिस्मती से उसने वह नोट सँभाल कर रखा था, उसे सबूत के रूप में पेश किया जायेगा।

वसीयत को नष्ट करने के बारे में कहा गया था; पर क़ैदी पहले वकालत करता था और अच्छी तरह जानता है कि उसके पक्ष में लिखी गयी साल भर पहले वाली वसीयत, उसकी सौतेली माँ की दूसरी शादी के बाद अपने आप ही रद्द हो गयी। वे सबूत से साबित करेंगे कि वसीयत किसने नष्ट की थी, और यह सम्भव था कि इससे मामले के बारे में एक नई दृष्टि खुल पायेगी।

अन्त में उन्होंने जूरी को बताया कि जॉन कैवेन्डिश के अलावा दूसरे लोगों के ख़िलाफ़ भी सबूत था। उन्होंने जूरी का ध्यान इस सच्चाई की तरफ़ खींचा कि मि. लॉरेंस कैवेन्डिश के विरुद्ध भी ज़्यादा नहीं तो उतने ही मजबूत सबूत थे, जितने उनके भाई के विरुद्ध थे।

फिर उन्होंने क़ैदी को बुलाया।

जॉन ने कठघरे में आकर ख़ुद को अच्छी तरह निर्दोष ठहराया। सर अर्नेस्ट के कुशल संचालन में उसने अपनी कहानी विश्वासपूर्ण और अच्छे ढंग से कही। जो अज्ञात नोट उसे मिला था, वह उसने पेश किया और वह जाँच के लिए जूरी को दे दिया गया। जिस तत्परता से उसने अपनी आर्थिक कठिनाइयों और सौतेली माँ से असहमति को स्वीकार किया, उससे उसके किये इनकार को बल मिला।

अपनी जिरह के ख़त्म होने पर वह रुका, और बोला:

'मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूँ। सर अर्नेस्ट हेवीवेदर ने मेरे भाई के ख़िलाफ़ जो संकेत किये हैं, मैं उन्हें पूरी तरह अस्वीकार करता हूँ और उन्हें अनुचित मानता हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे भाई का भी इस हत्या से मेरी तरह कुछ लेना-देना नहीं है।'

सर अर्नेस्ट सिर्फ़ मुस्कराये, और अपनी तेज़ नज़रों से यह जान लिया कि जॉन के विरोध ने जूरी पर बहुत अनुकूल प्रभाव डाला था।

फिर जिरह शुरू हुई।

'जहाँ तक मैं समझा हूँ तुमने जाँच के समय कहा था कि गवाह तुम्हारी आवाज़ को मि. इंग्लथोर्प की आवाज़ समझने की ग़लती कर सकते हैं, यह तुम्हारे दिमाग़ में भी नहीं आया था। क्या यह ताज्जुब की बात नहीं है?'

'नहीं, मुझे नहीं लगता। मुझे बताया गया था कि मेरी माँ और मि. इंग्लथोर्प के बीच झगड़ा हुआ था, मुझे यह कतई नहीं लगा कि ऐसा नहीं हुआ होगा।'

'तब भी नहीं जब डॉरकस ने बातचीत के कुछ अंश दोहराये जिन्हें तुम पहचान गये होगे?'

'मैं नहीं पहचाना।'

'तुम्हारी याददाश्त असामान्य रूप से छोटी है।'

'नहीं, पर हम दोनों नाराज़ थे, और मेरे ख़्याल से हम जितना नहीं चाहते थे, उससे ज़्यादा बोले थे। मैंने माँ के वास्तविक शब्दों पर बहुत कम ध्यान दिया था।'

मि. फ़िलिप्स का सन्देहपूर्ण तिरस्कार अदालती कुशलता की जीत थी। वह नोट के विषय पर चला गया।

'तुमने यह नोट बड़े मौके से प्रस्तुत किया है। मुझे बताओ क्या इस लिखाई में कुछ भी पहचाना हुआ नहीं है?'

'मेरी जानकारी में कुछ नहीं है।'

'क्या तुम्हें नहीं लगता कि इसमें तुम्हारी अपनी लिखाई से काफ़ी मेल है — जिसे असावधानी से छिपाया गया था?'

'नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचता।'

'मैं तुमसे यह कहूँगा कि यह तुम्हारी लिखाई है।'

'नहीं।'

'मैं तुमसे कहूँगा कि ख़ुद के कहीं और होने का प्रमाण देने की आतुरता में तुमने यह काल्पनिक और सन्देहास्पद मुलाकात का विचार सोच लिया और नोट ख़ुद लिख लिया ताकि अपनी बात पुष्ट कर सको?'

'नहीं।'

'क्या यह सच नहीं है कि जिस एकान्त, निर्जन जगह पर इन्तज़ार करने का दावा तुम कर रहे हो, दरअसल उस वक़्त वास्तव में तुम स्टाईल्स सेंट मेरी की केमिस्ट की दुकान से एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के नाम से स्ट्रिकनीन ख़रीद चुके थे।'

'नहीं, यह झूठ है।'

'मैं तुमसे यह कहूँगा, कि तुम मि. इंग्लथोर्प के कपड़े पहनकर उससे मिलती हुई तराशी गयी काली दाढ़ी लगाकर वहाँ गये — और रजिस्टर पर उसके नाम से हस्ताक्षर किये।'

'यह बिल्कुल झूठ है।'

'तब मैं पर्ची, रजिस्टर और तुम्हारी लिखाई की ख़ास समानता को जूरी की विवेचना के लिए छोड़ता हूँ', मि. फ़िलिप्स ने कहा और इस तरह बैठ गया जैसे उसने अपना काम पूरा कर दिया था, पर वह फिर भी, जानबूझकर बोले गये झूठ से सन्त्रस्त था।

मैंने देखा पॉयरो बहुत ज़्यादा निराश दिख रहा था। उसकी आँखों के बीच छोटी-सी सिकुड़न थी जिसे मैं भलीभाँति पहचानता था।

इसके बाद, क्योंकि देर हो रही थी, केस को सोमवार तक के लिए मुल्तवी कर दिया गया।

मैंने पूछा, 'क्या है पॉयरो?'

'ओह दोस्त, चीज़ें ग़लत हो रही हैं, ग़लत।'

मैं ख़ुद को रोक नहीं पाया, मेरा दिल राहत से उछल पड़ा। स्पष्ट था कि जॉन कैवेन्डिश के मुक्त होने की सम्भावना थी।

जब हम घर पहुँचे तो मेरे दोस्त ने मेरी के चाय के प्रस्ताव को नकार दिया। 'नहीं, धन्यवाद मैडम। मैं अपने कमरे में जाऊँगा।'

मैं उसके पीछे गया। अभी भी त्यौरियों में बल डाले हुए वह डेस्क तक गया और उसने ताशों की छोटी गड्डी निकाली। फिर एक कुर्सी मेज़ की तरफ़ खींची, मुझे पूरी तरह ताज्जुब में डालकर उसने गम्भीरता से पत्तों से घर बनाना शुरू कर दिया।

अनजाने में मेरा मुँह खुला रह गया और वह फ़ौरन बोला : 'नहीं दोस्त, मेरा बचपन नहीं लौटा है। मैं अपने तनाव को शान्त कर रहा हूँ, बस। यह काम उँगलियों और दिमाग़ की सूक्ष्म स्पष्टता से होता है। और मुझे इसकी ज़रूरत इस

वक़्त से ज़्यादा कभी नहीं थी।

मैंने पूछा, 'क्या परेशानी है?'

पॉयरो ने मेज़ पर ज़ोर से हाथ मारकर इतने ध्यान से बनाये अपने भवन को तोड़ दिया।

'यह है, दोस्त! कि मैं ताश के पत्तों का सात मंजिला घर बना सकता हूँ पर मैं— थप्— ढूँढ़ नहीं— थप्— पा रहा, वह आख़िरी कड़ी जिसके बारे में तुमसे बात की थी।'

मैं नहीं समझ पा रहा था कि क्या कहूँ, इसलिए चुप ही रहा और वह फिर से पत्तों की इमारत बनाने लगा, बीच-बीच में झटकों में बातें भी कर रहा था।

'यह बन गया — ऐसे। एक पत्ता — ऐसे रखकर — दूसरे पर — गणितीय — सूक्ष्मता।'

मैं उसके हाथों से ताशों के घर को मंजिल-दर-मंजिल बढ़ते हुए देख रहा था। वह कभी न झिझका, न ग़लत हुआ। वह वास्तव में जादुई खेल जैसा लग रहा था।

मैंने कहा, 'तुम्हारे हाथ कितने स्थिर हैं। मेरे ख़्याल से मैंने उन्हें सिर्फ़ एक बार काँपते हुए देखा है।'

'निस्सन्देह उस वक़्त जब मैं क्रुद्ध था।' पॉयरो ने शान्ति से बताया।

'हाँ, ज़रूर! तुम बेहद गुस्सा थे। तुम्हें याद है? वह तब था जब तुम्हें मिसेज़ इंग्लथोर्प के सोने वाले कमरे में रखे छोटे बक्से के ताले से किसी का जबरदस्ती करना पता चला था। तुम मैंटलपीस के पास खड़े थे, वहाँ रखी हुई चीज़ों को अपने ढंग से रख रहे थे, और तुम्हारा हाथ पत्ते की तरह हिल रहा था। मैं यह ज़रूर कहूँगा—'

पर मैं अचानक रुक गया। क्योंकि पॉयरो ने एक फटी और अस्पष्ट आवाज़ के साथ पत्तों से बना सुन्दर भवन तोड़ दिया और अपने हाथों को आँखों पर रखकर आगे पीछे झूलने लगा, स्पष्ट था कि वह अत्यधिक संघर्ष से गुजर रहा था।

मैं चिल्ला उठा, 'हे प्रभु, पॉयरो, क्या हुआ? क्या तुम्हारी तबियत ख़राब हो गयी है?'

वह हाँफते हुए बोला, 'नहीं, नहीं, यह — यह — कि मेरे मन में एक ख़्याल है।'

मैं बहुत राहत के साथ बोला, 'ओह! वही तुम्हारा कोई छोटा विचार।'

पॉयरो ने साफ़-साफ़ जवाब दिया, 'नहीं, इस बार बहुत बड़ा विचार है। आश्चर्यजनक रूप से बड़ा! और तुमने-तुमने, मेरे दोस्त, मुझे वह सुझाया है।'

अचानक उसने मुझे बाँहों में बाँध लिया, मेरे दोनों गालों पर गरमाई से चुम्बन दिया और इससे पहले कि मैं अपने ताज्जुब से उबरता, वह कमरे से सीधा भाग निकला।

उसी वक़्त मेरी कैवेन्डिश अन्दर आयी।

'मि. पॉयरो को क्या हुआ है? वह मेरे पास से चिल्लाता हुआ भागा, गैराज़! भगवान के वास्ते, मैडम, मुझे एक गैराज़ का रास्ता बता दो!' मेरे जवाब देने से पहले वह सड़क पर भाग गया।

मैं जल्दी से खिड़की की तरफ़ बढ़ा। सच में, वह बिना हैट पहने, हाथों से इशारे करता सड़क पर से दौड़ा जा रहा था। मैं निराशा की मुद्रा में मेरी की तरफ़ मुड़ा।

'पल भर में कोई पुलिसवाला उसे रोक लेगा। वह वहाँ जा रहा है, कोने से मुड़ गया है।'

हमारी आँखें मिलीं, हमने विवशता से एक-दूसरे को देखा।

'क्या हो सकता है?'

मैंने सिर हिला दिया। 'मैं नहीं जानता। वह ताश के पत्तों से घर बना रहा था, तभी अचानक उसने कहा उसे एक विचार सूझा और भागने लगा, वह तो तुमने देखा ही था।'

मेरी बोली, 'चलो, मुझे लगता है रात के खाने के वक़्त से पहले लौट आयेगा।'

पर रात हो गयी, और पॉयरो नहीं लौटा।

बारहवाँ अध्याय
अन्तिम कड़ी

पॉयरो के अचानक चले जाने ने हमें बहुत कुतुहल में डाल दिया था। इतवार की सुबह बीत गयी, फिर भी वह नहीं लौटा। लगभग तीन बजे बाहर से आती एक तीव्र, लम्बी हॉर्न की आवाज़ ने हमें खिड़की तक जाने को मजबूर कर दिया, देखा पॉयरो, जैप और समरहाय के साथ एक कार से उतर रहा था। वह छोटा आदमी बदल गया था। वह बेतुके आत्मसन्तोष से चमक रहा था। मेरी कैवेन्डिश को आदर दिखाने के लिए बढ़-चढ़कर झुका।

'मैडम, क्या सैलून में एक छोटा-सा पुनर्मिलन रखने की अनुमति देंगी? सबका मौजूद रहना ज़रूरी है।'

मेरी ने उदास मुस्कान दी।

'तुम जानते हो मि. पॉयरो, तुम्हें हर तरह की स्वतन्त्रता है।'

'मैडम, आप बहुत स्नेहपूर्ण हैं।'

पॉयरो मुस्कराते हुए हम सब को बेठक में ले गया, साथ-साथ कुर्सियाँ आगे खींचता गया।

'मिस हॉवर्ड — यहाँ। मिस सिंथिया, मि. लॉरेंस/अच्छी डॉरकस/और ऐवी/चलो! हमें अपनी कार्यवाही शुरू करने के लिए कुछ देर मि. इंग्लथोर्प के आने का इन्तज़ार करना पड़ेगा। मैंने उन्हें एक पर्ची भेजी है।'

मिस हॉवर्ड फ़ौरन अपनी सीट पर से उठकर खड़ी हो गयी।

'अगर वह आदमी घर में आयेगा तो मैं यहाँ से जा रही हूँ।' पॉयरो उसके पास गया, धीमी आवाज़ में उससे ख़ुशामद करने लगा। 'नहीं, नहीं।'

आख़िर मिस हॉवर्ड अपनी कुर्सी पर लौटने को राजी हो गयीं। कुछ मिनट बाद एल्फ़्रेड इंग्लथोर्प कमरे में घुसा।

एक बार जब सब इकट्ठा हो गये, तो पॉयरो अपनी कुसी से ऐसे उठा जैसे कोई लोकप्रिय प्राध्यापक हो और अपने श्रोताओं की तरफ़ देखकर नम्रता से अभिवादन में झुका।

'सज्जनों और महिलाओं, जैसा कि आप सब जानते हो, मुझे जॉन कैवेन्डिश ने इस मामले की जाँच के लिए बुलाया था। मैंने फ़ौरन मृतका के कमरे की जाँच की थी, जो डॉक्टरों की ताला लगाकर रखने की सलाह के कारण ज्यों का त्यों था। मुझे पहले हरे रंग के कपड़े का एक टुकड़ा मिला, दूसरे खिड़की के पास कालीन पर एक दाग दिखा, जो तब तक भी गीला था, तीसरा ब्रोमाइड पाउडर का खाली डिब्बा था।

सबसे पहले हरे कपड़े के टुकड़े को लिया जाये तो वह मुझे मिस सिंथिया के कमरे से जोड़ने वाले दरवाज़े की सिटकिनी में फँसा मिला था। मैंने वह पुलिस को दे दिया था उन्होंने उसे महत्व नहीं दिया। न ही वे उसे पहचान पाये कि वह क्या हो सकता था — वह ग्रीनलैंड बाजूबन्द से फटा एक टुकड़ा था।'

हल्की-सी उत्तेजना की लहर दौड़ गयी।

'अब स्टाईल्स में सिर्फ़ एक इंसान जो लैंड पर काम करती थीं वे मिसेज़ कैवेन्डिश थीं। इसलिए वह उन्हीं का रहा होगा, वे मिस सिंथिया के कमरे से मृतका के कमरे में गयी होंगी।'

मैं चिल्लाया, 'पर वह दरवाज़ा तो अन्दर से बन्द था।'

'जब मैंने देखा, तब हाँ बन्द था। पर पहली बात तो यह है कि हमारे पास तो सिर्फ़ उनका यह कहना ही है, क्योंकि उन्होंने ही इस दरवाज़े को खोलना चाहा था और बताया कि वह बन्द था। फिर गड़बड़ी के दौरान उनके पास काफ़ी समय था जब वे सिटकिनी लगा सकती थीं। मैंने जल्दी से अपने अन्दाजे को जाँचने का मौक़ा निकाला। शुरू में ही बताऊँ तो वह टुकड़ा मिसेज़ कैवेन्डिश के बाजूबन्द के फटे टुकड़े से पूरी तरह जुड़ता है। जाँच के समय मिसेज़ कैवेन्डिश ने बताया था कि उन्होंने अपने कमरे से पलंग के पास की मेज़ के गिरने की आवाज़ सुनी थी। मैंने इस कथन की जाँच के लिए अपने दोस्त मि. हेस्टिंग्स को इमारत के बाँये हिस्से में मिसेज़ कैवेन्डिश के दरवाज़े के बाहर

खड़ा रखा। मैं पुलिस के साथ मृतका के कमरे में गया, जब मैं वहाँ था, तब मैंने ऐसे दिखाया जैसे ग़लती से मेज़ गिर गयी; पर मेरी उम्मीद के मुताबिक मि. हेस्टिंग्स को कोई आवाज़ सुनायी नहीं दी। इससे मुझे विश्वास हो गया कि मिसेज़ कैवेन्डिश का यह कहना कि त्रासदी के समय वे अपने कमरे में तैयार हो रही थी, सच नहीं था। वास्तव में, मुझे भरोसा था कि अपने कमरे में होना तो दूर, मिसेज़ कैवेन्डिश तो चेतावनी दिये जाने के समय मृतका के कमरे में ही थीं।'

मैंने जल्दी से मेरी पर एक नज़र डाली। उसका रंग पीला पड़ गया था पर वह मुस्करा रही थी।

'मैं इस पूर्वानुमान की दिशा में सोचने लगा। मिसेज़ कैवेन्डिश अपनी सास के कमरे में है। हम कहेंगे कि वह कुछ ढूँढ़ रही है, जो अभी नहीं मिला है। अचानक मिसेज़ इंगलथोर्प जाग जाती हैं, उन्हें एक डरावना दौरा पड़ता है। वे अपनी बाँहें फैलाती है, इससे बिस्तर के पास की मेज़ गिर जाती है, फिर वे ज़ोर से घण्टी खींचती हैं। मिसेज़ कैवेन्डिश चौंक उठती हैं, उसकी मोमबत्ती गिर जाती है, कालीन पर मोम फैल जाता है। वह उसे उठाकर जल्दी से मिस सिंथिया के कमरे में जाते हुए पीछे से दरवाज़ा बन्द कर देती है। वह झट से गलियारे में निकलती हैं, ताकि नौकर उसे वहाँ न देखें जहाँ वह थी। पर पहले ही देर हो चुकी थी। दोनों हिस्सों को जोड़ने वाले गलियारे में से पैरों की आवाज़ आ रही थी। वह क्या करे? झट से सोचकर वह युवती के कमरे में वापस चली जाती है और उसे हिलाकर जगाना चाहती है। जल्दी से जगे हुए घर के लोग गलियारे में भागे चले आ रहे थे। वे सब मिसेज़ इंगलथोर्प का दरवाज़ा खटखटाने में लग गये। किसी को यह नहीं सूझा कि बाकी सबके साथ मिसेज़ कैवेन्डिश नहीं आयी थीं, पर — यह महत्वपूर्ण है — मुझे कोई ऐसा नहीं मिला जिसने उसे दूसरे हिस्से से आते हुए देखा हो।' उसने मिसेज़ कैवेन्डिश की तरफ़ देखा, 'क्या मैं ठीक कह रहा हूँ, मैडम?'

उसने अपना सिर झुका लिया। 'मिस्टर, काफ़ी सही है। आप यह समझ सकते हो कि अगर मुझे यह पता होता कि इन तथ्यों को मेरे बताने पर मेरे पति का कुछ भला हो सकता था तो मैं ज़रूर वैसा करती। पर मुझे नहीं लगा कि इसका उसके अपराध या निर्दोष होने के प्रश्न पर कोई प्रभाव पड़ना था।'

'मैडम, एक तरह से यह सही है। पर इससे मेरे मन की ग़लत धारणाएँ मिट गयीं। अब मैं दूसरे तथ्यों के वास्तविक महत्व को देखने के लिए आज़ाद हो गया।

लॉरेंस चिल्लाया, 'वसीयत! तो मेरी, तुम थीं जिसने वसीयत नष्ट की थी?'

उसने सिर हिलाया, और पॉयरो ने भी।

वह शान्ति से बोली, 'नहीं, सिर्फ़ एक इंसान है जो उस वसीयत को नष्ट कर सकता था — ख़ुद मिसेज़ इंगलथोर्प।'

मैं ज़ोर से बोला, 'असम्भव! उन्होंने उसी दोपहर को उसे बनाया था।'

'जो भी हो, दोस्त, वह मिसेज़ इंगलथोर्प ही ने किया था। क्योंकि मिसेज़ इंगलथोर्प ने साल के सबसे गरम दिन अपने कमरे में अँगीठी जलाने का हुक्म दिया था। उसका कोई और कारण नहीं दिया जा सकता।'

मैंने एक लम्बी सांस खींची। हम कितने बेवक़ूफ़ रहे जो उस आग के बेतुकेपन के बारे में नहीं सोचा! पॉयरो कहता गया।

'सज्जनों, उस दिन का तापमान छाया में 400 था। फिर भी मिसेज़ इंगलथोर्प ने आग जलाने का हुक्म दिया था, क्यों? क्योंकि वे कुछ मिटाना चाहती थीं और उन्हें कोई तरीका सूझ नहीं रहा था। तुम्हें याद होगा कि युद्ध की वजह से स्टाईल्स में क़िफ़ायत की बात सोची जाती थी, कोई बेकार काग़ज़ भी फेंका नहीं जाता था। इसलिए वसीयत जैसे मोटे काग़ज़ों को नष्ट करने का कोई साधन नहीं था। जब मैंने मिसेज़ इंगलथोर्प के कमरे में आग जलाये जाने की बात सुनी, तो मैं इस नतीजे पर पहुँचा कि कोई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ नष्ट करने के लिए ऐसा किया गया होगा, हो सकता है कि वसीयत ही हो। इसलिए अँगीठी में जले हुए काग़ज़ों के मिलने से मुझे ताज्जुब नहीं हुआ। यह ज़रूर है कि उस वक़्त मैं यह नहीं जानता था कि जलाई जाने वाली वसीयत उसी दोपहर को बनाई गयी थी। मैं यह भी स्वीकार करूँगा कि जब मुझे असलियत पता चली, तब मैंने बहुत बड़ी ग़लती कर दी। मैं इस नतीजे पर पहुँच गया कि मिसेज़ इंगलथोर्प का वसीयत को नष्ट करने का निश्चय उस दोपहर के झगड़े का सीधा नतीजा था, इसलिए वसीयत लड़ाई से पहले नहीं बाद में बनाई गयी थी।'

'जैसा कि हम जानते हैं, यहाँ मैं ग़लत था, और मुझे यह विचार छोड़ना पड़ा। मैंने समस्या का नये दृष्टिकोण से सामना किया। अब, चार बजे, डॉरकस ने अपनी मालकिन को गुस्से से कहते सुना, 'तुम्हें यह सोचने की जरूरत नहीं है कि बात फैलने या पति-पत्नी की बदनामी होने का डर मुझे विचलित कर देगा।' मैंने अन्दाजा लगाया और सही लगाया कि ये शब्द वे अपने पति से नहीं, बल्कि मि. जॉन कैवेन्डिश से कह रही थीं। एक घण्टे बाद, पाँच बजे, वे लगभग वही शब्द इस्तेमाल करती हैं, पर दृष्टिकोण अलग था। उन्होंने डॉरकस से स्वीकार किया 'मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करूं; पति-पत्नी के बीच बदनामी बड़ी भयंकर चीज़ है।' चार बजे वे गुस्सा थी; पर पूरी तरह अपनी मालकिन थीं। पाँच बजे वे बेहद परेशान थीं और बहुत 'बड़े सदमे' की बात कर रही थीं।'

'इस मामले को मनोवैज्ञानिक ढंग से देखने से मैं एक नतीजे पर पहुँचा, जो मुझे ठीक लगा। दूसरी बार जो बदनामी की बात कही गयी, वह पहली वाली नहीं थी — बल्कि उनसे जुड़ी थी।'

'पूरे केस की कल्पना दुबारा करते हैं। चार बजे मिसेज़ इंगलथोर्प का अपने बेटे से झगड़ा हुआ, उन्होंने उसे धमकी दी कि उसकी पत्नी से उसकी बुराई करेंगी — पर पत्नी ने यूँ ही बातचीत का ज़्यादा हिस्सा सुन लिया। साढ़े चार बजे, मिसेज़ इंगलथोर्प ने वसीयतों की वैधता के बारे में बातचीत होने के कारण पति के पक्ष में वसीयत बनायी, जिसके साक्षी दोनों माली बने। पाँच बजे डॉरकस को अपनी मालकिन काफ़ी परेशान दिखी, उनके हाथ में काग़ज़ का एक टुकड़ा था, जो डॉरकस के ख़्याल से — एक पत्र था। इस वक़्त उन्होंने अपने कमरे की अँगीठी में आग जलाने का हुक्म दिया था। तो अनुमानत: साढ़े चार बजे से पाँच के बीच कुछ ऐसा हुआ होगा, जिससे उनकी भावनाएँ पूरी तरह बदल गयीं, क्योंकि अब वे उस वसीयत को नष्ट करने के लिए उतनी ही आतुर थीं, जितनी बनाने के लिए थीं। वह 'कुछ' क्या था?'

जहाँ तक हम जानते हैं, उस आधे घण्टे में वे काफ़ी अकेली थीं। उस बीच बैठक में कोई आया गया नहीं। फिर अचानक भावनाओं में इतना बदलाव किस कारण हुआ?'

'कोई अन्दाज़ ही लगा सकता है, पर मेरा विश्वास है कि मेरा अन्दाज़ सही है। मिसेज़ इंगलथोर्प के डेस्क में टिकट नहीं थे। यह बात हम इसलिए जानते हैं क्योंकि उन्होंने बाद में डॉरकस से डाक टिकट लाने को कहा था। कमरे के दूसरे छोर पर उनके पति का डेस्क था — उस पर ताला लगा था। वे टिकट ढूँढ़ना चाहती थीं, और मेरी परिकल्पना है कि उन्होंने उस डेस्क को अपनी चाभी से खोलने की कोशिश की। मैं जानता हूँ कि एक चाभी लग गयी थी। अत: उन्होंने डेस्क खोल लिया। टिकट ढूँढ़ते वक़्त उन्हें कुछ और मिल गया — वह काग़ज़ का टुकड़ा जो डॉरकस ने उनके हाथ में देखा था, और जो निश्चित रूप से मिसेज़ इंगलथोर्प के देखने के लिए नहीं था। दूसरी तरफ़ मिसेज़ कैवेन्डिश को लगा कि जिस काग़ज़ को उसकी सास इतना कसकर पकड़े हुए थीं, वह ज़रूर उसके पति के अपनी शादी में विश्वासघात का लिखित प्रमाण था। उसने मिसेज़ इंगलथोर्प से वह काग़ज़ माँगा, उन्होंने सच कहते हुए विश्वास दिलाया कि काग़ज़ का उस मामले से कोई ताल्लुक नहीं था। मिसेज़ कैवेन्डिश को विश्वास नहीं हुआ। उसने सोचा कि मिसेज़ इंगलथोर्प अपने सौतेले बेटे को बचाने की कोशिश कर रही थीं। मिसेज़ कैवेन्डिश काफ़ी दृढ़निश्चयी स्त्री हैं, अपने संयम के पर्दे के पीछे वह पति को लेकर पागलों की तरह ईर्ष्यालु है। उसने वह काग़ज़ हर क़ीमत पर लेना चाहा, मौके ने उसके निश्चय की मदद की। उसने मिसेज़ इंगलथोर्प के छोटे बक्से की चाभी उठा ली, जो उस सुबह से खोई हुई थी। वह जानती थी कि उसकी सास हमेशा अपने सारे महत्वपूर्ण काग़ज़ों को उस छोटे बक्से में रखा करती थी।'

'इसलिए मिसेज़ कैवेन्डिश ने अपनी योजना बनायी जो ईर्ष्या से पागल एक औरत ही बना सकती थी। उसने मिस सिंथिया के कमरे में खुलने वाला दरवाज़ा शाम को किसी वक़्त खोल दिया। शायद उसने दरवाज़े के क़ब्ज़ों पर तेल भी लगाया होगा, क्योंकि जब मैंने खोलने की कोशिश की थी, तब वह बिना आवाज़ किए खुल गया था। उसने अपनी योजना को सुबह तक के लिए टाल दिया कि वह समय ज़्यादा सुरक्षित था। उस वक़्त उसके अपने कमरे में घूमने की आवाज़ों को सुनने की आदत नौकरों को भी थी। उसने ख़ुद को अपने लैंड के कपड़ों में पूरी तरह तैयार कर लिया और चुपचाप मिस सिंथिया के कमरे से होती हुई मिसेज़ इंगलथोर्प के कमरे में चली गयी।'

वह पल भर को रुका, मिस सिंथिया ने बीच में रोका 'पर मेरे कमरे में से कोई निकला था, तो मुझे जाग जाना चाहिए था?'

'नहीं, मिस, तुम्हें दवा दी गयी थी।'

'दवा?'

'हाँ।'

पॉयरो ने फिर सबको सम्बोधित करते हुए कहा, 'आप सबको याद होगा — कि उस सारी गड़बड़ी और शोर के बावजूद मिस सिंथिया दूसरे कमरे में सोती रही। इससे दो सम्भावनाएँ निकलती थीं। या तो वह नींद का नाटक कर रही थी — जिसका मुझे विश्वास नहीं था — या उसकी बेहोशी किन्हीं बनावटी साधनों से लायी गयी थी।'

'बाद वाला विचार मन में होने की वजह से मैंने सारे कॉफ़ी के प्यालों की बहुत ध्यान से जाँच की, मुझे याद था कि पिछली रात को मिसेज़ कैवेन्डिश ने मिस सिंथिया को कॉफ़ी दी थी। मैंने हर प्याले से नमूना लिया और जाँच करवाई — पर कोई नतीजा नहीं निकला। मैंने प्याले ध्यान से गिने थे, पर एक कप हटा दिया गया था। छः आदमियों ने कॉफ़ी पी थी और छहों कप मिल गये थे। मुझे मानना पड़ा कि मैं ग़लत था।'

'फिर मुझे पता चला कि मुझसे बहुत बड़ी ग़लती हुई थी। कॉफ़ी सात लोगों के लिए लायी गयी थी, क्योंकि उस शाम डॉ. बॉयरस्टीन वहाँ थे। इससे पूरे मामले का रूप बदल गया, क्योंकि अब एक कप कम था। नौकरों को कुछ पता नहीं था, क्योंकि घर की कामवाली ऐवी जो कॉफ़ी लायी थी वह सात प्याले लायी थी, यह नहीं जानती थी कि मि. इंग्लथोर्प भी कॉफ़ी नहीं पीते थे, जबकि डॉरकस, जिसने अगले दिन सफ़ाई की थी, उसे हमेशा की तरह छः मिले — या सच पूछो तो पाँच मिले, छठा मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में टूटा हुआ मिला।'

'मुझे विश्वास था कि छठा प्याला मिस सिंथिया का था। मेरे विश्वास का एक और कारण यह तथ्य था कि जो प्याले मिले थे, उन सबमें चीनी थी, जबकि मिस सिंथिया कॉफ़ी में चीनी नहीं डालती थी। मेरा ध्यान ऐवी की कोको की ट्रे जो वह हर रात को मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे में ले जाती थी, उसमें थोड़ा नमक पड़ा होने की कहानी की ओर गया। उसके अनुसार मैंने कोको का एक नमूना लिया और विश्लेषण के लिए भेज दिया।'

लॉरेंस जल्दी से बोला, 'पर वह तो डॉ. बॉयरस्टीन पहले ही करवा चुके थे।'

'वास्तव में नहीं। उन्होंने जाँच में सिर्फ़ स्ट्रिकनीन के होने या न होने का पता करवाया था। उन्होंने वह जाँच नहीं करवायी थी जो मैंने करवाई, वह बेहोशी की दवा वाली थी।'

'नशीले पदार्थ के लिए?'

'हाँ। जाँच की रिपोर्ट यहाँ है। मिसेज़ कैवेन्डिश ने मिसेज़ इंग्लथोर्प और मिस सिंथिया दोनों को एक निरापद पर प्रभावशाली नशीला पदार्थ दिया था। और यह सम्भव था कि उसके फलस्वरूप उन्हें कुछ देर की बेहोशी आयी हो। जब अचानक उसकी सास बीमार हुईं और मर गईं, तब उसकी भावनाओं की कल्पना कीजिए। फ़ौरन बाद उसने 'ज़हर' शब्द सुना। उसे यह विश्वास था कि जो नींद की दवा उसने दी थी, वह पूरी तरह हानिरहित थी, पर निस्सन्देह एक भयानक पल को उसे यह डर लगा होगा कि मिसेज़ इंग्लथोर्प की मृत्यु का दोष उस पर आयेगा। वह डर गयी और उसके प्रभावस्वरूप जल्दी से नीचे गयी, जल्दी से मिस सिंथिया वाले प्याले को बड़े पीतल के फूलदान में डाल दिया, जहाँ वह बाद में मि. लॉरेंस को मिला। बची हुई कोको को छूने की उसकी हिम्मत नहीं हुई थी क्योंकि बहुत-सी आँखें उस पर लगी हुई थीं। जब स्ट्रिकनीन का नाम लिया गया तो उसकी राहत की कल्पना की जा सकती है। उसे पता चल गया कि अन्ततः उस त्रासदी का कारण वह नहीं थी।'

'अब हम यह जान सकते हैं कि स्ट्रिकनीन ज़हर के लक्षणों ने दिखने में इतना समय क्यों लगाया। स्ट्रिकनीन के साथ नशीला पदार्थ लिया जाये तो ज़हर का असर कुछ घण्टों बाद ही दिखता है।'

पॉयरो रुका। मेरी ने उसकी तरफ़ देखा, उसके चेहरे का रंग धीरे-धीरे लौटने लगा था।

'मि. पॉयरो, तुमने जो कुछ कहा, वह सब सच है। वह घण्टा मेरे जीवन का सबसे भयानक वक़्त था। मैं उसे कभी नहीं भूल सकती। पर मैं अब समझी हूँ, कि तुम आश्चर्यजनक हो—'

'अब समझी हो कि मैंने जब तुमसे क्यूँ कहा था कि तुम पापा पॉयरो को बेफ़िक्री से सब कुछ बता सकती हो, हैं? पर तुमने मुझ पर भरोसा नहीं किया।'

लॉरेंस बोला, 'अब मैं सब कुछ समझ रहा हूँ। दवा मिली कोको, ज़हरीली कॉफ़ी के बाद पी लेने के कारण देर हुई।'

'बिल्कुल। पर क्या कॉफ़ी में ज़हर था या नहीं? यहाँ थोड़ी मुश्किल है, क्योंकि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने कॉफ़ी पी ही नहीं

थी।'

आश्चर्य के साथ सब एक सुर में बोल पड़े, 'क्यों?'

'नहीं। तुम्हें याद होगा कि मैंने मिसेज़ इंग्लथोर्प के कमरे के कालीन पर पड़े दाग़ की बात की थी? उस दाग़ में कुछ अजीब बिन्दु थे। वह तब भी गीला था, उसमें से कॉफ़ी की तीखी गंध आ रही थी, और मुझे कालीन के रोओं में धँसी हुई काँच की किरचें दिखी थीं। जो हुआ था, मुझे स्पष्ट हो गया, क्योंकि मैंने दो मिनट पहले खिड़की के पास वाली मेज़ पर अपना छोटा बक्सा रखा था, मेज़ टेढ़ी हुई और मेरा बक्सा फ़र्श पर ठीक उसी जगह गिरा। बिल्कुल इसी तरह पिछली रात मिसेज़ इंग्लथोर्प ने कमरे में पहुँचने पर अपना कॉफ़ी का प्याला रखा होगा, और धोखेबाज़ मेज़ ने उसके साथ वही चाल खेली होगी।'

'आगे क्या हुआ था, उसकी मैं कल्पना कर सकता हूँ, पर मैं इतना कहूँगा कि मिसेज़ इंग्लथोर्प ने टूटे प्याले को उठाकर पलंग के पास वाली मेज़ पर रखा होगा। किसी तरह के उत्तेजक पेय को पीने की ज़रूरत महसूस करने पर उन्होंने अपनी कोको गरम की, और तभी के तभी पी ली। अब हमारे सामने एक नयी समस्या आती है। हम जानते हैं कि कोको में स्ट्रिकनीन नहीं थी। कॉफ़ी पी ही नहीं गयी। फिर भी शाम के सात से नौ के बीच स्ट्रिकनीन दी गयी थी। कौन-सा तीसरा माध्यम वहाँ था — एक माध्यम जो स्ट्रिकनीन के स्वाद को छिपाने के लिए सही था, पर इतना असाधारण था कि किसी और ने उसके बारे में सोचा ही नहीं?' पॉयरो ने कमरे में चारों तरफ़ देखा और फिर ख़ुद ही प्रभावोत्पादक ढंग से जवाब दिया।, 'उनकी अपनी दवाई।'

मैंने चिल्लाकर पूछा, 'तुम्हारा मतलब हत्यारे ने उनके टॉनिक में स्ट्रिकनीन मिला दी थी?'

'इसकी ज़रूरत ही नहीं थी। वह पहले से ही मिक्सचर में थी। मिसेज़ इंग्लथोर्प को मारने वाली स्ट्रिकनीन डॉ. विल्किन्स की बताई हुई स्ट्रिकनीन से मिलती-जुलती थी। तुम्हें बात स्पष्ट करने के लिए मैं टैडमिन्स्टर के रेडक्रॉस अस्पताल की डिस्पेन्सरी में मिली दवाइयों से जुड़ी एक किताब का कुछ अंश पढ़कर सुनाता हूँ :

'पाठ्य पुस्तकों में निम्नलिखित नुस्ख़ा प्रचलित हो गया है:

स्ट्रिकनीन सल्फ 1 ग्रेन

पोटाश ब्रॉमाइड 3vi

ऐक्वा एड 3viii

फिएट मिस्चूरा

कुछ घण्टों में इस घोल में से स्ट्रिकनीन का ज़्यादातर हिस्सा बिना घुले ब्रोमाइड के पारदर्शी क्रिस्टल जैसा बन जाता है। इंग्लैंड में एक महिला ने ऐसा ही मिक्स्चर पीकर जान गँवा दी थी: बोतल में नीचे स्ट्रिकनीन जमकर इकट्ठी हो गयी थी, आख़िरी ख़ुराक लेते वक़्त उसने लगभग वह पूरी सटक ली थी।'

अब डॉ. बिल्किन्स के नुस्खे में ब्रोमाइड ज़रूर नहीं था, पर तुम्हें याद होगा कि मैंने ब्रोमाइड पाउडर के एक खाली डिब्बे का ज़िक्र किया था। किताब में यह लिखा है कि दवाई की पूरी बोतल में पाउडर की एक या दो पुड़िया मिला देने से वह स्ट्रिकनीन प्रभावशाली ढंग से जमा देती है, और आख़िरी ख़ुराक में सब एक साथ चली जाती है। तुम्हें बाद में पता चलेगा कि जो भी मिसेज़ इंग्लथोर्प को दवाई डाल कर देता था, वह बहुत ध्यान रखता था कि बोतल को हिलाये नहीं, ताकि नीचे जमी तलछट हिले नहीं।'

'पूरे मामले के दौरान यह प्रमाण मिलते रहे कि यह दुर्घटना सोमवार शाम के लिए तय की गयी थी। उस दिन मिसेज़ इंग्लथोर्प की घण्टी सफ़ाई से काट दी गयी थी, और सोमवार की शाम से मिस सिंथिया अपने दोस्तों के साथ रात बिताने वाली थी, जिस वजह से मिसेज़ इंग्लथोर्प दाहिने हिस्से में बिल्कुल अकेली होती और उन्हें किसी तरह की मदद भी नहीं मिलती। पूरी सम्भावना थी कि वे डॉक्टरी मदद बुलायें जाने से पहले मर जातीं। परन्तु गाँव में होने वाले मनोरंजन के लिए वक़्त पर पहुँचने की जल्दी में मिसेज़ इंग्लथोर्प दवाई लेना भूल गईं, और अगले दिन उन्होंने घर से बाहर दोपहर का भोजन खाया, इसलिए आख़िरी — और घातक — ख़ुराक वास्तव में हत्यारे के पूर्वानुमान के चौबीस घण्टे बाद में ली गयी। उस देरी की वजह से आख़िरी प्रमाण — जंजीर की आख़िरी कड़ी — अब मेरे हाथों में आयी है।'

सांस रोकने वाली उत्तेजना के बीच उसने कागज़ की तीन पतली पट्टियाँ पकड़ कर आगे कीं।

'हत्यारे के हाथ से लिखा गया पत्र! अगर इसकी शब्दावली थोड़ी और स्पष्ट होती और मिसेज़ इंग्लथोर्प को समय पर चेतावनी मिल पाती, तो वे बच सकती थीं। वैसे तो वे अपने ऊपर के ख़तरे के बारे में जानती थीं, पर उसके रूप के बारे में अनजान थी।'

मौत के से सन्नाटे में, पॉयरो ने उन पट्टियों को जोड़ा और गला साफ़ करके पढ़ने लगा :

प्रिय ऐवेलिन,

कोई ख़बर न मिलने की वजह से तुम चिन्तित होगी। सब ठीक है, — सिर्फ़ कल रात की जगह आज रात होगा। तुम समझ गईं। एक बार यह बुढ़िया मर जाये और बीच से हट जाये तो अच्छा वक़्त आ जायेगा। मुझ पर दोष लगाना किसी के लिए सम्भव नहीं होगा। ब्रोमाइड के बारे में तुम्हारा विचार मौलिक सूझपूर्ण था! पर हमें बहुत सतर्क रहना है। एक ग़लत कदम—'

'दोस्तों, यहाँ पत्र ख़त्म हो गया है। निस्सन्देह लिखने वाले के लिए कोई रुकावट आयी होगी; पर उसकी पहचान के बारे में कोई प्रश्न नहीं उठ सकता। हम सब उसकी लिखायी जानते हैं, और—'

सन्नाटे को चीरती हुई एक चीख़ जैसी आवाज़ आई : 'शैतान! तुझे यह सब कैसे पता चला?'

एक कुर्सी पलटी। पॉयरो कुर्सी से कूदकर एक तरफ़ हो गया। उसके तेज़ी से हट जाने की वजह से उसका हमलावर ज़ोर से गिर गया।

पॉयरो ने आडम्बरपूर्ण ढंग से कहा :

'महिलाओं और सज्जनों, मैं आपको हत्यारे मि. एल्फ्रेड इंग्लथोर्प से मिलवाता हूँ!'

तेरहवाँ अध्याय
पॉयरो स्पष्ट करता है

मैंने कहा, 'पॉयरो, दुष्ट आदमी, मेरा मन करता है कि तुम्हारा गला घोंट दूँ! मुझे इस तरह धोखा देने की क्या वजह है?'

हम लाइब्रेरी में बैठे थे। भागदौड़ वाले काफ़ी दिन बीत चुके थे। नीचे वाले कमरे में जॉन और मेरी मिल के साथ थे, जबकि एल्फ्रेड इंगलथोर्प और मिस हॉवर्ड जेल में थे। अब आख़िर पॉयरो मेरे साथ था, और मेरी जलती जिज्ञासा को शान्त कर सकता था।

पॉयरो ने एक पल के लिए कोई जवाब नहीं दिया, फिर बोला, 'मैंने तुम्हें धोखा नहीं दिया। ज़्यादा से ज़्यादा तुम मुझे यह दोष दे सकते हो कि मैंने तुम्हें अपने आपको धोखा देने दिया।'

'हाँ, पर क्यों?'

'यह बताना मुश्किल है। दोस्त, देखो, तुम ईमानदार प्रवृत्ति के हो, तुम्हारा चेहरा इतना पारदर्शी है कि तुम्हारे लिए अपनी भावनाएँ छिपाना असम्भव है। अगर मैं अपने विचारों को तुम्हें बता देता तो पहली बार तुमसे मिलते ही एल्फ्रेड इंगलथोर्प जैसा धूर्त आदमी — तुम्हारे अर्थपूर्ण मुहावरे में कहूँ तो — तत्काल सूँघ लेता। और फिर, हमारा उसे पकड़ पाने का मौक़ा विदा हो जाता।'

'मेरे ख़्याल से तुम मुझे जितना श्रेय देते हो, उससे कहीं ज़्यादा व्यवहार-कुशलता मुझमें है।'

पॉयरो ने अनुनय करते हुए कहा, 'मेरे दोस्त, मैं प्रार्थना करता हूँ, मुझसे नाराज़ मत हो। तुम्हारी मदद अमूल्य रही है। पर तुम्हारी बहुत अच्छी प्रकृति ने मुझे बताने से रोका था।'

थोड़ा शान्त होते हुए मैंने शिकायती स्वर में कहा, 'मैं अब भी सोचता हूँ कि तुम मुझे इशारा तो दे ही सकते थे।'

'पर इशारा मैंने कई बार दिया, तुम उसे पकड़ नहीं पाये। अब सोचो, क्या मैंने कभी भी तुमसे यह कहा कि मैं जॉन कैवेन्डिश को अपराधी मानता हूँ? बल्कि इसके विपरीत, क्या मैंने यह नहीं कहा कि उसका बरी होना लगभग तय था?'

'हाँ, पर—'

'और क्या मैंने इसके बाद फ़ौरन ही हत्यारे को सज़ा दिलवाने की मुश्किल के बारे में बात नहीं की थी? क्या तुम्हें यह साफ़ पता नहीं चला कि मैं दो बिल्कुल अलग लोगों की बात कर रहा था?'

'नहीं', मैं बोला, 'मुझे यह स्पष्ट नहीं हुआ।'

पॉयरो कहता गया, 'फिर बिल्कुल शुरू में क्या मैंने तुमसे कई बार यह नहीं कहा कि मैं एल्फ्रेड इंगलथोर्प की गिरफ़्तारी अभी नहीं चाहता? इससे तुम्हें कुछ तो समझना चाहिए था।'

'क्या तुम यह कहना चाहते हो कि तुम्हें उस पर तब से शक़ था?'

'हाँ! बात शुरू करूँ तो मिसेज़ इंगलथोर्प की मृत्यु से भले ही किसी को फ़ायदा होता, पर सबसे ज़्यादा फ़ायदा उनके पति को ही होना था। इससे बचा नहीं जा सकता था। जब मैं पहले दिन तुम्हारे साथ स्टाइल्स गया, तब मैं कुछ नहीं जानता था कि अपराध कैसे किया गया होगा, पर जितना मैंने मि. इंगलथोर्प को जाना, मैं समझ गया कि उसे अपराध से जोड़ने के लिए कुछ खोज पाना बहुत मुश्किल होगा। जब मैं भवन में पहुँचा तो फ़ौरन जान गया कि वसीयत मिसेज़ इंगलथोर्प ने ही जलायी थी, और उस बारे में, दोस्त, तुम कोई शिकायत नहीं कर सकते क्योंकि मैंने गर्मियों में सोने वाले कमरे में आग जलाने का महत्व तुम्हें बताने की पूरी कोशिश की थी।'

मैं बेचैनी से बोला, 'हाँ, हाँ! आगे बोलो।'

'जैसा कि मैंने कहा, मि. इंगलथोर्प के अपराध को लेकर मेरे विचार काफ़ी हिल गये थे। वास्तव में उसके ख़िलाफ़

इतने सबूत थे कि मुझे लगा कि उसने यह नहीं किया होगा।'

'तुमने अपना मन कब बदला?'

'जब मुझे पता चला कि मैं जितनी कोशिशें उसे बचाने की कर रहा था, वह उतनी ही अपनी गिरफ़्तारी की कर रहा था। फिर जब मुझे पता चला कि इंगलथोर्प का मिसेज़ रैक्स से कुछ लेना-देना नहीं था, वास्तव में जॉन कैवेन्डिश उसमें रुचि ले रहा था, तब मुझे काफ़ी भरोसा हो गया।'

'पर क्यों?'

'आसान-सी बात थी। अगर इंगलथोर्प का मिसेज़ रैक्स से गुप्त प्रेम चल रहा होता तो उसकी चुप्पी पूरी तरह समझी जा सकती थी। पर जब मुझे यह पता चला कि पूरा गाँव यह जानता था कि जॉन किसान की सुन्दर पत्नी की तरफ़ आकर्षित था, तब उसकी चुप्पी का अलग ही अर्थ निकलता था। यह दिखावा करना कि वह बदनामी से डरता था अर्थहीन था, क्योंकि उसके साथ कोई बदनामी जुड़ ही नहीं सकती थी। उसके इस व्यवहार ने मुझे तेज़ी से सोचने पर मजबूर किया, और मैं धीरे-धीरे इस नतीजे पर पहुँचा कि एल्फ्रेड इंगलथोर्प गिरफ़्तार होना चाहता था। बस, उस पल से मैं उतनी ही दृढ़ता से उसकी गिरफ़्तारी रोकने में लग गया।'

'एक मिनट रुको। मैं यह नहीं समझ पा रहा कि वह गिरफ़्तार होना क्यों चाहता था।'

'क्योंकि दोस्त, तुम्हारे देश का क़ानून है कि अगर कोई किसी अपराध से एक बार बरी हो जाता है, तो फिर कभी उसी अपराध के लिए पकड़ा नहीं जा सकता। उसका विचार बहुत होशियारी भरा था। मानना पड़ेगा कि वह आदमी कायदे का है। देखो, वह जानता था कि जिस स्थिति में वह था, उस पर शक़ होना ही था, इसलिए उसने बहुत ज़्यादा चालाकी से अपने ख़िलाफ़ सबूत तैयार किये। वह गिरफ़्तार होना चाहता था। तब वह कहीं और होने के द्वारा अपनी निर्दोषिता साबित कर देता और फिर, जीवन भर के लिए सुरक्षित हो जाता।

'पर मैं अब भी यह नहीं समझ पा रहा कि वह अपने कहीं होने को साबित करने के साथ केमिस्ट की दुकान पर कैसे जा सकता था?'

पॉयरो ने आश्चर्य से मुझे देखा।

'क्या यह सम्भव है? मेरे दोस्त! तुम अभी तक यह नहीं समझे कि केमिस्ट की दुकान पर मिस हॉवर्ड गयी थीं?'

'मिस हॉवर्ड?'

'बिल्कुल! और कौन? उसके लिए यह सबसे आसान था। वह अच्छी लम्बी औरत है, उसकी आवाज़ गहरी और मर्दों जैसी है; इसके अलावा, याद रखो, वे दोनों रिश्तेदार हैं, दोनों में स्पष्ट समानता है, ख़ासकर चाल और व्यवहार में। वह बिल्कुल सहज था। वे एक चतुर जोड़ी है।'

मैं बोला, 'मुझे यह अब भी कुछ अस्पष्ट लग रहा है कि ब्रोमाइड का काम कैसे किया गया।'

'तुम्हारे लिए मैं इसे जितना सम्भव होगा दुबारा बनाकर बताता हूँ। मैं ऐसा सोचता हूँ कि पूरे मामले की योजना मिस हॉवर्ड ने बनायी होगी। तुम्हें याद है एक बार वह कह रही थी कि उसके पिताजी डॉक्टर थे? शायद वह उनके लिए दवाएँ बनाती होगी, या जब मिस सिंथिया अपनी परीक्षा की तैयारी कर रही थी, तब घर में पड़ी डॉक्टरी की किताबों से यह विचार लिया होगा। जो भी हो वह यह जानती थी कि स्ट्रिकनीन के घोल मे ब्रोमाइड पाउडर मिलाने से स्ट्रिकनीन जल्दी ही जम जाता है। हो सकता है कि उसे यह विचार अचानक याद आया होगा। मिसेज़ इंगलथोर्प के पास ब्रोमाइड पाउडर का एक डिब्बा था, जिसमें से वह कभी-कभी रात को ले लेती थीं। मिसेज़ इंगलथोर्प की कूट्स से मँगाई हुई दवाई की बड़ी बोतल में चुपचाप एक या दो पुड़िया घोल देने से आसान क्या हो सकता था। तकरीबन कोई ख़तरा नहीं था। त्रासदी को पन्द्रह दिन बाद घटना था। अगर किसी ने इन दोनों में से किसी को दवाई छूते हुए देखा भी होता तो तब तक भूल गये होते। मिस हॉवर्ड झगड़े का नाटक करने के बाद घर से चली जाती। समय का बीतना, उसकी घर से अनुपस्थिति, सारे शक़ मिटा देती। हाँ, वह एक चतुर विचार था। अगर वे उसे ऐसे ही छोड़ देते, तो हो सकता है इस अपराध का दोष उन पर कभी नहीं लगता। पर वे सन्तुष्ट नहीं थे। उन्होंने ज़रा ज़्यादा चतुराई की कोशिश की — उसने उनका खेल बिगाड़ दिया।'

पॉयरो अपनी छोटी सिगरेट के कश लेता रहा, उसकी आँखें छत पर जमी हुई थीं।

'उन्होंने जॉन पर शक़ डालने की योजना बनायी। इसके लिए उन्होंने गाँव के केमिस्ट से स्ट्रिकनीन ख़रीदी और रजिस्टर में जॉन की लिखाई में हस्ताक्षर कर दिये।'

'सोमवार को मिसेज़ इंग्लथोर्प अपनी दवाई की आख़िरी ख़ुराक लेने वाली थीं। इसलिए सोमवार को छ: बजे गाँव से दूर की जगह पर एल्फ्रेड इंग्लथोर्प ने कई लोगों को दिख जाने की तैयारी की। मिस हॉवर्ड ने पहले उसके और मिसेज़ रैक्स के बारे में मनगढ़न्त कहानी बनायी थी, जिसकी वजह से वह बाद में चुप रहा। छ: बजे मिस हॉवर्ड मि. इंग्लथोर्प को रूप धर कर केमिस्ट की दुकान में घुसी, एक कुत्ते के बारे में कहानी सुनाकर स्ट्रिकनीन ख़रीदी, रजिस्टर में जॉन की लिखाई में एल्फ्रेड इंग्लथोर्प के हस्ताक्षर बनाये। जॉन की लिखावट वह पहले ही बहुत ध्यान से देख चुकी थी।

'पर अगर जॉन भी कहीं और होने का प्रमाण दे देता तो काम नहीं चलता, इसलिए उसने एक अज्ञात नोट लिखा — अब भी जॉन की लिखाई की नकल की — जो उसे एक निर्जन जगह ले जाता, जहाँ किसी के उसे देखने की सम्भावना ही नहीं थी।'

'यहाँ तक सब ठीक चलता रहा। मिस हॉवर्ड मिडलियम् लौट गयी। एल्फ्रेड इंग्लथोर्प स्टाईल्स में लौट आया। कुछ भी ऐसा नहीं था जो उसे संकट में डालता, क्योंकि स्ट्रिकनीन मिस हॉवर्ड के पास थी, जो आख़िर में सिर्फ़ जॉन कैवेन्डिश पर शक़ डालने की आड़ की तरह चाहिए थी।'

'पर अब एक अड़चन आ गयी। मिसेज़ इंग्लथोर्प ने उस रात दवाई नहीं खायी। इंग्लथोर्प ने अपनी पत्नी के माध्यम से घण्टी का टूटना, सिंथिया की अनुपस्थिति आदि की तैयारी की, सब व्यर्थ हो गयी। और फिर — उससे एक चूक हो गयी।'

'मिसेज़ इंग्लथोर्प बाहर थीं, वह अपनी साथिन को पत्र लिखने बैठ गया, उसे डर था कि वह योजना के नाकाम होने से घबरा न रही हो। हो सकता है कि मिसेज़ इंग्लथोर्प उसकी उम्मीद से पहले लौट आयीं। लिखते हुए पकड़े जाने की वजह से कुछ घबराकर उसने जल्दी से अपने डेस्क को बन्द करके ताला लगा दिया। उसे डर था कि अगर वह कमरे में रहा तो उसे दोबारा खोलना पड़े और मिसेज़ इंग्लथोर्प को वह पत्र उसके उठने से पहले दिखायी दे जाये। इसलिए वह बाहर चला गया और जंगल में टहलने लगा, वह सपने में भी नहीं सोच सकता था कि इस बीच मिसेज़ इंग्लथोर्प उसका डेस्क खोलकर उस फँसाने वाले काग़ज़ को पढ़ लेंगी।'

'पर जैसा कि हम जानते हैं, यही हुआ। मिसेज़ इंग्लथोर्प ने उसे पढ़ा और अपने पति तथा ऐवेलिन हॉवर्ड के विश्वासघात को जान गयीं, हालाँकि दुर्भाग्य से ब्रोमाइड वाले वाक्य से उनके मन में कोई चेतावनी नहीं पहुँची। वे जान गयी थीं कि वे ख़तरे में थीं — पर ये नहीं जानती थीं कि ख़तरा कहाँ था। उन्होंने तय किया कि वे अपने पति को कुछ नहीं बतायेंगी, पर बैठकर अपने वकील को पत्र लिखकर अगले दिन के लिए बुलाया और यह भी तय किया कि फ़ौरन नयी बनायी वसीयत को नष्ट कर देंगी। वे उस घातक पत्र को रख लेती हैं।'

'तो उनके पति ने उस पत्र को लेने के लिए उनके बक्से को ज़बरदस्ती खोजना चाहा था?'

'हाँ, और उसे पाने के लिए उसने जो इतना बड़ा ख़तरा उठाया उससे साफ़ हो जाता है कि वह उसका महत्व पूरी तरह जानता था। अगर वह पत्र न होता तो उसे किसी तरह उस अपराध से जोड़ा नहीं जा सकता था।'

'सिर्फ़ एक बात मेरी समझ में नहीं आयी कि जब वह पत्र उसे मिला था, तभी उसने नष्ट क्यों नहीं कर दिया था?'

'क्योंकि उसे अपने पास रखने का सबसे बड़ा ख़तरा नहीं उठा सकता था।'

'मैं समझा नहीं।'

'उसके नज़रिये से देखो। मुझे यह पता चला कि उसके पास पत्र उठाने के लिए सिर्फ़ पाँच मिनट थे जो हमारे पहुँचने से फ़ौरन पहले के थे। क्योंकि उससे पहले ऐवी सीढ़ियों में झाड़ू लगा रही थी, और जो भी दाहिने हिस्से में जाता, वह उसे देख सकती थी। दृश्य की कल्पना करो। वह किसी और दरवाज़े की चाबी से दरवाज़ा खोलकर कमरे में घुसता है — क्योंकि सभी दरवाज़ों की चाभियाँ एक-सी थीं। जल्दी से उनके बक्से तक पहुँचा — उसका ताला बन्द था, चाभियाँ कहीं दिख नहीं रही थीं। वह उसके लिए बड़ा आघात था, क्योंकि इसका मतलब यह हुआ कि वह कमरे में

अपने जाने को, अपनी उम्मीद के मुताबिक छिपा नहीं सकता था। पर वह यह भी साफ़-साफ़ जानता था कि काम बिगाड़ने वाले प्रमाण के लिए उसे ख़तरा लेना पड़ेगा। वह छोटे चाकू से ज़ोर लगाकर ताला खोलता है, सारे काग़ज़ पलटता है जब तक कि उसे वह काग़ज़ मिल नहीं जाता जिसे वह तलाश रहा था।'

'पर अब एक नयी दुविधा खड़ी हो गयी : वह उस काग़ज़ को अपने पास रखने की हिम्मत नहीं कर सकता था। उसे कमरे से निकलते हुए देखा जा सकता था — उसकी तलाशी ली जा सकती थी। अगर काग़ज़ उसके पास निकलता तो सर्वनाश निश्चित था। शायद, उसी वक़्त उसे नीचे से मि. वेल्स और जॉन के बैठक से निकलने की आवाज़ आयी होगी। उसे जल्दी से काम करना था। इस भयानक काग़ज़ के टुकड़े को कहाँ छिपाये? रद्दी की टोकरी के काग़ज़ रखे जाते हैं और वैसे भी उनकी जाँच की जाती है। उसे नष्ट करने का कोई साधन नहीं था और रखने की हिम्मत नहीं थी। उसने चारों तरफ़ देखा और उसे दिखा — दोस्त, तुम्हें क्या लगता है कि क्या दिखा होगा?'

मैंने सिर हिला दिया।

'पल भर में उसने पत्र की लम्बी, पतली पट्टियाँ काटीं, उन्हें लम्बी बत्ती की तरह बाँटा और जल्दी से फूलदान में दूसरी बत्तियों के बीच में घुसा दिया।'

मैंने आश्चर्य व्यक्त किया।

पॉयरो ने बोलना जारी रखा, 'कोई वहाँ देखने के बारे में सोच भी नहीं सकता था, और वह आराम से आकर अपने ख़िलाफ़ वाले उस एकमात्र काग़ज़ को नष्ट कर देता।'

मैं ज़ोर से बोल उठा, 'तो पूरा वक़्त वह हमारी नाक के नीचे, मिसेज़ इंगलथोर्प के शयनकक्ष में बत्तियों वाले फूलदान में रखा था?'

पॉयरो ने हामी में सिर हिलाया।

'हाँ, मेरे दोस्त, वहाँ मुझे अपनी आख़िरी कड़ी मिली और मैं उस सौभाग्यपूर्ण खोज का श्रेय तुम्हें देता हूँ।'

'मुझे?'

'हाँ! तुम्हें याद है तुमने मुझे बताया था कि जब मैं मैंटलपीस पर रखी चीज़ों को ठीक से रख रहा था तो मेरा हाथ काँप उठा था?'

'हाँ, पर मुझे यह पता नहीं—'

'नहीं, पर मुझे पता था। तुम जानते हो, दोस्त, मुझे याद था कि जब हम पहले वहाँ साथ-साथ गये थे, तब मैंने वहाँ की सब चीज़ें ठीक करके रखी थीं। जब वे पहले ही ठीक कर दी थीं, तो जब तक किसी ने इस बीच उन्हें छुआ न होता तो दोबारा ठीक करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती।'

मैं बुदबुदाया, 'तो तुम्हारे अजीब व्यवहार की यह वजह थी। तुम भागते हुए स्टाईल्स लौटे, और वह तुम्हें वहीं मिल गया?'

'हाँ, और यह दौड़ समय के लिए थी।'

'पर मैं अब भी नहीं समझा इंगलथोर्प ने उसे वहाँ छोड़ने की बेवकूफ़ी क्यों की, जबकि उसके पास उसे मिटाने के बहुतेरे मौके थे।'

'आह, पर मैंने ध्यान रखा कि उसे मौक़ा नहीं मिले।'

'तुमने?'

'तुम्हें याद है कि इस विषय पर घरवालों से बात करने पर उसने मुझे डाँटा था?'

'हाँ।'

'दोस्त, मैंने देखा कि उसके पास सिर्फ़ एक मौक़ा हो सकता था। तब तक मुझे पक्का विश्वास नहीं था कि इंगलथोर्प अपराधी था या नहीं, पर मैंने ख़ुद से यह तर्क किया कि अगर वह था तो वह काग़ज़ उसके पास नहीं था बल्कि उसने कहीं छिपा रखा होगा। घरवालों की सहानुभूति हासिल करके मैं उसे वह काग़ज़ नष्ट करने से प्रभावपूर्वक रोक सकता था। वह शक़ के दायरे में पहले से ही था, मामले को सबमें फैलाकर मुझे दस अनाड़ी जासूसों की सेवा मिल गयी थी, जो बिना रुके उस पर नज़र रखने वाले थे। वह उनकी निगरानी के बारे में जानने की वजह से दस्तावेज़ को नष्ट करने की हिम्मत नहीं कर सकता था। इसलिए वह घर छोड़ने पर मजबूर हुआ और काग़ज़ को वहीं छोड़ गया।'

'पर मिस हॉवर्ड के पास ज़रूर उसकी मदद के बहुत मौके रहे होंगे।'

'हाँ, पर मिस हॉवर्ड उस काग़ज़ के अस्तित्व के बारे में नहीं जानती थी। अपनी पहले से तय योजना के अनुसार उसने एल्फ्रेड इंगलथोर्प से बात ही नहीं की थी। वे ख़ुद को कट्टर दुश्मन के रूप में दिखाते थे, और जॉन कैवेन्डिश को सज़ा होने तक दोनों में से कोई मिलने का ख़तरा नहीं उठा सकता था। मैंने ज़रूर इस उम्मीद से मि. इंगलथोर्प पर नज़र रखवायी हुई थी कि कभी न कभी वह मुझे अपनी छिपाने वाली जगह तक पहुँचा देगा। पर वह ज़्यादा चालाक था और कोई ख़तरा मोल लेने वाला नहीं था। काग़ज़ अपनी जगह सुरक्षित था, क्योंकि पहले हफ़्ते में किसी ने उधर देखने के बारे में सोचा भी नहीं था, और बाद में देखने की सम्भावना भी नहीं लग रही थी। तुम्हारे उस ख़ुशकिस्मत कथन के न होने पर शायद हम कभी भी न्याय नहीं करवा पाते।'

अब मैं समझा हूँ; पर तुम्हें मिस हॉवर्ड पर पहली बार कब शक़ हुआ?'

'जब मुझे यह पता चला कि जाँच पड़ताल के समय उसका मिसेज़ इंगलथोर्प का पत्र मिलने की बात कहना झूठ था।'

'क्यों, इसमें झूठ बोलने की क्या ज़रूरत थी?'

'तुमने वह पत्र देखा था? क्या तुम्हें उसकी शक्ल-सूरत याद है?'

'हाँ, थोड़ी बहुत।'

'तो तुम्हें याद होगा कि मिसेज़ इंगलथोर्प की लिखावट बहुत ख़ास तरह की थी, वे अपने शब्दों के बीच में काफ़ी बड़ी खाली जगह छोड़ा करती थीं। पर अगर तुम चिट्ठी में ऊपर लिखी तारीख़ को देखो, तो जुलाई, 17 इस लिहाज से काफ़ी अलग लग रहा था। तुम समझे मेरा क्या मतलब है?'

मैंने मान लिया, 'नहीं, मैं नहीं समझा।'

'तुमने नहीं देखा कि पत्र 17 तारीख़ को नहीं बल्कि 7 तारीख़ को लिखा गया था, जो मिस हॉवर्ड के जाने के बाद वाला दिन था। 7 से पहले 1 लिखकर उसे सत्रह बनाया गया था।'

'पर क्यों?'

'बिल्कुल यही सवाल तो मैंने अपने आप से किया था। मिस हॉवर्ड ने 17 तारीख़ के पत्र को न दिखाकर उसकी जगह झूठा पत्र क्यों दिखाया? क्योंकि वह 17 तारीख़ वाला पत्र दिखाना नहीं चाहती थी। फिर प्रश्न उठता है, क्यों? और मेरे दिमाग़ में फ़ौरन एक शक़ आया। तुम्हें मेरी कही हुई यह बात याद होगी कि झूठ बोलने वाले से सावधान रहने में बुद्धिमानी थी।'

मैं गुस्से से बोला, 'फिर भी, इसके बाद तुमने मुझे दो कारण दिये कि क्यों मिस हॉवर्ड यह अपराध नहीं कर सकती थीं।'

जवाब में पॉयरो ने कहा, 'वे काफ़ी अच्छे कारण थे। बहुत लम्बे वक़्त तक वे मुझे उलझन में डालते रहे, जब तक कि मुझे वह महत्वपूर्ण तथ्य याद नहीं आया कि वह और एल्फ्रेड इंगलथोर्प तो रिश्तेदार थे। वह चाहे अकेले अपराध नहीं कर सकती हो, पर इस कारण वह साथ भी नहीं दे सकती थी, यह ज़रूरी नहीं था। इसके अलावा उसकी वह तीव्र नफ़रत! इससे ठीक विपरीत भावना को वह छिपा रही थी। निस्सन्देह एल्फ्रेड के स्टाईल्स आने से बहुत पहले से उनके बीच प्यार का बन्धन था। उन्होंने पहले ही अपने कुचक्र की रचना कर ली थी — कि वह उस रईस, पर कुछ बेवकूफ़ बुढ़िया से शादी करेगा, उससे ऐसी वसीयत बनवा लेगा जिससे उसका सारा पैसा इसके नाम हो जायेगा। फिर चतुराई से सोचे गये इस अपराध के जरिए अपना फायदेमन्द मकसद पूरा कर लेंगे। अगर सब कुछ उनकी

योजना के अनुसार चलता तो शायद ये अब तक इंग्लैंड छोड़कर चले गये होते और अपनी बेचारी शिकार के पैसे पर साथ रहते।'

'ये बहुत धूर्त और बेईमान जोड़ी है। जब तक उसकी तरफ़ शक डाला जाता तब तक वह चुपचाप एक अलग तरह की तैयारी करती रहती। वह मिडिंलघम से सारी जोखिम में डालने वाली चीज़ें लेकर पहुँची। उस पर कोई शक नहीं था। घर में उसके आने जाने पर कोई ध्यान भी नहीं देता। उसने स्ट्रिकनीन और गिलासों को जॉन के कमरे में छिपा दिया। दाढ़ी दुछत्ती में रख दी। वह यह देखती रही कि धीरे-धीरे चीज़ें मिलती जायें।'

मैंने कहा, 'पर मैं समझ नहीं पा रहा कि ये लोग जॉन पर दोष डालने की कोशिश क्यों कर रहे थे? लॉरेंस पर अपराध का जिम्मा डालना इनके लिए ज़्यादा आसान रहता।'

'हाँ, पर, वह सिर्फ़ संयोग की बात है। इत्तफाक से उसके ख़िलाफ़ सारे सबूत सामने आते गये। वास्तव में यह दोनों षड्यन्त्रकारियों के लिए बड़ा चिढ़ाने वाला रहा होगा।'

मैं सोचते हुए बोला, 'उसका व्यवहार बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।'

'हाँ। तुम ज़रूर समझ गये होगे, कि इसके पीछे क्या था?'

'नहीं।'

'तुम यह नहीं समझे थे कि उसे लग रहा था मिस सिंथिया ने यह अपराध किया था?'

'नहीं', मैं आश्चर्य से चिल्ला उठा। 'असम्भव!'

'बिल्कुल नहीं। मुझे ख़ुद लगभग यही लगा था। जब मैंने मि. वेल्स से वसीयत के बारे में पहला प्रश्न पूछा था, तब मेरे दिमाग़ में यही था। फिर वो ब्रोमाइड पाउडर की पुड़िया जो उसने बनायी थीं, और डॉरकस का हमें बताना कि उसने कितनी चतुरायी से पुरुष वेश धारण किया था। दरअसल, बाकी सबसे ज़्यादा सबूत उसके ख़िलाफ़ थे।'

'पॉयरो, तुम मज़ाक कर रहे हो।'

'नहीं। क्या तुम्हें बताऊँ, उस भयानक रात को जब लॉरेंस पहले माँ के कमरे में घुसा तो किस वजह से उसका रंग पीला पड़ गया था? वह इसलिए क्योंकि ज़हर दिये जाने के बाद जब उसकी माँ वहाँ पड़ी थी, तब तुम्हारे कंधे के ऊपर से उसने देखा था कि मिस सिंथिया के कमरे के दरवाज़े की सिटकिनी खुली थी।'

मैं ज़ोर से बोला 'पर उसने तो कहा था कि उसने सिटकिनी बन्द देखी थी?'

पॉयरो रुखाई से बोला, 'बिल्कुल, और सिर्फ़ इसी वजह से मेरा शक़ पक्का हुआ कि वैसा नहीं था। वह मिस सिंथिया को बचा रहा था।'

'पर वह उसे क्यों बचा रहा था?'

'क्योंकि वह उससे प्यार करता है।'

मैं हँस पड़ा। 'पॉयरो, यहाँ तुम बिल्कुल ग़लत हो। मैं यह बात अच्छी तरह जानता हूँ कि प्यार करना तो दूर, वह उसे पूरी तरह नापसन्द करता है।'

'तुम्हें यह किसने बताया?'

'ख़ुद सिंथिया ने।'

'और उसे यह बात परेशान कर रही थी?'

'वह कह तो यह रही थी कि उसे बिल्कुल बुरा नहीं लगा था।'

पॉयरो ने कहा, 'फिर तो उसे ज़रूर बहुत बुरा लग रहा था।'

'ये लड़कियाँ — ऐसी ही होती हैं।'

मैं बोला, 'तुमने लॉरेंस के बारे में जो कहा, वह मेरे लिए बहुत बड़ा आश्चर्य है।'

'पर क्यों? वह तो बेहद स्पष्ट था। जितनी बार मिस सिंथिया उसके भाई से बातें करती या हँसती थी, क्या तुमने उतनी ही बार लॉरेंस को बुरा मुँह बनाते हुए नहीं देखा था? उसके बड़े सिर में यह भर गया था कि मिस सिंथिया, मि. जॉन से प्यार करती थी। जब वह अपनी माँ के कमरे में घुसा और साफ़ देखा कि उन्हें ज़हर दिया गया था तो वह फ़ौरन इस नतीजे पर पहुँच गया कि मिस सिंथिया ज़रूर इस मामले में कुछ जानती थी। वह बेहद परेशान हो गया। पहले उसने कॉफ़ी के प्याले को अपने पैरों से कुचल दिया क्योंकि उसे यह याद आया कि वह पिछली रात को उसकी माँ के साथ ऊपर गयी थी। उसने तय किया कि प्याले की बची हुई सामग्री के परीक्षण का मौक़ा न बचे। उसके बाद से वह ज़ोर देकर बेकार में एक ही बात कहता रहा, 'मृत्यु प्राकृतिक कारणों से हुई है।'

'और फालतू कॉफ़ी के प्याले की क्या बात थी?'

'मैं काफ़ी हद तक निश्चित था कि मिसेज़ कैवेन्डिश ने उसे छिपाया था, पर मुझे पूरी तरह विश्वस्त होना था। मि. लॉरेंस बिल्कुल नहीं जानता था कि मेरा क्या मतलब था, पर सोचकर वह इस नतीजे पर पहुँचा कि अगर उसे कहीं से एक फालतू प्याला मिल गया तो जिसे वह प्यार करता था वह शक़ के दायरे से बाहर हो जायेगी। और वह बिल्कुल सही था।'

'एक बात और। मिसेज़ इंगलथोर्प ने मरते वक़्त जो कहा उससे क्या मतलब था?'

'वे अपने पति पर दोष लगा रही थी।'

मैंने ठण्डी सांस खींचते हुए कहा, 'पॉयरो, मेरे ख़्याल से तुमने सब कुछ स्पष्ट कर दिया है। मैं ख़ुश हूँ कि सब कुछ उचित ढंग से ख़त्म हो गया। यहाँ तक कि जॉन और उसकी पत्नी में सुलह हो गयी है।'

'मुझे धन्यवाद दो।'

'क्या मतलब — तुम्हें धन्यवाद दूँ?'

'मेरे दोस्त, तुम जानते हो कि सिर्फ़ यह मुकदमा ही उन्हें पूरी तरह साथ लाया है? जॉन कैवेन्डिश अब भी अपनी पत्नी से प्यार करता है और मैं यह पूरी तरह मानता था। यह भी कि वह भी उसे उतना ही प्यार करती थी। पर उन दोनों के बीच काफ़ी दूरी आ गयी थी। वह सिर्फ़ एक ग़लतफ़हमी के कारण हुआ था। मेरी ने बिना प्यार के शादी की थी, और जॉन यह जानता था। वह अपने ढंग से संवेदनशील आदमी है; अगर वह नहीं चाहती तो जॉन जबरदस्ती ख़ुद को उस पर लादना नहीं चाहता था। जैसे ही वह ख़ुद को दूर करने लगा, मेरी में उसके प्रति प्यार जाग उठा, पर दोनों अस्वाभाविक रूप से अभिमान होने के कारण निष्ठुरता से दूर जाते गये। जॉन मिसेज़ रैक्स के साथ जुड़ने लगा और मेरी ने जानबूझकर डॉ. बॉयरस्टीन से दोस्ती जोड़ ली। क्या तुम्हें जॉन की गिरफ़्तारी का दिन याद है? जब तुमने मुझे एक बड़े निर्णय के बारे में सोचते हुए देखा था?'

'हाँ, मैं तुम्हारी परेशानी समझ गया था।'

'माफ़ करना दोस्त, तुम ज़रा भी नहीं समझे थे। मैं यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि जॉन कैवेन्डिश को फ़ौरन छुड़वाऊँ या नहीं — हालाँकि इसका यह मतलब हो सकता था कि असली गुनहगारों को सज़ा दिलवाने में मैं असफल हो जाता। वे आख़िरी पल तक मेरी असली सोच के बारे में पूरी तरह अँधेरे में थे — किसी हद तक उसी से मुझे सफलता मिली है।'

'तुम्हारा मतलब है कि तुम जॉन कैवेन्डिश को मुक़दमे में लाये जाने से बचा सकते थे?'

'हाँ, मेरे दोस्त। पर अन्ततः मैंने 'एक औरत की ख़ुशी' के पक्ष में निर्णय लिया था। जिस बड़े ख़तरे से वे गुजरे उसके अलावा कुछ भी उन दो गर्वीली आत्माओं को फिर से साथ नहीं ला सकता था।'

मैं मौन आश्चर्य से पॉयरो को देखता रह गया। इस छोटे-से आदमी की हिम्मत देखो। इस धरती पर पॉयरो के अलावा कौन होगा, जो दाम्पत्य खुशी फिर से लाने के लिए हत्या के मुक़दमे के बारे में सोच सकता हो?

पॉयरो मुझे देखकर मुस्कराते हुए बोला, 'दोस्त, मैं तुम्हारे विचारों को समझ सकता हूँ। हरक्यूल पॉयरो के अलावा कौन ऐसा करने की कोशिश कर सकता था। इसकी निन्दा करना तुम्हारी ग़लती होगी। दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ एक आदमी और औरत की खुशी है।'

उसके शब्दों से मुझे पहली घटनाएँ याद आ गयीं। मुझे याद आया, कैसे मेरी बिल्कुल सफ़ेद और बेहद थकी हुई सोफ़े पर पड़ी आवाज़ सुनने की कोशिश कर रही थी। नीचे से घण्टी की आवाज़ आयी। वह एकदम चौंक उठी थी। पॉयरो ने दरवाज़ा खोला था, उसकी दुखी आँखों में देखते हुए, सिर हिलाकर, नरमाई से बोला था, 'हाँ मैडम, मैं उसे तुम्हारे पास लौटा लाया हूँ।' वह एक तरफ़ खड़ा हो गया, बाहर जाते वक़्त जब जॉन कैवेन्डिश ने अपनी पत्नी को आलिंगन में बाँधा, तब मैंने मेरी की आँखों में देखा।

मैंने कोमलता से कहा, 'शायद तुम ठीक थे, पॉयरो। हाँ, यह दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ है।'

अचानक दरवाज़े पर खटखट हुई, और सिंथिया ने अन्दर झाँका।

'मैं — मैं — सिर्फ़—'

मैंने उछल कर खड़े होते हुए कहा, 'अन्दर आ जाओ।'

वह अन्दर आ गयी, पर बैठी नहीं। 'मैं सिर्फ़ तुम्हें कुछ बताना चाहती थी—'

'हाँ?'

सिंथिया कुछ पल एक छोटे से फुँदने को तोड़ती मरोड़ती रही, फिर अचानक चिल्ला पड़ी, 'तुम लोग बड़े प्यारे हो!' पहले मुझे फिर पॉयरो को एक-एक चुम्बन दिया, और कमरे से बाहर भाग गयी।

मैं चकित होकर बोला, 'इसका क्या मतलब हुआ?'

सिंथिया का चुम्बन देना बहुत अच्छा लगा, पर आदर व्यक्त करने के लिए किया गया प्रदर्शन खुशी को कम कर गया।

पॉयरो ने दार्शनिकता से जवाब दिया, 'इसका यह मतलब हुआ कि लॉरेंस की नफ़रत के बारे में वह जो सोचती थी वैसा नहीं था, और यह बात वह जान गयी है।'

'पर'—

'वह आ गया।'

उसी वक़्त लॉरेंस दरवाज़े के बाहर से निकला।

पॉयरो ने आवाज़ दी, 'ए! मि. लॉरेंस, हमें तुमको बधाई देनी चाहिए, ठीक है न?'

लॉरेंस शरमा गया, और फिर अजीब से ढंग से मुस्कराया। प्यार में पड़ा आदमी एक तमाशा होता है। सिंथिया बहुत प्यारी लग रही थी।

मैंने ठण्डी सांस भरी।

'क्या हुआ दोस्त?'

मैं उदास होकर बोला, 'कुछ नहीं। ये दोनों बड़ी प्यारी औरतें हैं।'

पॉयरो ने बात ख़त्म करते हुए कहा, 'दोनों में से कोई भी तुम्हारे लिए नहीं है। कुछ मत सोचो। दोस्त, ख़ुद को सान्त्वना दो। हो सकता है हम दोबारा साथ में तलाश करें। कौन जाने?'

द मिस्टिरियस अफ़ेयर ऐट स्टाईल्स

अगाथा क्रिस्टी दुनिया भर में अपराध-कथाओं की साम्राज्ञी के रूप में जानी जाती हैं। अंग्रेज़ी में उनकी पुस्तकों की बिक्री अरबों में हुई है, और उतनी ही बड़ी संख्या में अन्य भाषाओं में। वे अभी तक किसी भी भाषा में लिखने वाले लेखकों में से सर्वाधिक छपी हैं, केवल 'बाइबल' और शेक्सपियर को छोड़कर। उन्होंने अपराध पर आधारित 80 उपन्यास और कहानी-संग्रह रचे हैं, तथा 19 नाटक और 6 उपन्यास मेरी वेस्टमेकॉट के नाम से लिखे हैं।

अगाथा क्रिस्टी का पहला उपन्यास 'द मिस्टीरियस अफ़ेयर ऐट स्टाइल्ज़' लगभग प्रथम विश्वयुद्ध के अन्त में लिखा गया जिसमें उन्होंने एक वी.ए.डी. की हैसियत से काम किया था। इस उपन्यास में उन्होंने हरक्यूल पॉयरो की रचना की, एक बेल्जियन जासूस, जो शरलॉक होम्स के बाद अपराध-कथाओं का सबसे लोकप्रिय जासूस होने वाला था। इस उपन्यास को द बॉडले हेड ने 1920 में प्रकाशित किया।

उसके बाद तकरीबन हर वर्ष एक पुस्तक लिखने के बाद अगाथा क्रिस्टी ने अपने श्रेष्ठ उपन्यास की रचना की। 'द मर्डर ऑफ रॉबर्ट एकरॉयड' उनकी पहली कृति थी ज़िसको कॉलिन्स ने प्रकाशित किया, और लेखक-प्रकाशक के ऐसे रिश्ते की शुरुआत हुई जो 50 वर्षों और 70 पुस्तकों तक चला। यह अगाथा क्रिस्टी का पहला उपन्यास था जिसका 'एलिबाई' शीर्षक से नाट्य-रूपान्तरण भी किया गया और जो लन्दन स्थित 'वेस्ट एंड' में सफलतापूर्वक चला। उनके सर्वाधिक लोकप्रिय नाटक 'द माउसट्रैप', का मंचन 1952 में हुआ, और वह नाटक-इतिहास में सबसे लम्बे समय तक चलने वाला नाटक माना जाता है।

अगाथा क्रिस्टी को वर्ष 1971 में 'डेम' की उपाधि प्रदान की गयी। वर्ष 1976 में उनका निधन हो गया, तब से लेकर आज तक उनकी कई पुस्तकों का मरणोपरान्त प्रकाशन हुआ है : सब से अधिक बिकने वाला उपन्यास 'स्लीपिंग मर्डर' उसी वर्ष बाद में छपा, उसके बाद उनकी आत्मकथा तथा कहानी संग्रह 'मिस मार्पल'स फ़ाइनल केसिज़,' 'प्रॉबिलम ऐट पोलेंसा बे' और 'व्हाइल द लाइट लास्ट्स'। 1988 में पहली बार उनके एक नाटक 'ब्लैक कॉफी' को एक अन्य लेखक चार्ल्स ऑसबोर्न ने उपन्यास का रूप दिया।